

१५  
२८

अथ

१५  
२८

२२७७

ग्रन्थनामः-

“सार संग्रहः”

कर्तृनामः-

Sara Sangraha

१.

विषयः-

वैद्यशास्त्रम्

(हिन्दीभाषात्मकम्)

२२७७

(४०)



९५  
२८

अथ

९५  
२८

सारसङ्ग्रहः

✓ हिन्दी भाषा (ब्रज)

LL-२२

आयुर्वेद सारसङ्ग्रह

✓



सार सं०  
१

**अथ सार संग्रह लिख्यते गुणान्तरात्** तत्र नाडी परीक्षा हाथके अंगुष्ठा के मूल में नसे देवते जीव को उद्य सुषजाने आ  
दिमै पित्त मध्यमै कफ अंतमै वात वात पित्त कफ तीन भेद है जो वात को कोप होइ तो नाडी सर्प की गोब की चाल होत है पित्त के कोप ते नाडी ऊ  
लिङ्ग का कर्मै दशै रन की चाल होत है श्लेष्मा के कोप ते नाडी हंस परे बा की चाल होत है लवा तीर की चाल होत है सेनि पत जानिये कवइ स  
र्प की गति होर कवइ मैदरे की गति होर तो वात पित्त जानिये सर्प की अस्तं स की चाल होर तो वात श्लेष्मा जानिये कदाचित् मंद नाडी चले अरु कदा  
चित् उता रली चले तो दोष को कोप जानिये असाध्य है पवन को स्थान छूट जात है तब असी नाडी होत है स्थिर स्थिर चले तो असाध्य अत्यंत स्थि  
रा अरु बहुत शीतल नाडी होर तो असाध्य ज्वर के कोप ते नाडी उल अरु उता रली होत है काम ते कोप ते नाडी उता रली चलत है धिंतमै नाडी क्षीरा ३  
होत है भयमै क्षीरा होत है मंदाग्नि धातु क्षीरा ते नाडी मंद होत है रक्त विकारमै नाडी उल होत है गरुवाई की नाडी गरुई होत है अजीर्णमै अ  
उविकारमै अग्नि दीप्ति होइ तो नाडी लघु हल की चलत है तथा वेगवती होइ सुधी होइ तो नाडी अस्थिर होइ तथा वलवान होइ सुधा की नाडी  
चलत होत है तृप्तिमै नाडी स्थिर होत है नृत्त ही स्नान करत नृत्त भोजन ते तेल लगाएत पानी मफि आएत सुधा वंत होइ चषा वंत होइ सोर के  
उदो होइ रनने की नाडी हाल न देव अरु जो नाडी देव तो भेदन मिले ॥ इति नाडी परीक्षा ॥ अथ कालज्ञानात् ॥ साध्या साध्य लक्षणा ॥ तत्र स्वर लक्षणा  
श्लेष्मा ते स्वर हीन होत है पित्त ते स्फुट होत है मध्य स्वर वात ते होत है ॥ अथ गति लक्षणा ॥ पित्त की गति उता रली है वात की गति मंद है कफ की गति स्थि  
र है अथ स्तल लक्षणा पित्त को रोगी उल होत है वात को रोगी शीतल होत है कफ को रोगी जै सो भी जो होर तो सो होत है अथ साध्य लक्षणा जा की  
दृष्टि सो म्प होइ वात सुने अरु कहै अरु गुण शान्ति होइ सो साध्य जानिये जो के हाथ पाउ उल होइ दाह न होइ जीभ को मल होइ सो साध्य जा को नी  
ह आवै सो ष्य होइ सरीर हल को होइ रं दी प्रसन्न होइ सो साध्य पसीना न होइ नाक की राह स्वासा आवै कंठ मै कफ न होइ सो साध्य चैतन्य होइ रं

रा०  
१

ध स्वाद जानै कंठ साफ होइ सो साध्य औषद सो पीति वैद सो पीति स्त्री सो पीति सो साध्य अथ असाध्य लक्षणा वात पित्त के घर जाइ पित्त कफ के घर  
जाइ कफ कंठ मै होइ तो असाध्य राविके दाह होइ दिन के शीत होइ कफ कंठ मै होइ ता की मृत्यु होइ अन्य स्वर हीन होइ गुदा भृष्ट होइ कास स्वास हो  
इति च की शोष कुक्षि पीडा होइ सो असाध्य अन्य हृदय शीतल होइ नाक शीतल होइ हाथ पाउ शीतल होइ सिर तातो होइ सो असाध्य अन्य  
जा के पाउ शीतल होइ नाभि शीतल होइ सिर तपै सो असाध्य जा की स्वास अग्नि सो होइ अथ वा शीतल होइ अरु महा दाह होइ सो असाध्य अन्य  
अंग के प गति भंग गेध स्वादन जानै सो असाध्य अन्य जा के सिर मै पसीना आवै गुण सै स्वासा षो डेजेर की नाडी अत्यंत वैह सो असाध्य अन्य  
जा की जीभ का री होइ मुख च्युरा होइ असेल क्षरा होइ सो असाध्य अन्य जा की नाभि मै पीडा होइ वात करिके आहार वधर है आहार ह  
ृदय विषै रहै ता की एक वर्ष मै मृत्यु होइ अन्य सो भा प्रजा परहित होइ कष्ट शक्ति न होइ कोध मै वचन कहै सो छै मलीना मै मरे ॥ अन्य वर्ण हीन  
होइ काम हीन होइ स्वर हीन होइ सो तीन महीना मै मरे अन्य असक्त पांडु वर्ण होइ स्वास बहुत होइ नित्य नित्य वलहानि होइ जाइ सो एक मही  
ना मै मरत है इति असाध्य लक्षणा अथ विदोष मार्गौष माघ अघात या वन भादौ वात को राज होत है अस्वन कार्तिक वैसाख जेष्ठ पित्त को  
राज होत है फगुन चैत्र कफ को राज होत है अथ ज्वराणां लक्षणा माह तत्र वात ज्वर लक्षणा पसीना न आवै सेताप सर्व अंग गहिर है कंप वेग  
मुख मधुर सुखी घांसी नीदन आवै प्रलाप शिर पीडा देह पीडा हृदय मै पीडा सूल आध्मान तृष्णा आषे लाल मूत्र लाल रोम हर्ष सात  
दिन तरुणा ज्वर है औषदन करै उपरांत औषद करै इति वात ज्वर अथ पित्त ज्वर लक्षणा तीक्ष्ण वेग अतीसार कंठ नाक मुख आठ पके  
पसीना आवै छिदि होइ नीदन आवै दाह भूर्ण प्रलाप आवै पीरी मूत्र पीरी भूम पित्त ज्वर दस दिन लौ तरुण रहत है पाछे औषद करै पित्त वाले को



सार सं०  
२

को रे ६

लंघननकरावै अथकफज्वरलक्षणा नीद अधिक मुखमधुरगन्धितारोमहर्षकासस्वासप्रसेकवमनअरुचिअलसतातेपररक्षणा होरतंदाभूतसे  
तथावैसेतमलेसेतछर्दिकेडुमंदाग्निशीतता कफकेज्वरकौवारहदिनओषदनकरै रतिकफज्वर अथवातपित्तज्वरलक्षणा मूर्च्छादाहनि  
दानाशशिरपीडातस्माजमुहार्आवैसंधिपीडाअरुचिरोमहर्षकंठशेषछर्दिस्वास वातपित्तज्वरकौपाचदिनओषदनकरै रतिकवातपित्तज्व  
र अथपित्तश्लेष्मज्वरलक्षणा तंदा मोहकासतस्मा मुखकरुवोहोअरुचिसंभदाहहोअरुकेठलेगे पित्तकफकेज्वरकौसातदिनओष  
दनदीजे ॥अथवातकफज्वरलक्षणा॥ अंगनिहचलसंधिपीडाकासप्रतिस्पायशिरपीडावेगमध्यमहोअत्यंतनिद्रापसीनानआवैज्वरहो  
र सातदिनओषदनदीजे ॥रतिवातकफज्वर॥ अथसंनिपातज्वरलक्षणा॥ छनमेजाडौलेगेछनमेदाहहोअशिरपीडातेवलालभरिभरिआ  
वैकरणादाहकरापीडामुखकंठकंठामोहपलायकासस्वासअरुचिजीभषरषरीजेरसमानहोअंगशिथिल कफरक्तमुखतैगिरेकंठमेशी  
कुरसेलगेदोतपिराअठकारेहोअ नकमुखकंठपकिजाअमुखतैगंधहोअनिदानासतस्माहृदयमेपीडापशीनाथोरोमूत्रकुछमूत्रोधहा  
थकंपमूडपटकेकंठघरघरायदेहमेदोरोलालहोरकानपकेजाडौलेगेसवदिनसोवैसवरातिजगेअसरातदिननीदनआवै हसैगावैनावैअ  
नेकलक्षणासंनिपातज्वरकेहोअतोअसाध्योरेलक्षणाहोअतोसाध्य ॥रतिसंनिपातज्वर॥ अथत्रयोदशसंनिपातकेलक्षणा॥ संधिग  
अंतक रग्दाह चित्तभ्रम शीतांग तेदिक कंठकुज कर्णिक भुगनेत्र रक्तषीवी पलायक जिह्वक अभिन्यास १२ संधिगजातदिनरततहै  
अंतकादेशदिन रग्दाहवीसदिनरततहै चित्तभ्रमदिन११शीतांगीदिनयंडा तंदिकदिनपचीस कंठकुजदिन१३कर्णिकीनमहिना भुगनेत्रदि  
न२रक्तषीवीदिन१०पलायकदिन१४जिह्वकदिन१६अभिन्यासदिन२५ ॥अथसंधिग॥ सूत शोफजठरवियेगारिषताअंगशिथिलसंधिविषपी  
डावलहानिवातकफकौकोयनिद्राशिरसूल ॥रतिलक्षणा॥ तत्रपउपचार वारसुरही हरर गुरिच कठसेस्वा मोथा सतावर सौठि देवदारु

संधिपी  
३६

रा०  
२

कुटकी कबूर रुसो चिताउर दसमूल दोऊवलारे दोऊकराई गुरुपुरु सौना पाउर वेल घुमारे ररनी एदसमूलकहावैसवकीजरलेअ मात्रास  
मलेअअष्टावसेषकाथकरिदेअसंधिगसंनिपातइरिहोअ वारसुरही देवदारु कबूर विधारे सौठ गुरिच विफला सतावर मात्रासमअष्टा  
वरोषकाथकरिगुग्गुलसंयुक्तदेअसंधिगसंनिपातइरिहोअ अथअंतक दाहहोअ कंठ अत्यंतउष्णअंगमूडकपै कास हिचकी स्वासमोह अं  
तकअसाध्य अथरग्दाह पलाय परिताप भ्रमकंपमंदाग्निकंठग्रहहनुग्रहस्वासकासशूलव्याकुलतातस्मा तस्यचिकित्सा हररपित्तपापरो क  
डकी देवदारु किरवारो दाष मोथा मात्रासमअष्टावसेषकाथकरिदेअमहाज्वररग्दाहसंनिपातइरिहोअ अथचित्तभ्रम भ्रममद परिताप  
मोह विकल नेत्रविकल हसैगावैनावैपलायस्वासवदत रतनेसर्वलक्षणाहोअतोअसाध्य थोरेहोअतोविकित्साकरै वस्त्री वच सातउर वि  
फला कुटकी वरियारी किरवारो चिरारतो नीमकीछाल मोथा जुरेया दाष दशमूल समलेअअष्टावसेषकाथकरिदेअचित्तभ्रमसंनिपा  
तजाअरग्दाहजाअ अथशीतांग सरीरशीतल कंठरिचकी अंगशैथिल स्वरक्षीन कासछर्दिपसीनाआवै शीतांगीअसाध्य अथ  
तंदिक तंदिककेलक्षणा तेडाज्वर वेगलक्ष्माजीभषरषरीस्वासअतीसारवमनहोअदाहकरापीडा तस्योपचार भारंगी गुरिच मोथा  
कटाई हरर पुहकरमूल सौठमात्रासमकाथकरिदेअदिनउतंदिकसंनिपातजाअ अथकंठकुज शिरपीडा दाह हनुग्रह सेताप मूर्च्छा  
गलरोधपाकपीडावातपलायहोअ ताकीचिकित्सा काकराथंगी चिताउर हरर रुसो कबूर चिरारतो भारंगी हरद कटाई पुहकर  
मूल मोथा कुरो रंइजो कुटकी मरिच समलेअकाथकरिदेअ दाहपमेहअरुचिस्वासआध्मानगलग्रहमंदाग्निकासआध्मानगलग्रहमं  
दाग्निकाससर्वजाअकंठकुजसंनिपातइरिहोअ अथकर्णिक कंठग्रहशरीरपीडा सेताप कासस्वास पसीनासूल सौफवदत कर्ण  
मूलहोअ ताकीचिकित्सा वारसुरही असगंध मोथा काटईभरंगी वच पुहकरमूल कुटकी मात्रासमकाथकरि कंकराथंगी



सारसं०  
३

हरसंयुक्तदेहकर्णिकसंनिपातजाइ अरु कर्णामूलजै है तिन कौले यलगावै अजुगौ चैलगावै हरददगुवाकी विजि सैधौ नौन देवदा  
र कूच दाह हरद रदोरन कीजर आकके इध सैलेय करै कर्णामूलजार अथ भुगनेन ज्वर मोह स्वासेने भुगन भुमकं पलाप तस्योपचा  
र दाह हरद परवर केपान मोया कटाई कटुकी हरद नीम विप्ला समलेर काय करि भुगनेन संनिपात हरिहोर अथ रक्तखीवी तन्मा मोह स्वास  
सूलधमवमन होइ मद आध्मान संज्ञाना सरत्त भावदाह हिच की अती सार तस्योपचार मोया पदमाय पित्तपायौ वेदन जोढे वारौ सतवर चमेली के  
पात नीम की घालि मावा समकाय करि मधु के जोग सै देर मुख ते रक्त गिरत होइ सो हरिहोर रक्तखीवी संनिपात जाइ इव फानी मैवा टिंदर माके फूल कोर सएक  
व करि ना सुदेर मुख रक्त रंति होइ अन्य विप्ला इव एक पानी मैवा टिना सुदेर मुख रक्त हरिहोर रति रक्तखीवी संनिपात अथ पलाप के कंफ पला  
प अंगता तो होइ दाह ज्वर अधिक वेग होइ संज्ञाना संग विकल तस्योपचार मोया वारौ दशमूल सौठ पित्तपायौ वेदन धवा की घालि रूसौ मावा सम  
लेर काय करि देर पलापक संनिपात हरिहोर अथ जिह्वक स्वासका सपरिताप विवृल जीभ मै कंठ मै कंठे से फोरा होइ भूकता वधिरता वलकी सय होइ तस्यो  
पचार वच कटाई जवासौ वार सुरही गुरिच मोया सौठ कटुकी काकरा अंगी पुहकर मूल वसी भारंगी चिरारतौ रूसौ कचूर समलेर अष्टावसेष काय करि  
देर जिह्वक संनिपात हरिहोर अथ अभिन्यास नीह वृद्ध स्वासमल कौकोय सरीर अवेत विकल होइ अभिन्यास असाध्य अन्य उपचार कटुकी पित्तपाप  
रौ पुहकर मूल गुरिच आयमान कटाई वार सुरही चिरारतौ कचूर सौठ हरर भारंगी जवासौ समलेर अष्टावसेष काय करि देर विदोष तन्मा भुम स्वास दाह  
अरु बिगले रोधकास सर्व हरिहोर अथान्य भारंगी वार सुरही परवर केपान देवदार हरद सौठ मरिच पीपर रूसौ रदोरन वसी चिरारतौ नीम वारौ कटु  
की वच पाउर सौनो हरद वडी कटाई गुरिच निसोत हवुषा पुहकर मूल आयमान मोया जवासौ कुरौ विप्ला कचूर मावा समलेर काय करि देर कास गलरो  
ग स्वास हिच की अंग संधि मूल आध्मान सर्व संनिपात हरिहोर अथान्य आक कीजर सौठ मरिच पीपर चित्ताउर बवं देवदार मुहज नौ चिरारतौ घम

दाह

राम  
३

रा अतीस वार सुरही जवासौ कटुकी निर्गुंडी वच रानी मावा समकाय करि देर सर्व संनिपात हरिहोर सीत स्वास सूतिका वात रोग जाइ अन्य लहसन पीपरि  
मरिच वच सौना के बीजा सैधौ जोग मूत्र सै पीसि कैनेन अजुन करै सर्व संनिपात जाइ रतिचयो दशविधि संनिपात अथ क्षयी रोग के लक्षण अतिकफ है अति  
संभोग तै उषित दुर्बल सरीर होइ कास स्वास की महा पीडा होइ मुख ते रक्त उगलै मेदाग्नि जु खानेन वसयेत वचन विस्तर सो क्षयी रोग कहावै अथ रक्त पित्त तीक्ष्ण  
रा कटु वारौ खटाई इन रसन तै पित्त जरत है सो पित्त रक्त कौजर वत है तव गुदा की राह मुख की राह नाक की राह रक्त वार वार गिरत है तौ सौरक्त पित्त कहत है अथ का  
स घोसी प्राण वायु हृदय मै है सो कोय करि कै कंठ मै उदान वायु मै मिलि जात है कंठ नाभि हृदय कौषे चत है तव कास अधिक होत है अथ गुल्म हृदय के नाभिके वी  
च गाठि परि जाइ पीडा होइ रक्त दोष तै पाच प्रकार होत है सो गुल्म कहावै अथ गलगंड मास सो थकंठ मै भरा सौ लटके थो दो होइ अथ वावडो होइ सो गलगंड  
कहावै अथ गंडमाला वेर से आवरे से गाठे वृद्ध होइ कंठ मै कांघे मै कटि मै सो गंडमाला कहावै अथ श्लीषद कफ सै मेदा तै सो थ होइ पाउ मै हाथ मै का  
न मै आष मै सो सव श्लीषद कहावै अथ भगंदर गुदा के अरु आंड के वीच मै फोरा परै अरु पकि कै फटि जाइ पीडा होइ सो भगंदर कहावै अथ उपदंस फिरींग हा  
थ के लगे हात के लगे नख के लगे जो निदोष तै अरु विनधोयै पाच प्रकार फिरींग लिंगे होत है अथ प्रदर अति असवारी तै अति मैथुन तै अति राह चलेतै  
स्त्री की भगौ रक्त प्रवाह होइ सो प्रदर कहावै अथ नेत्र परीक्षा तव वात नेत्र परीक्षा धूस वरन रूस कंडू पीडा होइ परल फूले होइ सो वात जानियै अथ पित्त नेत्र  
परिक्षा पीत वरन नील वरन निमिर होइ नेत्र दाह होइ सो पित्त अथ कफ नेत्र परीक्षा स्वेत वरन होइ पुजाइ सो कफ अथ वात पित्त नेत्र परीक्षा रक्त नील वरन  
रूस धूस वरन होइ सो वात पित्त अथ कफ वात नेत्र विवृल कमल के आकार रूस धूस वरन सो वात कफ अथ कफ पित्त पीत वरन रक्त वरन विवृल कमल वत्  
सो कफ पित्त अथ विदोष नेत्र परीक्षा अति आब होइ आष के कोये लाल विस्फुम वरन तं दामा रूस अरु रासे विदोष दकटक चितै रहे पलकन लगे र  
दुभयानक होइ सो असाध्य गति हीन गंडे जाइ स्वास वरन होइ सो असाध्य अति रोइ भयानक लाल रूषे वार कौ कोप वरै संनिपात के नेत्र असाध्य न देवेन सुनेन को

रक्त वरन



सारसं०  
३

हरसंयुक्तदेहकर्णिकसंनिपातजाइ अरुकरासूलजेहैतिनकौलेयलगावै अजुगौचैलगावै हरददगुवाकीविजी सैधौनौन देवदा  
रकूच दाहहरद रदोरनकीजर आककेइधसैलेयकरैकरासूलजार अथभुगनेन ज्वरमोहस्वासेनेभुगनभूमकंपपलाप तस्योपचा  
रदाहरद परवरकेपान मोथा कटाई कटुकी हरदनीम विप्रला समलेरकायकरिभुगनेनसंनिपातहरिहोर अथरक्तखीवी त्रिभाभोहस्वास  
सूलभमवमनहोमद आध्मानसंज्ञानासरक्तभावदाहदिवकीअतीसार तस्योपचार मोथा यदभाष पित्तपापौ वेदन जोठे वारो सतवर चमेलीके  
पान नीमकीछालि मावासमकायकरिमधुकेजोगसैदेर मुखतेरक्तगिरनहोर सोहरिहोर रक्तखीवीसंनिपातजार इवफानीमैवाटिदेरमाकेफूलकोरसएक  
वकरिनामुदेरमुखरक्तशंतिहोर अन्य विप्रला इव एकवपानीमैवाटिनामुदेरमुखरक्तहरिहोर रतिरक्तखीवीसंनिपात अथप्रलापक केप पला  
प अंगतातोहोर दाहज्वर अधिकवेगहोर संज्ञानास अंगविकल तस्योपचार मोथा वारो दशमूल सौठ पित्तपापौ वेदन धवाकीछालि रूसौ मावासम  
लेरकायकरिदेरपलापकसंनिपातहरिहोर अथजिह्वक स्वासकासपरितापविह्वलजीभमैकंठमैकंठेसेफोराहोर भूकतावधिरतावतकीसयहोर तस्यो  
पचार वच कटाई जवासौ वारसुरही गुरिच मोथा सौठ कटुकी काकराअंगी पुहकरमूल वसी भारंगी चिरारतौ रूसौ कचूर समलेर अष्टावसेषकायकरि  
देरजिह्वकसंनिपातहरिहोर अथअभिन्यास नीहवृक्ष स्वासमलकौकोय सरीरअधेतविकलहोर अभिन्यासअसाध्य अन्यउपचार कटुकीपित्तपाप  
सौ पुहकरमूल गुरिच आयमान कटाई वारसुरही चिरारतौ कचूर सौठ हरर भारंगी जवासौ समलेर अष्टावसेषकायकरिदेरविदोषतन्माभमस्वासदाह  
अरविगलेरधकाससर्वहरिहोर अथान्य भारंगी वारसुरही परवरकेपान देवदार हरद सौठ मरिच पीपर रूसौ रदोरन वसी चिरारतौ नीमवारो कटु  
कीवच पाउर सौनोहरद वडीकटाई गुरिच निसोत हवुषा पुहकरमूल आयमान मोथा जवासौ कुरौ विप्रला कचूर मावासमलेरकायकरिदेरकासगलेर  
गस्वासहिचकीअंगसंधिसूलआध्मानसर्वसंनिपातहरिहोर अथान्य आककीजर सौठ मरिच पीपर चित्ताउर चर्व देवदार मुहजने चिरारतौ घम

दास

राम  
३

रा अतीस वारसुरही जवासौ कटुकी निर्गुंडी वच हर नी मावासमकायकरिदेरसर्वसंनिपातहरिहोर सीतस्वाससूतिकावातरोगजार अन्य लहसन पीपरि  
मरिच वच सौनाकेवीजा सैधौजोभूवसैपीसिकैनेअंजनकरैसर्वसंनिपातजार रतिचयो दशविधिसंनिपात अथक्षयीरोगकेलक्षणा अतिकफ्ते अति  
संभोगतैडुधितदुर्वलसरीरहोरकासस्वासकीमहापीडाहोर मुखतेरक्तउगलेमेदाग्निज्वरअथानेवसपेतवचनविस्वरसोस्थीरोगकहावै अथरक्तपित्त तीक्ष्ण  
रा कटुवारोषटाई इनरसनतैपित्तजरतहैसोपित्तरक्तकौजरावतहैतवगुदाकीराहमुखकीराहनाककीराहरक्तवारवारगिरतहैतसौरक्तपित्तकहतहै अथका  
सषोसी प्राणवायु हृदयमेहैसोकोयकरिकैकंठमैउदानवायुमै मिलिजातहैकंठनाभिहृदयकौषेचतहैतवकासअधिकहोतहै अथगुल्म हृदयकेनाभिकेवी  
चगाठिपरिजारपीडाहोररक्तदोषतैपाचपकारहोतहैसोगुल्मकहावै अथगलगंड माससोथकंठमैभटासौलटकैथोदोहोर अथवावडोहोरसोगलगंड  
कहावै अथगंडमाला वेरसेआवरेसेगाठेवृद्धहोरकंठमैकांघमैकटिमैसोगंडमालाकहावै अथश्लीषद कफसेमेदातैसोथहोरपाउमैहाथमैका  
नमैआषमैसोसवश्लीषदकहावै अथभगंदर गुदाकेअरआंडकेवीचमैफोरापरैअरुपकिकैप्रटिजारपीडाहोरसोभगंदरकहावै अथउपदंसफिरंग हा  
थकेलगे हांतकेलगे नखकेलगे जोनिदोषतै अरुविनधोयैपाचपकारफिरंगलिंगमैहोतहै अथप्रदर अतिअसवारीतैअतिमैयुनैअतिराहचलेतै  
स्त्रीकीभगनैरक्तप्रवाहहोरसोप्रदरकहावै अथनेत्रपरीक्षा तववातनेत्रपरीक्षा धूमवरन रूस कंडू पीउहोरपरलफूलेहोरसोवातजानियै अथपित्तनेत्र  
परीक्षा पीतवरनेनीलवरनानिमिरहोरनेत्रदाहहोरसोपित्त अथकफ्तेनेत्रपरीक्षा स्वेतवरनहोर पुजारसोकफ् अथवातपित्तनेत्रपरीक्षा रक्तनीलवरन  
रूसधूमवरनहोरसोवातपित्त अथकफ्वातनेत्र विह्वल कमलकेआकार रूस धूमवरनसोवातकफ् अथकफ्पित्त पीतवरनरक्तवरनविह्वल कमलवत्  
सोकफ्पित्त अथविदोषनेत्रपरीक्षा अतिआवहोर आषकेकोयेलालविस्सस्पामवरनतंदाभारूसअरुणसेविदोषरकटकचितैरहैपलकनलगेर  
दभयानकहोरसोअसाध्यगतिहीनगंडेजारस्यामवरनहोरसोअसाध्य अतिरोदभयानकलालरूपेवारकौ कोपवै संनिपातकेनेत्रअसाध्यनदेयैनुनेनवो

रक्तवरन



लै सीतलउल्लसरीसोअसाध इतिनेत्रपरीक्षा अथकायप्रकरणासारसं० अथगुरिवादिपित्तन गुरिच धना नीमकीछाल पदमाष रक्तचंदन मावा  
समलेदसवओषद११ पानीटकासोरहभर१६लेदअष्टावसेषकायकरिदीजेसर्वज्वरजार सर्वकावेकौप्रमानओषद११ पानी१६ दोटकाभररहेतवछानिके  
देद अथसालिपत्तीदिवातज्वरे सरिवन स्पामस बारसुरही गुरिच कारीगुरीसर मावासमकायकरिदेदवातज्वरजार अथकासम्यादिवातज्वरे  
छुमेर कारीगुरीसर दावर्षयमान गुरिच हरर समलेदअष्टावसेषकायकरिदेदगुडेकेजोगैसैवातज्वरजार अथकटफलादिपित्तज्वरे कोफर रेंदजौ पाठ  
कडुकी मौथा मावासमअष्टावसेषकायकरिदेदशएदिन पित्तज्वरजार अथपर्यवादिपित्तज्वरे पित्तपायरो रूसौ कडुकी चिराडतौ जवासौ प्रियंगु समले  
दअष्टावसेषकायकरि देदकाउकेजोगैसैदेदपासदाहपित्तज्वरजार अथदासादिपित्तज्वरे दाषहरर मौथा कडुकी किरवारौ पित्तपायरो मावासमलेदअ  
ष्टावसेषकायकरिदेद पित्तज्वरपासमूर्च्छाहाहपित्तज्वरजार अथवीजपूरादिपाचनश्लेष्मज्वरे विजौरेकीजर सौफहरर सौठ पीपरामूल मावासमकायकरि  
जवाधारकेजोगैसैदेदवारहेदिनकफज्वरजार अथभूनिवादिफज्वरे चिराडतौ नीमकीछालि पीपरि कडूर सौठि सतावरि गुरिच कटाई मावासमलेदका  
यकरिदेदकफज्वरजार अथपटोलादिफज्वरे परवरकेपान विफला कडुकी कडूर रूसौ गुरिच हरर मावासमअष्टावसेषकायकरिमधुकेजोगैसैदेद  
कफज्वरजार अथपंचभद्रवातपित्तज्वरे पित्तपायरो मौथा गुरिच सौठि चिराडतौ मावासमअष्टावसेषकायकरिदेदवातपित्तज्वरजार अथकुडादिनि  
त्रा वज्वरे कटाई सौठ गुरिच पौहकरमूल मौसमअष्टावसेषकायकरिदेदकफवातत्रिदोषकासस्वासअरुचिपाजरकीपीरपर अथआरवाधादि किरवारौ  
पीपरामूल मौथा कडुकी हररसमलेदअष्टावसेषकायकरिदेदकफवातज्वरअमसूलआध्मानउपर अथअमृताक्षकपित्तश्लेष्मज्वरे गुरिच नीमकीछाल  
कडुकी मौथा रेंदजव सौठ परवरकेपान चंदन मावासमलेदअष्टावसेषका यकरिपीपरिकेजोगैसैदेदपित्तश्लेष्मज्वरछर्दिप्ररुचिहल्लासदाहल्लाजार  
अथकंठरीदयपाचनसर्वज्वरे दोऊकटाईकीजर सौठिधना देवदारु समलेदअष्टावसेषकायकरिदेदसर्वज्वरउपर अथदशमूलपाचन सरिवन पिठवन

३४

रा०  
४

दोऊकटाई गुरुगुरु बेलकीजर इरनी सौना छुमेर पाउर मावासमलेदअष्टावसेषकायकरिदेदपीपरकेअनूपानसौ वातश्लेष्मसंनिपा  
तज्वरपरस्तस्वाकाससीतताम्रमपसीनाहिचकी छर्दिहृदयकंठपाजरसिरकीपीरतेंदासर्वउपर अथअभयादिसंनिपाते हरर मौथा धना  
रक्तचंदन पदमाष रूसौ रेंदजौ उरई गुरमै किरवारौ पाठ सौठि कडुकीसमलेदअष्टावसेषकायकरिपीपरिकेअनूपानसैदेदविदोषज्वरपिया  
सदाहकासपलापस्वासतेंदामेदाम्निपेटकौफूलकौछर्दिसोषअरचिसर्वउपर अथपिप्पल्यादिसंनिपाते पीपरि पिपरामूल चरव चित्तउर सौठिव  
वधना अतीस जीरे पाठ कुरौरेनुका चिराडतौ मूर्वासरसौमरिच कटाईपुहकसूलभारंगी विडंग काकराथंगी आककीजर वडीकटाई गजपीपरि  
जवासौ अजवारन अजसोद सौनाकीजर मावासमअष्टावसेषकायकरिदीगघोरपिओवेवातश्लेष्मज्वरवातसीतकफसर्वज्वरनेरासंनिपातजार  
अथदशांगसंनिपाते चिराडतौ कडुकी मौथाधना रेंदजौ सौठि दशमूल देवदारु गजपीपर समलेदअष्टावसेषकायकरिदेदपाजरकीपीरसंनि  
पातज्वरकासस्वसछर्दिहिचकीदाहतेंदामोहसर्वउपर अथकटफलादि काशफूर मौथा भारंगी धना रोहिसचारेकीजर पित्तपायरो वचहररै  
काकराथंगी देवदारु सौठि मावासमलेदअष्टावसेषकायकरिदेदकासस्वासश्लेष्मगलगुहसर्वज्वरउपर अथजीराज्वरे गुरिच पीपरिकाय  
करिदेदजीराज्वरजार अन्य पित्तपायरोकायकरिदेदपित्तज्वरजार अथधान्य कटाईकीजर गुरिच सौठि समलेदकायकरिदेदपीपरिकेजोगैसै  
कासस्वासपीनसअरुचिसूलजीराज्वरसर्वउपर अथहल्लुडादि कटाईकीजर धना सौठि गुरिचमौथा पदमाष रक्तचंदन चिराडतौ परवरकेपा  
न रूसौ पुहकरमूल काशफूर रेंदजौ नीमकीछाल भारंगी पित्तपायरो मावासमअष्टावसेषकायकरिदेदधातकालसीतज्वरजार अथमु।  
स्तादिविषज्वरे मौथा कटाई गुरिच सौठि अँवरे मावासमकायकरिदेदमधुपीपरकेजोगैसैविषमज्वरजार अथपटोलादि परवरकेपान विफ  
ला नीमकीछालि दाष किरवारौ रूसौ मावासमअष्टावसेषकायकरिमधुमित्रीकेजोगैसैदेदजीयज्वरदाहल्लाजारएकाहिकज्वरजार अ



सारसं  
५

योरुकादिहिकायां रेणुका पीपरि समलेद अष्टावसेषकायकरिदेइतीगकेमधुकेअरुणानलिचकीजार अथगुड च्यादितृतीयज्वरे गुरिच धना  
मोथा चंदन उरई सौठ मात्रासमअष्टावसेषकायकरिमधुमिथीकेजोगसैदेइतीयज्वरदाहतेष्माजार अथदेवदेव्यादि देवदारु हररु रूसौ स  
रिवन सौठि आवरे समलेद अष्टावसेषकायकरिमधुमिथीकेजोगसैदेइचातुर्थकज्वरकासस्वासमेदाग्निजार अथवृहदुड्यादि गुरिच  
धना उरई सौठि वारौ पित्तपापरो वेल अतीस पाठरक्तचंदन कुरौ चिरारतौ मोथा इंदौ मात्रासमअष्टावसेषकायकरिमधुकेजोगसैदेइरक्तपित्त  
पित्तज्वरअतीसारजार अथनागरदिज्वरातीसारे सौठि कुरेकीछालि मोथा चिरारतौ अतीस मात्रासमअष्टावसेषकायकरिदेइज्वरातीसारजार  
अथधान्यपेचकअतीसारे धना सौठिवेल मोथा वारौ समलेदकायकरिदेइआमसूलग्रहनीजाइ अथान्य धना सौठि अंडकीजर मात्रासमकाय  
करिदेइआमवातजार अथवत्सकादिआमरक्तातीसारे कुरौ अतीस वेल मोथा वारौ मात्रासमअष्टावसेषकायकरिदेइअतीसारआमसूलरक्तसूल  
जार अथनिवादि नीमकीछाल पित्तपापरो पाठ परवरकेपान कडुकी रूसौ जवासौ आवरे उरई चंदन लालचंदन मात्रासमकायकरिदेइखाडके  
जोगसैविरोषमसूरिकाविसर्पहनीवातजाइ अथकुरजाष्टक कुरेकीछालि अतीसपाठ धवरकेफूल लोध मोथा वारौ दरिमा मात्रासमकायक  
रिमधुमोचरसकेजोगसैदेइअतीसारदाहरक्तसूलआमजाइ अथहीवेरादि वारौ धवरकेफूल लोध पाठ लज्जु कुरौ धना अतीस मोथा गुरि  
च वेल सौठि मात्रासमकायकरिदेइ अतीसारअरविआमसूलज्वरसर्वजपर अथधान्यकादिवालातीसारे धवरकेफूल वेल लोध पाठ लज्जु कुरौ  
धना अतीस मोथा वारौ गजपीपरि मात्रासमकायकरिमधुकेजोगसैवालककौदेइसर्वअतीसारजाइ अथान्य मजीठ धवरकेफूल लोध वेल मात्रा  
समकायकरिदेइ दीपनपावनहै अरुचियस्माविवंधरक्तातीसारजाइ अथशालियरणीदिवातग्रहराण सरिवन वरियारी वेल धना सौठ मात्रासम  
कायकरिदेइआध्मानसूलवातग्रहणीजाइ अथचातुर्भद्र गुरिच अतीस सौठि मोथा कायकरिदेइ ~~अथवातग्रहणीजाइ~~ आमातीसारग्रह

रा०  
५

नीजाइ अथइंद्रजवादिछर्द्यातीसारे इंदौ धना परवरकेपान कायकरिदेइमधुखाडकेजोगसैधर्दिअतीसारजार तथा वेल आमकीगोही  
कायकरिदेइ अथविफलादिकमिरेगे विफला देवदारु मोथा सूसाकरी सुजनेकीजर मात्रासमकायकरिपीपरिवारविडंगकेजोगसैदेइक  
मिरेमाजार अथफलविकादिपोडोगे विफला गुरिच कडुकी नीमकीछालि चिरारतौ रूसौ समलेद अष्टावसेषकायकरिमधुकेजोगसैदेइकामलपोडु  
रोगजार अथपुनर्नवादिशोथे पथरसगा हरर नीमकीछाल दारुहरद कडुकी परवरकेपान गुरिच सौठि समलेद अष्टावसेषकायकरिमधुकेजोग  
सैदेइपोडुरोगकासउदरस्वाससूलसर्वगसजनपर अथवासादिरक्तपित्त रूसौ दाष हररसमलेदकायकरिमधुखाडकेजोगसैदेइरक्तपित्तकासस्वासा  
र अथान्य पीपरकायकरिअथवाचूरकिस्मिधुसेयुक्तदेइकासज्वरजाइ अन्य रूसौ कायकरिमधुकेजोगसैदेइरक्तपित्तछर्दिअमकासस्वाससर्वजा  
र अथान्य रूसौ कलाई गुरिच कायकरिमधुकेजोगसैदेइकासज्वरजाइ अथकुडादि कलाई कुरथी रूसौ सौठ मात्रासमअष्टावसेषकायकरिपुहकरमू  
लकौचूरगोडारिपिआवैकासस्वासाजाइ अथविल्वादिछर्द्ये वेलकौवकला गुरिच समलेद अष्टावसेषकायकरिमधुकेजोगसैदेइविदोषधर्दिजार अ  
न्य पित्तपापरोकायकरिदेइपित्तधर्दिजार अथान्य दशमूलकायकरिहीगपुहकरमूलकौचूरनडारिपिआवैग्रधसीजाइ अथरालादिपंचक वाइसु  
रही गुरिच देवदारु सौठि अंडकीजर समलेद अष्टावसेषकायकरिदेइ सप्ताधानुगतिवातआमवातसर्वगवातपीरजार अथगरुसप्तकसामेवातवा  
धौ वाइसुरही गुरुगुरु अंडकीजर देवदारु पथरसगा गुरिच किरवारौ समलेद अष्टावसेषकायकरिसौठिकेजोगसैदेइ जांघ करिहापोजरकीपीठकीपी  
रआमवातदूरिहोइ अथमहाराज्जादिवातवाधेआमवाते वाइसुरहीभागरजवासौवरियारी देवदारु कचूरवच रूसौ सौठि हरर वरव मोथा प  
थरसगा गुरिच विधारौ सौफ गुरुगुरु असगध अतीस किरवारौ सतावरि पीपरि कट्सेरुका धना दोउकलाई मात्रासमकायकरिसौठिकेचूरनकेजोग



सारसं०  
५

चोरुकादिदिक्कायां रेणुका पीपरि समलेद अष्टावसेषकायकरिदेदरीगकेमधुके अरुन्त्यानहिचकीजार अथगुडु च्यादितृतीयज्वरे गुरिच धना  
मोथा चंदन उरई सौठ मात्रासमअष्टावसेषकायकरिमधुमिथीके जोगसैदेरतृतीयज्वरदाहतेष्माजार अथदेवदेव्यादि देवदारु हररु रूसौ स  
रिवन सौठि आवरे समलेद अष्टावसेषकायकरिमधुमिथीके जोगसैदेर चानुर्थकज्वरकासस्वासमेदाग्निजार अथवृहदुडु च्यादि गुरिच  
धना उरई सौठि वारौ पित्तपायरो वेल अतीस पाठरक्तचंदन कुरौ धिरारतौ मोथा इंदजौ मात्रासमअष्टावसेषकायकरिमधुके जोगसैदेर रक्तपित्त  
पित्तज्वर अतोसारजार अथनागरदिज्वरातीसारे सौठि कुरेकीछालि मोथा धिरारतौ अतीस ~~मु~~ मात्रासमअष्टावसेषकायकरिदेद ज्वरातीसारजार  
अथधान्यपेचक अतीसारे धना सौठि वेल मोथा वारौ समलेद कायकरिदेर आमसूलग्रहणीजार अथान्य धना सौठि अंडकीजर मात्रासमकाय  
करिदेर आमवातजार अथवत्सकादि आमरक्तातीसारे कुरौ अतीस वेल मोथा वारौ मात्रासमअष्टावसेषकायकरिदेर अतीसार आमसूलरक्तसूल  
जार अथनिवादि नीमकीछाल पित्तपायरो पाठ परवरकेपान कडुकी रूसौ जवासौ आवरे उरई चंदन लालचंदन मात्रासमकायकरिदेर खाडके  
जोगसैविदोषमसूरिकाविसर्पतृतीवातजार अथकुटजाष्टक कुरेकीछालि अतीस पाठ धवरकेफूल लोध मोथा वारौ दरीमा मात्रासमकायक  
रिमधुमोचरसके जोगसैदेर अतीसारदाहरक्तसूल आमजार अथहीवेरादि वारौ धवरकेफूल लोध पाठ लजनू कुरौ धना अतीस मोथा गुरि  
च वेल सौठि मात्रासमकायकरिदेर अतीसार अरुधि आमसूलज्वरसर्वउपर अथधान्यकादिवालातीसारे धवरकेफूल वेल लोध पाठ लजनू कुरौ  
धना अतीस मोथा वारौ गजपीपरि मात्रासमकायकरिमधुके जोगसैवालककौदेर सर्वअतीसारजार अथान्य मजीठ धवरकेफूल लोध वेल मात्रा  
समकायकरिदेर दीपनपावनेहै अरुचियस्माविवंधरक्तातीसारजार अथशालियरणीदिवातगृहराणां सरिवन वरियारी वेल धना सौठ मात्रासम  
कायकरिदेर अध्मानसूलवातगृहणीजार अथचानुभदि गुरिच अतीस सौठि मोथा कायकरिदेर ~~आमातीसारग्र~~ आमातीसारग्र

ज्वर

रा०  
५

नीजार अथइंदजवादिघर्दातीसारे इंदजौ धना परवरकेपान कायकरिदेर मधुखाडके जोगसैधर्दिअतीसारजार तथा वेल आमकीगोरी  
कायकरिदेर अथविफलादिकभिरोगे विफला देवदारु मोथा मूसकरीं सुहजनै कीजर मात्रासमकायकरिपीपरिवारविडंगके जोगसैदेर  
भिरोमाजार अथफलविकादिपांडुरोगे विफला गुरिच कडुकी नीमकीछालि धिरारतौ रूसौ समलेद अष्टावसेषकायकरिमधुके जोगसैदेर कामलपांडु  
रोगजार अथपुनर्नवादिशोथे पथरसगा हरर नीमकीछाल दारुहरद कडुकी परवरकेपान गुरिच सौठि समलेद अष्टावसेषकायकरिमधुके जोग  
सैदेर पांडुरोगकासउदरस्वाससूलसर्वगसजनपर अथवासादिरक्तपित्त रूसौ दाष हररसमलेद कायकरिमधुखाडके जोगसैदेर रक्तपित्तकासस्वासजा  
र अथान्य पीपरकायकरिअथवाचूराकिमधुसेयुक्तदेरकासज्वरजार अन्य रूसौ कायकरिमधुके जोगसैदेर रक्तपित्तघई श्लेष्मकासस्वाससर्वजा  
र अथान्य रूसौ कलाई गुरिच कायकरिमधुके जोगसैदेरकासज्वरजार अथसुडादि कलाई कुरथी रूसौ सौठ मात्रासमअष्टावसेषकायकरिपुहकरमू  
लकौचूर्णहारिपिआवैकासस्वासजार अथविल्वादिघर्ध वेलकौवकला गुरिच समलेद अष्टावसेषकायकरिमधुके जोगसैदेर विदोषधर्दिजार अ  
न्य पित्तपायरो कायकरिदेर पित्तधर्दिजार अथान्य दशमूलकायकरिहींगपुहकरमूलकौचूरनडारिपिआवैगुधसीजार अथरालादिपंचक वाइसु  
रतौ गुरिच देवदारु सौठि अंडकीजर समलेद अष्टावसेषकायकरिदेर सप्ताधानुगतिवात आमवातसर्वगवातपीरजार अथगरुसप्तकसमेवातवा  
धौ वाइसुरही गुरुगुरु अंडकीजर देवदारु पथरसगा गुरिच किरवारौ समलेद अष्टावसेषकायकरिमधुके जोगसैदेर जांघ करिहापांजरकीपीठकीपी  
र आमवातइरिहोइ अथमहारुमादिवातवाधे आमवाते वाइसुरही भागरजवासौ वरियारी देवदारु कचूर वच रूसौ सौठि हरर वरव मोथा प  
थरसगा गुरिच विधारौ सौफ गुरुगुरु असगंध अतीस किरवारौ सतावरि पीपरि कट्सेरुका धना दोउकलाई मात्रासमकायकरिमधुके जोग



सेदेर अथवापीपरिकेजोगसे अथवाजोगराजगुग्गुलकेजोगसे अथअजमोहादिकेजोगसे अथअंडीकेतेलकेजोगसेदेर सर्वांगकं  
पकुञ्जपक्षाघातगुधसी आमवात श्लोपदअयतानकअपवाहकअंडवृद्धिआध्मानजांघकीपीरघूटेकीपीरधानुपमेहलिंगकेरोगवंधा  
स्त्रीकेजोनिरोगजाइगभरहे अथएरेडसप्तक अंडकीजरविजौरेकीजर गुरुगुरु दोउकटाई हाथाजोरी वेलकीजर समलेदअष्टावसेष  
काथकरिअंडीकेतेलहीगजवाधारसेधौ संयुक्तदेरस्तनकंधकटिमेहुहृदयसर्वपीरजाइ अथनागरादिसूले सौहि अंडकीजर देंदजो समलेद  
अष्टावसेषकाथकरिहीगसौचरेकेजोगसेदेइवातसुलजाइ अथान्यपित्तसूले विफला किरवारी अष्टावसेषकाथकरिमधुषाडकेजोगसेदे  
इरक्तपित्तसुलदाहजाइ अथान्यकफसूले अंडकीजरटका २१ अथगुनेयानीमै अष्टावसेषकाथकरिजवाधारकेजोगसेदेइपोजरकीपीरक  
फसुलहृदयकीपीरजाइ अथान्य दशमूलकाथकरिजवाधार सेधौ केजोगसेदेइइदोगगुल्मसुलस्वासकासजाइ अथहरीतकपादि हरर  
जवासौ किरवारी गुरुगुरुहाथाजोरी मात्रासमकाथकरिमधुकेजोगसेदेइविबंधमूत्रकृष्णदाहजाइ अथवीरतरुपाचन वेलकीजर उरई नरस  
रकीजर कठसेरुवा कुसकीजर कासकीजर मोथा वरना इरनी मूर्वा हाथाजोरी सौनाकीछालि गुरुगुरु अजजोरेकीजर कमलगला भारजी  
मात्रासमअष्टावसेषकाथकरिषाडकेजोगसेदेइमूत्रकृष्णपथरीमूत्राघातइंदीरोगजाइ अथएलादि लादवी जाहे गुरुगुरुरेणुका अंडकीज  
र रूसौ पीपरि हाथाजोरी समलेदअष्टावसेषकाथकरिसिलाजतुकेजोगसेदेइषोडसंयुक्तमूत्रकृष्णपथरीजाइ अथगोक्षुरकाथमूत्रकृष्ण  
गुरुगुरुजरयेडसमेतकाथकरिमधुमिश्रीकेजोगसेदेइमूत्रकृष्णजाइ अन्य गुरुगुरुकेबीजाकाथकरिजवाधारकेजोगसेदेइमूत्रकृष्णजाइ अ  
थान्य लादवी हाथाजोरी सिलाजतु पीपरि चूरनकीरिवावरनकेधोवनसौथोरो गुडगारिपिअवैमूत्रकृष्णहरीहोइ अन्य मिश्री जवाधार ए

वि

कत्रवारमात्रा१२मूत्रकृष्णजाइ अथफलविकादिसर्वप्रमेहे विफला दारुहरद मोथा देवदारु मात्रासमकाथकरिदेइमधुकेजोगसेप्रमेहजाइ अ  
थान्य देंदजो विफला दारुहरद मोथा विजौरो काथकरिदेइप्रमेहजाइ अन्य विफला मोथा दारुहरद इंदोरनकीजरकाथकरिहरदीसंयु  
क्तदेइसर्वप्रमेहहरीहोइ अथदायादिप्रदररोगे दारुहरद रसौत मोथा भिलमाकीजर वेलकीजर रूसौ चिरारतौ मात्रासमकरिकाथकरिमधुकेजो  
गसेदेइप्रदरजाइसर्वप्रकारको अथान्यगोधादि वर पारस पीपर कोसम अमलवेतस वेरि तुनि जाहे वार लोध ऊमरि कठऊमरि पीपरि सुहवा छे  
वलौ सगलर तेइ जम्बुनि आम आवरी कदम कौला भिलमाकीजर जेजुरैतेलेइकाथकरिदेइवृणाजोनिरोगदाहमेददोषप्रमेहविषदोषसर्वजाइ अ  
थविल्वादि वेलकीजर इरनी सौना गुस्सेर पाउर मात्रासमकाथकरिमधुकेजोगसेदेइमेददोषहरीहोइ अन्य विफलाकाथकरिमधुकेजोगसेदेइमे  
ददोषजाइ अन्य तातौपानीमधुघोरिपिअमेददोषजाइ अथउदररोगे वरव चिताउर सौहि देवदारु काथकरिनि सोतकेचुराजुक्तगोमूत्रसंयुक्तदेइ  
उदरव्याधिपेटकौबहवैआध्मानउपर अथपुनर्नवादि पथरसगा गुरिच देवदारु हरर सौहि मोथा मात्रासमलेदअष्टावसेषकाथकरिगोमू  
त्रगुग्गुलकेजोगसेदेइपेटकीसूजनजाइ अथपथ्यादि हरर रोहिंसवारौ काथकरिजवाधारपीपरिकेजोगसेप्रातकालदेइ यकृत्यहीहगुल्मउदर  
व्याधिजाइ अथफलविकादि विफलाकौकाहोकरिगोमूत्रकेजोगसेदेइवातक्षेमतेसोथलिंगमेलोइसोजाइ अथरास्नादि वाइसुरही गुरिच  
वरियारी जाहे गुरुगुरु अंडकीजर मात्रासमअष्टावसेषकाथकरिअंडीकेतेलसंयुक्तदेइअंडवृद्धिजाइ अन्य कवनारकीछालिकाथकरि  
सोढकेचूरनसंयुक्तदेइगंडमालाजाइ अन्य वरुणाकीछालिकाथकरिमधुकेजोगसेदेइगंडमालाजाइ अन्यपथरसगा वररौकीछालिकाथ  
करिदेइविद्धिजाइ अन्य सुहजनेकीजरकाथकरिहीगसेधवनौनसंयुक्तदेइप्रातपकीहोइसोनीकौलोइ अथवरुणादि वरुणा वेलकी  
जर अजजोरो चितावर इरनी सुहजतौ मुनगा दोउकटाई कठसेरुवा मूर्वा मेढाअंगी चिरारतौ काकराअंगी करेज सतावरि समले



इकायकरिदेरकममेरुगुल्मसिरकीपीरविदधिजाइ अथयदिरादिभगंदरे घेरकीलकरी विफला कायकरिदेरभैसकेपीउसंयुक्तविदं  
गचूर्णसंयुक्तभगंदरजाइ अथयदोलटिउपदेशे परवरकेपान विफला नीम विराडतौ घेर विजौरौ मात्रासमकायकरिगुगुलकेजोग  
सैदेउपदेसजाइ अथयमतादिवातरके गुरिच अंडकीजर रुसौ समलेइकायकरिअंडीकेतेलकेजोगसैदेरसर्वांगवातरक्तजाइ  
अथयदोलटिवातरके परवरकेपान विफला कडुकी गुरिच सतावरि समलेइकायकरिदेरवातरक्तदाहजाइ अन्य आवरे घेरको  
सार कायकरिवकुचीकेचूर्णसंयुक्तदेरसुयेतकोहजाइ अथलघुमेजिह्यादि मजीठ विफला कडुकी वध दासहरद गुरिच नीमकीछालि  
समलेइकायकरिदेरवातरक्तपामाकपालकुष्ठरक्तमेडलजाइ अथवृहत्तमेजिह्यादिकुष्ठरोगे मजीठ मोथा ऊरौ गुरिच कूट सौरि भारंगी कटा  
ई वध नीमकीछालि दासहरदहरद विफला परवरकेपान कडुकी मूर्वा वारविदंग विजौरेकीजर चिताउर सतावरि त्रायमान पीपरि रेडजौ रु  
सौ घमरा देवदारु पाठ घेर चंदन निसोत वरणा चिराडतौ वकुची किरवोरौ वकाइन करंज अनीस बोरौ दोहन जवातौ कारीगुरीसर पित्तपायरो  
समलेइकायकरिपीपरिगुगुलसंयुक्तदेर अथादसकुष्ठवातरक्तउपदेस श्लीयदवहिरीयक्षाघातमेदोघनेवोगसर्वजाइ अथयथादि हररवहेरौ आ  
वरे विराडतौ हरद नीमकीछालि गुरिचसमलेइकायकरिगुडकेजोगसैदेरसिरसूलकर्णसूल आधोसिरपीडासूर्यावर्त कंठरोगदांतोरोगरत्यौध पटल  
जोरे नेवपीडासर्वजाइ अथवासादिनेवोगे रुसौ सौड गुरिच दासहरद रंजचंदन चिताउर विराडतौ नीम कडुकी परवरकेपान विफला मोथा रेड  
जौ ऊरौ समलेइकायकरिदेरसर्वनेवोगजाइ पीनास स्वासछातीकौघताजाइ अथयमतादिनेवोगे गुरिच विफला समलेइकायकरिपीपरिकौचूर्ण  
मधुसंयुक्तदेरसर्वनेवपीडाजाइ अन्य पीपरि वट उमरि पाकर वेतस सबकीछाललेइकायकरिदेरवृक्षारोगयउपदेसजाइ एतौने पिरंगवेसताथोवे

अन्य वहेरे आवरे हरर परवरकेपान नीमकीछालि रुसौ समलेइकायकरिगुगुलकेजोगसैदेर नेवसोथपाकपीडाआयकेबराजारेफूलीसर्व  
रोगजाइ इति कायप्रकरणासंगंधरात अथजवागुविचरीसौकहततै चारिदकाभरिआयदलेरचौसदटकाभरपानीमेआयददारिकाहोकरंजव।  
आधोरहेतवछानिलेदेहिकोहमेविचरीरधे सयथा आमकीछालि लसोरौकीछालि जामुनिकीछालि कायकरितेहिमेवावररधेसोधाइगु  
हरणीजाइ अथयथादि आयददकाभर चौसदटकाभरपानीमेचलोवेआयददिकेडोरंजव आधोपानीरहेतवउतारलेरसोपीवेकैदेर सयथा  
उरई पित्तपायरो वोरौ मोथा सौदि चंदन समस्तमात्रापानीमेचुरेकेसीतलकरिपिअप्यासजाइज्वरजाइ अथभात चावरदकाधौदहगुनोपानीमेभा  
तकरैमाडकाहिडोरसोभातलघुहोतै अथअधुनमेड धना सौदि पीपरि मरिच सैधोनान समलेइचूर्णकरितकसंयुक्तवधारेमाडमेफूलईहीगधीउमे  
वधारे असोमाडकरिरोगीकोदेर अग्निहोइसोयनहोरक्तवदज्वरजाइ अथसुकमेड बाउरतैचौदहगुनोपानीमेभातकरैमाडयसारलेइ तेहमाउमे  
सौडसैधोनानडारिपिआवेदीपनपावनतै अन्य चावरभूजकेमाडकरैसोवाघमेडकहावे कफपित्तरक्तपित्तइरिकेकंठरोगजाइ अन्य धानकेफूल  
अथवाभूजेचावरकोमाडकरै पित्तलेख्माइरिहोइपियासज्वरजाइ इतिलाजमेड अथफांटकल्याना आयदकोचूर्णदिका तातौपानीटकाधौ  
माटीकेवासनतातेपानीमेचूरनघोरिकेछानिलेइसोफांटकहावेसोपानीदोदकाभरपिआवे अथमधुकादिफांट महुवाकेफूल जावे चंदन  
फालसे कमलकीजर कमलगया लोध छुम्बरकेफूल नागकेसरि विफला कारीगुरीसर दाघ लज्जू मात्रासमचूर्णतातेपानीमेडारिफांटछा  
निदेर अथवादिमकरिकेदेर वातपित्तज्वरदाहहृत्साभूर्वाधुमरक्तपित्तसर्वजाइ धाउमधुकेजोगसैदेर अथयथादिफांट अमकेपान जा



सारसं०  
८

ति

मुनकेपान वरकेपाए उरई समलेइ फोटकरिमधु केजोगसैदेइ ज्वरपियास छर्दि अती सारसूछाजार अथलधुमधु कपुष्यफोट मरुवा  
केफल घुमेर वंदन उरई धना दाघ मात्रासमफोटकरिषाउ संयुक्तदेइ रक्षा पित्तदाहसूछाभुमजार अथमधु फोटकीनोई सीतलजल  
मैवनावेसोमथकरावे अथवर्जरादिमधु वज्रर दाडिम दाघ रमिली आवरे फालसे समलेइ १। जलसीतलतकाशमाटीकेवासनेमै  
ओषदेचूरनकरिकै डारिकै मथै छानिकै देइ रका २। भरमघविकारजार अथहिम ओषदकौ चूरनटका १। छोटका भरयानीमै डारि राखे  
रौ के प्रातकाल पिआवे टका २। सख्यथा आमकी छालि जाभुनिकी छालिको हाकी छालसमलेइ चूरनकरि पानीमै डारि राखे प्रातकालम  
धुकेजोगसैदेइ रक्तपित्तजार अथमरिषादिहिमहृस्माछर्दि मरिच जावे कचउमरकेपान कमलगरा समलेइ चूरनकरि रातिकै पानी  
मै डारि राखे प्रातदेइ रक्षाछर्दिजार अथनीलोत्पलादिहिम कमलगरा वरियारी हा धमौथा जाते उरई पदमाघ घुमेर फालसे हि  
मकरिकै देइ वातपित्तज्वरप्रलापधुमछर्दिमोहरक्षाजार अन्य गुरिचकौ हिमकरि देइ जीराज्वरजार अन्य रुसेकौ हिमकरि देइ रका  
सारक्तपित्तज्वरजार अन्य धनाचूरनकरि पानीमै रातिमै जैराखे प्रातघाउसैदेइ अंतदाहहृस्माजार सूत्रकौ सोधनकरे अन्य धना  
आवरे रूसौ दाघ पित्तपापरो हिमकरि देइ रक्तपित्तज्वरदाहहृस्मासोषजार अथकल्ककल्याना ओषदतीतीलेइ सिलमै पीसे अथ  
वासुकी ओषदहोइ तौ जल डारिकै पीसे पिठीसीकरे सो कल्ककहावेताके भाव १२ मधुघीउतेलरनकौ जोगकहौ होतहा ओषदतैइ  
नीलीजे घाउगुडकल्ककी वरावरलीजे इवचौ गुनौलीजे सख्यथा पहिलपीपरितीनदेइ पुनिपाच पुनि सात पानीमै वाटि पिआवे

र  
रा०  
८

अन्य वेदीकी जरतिल ननु सं वाहि मधुक्षीर संतै ५३ रक्त रक्ता ती सार जा ६० अन्य कुम्हटा के र सो ला १९२ पी  
सी के ५३ रक्त पित्त रक्ता ठ वरो ठा जा ६० १०१  
नवीस पोडुवातरक्तकास स्वास असुचिज्वरउदर ववेसीस्थी स्नेहवात उरग्रहसर्वजार अन्य नीमकेपान वाटिकल्कवरा मैवा  
न धे सोधनहोइ अन्य नीमकेपान कल्ककरिषाउ छर्दि कृष्णपित्त स्नेहमज्जजार अन्य वकारनकी जरवाटि देइ गुधसीजार अन्य  
लहसनवाटि तिलकेतेलमिलारया १। तेलाशवातरोगविषमज्वरजार अथरसोनकल्क लहसनपकौलेइ कलीडूरकरिकै वि  
जीकाहिलेइ तेलहसनकी पोथी रातिकै मठामै भिजैराखे प्रातमठामै तै अथकै शिलमै पीसे तिहिके पाचै अथस ओषदनकौ चूरन  
मिलावे सोघर अजवाइन हीगभूजी सैधौ सौठ मरिच पीपरि मीदेजीरे स्यामजीरे समलेइ चूरनकरि लहसनकी पिठीमै मिला  
इके धरि राखे अथधोलाभरा १। रोजघाउ अंडके काहेसै सर्वांगवाइ एकांगवाइ अर्दिन अपतंत्रकजे वातयाधिहै तेइ रिहोइ अ  
पस्मार उन्माद उरस्तंभगुधसौ छातीकी पीठकी कटिपार्श्वकृष्णिकी सर्वपीरजार कृमिजार पथ्य अजीरा भोजननकरे घामन  
सहै कोधनकरे बुहतपानी नपिअ इधनघाउ गुडतघाउ मधुमां सखलार्नित्यघाउ अथान्य पीपरि पीपरामूल मिलमाकेफल सम  
लेइ कल्कमधुसैदेइ उरस्तंभजार अन्य विष्णुकांताकी जरवाटि घाउं घीउ संयुक्तदेइ परिनामसूलजार देइ दिनसात अन्य सौ  
हि गुड तिल वाटि इधकेसायदेइ परिणामसूल आमवातजार अन्य अजाजरेके बीजाचावरनके धोवनसै वाटि देइ रक्षाशजार  
अन्य चौरईकी जर रसोत वाटिमधुसंयुक्तचावरनके धोवनसै देइ रक्तप्रदरजार अन्य अकोलाकी जर वाटिमधुचावरनके  
धोवनसैदेइ अती सारतथाविषहुरिहोइ अन्य बोजउरिनकी जरवाटि देइ घावौ विषसर्पविषहुरिहोइ अन्य पाउरकी जरवा

वे

मधु४



10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



अथ हीं हो छ ऊ चु रीं ॥ हो ही ॥ पी प सी ॥ मी मी च ॥ अ ज सो दा ॥ ऐ च व ॥ जी रा दु नौ न ॥ हीं न ॥ स म ना न

सा.सं. १०

मौथ्या रंइजौ वेल लोध मोचरस धवरकेफूल समलेदवादिछानिचूर्णाकरिमठागुजसैघोरिपिआवैसर्वअतीसारप्रवाहिकग्रहणीजार अथवृहत्तं  
गाधरचूर्णाअतीसारमौथ्या सौनकीजार सौहि धवरकेफूल लोध वारो वेल मोचरस पाठ रंइजौ कुरो अप्रकीजोही अतीस लजेनू समलेदवादिछा  
निचूर्णाकरिमधुचावरकेधोवनसैदेर।१२प्रवाहिकसर्वअतीसारग्रहणीजार अथसरिवादिग्रहणं मरिच चित्तउर सौचर समलेदवादिछानिचूर्णाक  
रितकसौदेरग्रहणीजार उदरव्याधिप्लीहमंदाग्निगुल्मअर्थसर्वजार अथकपित्याहकचूर्णा कैथभाग८घाडभाग६दरिमभागउत्तरीकउवेलउ  
धवरकेफूलउ अजमोदउपीपरिउ मरिचभाग१जीरे१धना१पीपरामूल१वारो१सौचर१अजवादन१तज१६पवज१नागकेसरि१लारची१चित्तउर१  
सौहि१सवअपदैवादिछानिचूर्णाकरिदेर।१२गलरोगअतीसारक्षयीगुल्मग्रहणीजार अथदाडिमाहकचूर्णा दरिमा२घाड६तजपवज लार  
ची१सौहि पीपरिमरिचअचूर्णाकरिकवधा।१२अरुचिमंदाग्निकंठरोगग्रहणीकासज्वरजार अथवृहत्तदाडिमरिचूर्णा दसिमा६घाड६पीपरि१  
पीपरामूल१अजवादन११मरिच१धना१जीरे१सौह१वंशलोचन१२तज१६पवज१६लांरवी१६नागकेसरि१सववादिछानिचूर्णाकरिदेर।१२अ  
तीसारक्षयीगुल्मग्रहणीगतग्रहमंदाग्निपीनसकासजार अथलघुलवंगादिचूर्णा लौग कपूर लारची तज नागकेसर जारफूर उरई सौहि स्पामजीरे अगरवंशलोचन  
जारफूर पीपरि अधेला अधेलाभोरिचयैसाभरसौहिपैसाआठभर सबकीबराबरमिथीलेदवादिचूर्णाकरिखाइ।१२कासज्वरअरुचिप्रमेहग  
ल्मस्वासमंदाग्निग्रहणीजार अथलवंगादिचूर्णा लौग कपूर लारची तज नागकेसर जारफूर उरई सौहि स्पामजीरे अगरवंशलोचन  
जटासासी कमलगव पीपरि चेदन तगर वारो कैकोल समलेदसवतैआधीमिथीमिलारकैकाइ।१२अग्निदीपनहोउपुष्टिहोउवलहोउवि

रा०  
१०

दोषजाद हृद्दोग कंठरोग कासहिचकी पीनसरजजक्ष्माग्लनिस्वास अतीसारघाती कौषतापमेह अरुचिगुल्मग्रहणीजाद अथगुण्योतरातन्त्र  
रघुचूर्ण दोउकटाई पोटकरमूल हरर सैधौ कटुकी मौथा पीपराभूल दोतोनकीजर चिरादौ पित्तपापरो कचूर परवरकेपान पीपरि  
सौहि समलेदचूर्ण करितेपानी सैदे ११२९ काहिकजुरविषमज्वररात्रिज्वरजीराज्वरतृतीयज्वरबातुर्यकज्वरसर्वज्वरजाद अथबोडशंग  
चूर्णअन्यगुण्ये चिरादौ कटुकी गुरिच हरर मौथा जवासौ ज्ञायमान दोष कटाई सौहि पित्तपापरो पीपराभूल पोटकरमूल पीपरि क  
चूर परवरकेपान समलेदवाटिछानिचूर्ण करिदेद्विदोषजीराज्वरविषमसंनिपात अरुचिधातुदोषकासस्वाससूलशोषमलसोधनह  
दोषाभूवकृष्णप्रीतछर्दिकफग्रहणीसोफवसिसूलप्रवाहिका अतीसारआमवातपीठकीकरिहाकीपीरवातपित्तकफशिरसूलसर्वजाद अ  
थजातीफलादिचूर्ण जादफूर लौग लारवौ पत्रज तज नागकेसर कपूर घेदन तिल वंशलोचना तगर आवरे तालीस पीपरि हरर  
जीरे चिताउर सौहि वारविडेग मरिच समलेदचूर्ण करिसबकी वरावरि भांगलेद एकचकरिसबचूर्णकी वरावरकांडमिलार कैमधुसैदे  
११२९ ग्रहणीकासस्वास अरुचिक्षयीवातश्लेष्मप्रतिस्यायसर्वजाद अथमहाबोडचूर्ण मरिच भाग १ नागकेसर १ तलीस १ सैधौ नोन  
१ सौचर १ सामूर १ पोंगा १ धारी १ पीपराभूल भाग २ चिताउर २ तज २ पीपरि २ तंतरी कर २ जीरे २ धनाभाग ३ अम्लवेतस ३ सौठ ३ वडीलाद  
चौ ३ वेरकीविजी ३ अजमोद ३ मौथा ३ सब औषदतेचौथे अंसदेरिमांडारै सव एकचकरिसवते आधीबोडमिलार चूर्ण करिषा १२ अ  
रुचिमंदाग्निकास अतीसार हृद्दोग कंठरोग पेट के रोग मुखरोग विसूचिका अध्मान अशुगुल्म कृमिछर्दिस्वासजाद अथनारायणचूर्ण

दाडिमकार सटा है ३  
४ है का



सा. र. सं०  
११

अ. र.

रां चित्तउर विप्रला सौहिमरिच पीपरि जीरे हवुषा वच अजवारन पीपरामूल सौफ्र अजमोद असगध कचूर धना वाइविडेग कोरुनीरे  
बोष पुहकरमूल साजी जवाधार सैधौ सौचर साम्हर छुटियानोन घारी कूठ मात्रासमलेर इंदोरनभाग २ निसोतभाग ३ इंदोरनभाग ३ शुहरकी  
जरभाग ४ सर्वएकवदिछानिचुराकिरिदेर १२ पावनहोर विरेचन हृदोगां डोगाका समंदाग्निज्वर कुष्ठ ग्रहणीगलगंडजार अनूपान आध्मा  
न होछौ मुरापास सौदेर वेरकेपानी सैगुल्मजार दहीकेपानी सौविषंभजार तातेपानी सौदेर अजीरांजार उदनीके दूध सैउदर व्याधिजार तथा  
तक सैदेर वाइसुरही केकाहे सौदेर वातरोगजार दरिमाकेर ससौदेर अशरीरगजार घीउसैदेर विषहरिदोर सर्वव्याधि उपर अथ  
हवुषादिचुरा हवुषा विप्रला नायमान पीपरि बोष निसोत सैदुड कटुकी वच नीलिनी सैधौ सौचर मात्रासमलेर वाटिछानिचुरा  
किरि १२ तातेपानी सौगोमूत्रसौदरिमाकेर ससौ विप्रलारस सौगोसरससौदेर जै सोरोगतेर तै सौ अनूपान गुन अजीरां पीरगुल्मशो  
फेविषम हलीमकमंदाग्नि कामलापो डुसुआध्मान उदर व्याधिजार अथयंचसमचुरा सौहिहर पीपरि निसोत सौचर समले  
र वाटिचुराकिरिदेर १२ सूल आध्मान जहर अश आमवातजार अथनाराचचुरा पीपरि १२ निसोत ११ घोड ११ एकचचुराकिरिषार  
१२ मधुकेजोग सैदेर आध्मान विडुंध उदर व्याधिक प्रपितसूलजार अथएलादि लारची लौग नागकेसर वेरकीबीजी धान  
केपूला पियेगु मोया चंदन पीपरि समलेर चुराकिरि मधुमित्री सौदेर विदोष छर्छिजार अथविलवणादिचुरा सैधौ सौचर  
साम्हर साजीधार जवाधार सौफ्र वच अजमोद असगध हवुषा जीरे स्यामजीरे मरिच पीपरामूल पीपरि गजपीपरि हीगु हीगु

राम  
११

र. स. की. ३

प. जी कचूर घाठ कारेजीरे सौहि चित्तउर चर्व वाइविडेग अमलेवेतस दरिमा तंतरीष निसोत दातोन सतावरि इंदोर  
न भारंगी देवदारु अजवारन धना वाइतूमरू पौहकरमूल वेरकीबीजी हरर समलेर वाटिचुराकिरि के आदेकेर सकीभा  
वनादेर विजोरेकी भावना देर घीउसैषाद मद्यसौ तातेपानी सैवेरकेपानी सैतक सै दूध सैउदनीके दूध सै जै सोरोगतेर सौ  
अनूपान यकृतपीरकटिसूल गुदाकेरोग कूषिरोग हृदयरोग अश विषंभमंदाग्नि गुल्महीला उदर व्याधि हिका आध्मान  
स्वासकास सर्वजार अथतुंवरदिचुरा वाइतूमरू सैधौ सौचर साम्हर अजवारन पुहकरमूल जवाधार हररहीग वाइविडेग  
समलेर निसोततीनभागलेर वाटिछानिचुराकिरि १२ तातेपानी सैजवाकेकाहे सैदेर सर्वसूलगुल्म आध्मान उदर व्याधिजार अथ  
चिचकादिचुरा चित्तउर सौहि हीगभूजी पीपरि पिपरामूल चरब अजमोद मरिच अधेला अधेलाभरि साजीधार जवाधार सैधौ सौचर सा  
दा म्हर घारी योगानोन छदामधेलाभरि सवएकचकरि वाटिचुराकरि विजोरेकेर सकी भावना दरिमाकेर सकी भावना देर घाममै सुधेके छार १२  
गुल्मग्रहनी आममंदाग्नि अरचिकप्रजार अथवउवानलेचुरा सैधौ भाग १ पीपरामूल २ पीपरि उबर वर चित्तवर ४ सौहि ६ हरर ७ सवए  
कचचुराकिरिदेर १२ अग्निदीपनहोर अथ अजमोदादिचुरा अजमोद वाइविडेग सैधौ देवदारु चित्तउर पीपरामूल सौफ्र पीपरि मरि  
च एसव अधेला अधेलाभरि हरर पाव अधेलाभरि विधारेदस अधेलाभरि सौहिदश अधेलाभरिले २ सर्वएकवदिछानिचुराकिरि ताते  
पानी सैपिचै १२ सूजन आमवात संधिपीडागुधसै कटिपीडा जोघगुदा सर्वपीरजार हनी प्रनूनी विश्वाची कफवातरोग सर्वजार गुडसमलेर

रहीकेपानी  
ले



सारसं०  
१२

गुटिकाकरै अथहिंवादिचूर्णाश्ले हीग पाठहर धना दरिमा चित्तउर कबूर अजमोद सौहिमरिच पीपरि हनुया अम्लवेतस असगंध  
तंतरीष जीरे पोतकरमूलवध चर्व साजीधार जवाधार सैधौ सौचर साभर धारी पोगारोन समलेर वाटिचूर्णाकरिभोजनकेपहिलेअथ  
भोजनकेसमयमे महासैतातेपानीसैमदिरासैदे॥१२॥ गुल्मवातकफहृदोगणीलिका वसिशलपार्श्वशूलसूलयोनिमूलगुदसूलमूत्रकृच्छ्र  
नाहणोडुरोग अरुविहिचकीयकृतप्रीह स्वासकासगल गुद गुहरी अर्शविकारसर्वजाइ विजौरकरसकीघुटेदे॥ गोलीवाधेधारवातले  
प्याजार अथजवानीघोडचूर्णा अजवारन दरिमा सौहि तंतरीक अम्लवेतस वेर समलेरपैसापैसाभरि मरिचा॥१२॥ पीपरि१॥१२॥ ज  
१२ सौचरनोन१२धना१२जीरे१२स्यामजीरे१२पाउ॥१२॥ सवएकचूर्णाकरिघार॥१२॥ पाउरोगहृदोगणीज्वरछर्दिशोषअतीसारप्रीहअनाहवि  
बंध अरुविस्मृतमंदग्निअर्शजीभकेरोगगलेकेरोगजार अथतालीसादिचूर्णा तालीसा॥१२॥ मरिचा॥२५॥ सौहि॥३०॥ पीपरि॥१॥ वेशलोचना॥१॥  
लाइवी॥१॥ तजा॥६॥ घोड॥१॥ एकचूर्णाकरिदे॥१२॥ रोवेनदीयनकासस्वासज्वरछर्दिअतीसारसोषआध्मानप्रीहगुहरीपाउरोगजार अवाका  
॥३॥ कौपागकरिकैगुटिकाकरै अथरुतालीसादिचूर्णा तालीस काकराथंगी हरर कबूर कडकी दाघ घजूरतज पवज नागकेसरि लारवी  
जीरे स्यामजीरे समलेरचूर्णाकरिदे॥१२॥ कासस्वासछर्द्य अर्शमंदग्निरक्तपित्तअम्लपित्तजार अथसितोपलादि घोड॥१६॥ वंसलोचना॥५॥  
पीपरिभाग६॥ लाइवीभाग२॥ तज१॥ तज१॥ सवएकचूर्णाकरिदे॥१२॥ कासस्वासमधुघीउसै॥१२॥ स्वासकाससवीहायपाउअंगकीदाहमंदो  
ग्निअरुविपाश्वशूलज्वररक्तपित्तजार अथलवराभास्करचूर्णा स्मृदलवरातोला॥८॥ सौचरनोनतोला५॥ विडलेवरा२॥ सैधौ२॥ धना२॥ पीप  
रि२॥ पीपरामूल२॥ स्याहजीरेपवजनागकेसरितालीस अम्लवेतस दोदोतोलालेइ मरिचतोला१॥ जीरे१॥ सौहि१॥ दरिमातोला४॥ तजतोला॥

रा०  
१२

सारसं०  
१३

परामूलवेले अजमोद समलेर वाटिचूर्णाकरिघार॥१२॥ तातेपानीसैअथअंडीकेतेलेसै स्वाससोषअर्शभगंदरहृदसूलपार्श्वसु  
लवातगुल्मउदरहिचकीसर्वप्रमेहकामलाघोडुरोग आमासयउरो वातमूत्रवक्षिगुदाकृमिगुहरीमहाज्वरभूतोदसर्वजाइ उन्मा  
अथअंग्यादिचूर्णा काकराथंगी पीपरिमरिच सौहि हरर वहेरा आवरे कटार भारंगी पुहकरमूल पाचोनोन सववाटिछानिचूर्णाक  
रिसीतलजलमैपिअ॥१२॥ हिचकी स्वासकफवातपीनसजार अथविडरुचकादि विडियानोन सौचर अजवारन स्यामजीरेपैत स  
जीरे हरर सौहि मरिच पीपरिचित्तचर अम्लवेतस अजमोद वाटविडेग धना तंतरीष समलेरवाटिछानिचूर्णाकरेघार॥१२॥ अजीर्ण  
जारभूषलागोपाचनहे इतिचूर्णाकल्पना अथवटकाकल्पना सारंगधरात अथवाहसालगुटिका रदोरनकीजर मौथा सौहि व  
डीदतोनकीजर हरर निसोत कबूर वारविडेग गुरपुरु चित्तवर तेजवल पैसापैसाभरि सूरनसोरापैसाभरि विधारौ आठपैसाभ  
१२ मिलमाआठपैसाभरि एकचकरिकाठौकरैजल रथाधजवचनु र्थसरहेछातवछानिलेइतिहिमेगुड ६॥२५॥ घोरिकैफेरिऔ  
टावैजवगहोहोइतवएओषदैचूर्णाकरिकैडोरेचित्तवर१॥ निसोत१॥ वडीदतोनकीजर१॥ तेजवल१॥ सौठ३॥ मरिच३॥ पीपरि३॥ ला  
इवी३॥ तज३॥ मधु१॥ दीघार१२॥ अर्शगुल्मवातउदरवाधिआमवातप्रतिस्यायगुहरीक्षयीरोगपीनस हलीमकपांडुरोगप्रमेह  
सर्वजाइ अथमरिचादिगुटिका मरिचा॥१२॥ पीपरि॥१२॥ जवाधार॥६॥ दरिमा॥२५॥ एकचवाटिछानिचूर्णाकरिदोटाकाभरगुड२॥ मेगोलीवा  
धैमैसेमेगोलीएकमुषमेरुषेकासवासीजार अथगुडादिगुटिका गुड सौठहरर मौथा एकचकरिगुटिका॥१२॥ कासस्वासजार

रा०  
१३



लारचीतोला॥ सवएकवचूरुकिरिदेरमासेतकसे वातस्नेष्यातेगुल्महोरसोजादहीउदरव्याधिछयीअर्शसेअहरणीकुछविवेधभगंदर  
 शोफसूलश्वासकासआमदोषहडोगमेदाग्निजादहीपनपाचनहे अथनिवपेकांगवूरु नीमकीजरपत्रफलपूलतवापेकांगटका१५वा  
 टिचूरुकिरिलोहभस्मटका१॥हररटका१॥पवारकेबीजा१चित्ताउर१भिलमा१वाडविडेग१पांड१आवरे१हरद१पीपरि१मरिच१सोठ१  
 वकुचीकेबीजा१किरवारो१गुरुषुरू१सवएकवचूरुकिरिघमराकेरसकीभावना१घेरकोकाहोकरेताकीभावना१विजोरेकेकोहेकीभावना१सु  
 घेकेषारमात्रा११घेरकेकोहेसेविजोरेकेकोहेसेघीउसेइधसेएकमहीनासेवनकरेसर्वकुछजाडपुछहोरसर्वरोगजाड अथसतावरीचूरु  
 पुष्टिकरणांधानुक्षीरोनगराणपिवेत सतावरिगुरुषुरूकेबीजाकरेछकेबीजागोरेकीजरवरियाहीकीजरतालबुधारेकेबीजासर्वसमलेरचूरु  
 वरिगारकेइधमेरातिकैपिअपुष्टिहोरमात्रा१२अथअस्वजंघादिचूरुअसगधदशटका१०विधारोदशटकाभरि१०एकवचूरुकिरिबीक  
 नेवासनमैधिरावेइधमैपिअ१२पुष्टिहोरअथनवायसचूरुचित्ताउरत्रिफलासौधावाडविडेगसोठिमरिचपीपरिसमलेरवाटिचूरु  
 रिकरेसवकीवरावरमरीलोहोलेरएकवकरिमधुयीउसेवारअथवागोसूत्रसेअथवातकसेपिअमात्रामासो१तेवठावेपोडुरोगहडो  
 गभगंदरशोचकुछउदरव्याधिअर्शमेदाग्निअरुचिकृमिजाडअथकरभादिचूरुअकलकरासोठिकंकोलकौलाकीछालपीपरि  
 जादप्रलोगचेदनअधेलाअधेलाभरिअकीमटकाभरि१सर्वएकवचूरुकिरिमधुसेएकमासोषारसुकस्नेभहोररातिकैषाडसाऊ  
 केअथविजयचूरुसोठिमरिचपीपरिहीगपाहसाजीजवाधारआवोषारदारहरदहरदचर्वकुटकीकुरोसौफपाचरनोनपी  
 वच पलाकाचार

अन्यअकेलेवहेरेसेकासस्वासाजारअथआमलादिगुटिकाआवरेकमलगलाकूटलाजावरकेपाएसमलेरवाटिछानि  
 चूरुकिरिमधुसेगुटिकावाधैमुषमैरावेतस्माभुषसोषजारअथसेजीवनीगुटिकावाडविडेगसोठिपीपरिहररचित्ताउरवहेरे  
 वचगुरिचभिलमाविषमात्रासमवाटिछानिचूरुकिरेगोसूत्रसेछोटेगोलीवाधैरती१आदेकेरससोदेरअजीर्णकोगोली१विसू  
 बीकोगोली२सापकाटेकोगोली३संनिपातकोगोली४देरअथबोधादिगुटिकासोठिमरिचपीपरिअम्लवेतसचर्वतालीसवि  
 तावरजीरेतेरीकअधेलाअधेलाभरिलादही१२तजा१२पत्रजा१२गुडपासवओषदेवाटिछानिगुडमैगोलीवाधै१२षाडगुनपी  
 नसकासस्वासाअरुचिप्रतिस्यायजारअथगुडवतुहयगुटिकासोठिगुडसेआमजारपीपरिगुडसेअजीर्णजारजीरेगुडसेसूत्रक  
 छजारहरगुडसेअर्शजारअथहृदहारकमेदकविधारोभिलमासोठिचूरुकिरिइनेगुडमैगोलीवाधै१२षाडअर्शजारअथसूरन  
 पिंडीसूरनसूखैकेचूरनकरेभाग३२चित्तावरभाग१६सोठिभाग६मरिचभाग२सर्वएकवचूरुकिरिइनेगुडमिलारकेएकवधिरावेषाड  
 १२अर्शरोगजारअथसूरनवटकासूरनभाग१६विधारोभाग१६सूरसीभाग२चित्तावरभाग२हररदवहेरे४आवरे४वाडविडेग४सो  
 ठि४पीपरि४भिलमा४पीपरामूल४ताली४सेतजलारधी२मरिच२सवएकवचूरुकिरिइनेगुडमिलारकेगोलीवाधै१२षाडअग्नि  
 होरअर्शरोगजारगुरणीवातकफस्वासाससीहीहशीयदसोथहिवकीप्रमेहभगंदरजारपुछहोरअथकल्यानलवरांभिल  
 माविफलावडीदोनचित्तावरसमलेरसेधोनोनडूनोषपरामैसंपुरकरिपकावेकेउनकीमेदआचमैजवसवपकिजारतववाटिकैषाड



अर्शरोगजाद अथमंडुरवटका विप्रला चिकट चर्व पीपीर मूल चितावर देवदारु सौनामाषी धातुमारी तज दासहरद मौया वारविडंग अ  
धेला अधेला भरि सबतै हनौ कि ही सार एकव करि चूर्ण करि कै अहु नौ गो मूत्र मै पकावे जव गा हो होरत वगोली बाधै ॥ १२ ॥ तत्र सौ देर गुन  
कामला पांडुरोग प्रमेह अर्श शोथ कुष्ठ कफ रोग उरु स्तंभ अजीर्ण क्षौद्र सर्वजाद अथ चंद्रप्रभाव वटिका कचूर वच मौया चिरारतौ देवदारु त  
रद अतीस दासहरद पीपरामूल चितावर धना विप्रला चर्व वारविडंग गजपीपरि चिकट सौनामाषी मारी सजीवार जवाधार सैधौ नौ  
न सौ चरमौन सासहरनौन मात्रा समभा से चारि चारिले र नि सोत दातौन कीजर पत्रक तजला र वी वेशलो बना एक अधेला अधेला भरिलो  
र सौरो ॥ १५ ॥ मिश्री ॥ सिलाजतु को सतश गुग्गुल सोधौ २१५ सव एक चवाटि गोली बाधै ॥ १२ ॥ पामेह वी सभांतिके मूत्र कुष्ठ मूत्र घात पथरी  
विवंध अनारसूल गुंथि अर्बुद अंड वृद्धि पांडु कामला हली मक अत्र वृद्धि कटि सूल स्वासका सविचर्चिका कुष्ठरता शकंडू क्षौद्र उदर भगंदरदं  
त रोगनेत्र रोग स्त्री को प्रदर रोग पुरष को मुक्त दोष मंदाग्नि अरु चिवात पित्त कफ सर्वजाद अथ काका वन गुटिका अजवारन जीरे धना  
मरिच विष्णुकोता अजमोद कारे जीरे सब टंक चारि चारिले इली ग टंक ६ साजी धार टंक २ जवाधार टंक २ सैधौ ६ सौ चर ६ सासहर ६ घारी ६  
छुटिया नौन धनि सोत टंक ६ वडी हतौन कीजर टंक १६ कचूर टंक १६ पुतकर मूल १६ वारविडंग १६ दरिमा १६ हरर १६ चितावर १६ अम्ल वेत  
स १६ सौ दि १६ एक चवाटि घानि चूर्ण करि विजौरे के रस की पुट देर के गोली बाधै ॥ १२ ॥ या ६ अनूपान घी उमै ६ दूध सै मदि रा सैत क सै उल्लज  
ला सै वात गुल्म होरतौ मदि रा सै देर पित्त गुल्म होरतौ गो दूध सै देर कफ गुल्म होरतौ गो मूत्र सै देर विदोषतै गुल्म होरतौ द शमूर के काठे सै

देर उदनी के दूध सै देरतौ स्त्री कौर क गुल्म जाद हड्डोग गहराण सूल क मि अर्श जाद अथ जोग राज गुग्गुल सौठि पीपरि चर्व पीपरामूल चिता  
वर ही गभूंजी अजमोद सरसवा जीरे स्यामजीरे रेणुका रेंद जौ पाह वारविडंग गजपीपरि कटुकी अतीस भारेगी वच मूर्वा सब औषदे  
टंक टंक लेख सब औषद तै हनौ विप्रला लेख सव एक च करि चूर्ण करि कै सब की वरावर गुग्गुल लेख विप्रला मै सोधे क परा मै पुटिया वा ठिके डोला  
जंव सै पुनि ताते पानी सौधो वेतव औषदन को चूर्ण मिलार के घी उमै जू दे जव नै नू सौ होरत वची कने वासन मै धरि राये धार टंक १ गुन वात रोग  
कुष्ठ अर्श सै गुहरी प्रमेह वातरक्त नाभिसूल भगंदर उदावर्त स्त्री रोग गुल्म अपस्मार उर गुह मंदाग्नि स्वासका स अरु चिनिर्पुसक स्त्री को प्र  
दर जाद पुत्र होर अनूपान रा स्नादिका थ सै देर विवंध जाद काकोली के काठे सौ देर पित्त रोग जाद किरवारे के काठे सौ देर कफ रोग जाद दासहरद  
के काठे सै देर प्रमेह जाद गो मूत्र सै देर पांडुरोग जाद मधु सै देर मेह रोग जाद नीम के काठे सै देर कुष्ठ जाद गुरिच के काठे सै वातरक्त जाद पी  
परि के काठे सै सोथ जाद सूल जाद पांडर के काठे सै विष जाद विप्रला के काठे सौनेत्र रोग जाद पथर सगा के काठे सै उदर रोग जाद अथ गुग्गुल  
चिकट विप्रला मौया वारविडंग चितावर परवर के पान पीपरामूल हड्डा देवदारु वारह मरी पुतकर मूल चर्व रदोरन कीजर दासहरद हर  
द विडनौन सौ चरमौन साजी धार जवाधार सैधौ नौन गजपीपरि मात्रा समलेख सब औषद तै हनौ गुग्गुल लेख सोध के सब औषद चूर्ण  
करि गुग्गुल मिलार के गुटिका बाधौ ॥ १५ ॥ मधु सै देर कास स्वास सोफ अर्श भगंदर हदशल पार्श्वसूल कुसिसूल गुदसूल पथरी मूत्र कुष्ठ अत्र वृ  
द्धि कृमि पुरा नौ ज्वर अनाह उन्माद अठार कुष्ठ नाडी वरा प्रमेह श्लो पद सर्वजाद अथ के सार गुग्गुल विप्रला ४६ गुरिच १६ एक च कटि के



सारसं०  
१५

लोहे की कराही मै पानी २५ धा भरे मै औ लवैतव आधौर हैत वछानिले रति हि काहे मै गुग्गुल सुद १६ घोरिकै कराही मै औ लवैतव गुड के सो पाग होइ तव ए औषदै मिले वै चूर्ण करिकै विफला २ गुग्गुल १ विकट १ २५ वार विडंगा २५ वटी दौन की जर १२ निसोत १२ सर्व एकत्र पिडी करिकी कनै वासन मै धरि रावै घाट मासे ४ ताते पानी से दूध से मंजिष्ठा दिकाय से सर्व कुष्ठ जाइ वातरक्त जाइ विदोष जाइ सर्व वरा गुल्म प्रमेह पिडिका प्रमेह उदर मे दामिन कास स्वपथु पोटु रोग रुस्ते के कोठे से नेत्र रोग जाइ वरणा के कोठे से गुल्म जाइ घेर के कोठे से वरा कुष्ठ जाइ पथ्य घटाई तीक्ष्ण राव सुन बाइ अजीरा भोजन न करे स्त्री प्रसंग न करे घामन सहे कोधन करे आदिक वस्तु न खाइ अथ एकोन विसत गुग्गुल चितावर विफला विकट जीरे सोफ वव से धौ नौन अतीस कुठ चर्व लाइ वी जवाधार वार विडंगा अजमोद मोथा देवदारु मात्रा सम लेइ वाटि बु र्ण करि सब की वरावर गुग्गुल लेइ सब एकत्र करि पीउ से कुठे जव लर म होइ तव गुटिका करे १२ प्रात घाट अथ भोजन के समये घाट जे सो वल होइ ते सी मात्रा योरी घाट अठार कुष्ठ कुमिद खवरा गुहणी अर्श विकार मुख रोग गल गुह गुध सी भग्न गुल्म कोष्ठ वात सर्व जाइ अथ विफला गुग्गुल विफला ३ पीपरि १ गुग्गुल ५ सब एकत्र करि गुटिका बाधि घाट १२ भगंदर गुल्म शोथ अर्श जाइ अथ गोसु रदि गुग्गुल गुर पुरु २५ छे गुने पानी मै औ लवैतव आधौर हैत वछानिले र गुग्गुल सो धौ र का ७ घोरिकै औ लवैतव गुड के सो पाग होइ तव ए औषदै मि लावे सो ठि श म रि च श पीपरि १ हरर १ वहेरे १ आवेरे १ मोथा १ चूर्ण करि पाग मै मिलाइ गुटिका बाधे १२ घाट प्रमेह मूत्र कुष्ठ प्रदर मू त्रा घात वातरक्त वात रोग मुकुटोष पथरी सर्व जाइ अथ विफला मोदक विफला टका ८ भिलमा ४ वकुची के बीजा ५ वार विडंगा ४ लोह मा

रा०  
१५

हो श निसोत १ गुग्गुल १ सिलाजतु सुद १ पौलक र मूला २ प चितावर १ २५ मरिच १ २ सो ठि ६ पीपरि ६ मोथा ६ तज ६ लार बी ६ पवज ६ के सशि ६ स व एकत्र करि चूर्ण करि सब की वरावर घाट लेइ पाग करि घटि मिलाइ गोली बाधे १ घाट सर्व कुष्ठ विदोष भगंदर श्री ह गुल्म जी भतालू के रोग सिर रोग नेत्र रोग भुरोग पीठ के रोग सर्व जाइ पेट ते नीचे जौ रोग होइ तौ भोजन के प्रथम देइ पेट मै जौ रोग होइ तौ भोजन के साथ मात मै देइ पेट ते जौ उ चै रोग होइ तौ भोजन के उपरांत देइ अथ कंचना र गुग्गुल कंचना की छलित का २० विकट १२ विफला ६ वरणा १ लाइ वी १ तज १ २ पवज १ २ सर्व एकत्र चूर्ण करि सब की वरावर से धौ गुग्गुल मिलाइ के कूटिके गुटिका बाधे मासे ४ प्रात काल घाट गोड मला मप ची अर्बुद गुं थि वरा गुल्म कुष्ठ भगंदर जाइ अनूपान मुंठी के कोठे से घेर के कोठे से हरर के कोठे से अथ मावादि मोदक उरद की धौ १ गोहू के चूरा १ जवा के चूरा १ च स वर को चूरा १ पीपरि चूर्ण १ सब एकत्र करि सब ते आधौ गाइ को धी उ मै भूजे सब की वरावर घाट लेइ इने पानी मै पाग करे जव गा होइ तव लडु का बाधे १ साग के घाट चौगुनो ४ दूध पि अगाइ को गुन वीज वटै सु १ कसंभ होइ वा सो पागे न घाट रतिसार गंधरे वटिका कल्मना अ य अवलेह कथन अथ कंठ का र्या वलेह कडाई १०० पानी २५ धा भरे मै औ लवैतव चतुर्थ मिर हैत वछानिले र पाछे औषद मिलावे गुरि च चर्व चितावर मोथा का करा थै गी सोठ मरिच पीपरि जवा सो भारे गी वार सुरही कधूर टका टका भर एकत्र चूर्ण करे घाट २० लेइ कल ई के पानी मै पाग करे गा होन होइ जाइ सही ल राखे पुनि पीउ चो ले ८ मधु ८ पाग मै मिलावे पाछे औ र औषदै मिलावे वंशलोचना ४ पीपर ४ सब औषदै आगिली पाछिली पाग मै मिलावे अवलेह सो राखे गा होन कबै वै वै को मात्रा १ अथ वल चोरो होइ तौ २५ कास स्वा



सारसं०  
१६

सक्षयीहिबकीसर्वजाद अथकुम्हाडावलेह भूराकुम्हाडायकौछोलेगतरकरैटका १०० पानी २०० भरेमै औटावैजवआधौरहेतवछानि  
लेइकुम्हाडाकौकपरामेधरकैनिचौरलेइकरितामैकैवासनमैधीउटका आठभरेमैकुम्हाडाभूजेफेरिओहीकाहामेधाउ १०० पाशकरैतव  
भूजेकुम्हाडाअरुपीपरि २ सौठि २ जीरे २ धना २५ पत्रजा २५ लाटवी २५ मरिवा २५ तेजा २५ मधुग सवएकवपागकरैगतरसीसौरावैका  
इसरीरकेअनुमानरक्तपित्तज्वरक्षयीरोगशोषतयाभुसछदिजाइकासस्वासस्यतजारपुष्टहोइकामवहैवलहोइ अथअगस्तह  
शितकावलेह हरर १०० जवा ६५ दशमूल २० चितावर २ पीपरामूल २ अजाजरी २ कबूत २ करैछ २ सेंधाहली २ भारंगी २ गजपिय  
रि २ वरियारी २ पुठकरमूल २ पानी ३२० टकाभरेमै औटावैजवचतुर्थीसरहेतवछानिलेइहररधीउमैसैकैकाथकौपानीपागकौ  
रहनदेइगुड १०० तिहिमैपागकरैधीउधतेलधमधुग पीपरि ६ पागमैमिलावैवेहीमैहररैरायैदोहररधाइअवलेहतोला २५ ३ गु  
नक्षयीकासस्वासहिबकी अर्श अरुचिपीनससंगहणीजारवलहोइनिपुंसकतामिटै अथकुटजावलेह कुरेकीछाल १०० पानी  
२५६ भरेमै औटावैजवचतुर्थीसरहेतवछानिलेइगुड टका ३० तेहीकाहामेधोरिकै औटावैजवगहौरावसौहोरतव औषदैमिलावै  
रेसोत मोचरस त्रिकटु त्रिफला लज्जनू चितावर पाठ वेलकौगूदो रंइजवा वव भिलमा अतीस वाइविडंग वारो टकाटकाभरिलेइ चूर्णकरि  
पागमैमिलादेइ ३३ धीउग मधुग पागमैमिलावैधाइउजना २५ गुन अर्श अतीसाअरुचिग्रणीपांडुरोगकामलाअम्लपित्तसोफुप्रवाहिकाजार  
अनूपान धीउसै तक्रैसे दहीसेजलसे अथकुटजावलेह कुरेकीछाल तीती १०० पानी २५६ भरेमै औटावैजवचतुर्थीसरहेतवछानिले

२०  
१६

इ लज्जनू धवरकेफूल वेल पाठ मोचरस मीथा अतीस सबटकाटकाभरिचूर्णकरिकुरेकेकाहामेडारि औटावैजवरावसौहोइतवरावैका  
इजलसेछेरीकेदूधसैमाउसेसर्वअतीसारजारक्तअतीसारप्रवाहिका अर्शसर्वजार इति सारंगंधरेअवलेहकल्पना अथपाकाबली अ  
थअहिफेनपाक सुइअफीमोदूधगाइकौ २५६ भरेमै औटावैजवगहोहोइतवधाउ १६ जारफरा १२ लोण १२ जारपत्री १२ केसरि १२ अक  
लकरा १२ समदसोषा १२ कपूर १२ बेदना १२ सौठा १२ मरिवा १२ पीपरि १२ धतूराकेबीजासुहा १२ सूसरी १२ तालबुधारेकेबीजा १२ चितावर १२ पीप  
रामूल १२ जीरे १२ अजमोदा १२ वरियारी १२ जोषुस १२ मीथा १२ भोगा १२ सवएकवकरिचूर्णपागमैमिलादेइवंग ११ तामोमारो ११ लोहोमारो ११  
पोरोमारो ११ अभ्रकमारो ११ सर्वएकवकरैसुगंधकेनिमित्तकसूरीअगरडारैवासनमैधरिरायेरविकैधाउपरतैमैसकौदूधपिअैषैवेकीमावापा  
गकीटकाभरेकीहे गुनिजैसौसरीरहोइतैसौथोरैषाद गुन कामवहैनिपुंसकनीकौहोइवैध्याकैगभरैहैकासस्वाससीत अपस्मारछातीकौष  
ताधाउउन्मादपांडुरोगभगेदर असीभक्तिकेवातरेणजारकफवानतैजेरोगहैतेजार अतीसारजार अथपिप्यलीपाक सारसंगहात पीपरिचूर्ण  
करिकै १६ दूधगाइकौ २०० पीपरिचूर्णडारिकैमैदअंघमै औटावैधीउ १६ सेंगुऊजवगहोहोइमधुकीभोतितवधाउ ४६ मिलादेइतव औटैधू  
रीकरिमिलादेइ तजपत्रजा लाटवी नागकेसरि पीपरि पीपरामूल बर्व चिताउर सौठि मरिवा तगरजारफरा जारपत्री लोण तालबुधारेकेबी  
जा अकलकरा समदसोषा अगर जीरे स्पामजीरे सौफ कबूत धना वाइविडंग तामोमारो अभ्रकमारो वंग लोहमारो वंशलोचना कपूर एस  
वयैसोपैसाभरिलेइचूर्णकरिपागमैमिलादेइ बीकनेवासनमैधरिरायेमवा ११ जैसोवलहोरसरीरहोइतैसौथोरैषाद गुन आर्वलवहोवैउक्किवै

ध



सारसं०  
१७

वीजवैवाजी करन होर वली पलितु ठारु धाल कौ सिमित वौ सो भित्ति धातु पूर्ण होर काम वतै ते ज होर काया दिहो र वल होर असी भांति के वात रोग जा  
र वौ वीस प्रकार के कफ रोग जा र वौ वीस प्रकार के पित्त रोग जा र अठार भांति के कुष्ठ जा र वीस प्रमेह जा र अरवि गुल्म स्ययी का सखास ग्लानि जी र  
ज्वर मूत्र कृच्छ्र प्रदर यो डुरो ग वात रक्त पित्त रक्त उदर का धिमेद दोष अयस्मार उन्माद ए सव दूरि होर अथ लहसन पाक लहसन की विजो १६ धू १६ धगा  
इको ५१२ तिहि मै पचो वै मेद आ च मै धी उ १६ डोरै जव राव सो होर तव धो ड २२ डोरै सौ ठि पीपरि मरिच तज पवज लारवी नाग के सरि पीपरामूल  
चितावर कार विडेग हरद शरु हरद लवुषा विधारो पुहक मूल कूट देवदारु पथर सगा गुरधूरु वरियारी वार सुरही सौ फ कचूर सतावर असग  
ध करै छ के बीजा एसव अथेला अथेला भरिले र एक न चूर्ण करि पाग मै मिलार दे र धार १ गुन सर्व वात सूल अयस्मार उर सत गुल्म उदर का धिमी  
ह छर्दि वध्व रुक्मि विवेध अनाह सो फ्रमं शनि वल हानि हिच की स्वास का स अपतंत्र क धनुर्कोत पामा पक्षा धातु अपतान क अर्दि त आक्षेप कहनु  
जंभ शिरो ग्रह विस्वा बी गुध सी घल्ली पंगु वात से धि पीडा वाधिर्य जे वात कफ रोग हे ते सव दूरि होर अथ विजया पाक भांग कौर स १०० १६ धगा इको ५०  
मेद आ च मै पचो वै जव गा हो होर तव उतारिले र सीतल करै तव धो ड ३० तज पवज नाग के सरि लारवी लौग सौ ठ मरिच पीपरि अकल कर जा र फल  
जार पची असग ध पथर सगा नागार्जुनी करै छ के बीजा पेसा मै सा भरिले र चूर्ण करि एक न मिलार के गुटिका करै गुटिका १५ धातु पुष्टि होर वल  
हो र प्रमेह जा र सर्व अतीसार का सखास स्ययी जार वी को प्रदर यो नि सूल जा र सुक संभ होर अथ सुठ्या वलेह सौ ठ धगु १६ धी उ १६ ध २२ जा  
इकर लौग लारवी तज पवज नाग के सर सौ ठ मरिच पीपरि चितावर अथेला अथेला भरि माटी के वासन मै मेद आ च मै पचो वै जव गा हो होर तव मधु

रा०  
१७

जा  
४३ डोरै धार १ बाल कौ कौ बूढे कौ सब कौ जो ग्य है पुष्टि होर वाजी करन होर वल होर उद्धि होर प्रमेह जा र अथ जा र पची पाक जा र पची १६ गा र कौ १६ ध १००  
विजो धातु पचो कर ही मै मेद आ च मै पचो वै जव लो कर छु ली सैल पचे तव धी उ १६ डोरै पापे औ वदन कौ चूर्ण डोरै पीपरि पीपरामूल चर्व सौ ठि चितावर  
मरिच लारवी तज पवज नाग के सरि लौग मस की नगर मोचर स स्याह मूसरि सुपेत मूसरी करै छ गुरधूरु अगर के सर कपूर कंकोल जटामासी  
वदन धुरा सानी अज वादन तलव धारे के बीजा कवाव चिनी समद सोष अफीम वंग तामो अभु क लोहो अथेला अथेला भरि एक न चूर्ण करि पा  
ग मै मिलार दे र वासन मै धरि रावै धार १२ वल होर वीज होर पुष्ट होर मति कांति होर वाजी करन होर धातु होर प्रमेह बीस भांति के धातु स्वास का स जी र ज्वर  
मंदाग्नि अरु चि सर्व रोग जा र सत स्त्री भोग्य कर वै जो ग्य होर अथ अहि फेन पाक अफीम १ गा र कौ १६ ध १२० मेद आ च मै पचो वै जव धो वा होर त  
व रावै ते ही की वरावर धातु लेर तज पवज नाग के सर लारवी सौ ठि मरिच पीपरि लौग जा र पची जा र फर कंकोल अकल कर मूसरी दे ३ नाले  
घारे के बीजा के सरि चर्व चितावर छ दाम छ दाम भरिले र वादि चूर्ण करि पाग मै मिलार दे र एक मा सौ धातु प्रमेह मधु प्रमेह पां डुरो ग हली म क का स  
स्वास स्ययी जार वल होर अर्श संयुत नी जा र वाजी कर रा होर अथ पिप्पली पाक पीपरि चूर्ण १६ ध ६० धी उ २२ धातु ६० मेद आ च मै पचो वै वा  
जव गा हो होर तव लारवी तज नाग के सरि लौग जटामासी सौ ठि पीपरि मोथा वंदन मरिच नगर विफला जार पची के सरि जौ ठे निल अ  
थेला अथेला भरि पा रो मारो १२ स्व चूर्ण करि पाग मै मिलार दे र मधु धातु मिले वा दै सौ सरि र होर पुष्टि होर धातु वटै वी स प्रमेह जा र विदोष  
जार क्षयी रोग जा र सुक संभ होर वाजी करन होर अथ गो क्षुर पाक गुरधूरु कौ चूर्ण १६ ध ६० धातु ६० मेद आ च मै पचो वै जा र पची लौग अगर मरिच



सारसं०  
१८

ल

कपूर अकलकग समदसोष कंजीकेबीज हरद आवरे पीपरि केसरलारवी तज पवज नागकेसर अफ्रीम कबूर सौठि तालवुघारेकेबीजा अधेला  
अधेलाभरिचूर्णकरिसव एकत्रकरिदेहसवकीवरावरकांड सवतै आधीभांगघीउ ८। सव एकत्रपागकरै धातकालेघार १। अर्थ सर्वप्रमेहजारसु  
कसंभहोर पुष्टिहोरवाजी करन होर तेज होरवलहोर अथकपिकचूपाक करै छकेबीजावकलीहूरिकरि के ३०। घाटका ३०। घीउ ८। हूधगार  
कौ६। मेह आवरे मेपचावै जवकछुली सैलपटैतवओषदे चूर्णकरिमिलावै जारफर त्रिकटु लारवी तज पवज लोग अकलकग जारपवी  
तालवुघारेकेबीजा केसरि पथरसगा बरियारी स्याहमूसरी सपेतमूसरी अफ्रीम पारोमारो लोहमारो अभ्रकमारो पैसापैसाभरि चंदन अगर  
कसूरी कपूर चारिचारिगंसेसव एकत्रकरिघार १२। गुन बलहोर बीजहोर सर्वप्रमेहजार चौगुनो कामहोर क्षीनदेहहोर तौवलपुष्टिहोर  
अथ असगधपाक असगध १६। हूध ५२। घीउ १६। घाड ४६। तिल ८। मघानै ८। मेह आवरे मेपचावै जवगालोहोर तव सौठि भरिच पीपरि लारवी त  
ज पवज हबुषा सौफ सातावरि अजमोद पुहूरमूल जीरे कबूर गुरघुरू वरियारी अजवारन मैथी लोह सीसो तामोमारो टकाटकाभरिसव  
लेदवाटिछानिचूर्णकरिपागमैमिलादेदवाटै सौसरीरहोइवलहोर ३। सर्ववातरोगजार कटिपुष्टिगुदरोगजार अस्थिभंगसौफसेधिवत  
हृद्गोघ्राहस्वासकासप्रमेहजारकोतिहोर पुष्टिहोरवलहोर अथ अंडीपाक आमवातादौ अंडीपंडीलेदवकलीहूरिकरि के १६। हूध ५२।  
भरेमेपचावै मेह आवरे घीउ टका १६। घाड ३२। सौठि भरिच पीपरि लोग लारवी तज पवज नागकेसर असगध सौफ वारसुरही वच  
रणका सातावरि लोह अगर पथरसगा निसोत उरईजारपवी जारफल अभ्रक पैसापैसाभरिलेदचूर्णकरिपागमैमिलादेदवाटै धारधात

रा०  
१८

कालारपअसीभांतिवेजातरोगजार चौबीसप्रकारकेपित्तरोगजार उदरबाधिआठसूल अंवहृद्वीसप्रमेह आमवातअष्टादशकुसुमस्योरो  
गसातप्रकारके पाचप्रकारकेपोडुरोगपाचप्रकारस्वास चारिप्रकारगुहरीग हृद्गोगगलघृतसवरोगजार अथ आइपाक दशमूल तजे  
धना पीपरामूल पुहूरमूल पित्तपायरो मोथा जयमान कडकी बर्ब कादफर काकराअंजी भांजी गुरिच वरियारी अतीस सौठि देव  
दारु अजवारन चिताउर सौफ कबूर गजपीपरि दोहोटका २। भरिलेद अठगुनो पानीमेकाहोकरैजवचतुर्थीसरहैतवछानिलेद आदेकोर  
स १६। गुड ३२। घीउ ८। गाडकोसव एकत्रपचावैजवगालोहोर तवउतारिलेदतवओषदेमिलावै सौठ भरिच पीपरि लारवी तज पवज नागकेसरि  
लोग जारपवी उरंदान टकाटकाभरिचूर्णकरिमिलावैमधु ८। सपेतपैर ४। सर्व एकत्रकरिपागकरै घाड १। कासस्वासक्षयीरोग रक्तपीनससौफउद  
रभगंदरहिचकी छर्दिछूर्णसूलआध्यानकरारोगगुहरेगकफवातजार अग्निदीप्तिहोर तेजहोरववेसीजारकुसुजार अथवासापाक रु  
सौ १००। अठगुनोपानीमेओटावेजवचतुर्थीसरहैतवछानिलेद हररकोचूर्ण ६४। घाड १००। मधु ८। वंशलेचना ४। पीपरि ८। लारवी १। तज १। प  
वज १। नागकेसर १। सव एकत्र पागकरै घाड १। रक्तपित्तक्षयीकासस्वासमेदाग्निजार अथकेसरबलेह पीपरिकोचूर्ण ८। केसरि ४। हूधगार  
को १६२। लोहेकीकराहीमे एकत्रमेह आवरे घीउ टका ३। घाड १०। पाछैएओषदेमिलावै लारवी तज पवज नागकेसरि लो  
ग पीपरामूल चिताउर जारफर जारपवी तालवुघारेकेबीजा कबाबिनी सातावरि असगध गुरघुरू हबुषा कबूर अम्लवेत सौ  
ठ धना सिघारे वंशलेचना कसेरवा मोथा मोबरस विधारो देवदारुतगर पुहूरअजवारन अगर कमलगरा अधेला अधेला  
भरि अभ्रकमारो तामो सीसो वेग लोहो अधेला अधेलाभरि सव एकत्रकरिपागमैमिलावै घाड १२। वलहोर तेजहोर पुष्टिहोर न

क



सुखक्षीनताजार धातुप्रस्थितो वातकफजैरोगहेतेजार अथ सुखीषंडं आमवातादौ सोढ ६० धीउध ६० ध ६० धाउ ५० सोढमरिचपीपरि लारवी  
तज पवज टकाटकाभरलेरचूरारि एकत्रपागकरेखा १० आमवातजार धातुहोइ प्रस्थितो रक्तहोइ तेजहोइ अथ मेवीपाक मेवीध सोढ ६० धाउ ५०  
रुकिरे दूध १२५ गारको धीउ ६० एकत्रपागवेजवगाहोहोइ रतवघाउ ६० धाग करिके ओषधेमिलावे मरिच २५ पीपर १० सोढ १० २५ पीपरामूल १० चिताउर  
१० अजवाइन १० जीरे १० धना १० कोरेजीरे १० सोफ १० जारप्र १० कचूर १० तज १० पवज १० मोथा १० सबचूरारि एकत्रपागकरिखा १० आमवातजार वातरो  
ग सर्वजार विषमज्वरपांडुरोगकामलाउन्मादअपस्मारप्रमेहवातरक्तअम्लपित्तशीतपित्तशिरपीडा नेत्रपीडा प्रदरसूतिकारोगजार प्रस्थितो रक्तहोइ  
अथ षंडं कुम्भोडं कुम्भडाकोर १००० गारको दूध १००० आवरेको चूरन धमंद आचमेपचावेजवलौपीउहोइ रतवघाउ ६० मिलाइ देखाइ २५ रक्तपित्त  
अम्लपित्तदाहतष्माकामलाजार अथ मूसरियाक मूसरी ६० दूधगारको ६० भरेमेपचावेजवगाहोहोइ रतवघीउ ६० धाउ ३० तज पवज लारवी म  
रिच जारपवी लौज जारप्र कचूर मूसरी वरियारी गगेरुका सहदेर पैसापैसाभरिलेइ एकत्रपागकरिखा १० जे सोवलहोइ रक्तकुष्ठ सर्वप्रमेहजा  
रनिपुंसकतामिद्वैवलहोइ रुचिहोइ अमिनहोइ धातुक्षीनमेदाग्निजार प्रस्थितो अथ जीरेपाक जीरे १६० दूधगारको १२० धीउ ६० मेदआचमेओला  
वै घाउ ३० तज पवज लारवी नागकेसरि पीपरी सोढ ६० जीरे चिताउर वारो दरिमा रसोत धना हरदी वंशलोचना लौघर पैसापैसाभरि सबचूर  
रीकरि एकत्रपागमेमिलाइ देखाइ १० तया २५ प्रदरजार रक्तपित्तमुखरोगप्रमेहमूत्रकृच्छपथरी जीराज्वरदाहपीनसअर्जजार बीजहोइ अथ  
असगंधयाक असगंधचूरारि १० सोढ ६० पीपरी २५ मरिच १० चूरारि किंतज १० पवज १० लारवी १० नागकेसर १० दूधमेसको ५० मधु २५ धीउ १२० २५  
घाउ ३० सबएकत्रदूधमेमादीकी कराहीमेपचावेजवगाहोइ रतव और ओषधेमिलावे जीरे पीपरामूल धना लौग तगर जारप्र उरई कचूर पथरसगा

असगंध चिताउर सतावरि चंदन मात्रासम मासेषेलेरतजपवजलारवी नागकेसरि १० अभ्रकलोहवंग १० टकाटकाभरि अथ पैसापैसाभरलेरसव  
एकत्रपागमेमिलावेघाउ २० कासस्वासरिचकी अजीरी वातरक्त शीतमेदाग्नि आमवात शोफसूल पांडुरोगकामला गुहरीकफरोग अजीसारजार बीजवहे अस्थीपुष्ट  
होइ क्षीनअल्पबीजहोइ सोप्रस्थितो अथ घृत लिख्यते सार्द्ध ५० रत अथ क्षीरषड्पल घृत पीपरि पीपरामूल चर्व चितावर सोढ ६० सेधोनोन एकटुकाटकाभर  
धीउगारको १० दूधगारको ६० ए सवओषधेदूधमेवांदि धीउमेपचावे घृतनिलेखाइ १० विषमज्वरमेदाग्नि शीतजार रुचिहोइ अथ चांगेरी घृत पीपरी पीपरामु  
ल चितावर गजपीपरि गुरगुरु सोढ धना पाहवेले अजवाइन टकाटकाभरि धीउ ६० नोनियाभाजीकोर २५ धादही २५ सवओषधेपानीमेवादिपहिलधी  
उमेपचावे पुनिनोनियाकोर सपचावे पुनिदेही पचावे मेद आचमेजवसवपचिजार तवघीउ घृतनिलेखाइ १० गुन कफगुहरी अर्श अनाह गुदाभ्रमूत्रकृ  
च्छ प्रकारिकाजार अथ मूसरादिघृत मसुरी १००० पानी २५ धा भरेमेओटैजवचतु थंसिरहेतव घृतनिले रतववेले ६० काहेमेवांदि धीउ टका १६० भरेमेपचावे  
घृतनिलेखाइ धीउ १० सर्वअतीसारगुहरी मलफूलोहोइ प्रकारिका सर्वजार अथ कामदेवघृत असगंध टका १००० गुरगुरु ५० वरियारी गुरिच सरिव  
न विलार्कंद सतावरि पथरसगा सोढ ६० पुष्करकेफल कमलगटा मवाने दशहसटकाभरिलेइ कूटिके पानी १०२० टकाभरेमेओटैजवचतु थंसिरहेतव  
घृतनिले र सतावर विलार्कंद असगंध जोहे गुरिच माघयरी मुद्गपरी वाराहीकंद ऐपसापैसाभरि कूर पदमाघ लालचंदन पवज पीपरि दाघ करे  
छकेवीजा कमलगटा नागकेसरि कारीगुरीसर आवरे ए अथेला अथेलाभरि घाउ ३० कमलकोर २५ धा ऊषकोर २५ धा धीउ ६० गारको सवओ  
षधेवादिपहिले कायमे धीउमेपचावे मेदआचमे पुनि कमलकोर सपचावेजवसवपचिजार तवघीउ घृतनिलेखाइ १० रक्तपित्तहलीमकपांडुरोग



स्वभेदकातरत्तमूत्रकृष्णश्वसलकामलासुकसद्यदाहतेजहानिसवहृदिहोरवंधाखीकैगभरहेडुवल्ताहोरसुक्रोर अथपानीकल्पानघृत  
विफला हरद दारुहरद रेनुका कारीगुरीसर पियंग सरिवन पिठवन देवदारु छरीला तगर इंदोरनकीजर वडीदातोनकीजर दरिमा नागकेसरि  
कमलगदा लारवी मजीठ विडंगकूट यदमाष जारफल वेदन तालीस कदार एसव अधेला अधेला भरिलेद पानीटका देहा भरेमैवाटिधीउटका  
१६। भरेमैप चावैमंदआव करिकैजवपचिजारतवधीउछानिलेदया३१ गुन अयस्मारुज्वरसयीउन्मादेवातरत्तकासमंदाग्निस्नेहकदि  
सूलतिजारीचातुर्थकज्वरसूत्रकृष्णविसर्पकंडूपादुरोगविषमज्वरप्रमेहसर्वजात्रंधाकैपुत्रहोरभूतयसरांसदुरिहोर अथअमृतादिघृत गु  
रिच१६ पानी ६० कायकैरजवचातुर्थीसरहेतवछानिलेदधीउ१६। भरेमैपचावैऔरगुबिच काथमैवाटिपचावैधीउछानिलेदया३१ वातरत्त  
कुसुजार अथमहातीक्तकंघृतं सप्तपर्णी अतीस किरवारो कटुकी पाह मोचा उरई विफला पित्तपापरो परवरकेपान नीम मजीठ  
पीपरिपदमाष कंधूर वेदन जवासौ इंदोरनकीजर हरद दारुहरद गुरिच कारीगुरीसर सूवी रूसौ सतावरि चावमान रेडजो जावै वि  
रासो अधेला अधेला भरिलेद धीउचौगुनौलेद आवरेकौरसधीउतैहोनौलेद पानीधीउतैअठगुनौलेदसवओषदेपानीमैवाटिकाथ  
करिधीउमैपचावैपाछेआवरेकौरसपचावैधीउछानिलेदया३१ गुन वातरत्तकुसुमारु पित्तरत्ता शीफोदुरोग हडोगगुल्मविसर्पप्रदरगं  
डमालसुद्रोगज्वरसर्वजार अथकासीसाघंघृतं शीरकोसीस हरद दारुहरद मोचा हरताल मरसिल गंधक विडंग गुग्गुल मे  
न मरिच कूठ हरियाथूयो सेतसरसौ रसौत सैडर रार लालवेदन इरणी नीमकेपान कंज गुरीसर वव मजीठ जावै जटामासी  
करीका २

२५

२०  
२०

शिरसकीछालि लोधमदमाष हरद पावारकेवीजा अधेला अधेला भरसववूर्णकरिकैधीउटका ३०। भरेमैचूर्णघोरिकै  
तामैकैवासनेमैधाममै धरिषेदिन ७ फेरिलगावै गुन पुष्ट दाह यामाविचर्चिकासूक्ष्मेय विसर्पविस्फोटवातरत्तशिर  
केफोलाउपदंसनाडीवरासूजनपेटकीजार ताविषजैसौभिलमाकरेछलगजातहैसोल्लाकहावै सोसर्वदुरिहोर अथ  
जात्याघंघृतं चमेली नीम परवरकेपान हरद दारुहरद कटुकी मजीठ जावै मैन करज उरई गुरीस लीलाघोथा सवपानी  
मैवाटिधीउमैपचावैछानिलेदलगावै नाडीवराभर्मस्थानमैजेगभीरवराहोरसोनीकोहोर अथविदुघृतं चितावर सेवा  
हली हरर कवीला निसोतविधारो वडीदातोनकीजर विफला कडतरोर देवदाली नीलिनी विष्णुकोता सैडड पीपरामूल  
विडंग कटुकी घोष अधेला अधेला भरिलेद पानीमैवाटिपीढीकरैधीउ१६। टकाभरेमैपचावै सैडड दूधध आकदूध२० धी  
उमैपचावैधीउछानिलेद गारकेदूधसैउत्नीकेदूधसै कुरधीकेकोहैसै तातेपानीसै एकबूदधीउपिअविरचनहोर अ  
थवाघाइनभिलेपकरैतौविरचनहोरगुल्मकुष्ठसूलउदावर्तशोथआध्मानभगंदरउदरवाधिसर्वजार अथविफलादिघृ  
ते विफला१६। लेदपानी६०। भरेमैकाहोकरैजवसोराटकाभररहेतवछानिलेद विफलाकौकाहो१६। रूसैकौरस१६। घमराकौ  
रस१६। शीकोदूध१६। धीउ१६। भरेमैपचावैपाछेएओषदेपचावै विफला पीपरि दाघ वेदन सैधौनोन वरियारो अस



सारसं०  
२१

गंध सतावरि मरिच सौष्ठि पाउ कमलगल कूट पथरसगा हरद दारुहरद जाठे अधेला अधेला भरिले पानी मैवाटि धी उ  
मैपचावे धी उ धानिले रघार ११ रतौ ध आषको छु जैवने चपावयले ने चरोग सर्वजाइ अथ गौरा घृत हरद दारुहरद  
सरिवन मूर्वा कारीगुरी सर चंदन लाल चंदन जाठे कमल के सरि पदमाय कमलगल उरर असगंध विप्रला वरा की छा  
लि पीपर की छालि उमर की छालि पाकर की छालि पारस की पर की छालि सब अधेला अधेला भरिले पानी मैवाटि धी  
उठका १६ भरे मैपचावे धानिले रघार ११ गुन विसर्पल ता विस्फोट विष को ठवरा विष जाइ अथ फल घृत विप्रला जाठे कू  
ट हरद दारुहरद कड़की विडंग पीपरि मौया इंदोरन कारपूल वव मेदा महामेदा जौ मेदान मिले तौ सतावरि डारिले जे  
काकोली सीरकाकोली जौ एन मिले तौ विलारि के द डारिले जे कारीगुरी सर मुंडी पियंगु सौ फ वाइ सुरही चंदन रक्त  
चंदन चमेली के फूल वेशलोचना कमल पाउ अजमेद दोतोन की जर अधेला अधेला भरिले लक्ष्मणा की जर ले १२  
एक वरी गार वछातरे होइ ता को धी उ १६ दूध छा सब ओषदे दूध मैवाटि धी उ मैपचावे के उन की आच देइ पुष्पनक्षत्र होइ सु  
भतिथि वार होइ तेहि दिन माटी के बसन मै अथवा जौ मे के वासन मै वना वै सिद्ध होइ त वछानिले सुभ दिन होइ त व पि ११ स्त्री होइ  
अथवा पुस होइ पुष्ट होइ पुत्र होइ वंध्या स्त्री गर्भ रहै पुत्र होइ जाके लर काम रजात होइ सो स्त्री याइ जौ लर काम मरे भार द्वाज

१०  
२१

मुनि कहौ है अथ पंचतिलकं घृत रूसौ नीम गुरिच कटार परवर के पान समलेइ चौगुने पानी मै काढौ करै जव चतुर्थी सर है त व  
छानिले र घी उ मैपचावे अथवा पानी मै ओषदे वाटि धी उ मैपचावे धानिले रघार ११ विषमजुर पांडुकु छ विसर्प कृमि अरु जाइ अथ फ  
ल घृत विप्रला दोउ कठ सेरवा गुरिच पथरसगा सौना हरद दारुहरद वाइ सुरही मेदा सतावरि अधेला अधेला भरिले र घी उ १६  
दूध गार को ६० ओषदे दूध मैवाटि पचावे अथवा पानी मैवाटि धी उ मैपचावे दूध न्यारोय चावे धानिले रघार ११ स्त्री के जो निरोग बी  
सभांति के जार गर्भ रहे इति सारंगधरे घृत कल्पना ध्याय अथ तैलानि कथ्यते सारंगधरात् अथ लाछादि तैल पीपर की लाघ ६०  
पानी २५६ कढौ करै जव चतुर्थी सर है त व छानिले ने ल १६ भरे मैपचावे त व गार के दही को पाछरो ६० पचावे त व ओषदे लेइ सौ फ  
असगंध हरद देवदारु कड़की रेनुका मुरहारी कूट जाठे चंदन मौया वार सुरही अधेला अधेला भरिले र दही के पानी मैवाटि पचा  
वै मेद आच मै अथ चूर्ण करि मेद आच मैपचावे तैल छानिले र त गावे गुन विषमज्वर का सस्वा सस्नेह कटि पृष्टि सुलवा त पित्त अयस्मार उ  
न्माद यक्षरास सङ्घि होइ के डू सलगल च दुर्गंध हड्ड पूतन जाइ गर्भिनी स्त्री लगवै तौ गर्भ पुष्ट होइ अथ नारायण तैल असगंध वरियारी  
वेल पाउर दोउ कठ गोरु टियारी नीमा पथरसगा पसारि रूनी दश दशटक भरिले र पानी १०२० मि ओषा वै जव चतुर्थी सर है त  
व छानिले र तैल ६० सतावरि कोर स ६० दूध गार को २५६ मेद आच सेतल मै एक एक पचावे पाछे और ओषदे लेइ कूट लारची च  
हन चोरी जहासा सी छरीला सैधौ नोन असगंध वरियारी वार सुरही सौ फ देवदारु सरिवन पिठवन तगर दोइ होइ टका भरि लेइ



वाटिपीठी करे तेल मैपचावै जवपविजा इतवते लछानिले र नासदे इलगावै धार वस्ति करे चार प्रकार गुन करत है लगारे ते गुन पसा  
घात हनु स्तंभ मन्पास्ते भगल गृह विकल वहि रौ गति भंग कटि पीडा जा की देह सूखत जाइता कलन सु सुक ज्वर क्षयी अं वृद्धि कर  
उदंते रोग शिर रोग पार्श्व सूखे गु बुद्धि निराधनि और जे कठिन वात रोग है ते सब हरि हो र वंध्या स्त्री को गर्भ रहै पुत्र हो र मनुष्य  
हस्ती घोडा हय तेल के लगारे ते सुधी हो र सर्व वात रोग हरि हो र जे सैर्न रायरा देव डूबै तन को नास करत है ते से य रहते ल से वात  
रोग को नास होत है रति नारायरा तेल अथ कंयहारी तेल र दोरन की जर ३ कूटिके तेल तिल को १२ भरे मै मंद आच से पचावै धा  
निले र ~~ते~~ तीन टंक भात के साथ धार गुन हाथ पाउ को कं पशिर कं पजार अथ पसारण तेल पसारि १०० पानी २५ धाति हि  
मै औच वै जव चतुर्थी सर है तव धानिले र तेल ६४ भरे मै पचावै दही ६४ को जी ६४ पचावै दूध २५ पचावै जा वै पी पामूल चिता व  
र सैधो वच पसारि देवदारु वार सुरही गज पीपरि भिलमा सौ पूजल मासी तेल ते आठै अंस सब ले र वाटिपीठी कर तेल मै पचा  
वै तेल धानिले इलगावै १ वात कफ ते जे रोग है ते जाइ कुंज घे जपंगु ग्रंथ सी अर्द्धित हनु एहि शिर रोग श्री वा कटि स्तंभ जार और जे  
वात रोग है ते जाइ अथ अर्द्धित तेल आक के पान पके को रस हरद वाटिपीठी कर सर सौ के तेल मै पचावै धानिले इलगावै पामा कंडु विचर्वि  
का जार अथ परिचादि तेल मरिच हरताल निसोत रक्त चंदन मोथा मटसिल जटा मासी हरद दारु हरद देवदारु र दोरन की जर कनैर की  
जर कूट आक को दूध गोबर को रस अधेला अधेला भरि विषा २५ सरस व को तेल १६ गो मूत्र ३२ सब औषदे वाटि पानी मे घो रिते ल मे

पचावै पुनि गो मूत्र पचावै धानिले इलगावै कुसु जाइ पुंडरीक विचर्विका पामा से हवा कंडू क धरु जार अथ चहन्मरि चादि तेल मरि  
च निसोत वडी दंतौन की जर अक को दूध आक के पान को रस देवदारु हरद दारु हरद जटा मासी कूट चंदन र दोरन की जर  
कनैर की जर हरताल मटसिल चिता उर किरकिच हार् सरिवन विडेग पमार शिरस कुरो नीम सप्तपर्णी सेड्ड गुरिब  
किरवारो धर पीपरि वच पखूदन माल कागुनी कहत है टकाटका भरि विषा २५ तेल सर सौ को ६४ गो मूत्र २५ धा लोहे की कराही ये तेल  
चढावै आच मंद करे सब औषदे गो मूत्र मै वाटि तेल मै पचावै जव सवय विजा इतवते लछानिले इलगावै कुसु वरा पामा विचर्विका दूक  
अथ विष्कोट्य घघाही व्यंग जाइ वेल हाथी घोडो सब नी को हो र अथ वै प्रले तेल को सीस किरकिच हार् कूट सौटि पीपरि  
सैधो मटसिल कनैर विडेग विप्रला नीम की छालि चिरांजो हरद दारु हरद रक्त चंदन सब एक करि पानी मे वाटि पीठी करि ते  
ल मै पचावै धानिले इलगावै देह की रुखा र जाइ धौ सी जाइ अथ का सी साध तेल को सीस किरकिच हार् कूट सौटि पीपरि सै  
धो मटसिल मटसिल कनैर विडेग चिता वर रूसो वडी दंतौन जुरै या के बीजा चोख हरताल अधेला अधेला भरि ले र तेल  
१६ घृहर को दूध २ आक को दूध २ गो मूत्र ५४ सब औषदे गो मूत्र मै वाटि तेल मै पचावै धानिले र अर रोग जाइ तगा एते अथ  
पिंडार व तेल मजोठ का री गुरी सर रार जावै मै न टकाटका भर एक तेल मै पचावै तेल धानिले इलगावै वात रक्त जार अथ निवो  
ज तेल पलित हररा नीम के बीजा की विजी घमरा के रस की भावना विजोर के रस की भावना दे र तेल मै चुरे ले र धानिके तेल को नास



सारं सं०  
२३

देरपलितवारनको सुपेतहवोकहावतै अथयष्टीमधुकैतैल जाठे जवाधार साजी आवरेके फल कौरस एकत्रतेलेमै पचावै वारन  
मैलगवै स्याहसरलहोइ अथकरंजदिनैलं करंज चितउर चमेली कनेर एकत्रवाटिपानीमै तेलमै पचावै छानिले रतगावै इंदुपु  
जाइ अथनीलकाद्यैतैलं लीले केतकी कीजर धमरा कठसेरवा कौहोके फल वीजेके फल कोरेतिल तगर कमल वीजर लोहेकोरेत  
पियंग दरीमाके वकला गुरिच विफला कमलके नीचेकोकीच अधेला अधेला भरविफलाके काटे सैवादि अथधमराकेरससो  
वाटितैलमै पचावै छानिले रवारनमै लगवै वारस्याह होइ दास्तरोगामुडमै होतहै सो जाइ अथभंगराजतैलं धमराकौरस लो  
हेकोकीच विफला काशीगुरीसर सवधमराकेरसमै वाटितैलमै पचावै लगवै दास्तरोगावारकी सपेती के इंदुपु जाइ अथजा  
त्यादिनैलं चमेलीके पान नीमके पान परवरके पान नक्तमालके पान करंज मैन जाठे कूट हरद दास्तरद कुटुकी मजीठ पदमाक  
लोध हरर कमलगला हरियायूथौ गुरीसर करंजवीज समले रपानीमै वाटितैलमै पचावै छानिले रतगावै बुरास्यो टकसरोगाद  
इविसर्पकीट दंशे वरा सखके वरा नयदंतलेगे कौघाउ सर्वधाउ अस्यता सर्वनीके होइ अथहिंवादिनैलं करंजसुले होंग वारन  
वरु सौहि वाटि रसोके तेलमै पचावै छानिले रकानमै डारे करंजसुल जाइ अथविल्वादिनैलं छोटै वेलकाद्योगामुत्रमै वाटिते  
लमै पचावै अथवापानीमै दूधमै वाटि दीउमै पचावै कानमै डारे वधिर्य जाइ अथसारनैलं करंज रोगे मूराकौषार साजीधार  
सधौ सौबर साह्यर घरी पोंगानोन रोग सुहजने लहसन देवदारु बब कूट सौफ रसौत पीपरा मूल मोथा अधेला अधेला भ

रा०  
२३

रितेरपानीमै वाटितैल १६। भरेमै पचावै केर कौरस विजौर कौरस जभीरी कौरस १६। मधुका पचावै तेल छानिले रकानमै डारे पीवथाव  
करंजनादसुल वधिर्य कृमि औरजे करंज रोगहते सबजाइ अथपाहाद्यैतैलं पीनसे पाठ हरद दास्तरद सूर्वा पीपरि चवेलीके पान वरीदा  
तोन एसववाटितैलमै पचावै छानिके नासुदेर पीनस जाइ अथबाघीतैलं कचर वरीदतोन वच सुहजने तुलसी सौह मरिच पी  
परि सैधौ सवएकत्रवाटितैलमै पचावै छानिके नासदे रनासारोग जाइ अथकुहूतैलं कूट वेल पीपरि सौह दाष पानीमै वाटि प  
नरोकरितैलमै पचावै अथघीउमै पचावै नासदे र छीकवुहूत आवत होइ सोमिटे अथगुहधूमनैलं घरकोधोसौ पीपरि देवदा  
रु करंज सैधौ सिरसके वीजा सवपानीमै वाटितैलमै पचावै छानिके नासदे र नाकमै अरी होइ सोहरी होइ अथवजीनैलं सैरु उको  
दूध आककौ दूध धतूरे कौरस चितावर कौरस भैसके गोवर कौरस सवएकत्रकरि सवकी वरावरतिलको तेलमै पचावै तेलतेवौ  
गुनोगो मूत्रपचावै सोतेलटका १६। गंधक चिताउर मरसिलहरताल विडेग अतीस कुटुतोरई कूट वच जलामासी सौहि मरिच  
पीपरि दास्तरद जाठे साजी जीरे देवदारु अधेला अधेला भरि चूर्णाकरितैलमै डारिमंद आचमै पकाइ कै लगावै सर्वकुस जाइ अ  
थकरवीरतैलं कनेरकीजर दातोनकीजर निसोत करंजतुरैयाके वीजा केराकी राखकौपानी सवतेलमै पचावै छानिके धरि वैजहा  
लगावै तहाके वार गिरिजाइ रति सारंगधरेतैलकल्पना अथआसवअरिष्टलिखते साङ्ग धरात अथउसीरा सव उरई वारो  
कमल पुष्करतिल कमलगला पियंग पदमाक लोधमजीठ जवासौ पाठ घिरातौ वट उमरकी छाल कबूर पितपायरो सेत कमल

र



सारसं०  
२४

एकत्र

परवरकेपान कवनारकी छालि जागुनिकी छालि मोचरस टकाटकाभरिलेदवाटिछानिचुराकरै दावटका २०॥ धवरकेफूल १॥ धया  
नी ५१२॥ धाउ १००॥ मधु १००॥ सबएकत्र एकवासनमैधरिरावैमहीना १ पाछेपिअ १॥ रक्तपित्तजारपोडु कुष्ठयमेत अशुक्रमिश्रायेजार  
अथपिप्पल्यादिआसवः पीपरि मरिच चर्वहरद चिताउर मोथा विडंग सुपारी लोधयात आवरे एतुवा छरीला उरई चेदन  
कुट लौगा नगर जटामासी तज लाइची पत्रज पियंगु नागकेसरि एसवपे सापेसाभरिलेदवारीकचुराकरिकेपानी ५१२॥ भरेमैडा  
रे गुड ३००॥ धवरकेफूल १॥ दावटका ६०॥ सर्वमाटीकेवासनमैधरिरावैजवरससोहोरजारतवपिअ सयीरोगगुल्मउदरव्याधिअशु  
गृहणीपांडुरोगकाससर्वजार अथलोहआसवः लोहचुरा सोठमरिच पीपरि विप्रला अजवाइन वारविडंग मोथा चितावर  
चारवारटकाभरलेद चुराकरिके मधु ६०॥ गुड १००॥ जल ५१२॥ एकत्रकरिकेचीकनेवासनमैधरिरावैमहीना १ पाछेपिअ १॥ अग्नि  
होइ पांडुरोगसूजनगुल्मजठरोगअशुक्रघ्नोहकंडूकासस्वासभगंदर अरुचिगृहणीहृदोगसर्वद्विहोइ अथकुटजारिष  
कुरेकीजर १००॥ दाव ५०॥ महुवा पुम्हरकेफूल दसदसटकाभरिपानी १०२०॥ मैकाहोकरैजवचतुर्यास २५६॥ भरिरहेतवछानिलेद  
धवरकेफूलवीसटका २०॥ गुड १००॥ एकत्रमाटीकेवासनमैधरिरावैमहीना १५०॥ सर्वजार अथविडंगारिष विडंग पीपरामूल  
वारसुरही कुरेकीछाल रंइजो पाठ छरीला आवरे पाचपाचटकाभरलेदपानी २०४८॥ ~~महुवा पुम्हरकेफूल दसदसटकाभरिपानी १०२०॥~~  
~~धरिसवैमहीनातवपिअ १॥ रक्तपित्तजारपोडु कुष्ठयमेत अशुक्रमिश्रायेजार~~ टकाभरेमैऔटावैजव २५६॥ भरिरहेतवछानिलेद मधु ३००॥ धवर

२०  
२४

केफूल २०॥ तज पत्रज लाइची २॥ पियंगु कवनारकी छालि लोधटकाटका १॥ भरविक्कुटका ४॥ सबएकत्र चुराकरिकेचीकनेवासन  
मैधरिरावैमहीना १०॥ तवपिअ १॥ विदधिउरुस्तंभपथरी प्रमेहत्यछिलाभगंदरगंडमालाहनुस्तंभसर्वजार अथदेवदारु  
देवदारु ५०॥ सुसो २०॥ मजीठ रंइजो बडीदतोन नगरहरद दारुहरद वारसुरही वारविडंग मोथा सिरसकीछाल पेर को  
हाकीछाल दशदशटकाभरि अजवाइन कुरो चेदन गुरिच कडुकी चिताउर आठआठटकाभरि २॥ सबएकत्रकुरिपानी  
टका २०४८॥ भरेमैऔटावैजवअष्टावसेषरहे २५६॥ तवछानिलेदतवधवरकेफूलटका १६॥ मधु ३००॥ विक्कुट २॥ तजप  
त्रजलाइची ४॥ पियंगु ४॥ नागकेसरि ३॥ सर्वचुराकरिएकत्रचीकनेवासनमैधरिरावैमहीना १॥ तवपिअ १॥ प्रमेहद्विहो  
इ वातरेगागृहणी अशुक्रघ्नोहकंडूकाससर्वजार अथवदिरारिषः ~~पानी २०४८॥~~ पेरकीलकरी ५०॥ देवदारु ५०॥ वकुचीके  
वीजा १२॥ दारुहरद २०॥ विप्रला २०॥ पानी २०४८॥ भरेमैऔटावैजव २५६॥ टकाभरिरहेतवछानिलेद तवमधु २००॥ धाउ  
१००॥ धवरकेफूल २०॥ केकोल नागकेसर जारप्रूर लौगा लाइची तज पत्रज टकाटकाभरि पीपरिटका ४०॥ चुराकरिसव  
एकत्रकरिकेचीकनेवासनमैधरिरावैमहीना १॥ पिअ १॥ महुवा पुम्हरकेफूल १॥ हृदोगपांडुरोगअर्बुदगुल्मगंधिअशुक्रमिकासघ्नोहउदरव्याधि  
सर्वकुष्ठजार अथववूलारिष ववूलकीछाललकरी २००॥ पानी २०२४॥ टकाभरेमैपवावैजवचतुर्यासरहे २५६॥ टकाभर  
रहेतवछानिलेदतिहिमेगुड ३००॥ धवरकेफूल १॥ पीपरि २॥ जारप्रूर केकोल लाइची तज पत्रज नागकेसर लौगा मरिच एटका



सारसं  
२५

टका भरसबलेर चूरा करिके एकत्र सब चीकने वासन मै धरि राखे महीना १ पीछे पिअ १॥ दस्यो कस्य अती सार प्रमेह स्वास कास स  
र्वजार अथ द्वासादिषु दाय ५० पानी ५० टका भर मै औला वैजव चतुर्थी सर है १२५ तव छानिले र तिहि मै गुड २०० तज लार  
ची पत्र ज नाग के सरि प्रियंगु मरिच पीपरि विडंग टका टका भरिले र चूरा करिके एकत्र सब वासन मै धरि राखे महीना १ तव पिअ १॥  
उर क्षत क्षयी कास स्वास गल रोग जार वल होइ मल सोधन होइ अथ रोहित कारि छरो होत क १०० पानी १०२६ भर मै औला वैजव  
चौथा सर है २५५ तव छानिले र गुड २०० धवर्द के फूल १५ पीपरि पीपरामूल चर्व चिता उर सौदि तज लार ची पत्र ज विफला एक ट  
टका भरिले र वाटि चूरा करिके एकत्र सब चीकने वासन मै धरि राखे महीना १ तव पिअ गुद रोग गुद रोग पांडुरोग हृदय रोग गुल्म उर बाधिक  
पुशोफ अरु चि सर्वजार अथ दशमूलारिषु दोउ वलोर दोउ कलार गोघूरु वेल ररनी सौना पुम्मेर पाउर पाच पाच टका भ  
रिले र चिता वर २५५ पौह कर मूल लोध २०० गुरिच २०० आवरे १६ ज वासो १२ घेर बीजो हरर आवटका टका भर मजीठ देवदारु  
कूट विडंग गजादे भांगी कैथ पथर सगा चरव जल मासी प्रियंगु गुरीसर कावे जीरे निसोत रेनुका वारसुरही पीपरि लोध  
मुपेत कजूर हरद सौय पदमाक नाग के सर मोथा रंजो सौदि जीवक अषभक मेरा महामेदा काकोली क्षीर काकोली अरु दिव  
दि ए अथ औषदै जो कदाचित न मिले तो रन के स्थान मै सतावर असगध विलार कंद एडार लीजे दो दो टका भर सबले र अथ  
गुने पानी मै औला वैजव चतुर्थी सर है तव छानिले र माली के वासन मै धरि तिहि मै दाय ६० पानी मै चोगुने मै औला वैजव चौथा र

१०  
२५

पानी जार जार तव छानिके पहिले काठे मै मिलाइ दे र मधु २२ गुड ४०० धवर्द के फूल ५० के कोल वारौ चंदन जार पूर लो  
ग तज लार ची पत्र ज नाग के सर पीपरि दो दो टका भर चूरा करिके कसरी मासे खस वर कसरी मासी के वासन मै धरि कै धरती  
मे गाडो राखे महीना १ तव तिहि कोर स पिअ १॥ गुद रोग अरु विसल स्वास कास भगदर वात व्याधि दस्यो छर्दि पांडुरोग का मला कुसु अरु शिषु  
मेह मंदानि उदर व्याधि शर्करा यथरी मूत्र कृच्छातु दस्यो सर्वजार पुष्ट होइ रंध्या स्त्री के गर्भ रहे बीज होइ वल होइ इति सार गधरे है  
आस वारिषा धाव अथ धानु सोधन सौनो रुको तामे पीतर का सो लोह एस वधातुन के पत्र करिके आग मै तपै तपै के तेल मै बु  
जावे वार ७ तव मै बुजावे वार ७ गोमूत्र मै बुजावे वार ७ कुरथी के काठे मै बुजावे वार ७ कोजी मै वार ७ तव सुद्ध होइ अथ वंग अरु सीसो सी  
धन रग पिघलाइ के आक कोइ ध एक वासन मै धरि ता के अपर एक हांडी धरे छेद करिके तव पिघलौ रोग हांडी मे डोर छेद की राह हो के आक के दू  
ध भरे एही तराती नवर बुजावे रोग सुद्ध होइ एही प्रकार सीसो सुद्ध होत है अथ लोह शुद्ध विफला १६ अंगुने पानी मै काटो करे जव चतुर्थी सर है त  
व काठो छानिले र तेहि मै लोह पाभ रे के पत्र जो करि बुजावे वार सात ७ तव सुद्ध होइ अन्य प्रकार सोधन तेल तं क गोमूत्र कांजी कुरथी के काठो मै सात  
सात वर बुजावे तपै तपै के तव सुद्ध होइ अन्य प्रकार धूहर कोइ ध नोत तामे के पत्र मै लेप करि आग मै तपै के निगुडी कर स मै बुजावे वार ७ फेर अहर  
कर स मै बुजावे वार ७ पुन आक कर स मै बुजावे तपै तपै के वार सात ७ तव सुद्ध होइ अन्य प्रकार तामे के पत्र वरी क कागद से करिके अगुठा के लघ के  
चगर करत र गोमूत्र मै एक पहर औटेल आवदे र सुद्ध होइ इति तामु सुद्धि जेही भांति तामो सुद्ध होत है तेही भांति पीतर का सो सुद्ध होत है अ



सारसे  
२६

अथउपधातसोधन अथसौनामाधीसोधन सौनामाधीभाग ३ सैधोभाग १ विजौरे कौरस अथजंभीर कौरस लोहे की काही भरेतिहिमें सौनामाधीसैधोवांटिके डोर अरु लोहे की कछुली सैचलावै आबते जे देर जिहिते कराही लाल होत जादर सजरजार सुद्ध होत अथरूपामाधी पैदोर के गल्ले केरस की भावना मेघअंगी केरस की भावना १ जंभीरी केरस की भावना १ धाम मे सुधोवे सुद्ध होत अथमहासिलसोधन छरी के सुते में दोलाजे वसे तीन दिन कावै प्रिछरी के पोते की भावना २ देर सुद्ध होत अथ अगसिया के पान केरस की भावना ७ आद कीरस की भावना ७ देर सुधे सुधे के तव सुद्ध होत अथहरतालसोधन हरताल के पत्र जे देर के रिछोले करिके एक कप रा मे पुट रिया बाधे एक तोड़ी में कांजी को पानी भरेतिहिमें हरताल की पुट रिया लटको वै घुले पर बहार के आब देर पहर १ तव भूरा कुम्हा कौरस हो डी में भरे आब देर पहर १ तिल के तेल में आब देर मे पहर १ विफला के काहे में पचावै पहर १ असी शार पहर की में पका सुद्ध होत है अथहरियायूसोधन विलार के विद्या से परे वा के विद्या सैधो देर १ स सुहाग देर १ मड आब देर पुनिदही से अरु मधु सैधो है आब देर तव सुद्ध होत अथखर्पर शुद्धि घपरियादस की होत है पीरी पीठ की कहावत है गोमूत्र में अथवा नरसूत्र में डोला जे वसे पचावै दिन ७ तव सुद्ध होत अथअभ्रकसोधन कुलाभ्रक लेर आग में धौ के जव लाल होत तव इध में कुमावे पुनिउपरी में मूसर सैकुटे जव वारी होत तव अभ्रक की चौयार्ध न लेर एक कप रिफरा की थैली अथवा कमरा की थैली में भरे एक नाद में पानी भरेतिहिमें थैली डारि राधे दिन ३ पुनिमी डे जव सब अभ्रक पानी में निकस जात तव राधे पानी धौने तव ऊपर को पानी का डिडोर नीचे जो अभ्रक है सो सुधे लेर तव धान्याभ्रक सुद्ध होत तव धान्याभ्रक लेर आक के इध से धरलै दिन १ एक तो करिके आक के पान लपेटि गज पुट आब देर एही प्रकार की सात आब देर आक

वेधसाकेवे  
लि केरस की  
भावना १ ॥ २ ॥

१०  
२६

७ बट केजर की वकला की २ ।

केहूध की तव वरों की जर के कवला को काय करितिहिमें धौटे दिन १ पुनि गज पुट आब देर तीन आब एही प्रकार देर तव मरी अभ्रक लेर ता की वर धौ उडारिके लोहे की काही में बहावै जव धौ उजरि जात तव सिद्ध भयो प्रथम एक आब चौरा की जर केरस की निवृरस की देर तव आक के इध की आब देर अथ धान्याभ्रक लेर मोथा के काहे सैधो है दिन १ गज पुट आब देर एही प्रकार की मोथा के काहे की आब उपर सगा केरस की आब उवा सो दिन केरस की आब उनागे वलिके पान केरस की आब उ आक के इध की आब उ वरा के जर के काहे की आब उ मूसरी के काहे की आब उ गुरु के काहे की आब उ करे छ केरस की आब उ केर के दे केरस की आब उ ताले वघोरस की आब उ लो ध केरस की आब उ सब आब दिन दिन भर धौटे गज पुट देर एही प्रकार की तीन तीन आब देर इध सैधो है दिन १ गज पुट आब देर दही की आब १ धौ उ की आब १ मधु की आब १ घाड़ की आब १ तव अभ्रक मरि जात सर्व रोग को जो ग्य है जोगवा होत पुष्टि है केहूध की करत है इति अभ्रक सारन अथ हिं गुलसोधन गाडर के इध सैधो है वार ७ निवृरस सैधो है वार ७ सुधे सुधे के सुद्ध होत अथगंधकसोधन लोहे के वासन में धौ उ में चुरे जव गंधक पिघलै तव इध में डारि देर जम जात तव निकसिले सुद्ध होत अथकांत पाषाण शुद्धि नोनत चाषार निवृरस सै दोला जे वसे एक दिन पचावै सुद्ध होत अथकासीस शुद्धि घमरा केरस में दोला जे वसे एक पहर आब देर सुद्ध होत अथसिलजतुसोधन सि लोजतु को गाड के इध सै विफला के काहे घमरा कौरस सै एक एक दिन धौटे धाम में सुधे लेर सुद्ध होत अथशिलाजतुसत्वनि कास न प्रकार अथ सिलाजतु जल में धोर लेर तव सुद्ध होत निर्दोष होत तव सुधे के सरद रिनु में अथवा ग्रीष्म रिनु में जव धाम तेज होत तव वार







सारसे ०  
२८

शुद्धवायुहोइ अथविषसोधन विषकेट्टकाकरिकेकपरांमेवाधिकेछेरीकेइधमेडोलाजंवेसैपचावेपहर १ सुद्धहोइ जो छेरीकोइधनहोइ तो  
गाइकेइधमे सोधे अथवागोमूत्रमेचुरैवेडोलाजंवेसैपहर १ सुद्धहोइ अथउपविष अथलांगलीसोधन किरकिबहारकीजरएकदिनगोमू  
त्रमेधरिराषेशुद्धहोइ अथगुंजा गुग्गुलीकोजीमेचुरै लेइडोलाजंवेसैपहर १ सुद्धहोइ अथअफीम अफीमआदकेरसकीभावनादेइ सुद्धहो  
इ अथधतूरेकेबीजागोमूत्रमेभिजेराषेदिन १ पुनिउधरीमेसूसरसैकूटेवकलीइरिहोइतवशुद्धहोइ अथविषमुष्टि वकारनेके बीजाघोउ  
मेभूजेशुद्धहोइ अथअजैपालशुद्धि अजैपालकेबीजापानीमेभिजेराषेपहर १ फेरिघोउमेसैकेजवफूलेअरुफटिपरेतवशुद्ध अथरससो  
धनमारन राईलहसनवाटिमूषाकरिकेपारोधरेकपरांमेवाधिदोलाजंवेसैकांजीमेसोधेदिन ३ फेरिगुवारिकेरसमेघलेदिन १ चिताउ  
रकेकाठेमेघलेदिन १ मक्याकेरसमेघलेदिन १ विप्लाकेकाठेसैदिन १ तवकांजीमेधोइलेइतवपारोषरलेमेराषेअरुपारेतेआधोसैधोनी  
नडोरेनिंवरससेघलेदिन १ तवराईलहसन नौसादरपारेकीवरावरडागिभुसीकेकाठेसैघोइतवसुषकेचकतीवनावेहीगकोलेपकरेजवए  
कहाडीमेनौनघोरिकेभीतरलेपकरेतेहिकेउपर औरहांडीऔधावैकपरोडीकरिचूलेपरआचदेइपहर १ तवघोलेकेनौनइरकरिकेतरेकी  
नौनवालीहांडीउपरकरेउपरकीहांडीतरेकरेतिहिमेपारोधरेमुद्राकरिकेचूलेपरतीनपहरआचदेइतेजअरुहांडीकेउपरकमारभाटी  
कोकोटवनाइकेसीतलपानीभरदेइजवगरमहोइतववहपानीअचडोरेऔरसीतलपानीभरदेइएहीभांतितीनपहरआचदेइउपर  
कीहांडीमेजोपारोलागोहैसोनिकासिलेइसुद्धहोइसर्वदोषतैरहितहोइ अन्यमतं विप्लाकेकाठेसैपारोघोइदिन ३ चिताउरके

रा०  
२८

धो२

काठेसैघोइदिन ३ सरसौकेकाठेसैघोइदिन ३ गुवारिकेरससैदिन ३ कटारकेकाठेसैदिन ३ कांजीसोधोइलेइपाचमलेदोषइरिहोइ पुरानीई  
टहरदकोबूरनपारेकेसोरतेअंसडारिकेजभीरीकेरससैघरलेदिन १ कांजीसैधोइलेनागदोषजार अकोलाकीजरकेरससैघोइवंगदोषजा  
र किरवारसैघोइमलदोषजार चिताउरसैअग्निदोषजातहै कारेधतूरेसैघोइबेचलदोषजार विप्लासैविषदोषजार विकलसैगिरिदोषजा  
इ प्रतिदोषकोकांजीसैधोइलेइसुद्धहोइ अन्य गवारि अभक हरद सैपारोएकदिनघोइफिरदोहांडीकोजंवेकरिकेकाठिलेइसुद्धहोइ अन्य चंद  
न देवदारु कोवालोटी गनिआर पशोर गुलसी गवारि रनकेरससैएकदिनघोइडमरुजंवेडारिकेउठारलेइसुद्धहोइ अथईगुरोपारोकाठिले  
इ जभीरीकेरससैअथनिंवरससैईगुरघोइदिन १ फेरिदोहांडीलेइमुहमिलेकेएकहांडीमेईगुरधरेइसरीहांडीउपरऔधाइदेइदरजमेमा  
लीतगारकेकपरोडीकरेअरुउपरहांडीपरकमारभाटीकोकोटवैदीपरवनावैतिहिमेसीतलपानीभरैचूलेपरचहाइकेतेजआचदेइपहर ३ उप  
रहांडीपरजोपानीभरैहै सोजवगरमहोइजारतवनि कासिडोरेऔरपानीभरदेइधरीधरीसीतलपानीभरतरहैउपरकीहांडीकीपैदीमेपारोला  
गतहैसोनिकासिलेइकपरांमेघनिलेइवंचुकीतैरहितपारोशुद्धहोइतहै अथरसमारणा नामवेलिकेरससैपारोसुद्धघोइदिन १ पशोरकेगटा  
मेधरिकेमाटीकेमूषमेधरिगजपुटआचदेइभस्महोइ अन्य सुपेतअकोलाकीजरकेरससैसुद्धपारोघोइदिन ३ अंधमूषामेधरिकेगजपुट  
आचदेइभस्महोइ अथान्य अजारकेबीजावाटिमूषावनावैतिहिमेसुद्धपारोधरेकठजमरिकेइधमिलारके अरुगुमी वारविडंगर  
रमेदकोबूरानीचैउपरदेइकेगोलाकरेसोगोलाभाटिकेमूषामेधरिसैपुटकरिकेकपरोडीकरिगजपुटआचदेइभस्महोइ अन्य कठजम



सं० २८

रिक्के दूध से पारो घोटैत वकठउम गिक्के दूध से हांगघोटिके मूषा दोबनावेतेहिमे पारो धरै गोला को रिक्के पारो करिदेइ सो गोला माडी के  
मूषा मेधरि संयुक्त करिके मउ आचदेर भस्महार अथ अन्य प्रकार आधसेर पारो ईगुर को लेइ तेहके मूषा करि वे निमित्त अरु पक्ष तेर वेनि  
मित्त पहिले आध पाउ विष को चूरा डारिके घोटै दिन ० फेरि आक के दूध से सेर डके दूध से घट्टे कर ससे किरकि चहार कर ससे क  
ने रेक पान के रस से घुघवी पत्र से घुघवी के काठ से आध पाउ अमीम आदे कर ससे घोरिके तर एक से सात सात दिन घोटैत वउम  
रुज्जे मे डारिके दोष हर आचदेर के उठार लेइ जो हर एक विष उपविष से घोटिके हर वेर उमरु जेव से उठार लेइ तो गुन बहुत करे तिहि  
उपरांत मर्दन संस्कार करे कुकरो दा के रस से लोनी के रस से गूमी के रस से जल पीपरि के रस से चार उर समिलार के पाउ पाउ से चार  
उर से लेइ तिहि से घोटै दिन ० पोरै पोरै मडारिके अष्टादिन घाम मे मूषा वेवेही परले मे फेरि पल्ल से पोरै निकासिले जव सुषि जार ते  
हि को नाम उत्थापन संस्कार उन चार उर से घोटै है तिहि को नाम मर्दन संस्कार जो पारो ईगुर को न होइ तो किरवारो चिता उर टरा की ज  
र को वकला हर एक के काठ से तीन तीन दिन घोटै गारि के रस से तीन दिन घोटै यह मर्दन संस्कार ते पारे को मल दोष अग्नि दोष विष दोष  
सप्त कुंभ दोष ए सव हरि होत है इन से घोटिके दोष हर आचदेर के उमरु जेव से उठार लेइ तव विष उपविष से घोटै पेस उठार लेइ उम  
रुज्जे से तिहि उपरांत कुकरो दा लोनी गूमी जल पीपरि इन के रस से सात सात दिन घोटै जव गाढो होइ तव इन चार उर को रस पाउ एक डारि  
के एक दिन घाम मे मूषा के पारो उठार लेइ उमरु जेव से तेह उपरांत पारे को निपुंसक दोष हरि के रिक्के निमित्त स्वेदन संस्कार करे उठ

२०  
२८

उन चार के रस से घोटै दिन १४ वहुत घोटै ते पारे मे गुन बहुत होत है चौदह दिन घोटै के फेरि वेही भांति उत्थापन संस्कार करिके पल्ल से पारो निकासिले पाछे फेरि + ३

रेलता मे पारो वा धे डोला जेव की भांति होइ मे लटकावे अरु उन चार उर को रस हाडी भर डारै ते दीपक आच करे पद चार इहि  
को नाम स्वेदन संस्कार तव पारो लता से पोले पल्ल मे डारै अरु हाडी मे वा की रसर होइ सो डारिके घोटै जवा होइ तव फेरि सुषे  
के उमरु जेव मे डारिके उठार लेइ फेरि निपुंसकता हरि करि वे निमित्त फेरि स्वेदन संस्कार करे इहि भांति सो धे सोहि पीपरि अरिच मूरा  
के बीजा आदो रई हर एक छदाम छदाम भरिले रको जी के पानी से पीसे चार तहलता मे बुयै तिहि मे पारो धरि के वा धे डोला जेव की भांति ए  
क मटका मे लटकावे तिहि मटका मे कांजी के पानी भरि के तीन दिन स्वेदन करे धीमी आच से इहि स्वेदन संस्कार से पारे मे दीपन संस्का  
र होत है दीपन संस्कार ते पारो भूषो होत है अरु पारे की निर्वलता हरि होत है पाछे पारो लता से निकासिके अरु वासन संस्कार करे एक  
हाडी मे पारो राखे ते हि मे जंभीरी नीबूर स डारिके एक दिन घाम मे धरि राखे इहिकर नाम अनुवासन संस्कार अनुवासन संस्कार ते पारो  
वहुत भूषो होत है तव पारो हेडी से निकासिके तो ले जो पारो सौरा पे सा भरि होइ तो सो धोनो निया गंधक सोर ह पे सा भरि डारै एक  
दिन घोटिके कजरी करे गूमी अरु जल पीपरि के रस से दो दिन घोटै जव सूखेत वसि सी मे डारिके शि सी मे पहिल दोर क पारो  
करे घाम मे सुषे वे पाछे वह सी सी एक हाडी मे राखे पहिल हाडी के बीच छेद करे उपेया से तन क चौरा वर छेद के बीच मे ले  
तव सि सी मे जो वी एक घपरिया राखे ठीकरी के दो ऊव गल छेद उघारो राखे अरु छेद के चो गिर्द गीली माटी लगावे जिहि ते हा  
डी की वारुन निकासि जार तव सि सी उह के उपरांत अरु हाडी के मुह तो रवारु भरि देइ सि सी की गारदन वारु से वाहि र हे वृत्त प



सारसं०  
३०

रचठाइकेआठपहरदोलकरीकीआचदेर चारिपहरधीमीआचदेरआरुचारपहरतेजआचदेरजवस्वांगसीतलहोरत  
वाशिसीफेरिकेपारेकीचांदीनिकासिलेइआरुचांदीकेपीछेजोगंधककीरायलगीहोसोछुरीसेइरिकेफेरिवहचांदीघल्लेमेडारिकेपी  
सेगुमीअरुजलपीपरिकेरससेएकदिनघाटेजवसुषतवआरशिसीमेडारिकेवातुकाजेवमेगंधिकेचारिपहरमेंदागिनदेरदोपहर  
लकरीसेजेरतेअवशिष्टगंधकजरिजारगंधककेजेरवकीपरीसाकरेपहिलेपहरपरीसाकरेदूसरेपहरसेलेरकेतीनपहरतारीपरीसा  
करेदूसरेपहरकीजवचारिघडीतैतवएकशिकडारेशिशिकेभीतरजेवसीकजरिनिकेसेतवजमेकेगंधकजरौतववेगिदेउतारिलेइ  
जोपिघलेगंधकसंयुक्तरीकआवेतोजानियेकेगंधकनाहीजरोतवआरआचदेरजवलोगंधकजीराहोइचारिचारिघरीउ  
परंतसीकसेपरीसाकरेतवसिशिकेरिकेचांदीनिकासिलेइटिकरीकेपीछेजोगंधककीरायहोसोछुरीसेइरिकेफेरियहचांदी  
तैलेजोजानेकेपहिलीचांदीकेवरावरयहचांदीउतरीकेकमउतरेतैसोरहयैसाभरिपारेकीचतुर्थीसवारियैसाभरिसोधोगंध  
कआरडारपहिलेइनोकहवादिकेगंधातिरियागुमीकरससेघाटेएकदिनसुषकेशिशीमेडारैफेरिचारिपहरधीमीआचदेरजेहि  
तैपैसादेभरगंधकजरैएकपहरजोतेजआचदेरतैयैसाभरिगंधकजरैयहसिद्धांतहैजोएकपहरमेंदोआचदेरतैअधलाभरिगं  
धकजरैजवदोयैसाभरिगंधकजरैतवशिशीफेरिकेचांदीनिकासिलेइचांदीकेउपरकीरायछुरीसेइरिकेफेरिकेचांदीवाटेतै  
हिमेअधलाभरिविषपीसिकेडारैगुमीअरुजलपीपरिकेरससेएकदिनघाटेसुषकेशिशीमेडारैफेरिधीमीआचदेरपहरचारि

सं०  
३०

जेहिंतेअवशिष्टगंधकजरैजवसीतलहोरतवशिशीफेरिकेचांदीनिकासिलेइविषकेडारैतैचांदीगंधककीरायकहछोडकेवठतैअ  
रुचांदीकेपीछेजोगंधककीरायलगीहोसोछुरीसेइरिकेफेरिचांदीतैलेइसरीचांदीजोतैलोहैतैहीकीउजनपरजोचांदीउतरेतैजानेकेसिद्ध  
भयोअधिकहोइतैफेरिआचदीपकदेइपहरचारियहचंद्रोदयसएकतोलातेरअरुएकतोलाभरिलोगवाटिकेदोऊकहघरीएकघो  
टेदोदोरतीकीपुरियावाधिरायैएकएकमावाइवेगदेअजीराइरिहोइभूषलगेकोछवंधइरिहोइसूत्रावइरिहोइकामदेववडे  
मूर्छाइरिहोइहिचकीइरिहोइवलहोइकोतिहोइदेहपुष्टिहोइपसूतसेअथवासंनियातसेदेहसीतलभईहोइअरुपसीनाच  
लतहोइसोनीकहोइप्रमहइरहोइघासीस्वासप्रिरंगवाउइरिहोइअरुज्वरिकेइरिभएउयरांतअरुविवदतदिनतौईरिहोइ  
हैतेहिअरुधिकेरहैसदिनअठारहमेमरतहैसोअसाध्यअरुवियहचंद्रोदयसेइरिहोतैरतिचंद्रोदयवरसअथतलभ  
स्मगंधकनोसादरशुद्धयारोवरावरलेइआठआठयैसाभरिसवपीसिकेकजरौकरिकेशिशीमेभरिकेवारहपहरआचदेरजवशी  
तलहोइतवउतारिकेशिशीफेरिकेतैजेहपारदभस्मसोलेइउपरकोगंधकइरिकेइतिरससोधनमारणअथधातुमारणअथ  
स्ववर्णमारणसोनोमुहलेइतिहिंतेइनोमुह्यारोलेइनिबुरससेघाटेगोलाकरेतैहिगोलाकीवरावरगंधकलेइगोलाकेनीवैउपरदेकेसं  
पुटमधरेकपरोटीकरिकेतैसकेडाकीआचदेइअसीचोदहैआचदेइवारवारगंधकतरैउपरदेइकेभस्महोइअन्यसुद्धसोनोलेरते  
इकेसोरहैअंससीसोपिघलारकेसोनोमिलाइदेइगाठपरिजारतववाटिबुराकरिकेनिबुरससेघाटेगोलाकरेतैहिगोलाकीसमान



गंधकलेइवाटिसरावसंपुटमैगोलाकनीचैउपरदेकैसंपुटकरिकपरोटीकरिकैतीसकंडाहारकेलेइतिनकीआचदेइ सातआचमैभस्म  
होइगंधकतरेअरवरावरदेइ अन्य कवनारकेरससैयारोगंधकसमधौदेकजरीकरैतवसौनैकेपत्रपारेगंधककीवरावरलेइतिनपत्रमै न  
लेपकरै कवनारकीछालिवारिमूयावनावैतिहिमैपत्रधरेगोलाकरिमाटीकेसूयामैधरेकपरोटीकरिसंपुटसुखैलेइगजपुटआचदेइतीन  
आचमैभस्महोइसर्वकारजविषेजोगहै जेहिप्रकारकवनारसैसौनाभरतहैतेहीप्रकारलोगलीसै ज्वालाभुषीसै मटसिलसैभरतहै  
अन्य मटसिलसैइसमलेइचूरकरिआककेइधकीभावनादेइ सुखैसुखैतवसौनासुखपिघलावैतेहीकीवरावरयोक्कडारिकै  
धौकैजवकल्कलीनहोइजाइतवऔरकल्कदेइतीनवेरकल्कदेइ अरधौकैभस्महोइ अन्य परवाकौविषाअथवाभुरगाकौविषासौनैकेप  
त्रनैलेपकरैगंधकवाटिकैसरावसंपुटमैतरेउपरगंधकदेइसौनैकीवरावरसंपुटकरेपाचकंडाकीआचकुछुटपुटसैदेइसौनाआचदे  
इइसईआचतीसकंडाकीदेइभस्महोइ अन्य सौनाभायी सैइर समलेइआककेइधसैरससैपीसिसौनैकेवरावरीकपत्रनमैलेप  
करैसौनैकीवरावर तवसरावामेधरिगजपुटआचदेइभस्महोइ अथरौपमारण हरतालएकभागनिबूरससैघोटे रूपकेसुखयवभा  
गउतिनपत्रनमैहरताललेपकरैसुखकेसंपुटनमैधरिकपरोटीकरिकैतीसकंडाजंगलीकीआचदेइसौनाचौदहआचदेइहरतारदेत  
न्य जाइभस्महोइ अथहरकेइधसैसौनाभायीघोटिकैरूपकेपत्रनमैहरतालकीभांतिलेपकरैवेहीप्रकारचौदहआचमैभस्महोइ  
अथताभुमारण तामैकेवादीकपत्रसुखलेइतिनकोनिबूरससैतीनवेरस्वेदनकरैपाछेखल्लमैडारेअरपत्रनकीचौथारसुखयागोडीरै

निबूरससैघोटेपहरतवगंधकपत्रनमैइनौलेइनिबूरससैघोटिपत्रनमैलेपकरिकैगोलाकरैतवनौनियापथरसगावाटिकल्कगो  
लाकेवाहिरलेपआगुसुखैलेपकरिकैहोटीमैधरेवारमैअथवागंधमैधरेहोटीकोसुहमूदिचुलेपखटावेचारपहरआचदेइस्वांगसी  
तलहोइतवनिकासिकैपीसैसूरनकेरससैघोटिपुनिगोलाकरैसुखैकैनीचैउपरगंधकलेपकरैसंपुटमैधरिगजपुटआचदेइभस्महो  
इ अन्य पारोसुखगंधकसुखसमलेइजेभीरीकेरससैघोटि सुखतामैकेपत्रसमलेपकरिसंपुटमैधरिगजपुटआचदेइउभस्महोइ अ  
थपीतरमारण गंधकआककेइधसैपीसिकैपीतरकेपत्रसमलेइलेपकरैसंपुटमैधरिगजपुटआचदेइदोआचमैभस्महोइ जेहीप्र  
कारपीतरभरतहैतेहीप्रकारकासौमारतहै अथनागमारण नागवेलकेपानकेरससैमटसिलघोटिकैसीसौसुखकेपत्रनमैलेपक  
रिगजपुटआचदेइ३२वारवारमटसिलदेइभस्महोइ अन्य रमिलीकीपीपरिकीछालकोचूरनसीसैकेचतुर्थीसलेइमाटीकेवासन  
मैसीसौपिघलावैचूरनडारतजारअरुलोहकीकरछुलीसैचलावैचुलेपरआचदेइएकपहरमैभस्महोइ तिहिकीवरावरमटसि  
ललेइएकत्रकोजीसैपीसिगजपुटआचदेइसौतलहोइतवनिकासिलेइपुनिमटसिलदेइकैकांजीसैपीसिसंपुटकरिपुनिगजपुटआ  
चदेइसौछेआचदेइसुखभस्महोइ अन्य मटसिलरुसकेरससैघोटिसौसैकेपत्रनमैलेपकरिगजपुटआचदेइतीनआचमैभ  
स्महोइ अथवेगमारण रंगमाटीकेवासनमैपिघलावैपीपरिकीअमिलीकीछालकोचूरनचतुर्थीसलेइथोरथोरचूरनरंगमै  
डारतजारअरुलोहकीकरछुलीसैचलावैदोपहरआचदेइभस्महोइ अन्य सोधेरंगकेपत्रनमैनेहिरंगकीभस्मकीवरावर



शुद्धहरताललेतेहिहरतालकेदसभागकरै एकभागहरतालवेगमें डारिनिवृत्तससैघोटेपहरा टिकियाकरिसुखैकैगजपुटआच  
देइपुनिपुसरोभागहरतालडारिकैनिवृत्तससैघोटिपु निगजपुटआचदेइपुनितीसरोभागडारैपुनिआचदेइएहीप्रकारदशवा  
रकैदशभागहरतालकीदशआचदेइवेगभस्महार अन्य सोधेरंगकेपवकैजवाकेउन्मानकतरे तवपीपरकीषइअरुइमि  
लीकीषइवाटिचुराकरैकंडाकेनीचेविष्णवैतेहिकेऊपरटाटकौइकाविष्णवैतिहिकेऊपरचूरनयइकौविष्णवैतेहिकेऊपरगंग  
केपवविष्णवैजुदेजुदेपवरहेतेकेऊपरऔरचूरनविष्णवैऊपरऔरकंडादेकैवारिदेइजवसीतलहोइतवजतनसैरागवीनलेइ  
भस्महार जेहीप्रकारषइसैमरतहेतेहीप्रकारभागसौमरतहे अथलोलहमारया गजवेलकौरेतजेतनोहोइतेहकेवारहेअं  
सईगुरडारैगवारिकेरससैघोटेपहरा गजपुटआचदेइसीतलहोइतवफेरिवारहेअं सईगुरडारैफेरिवारिकेरससैघोटिगज  
पुटदेइएहीप्रकारईगुरवारहेअं सडारिडारिकैगजपुटदेइवार ७ लोहभस्महार अन्य यारो १ गंधकरकजलीकरिकैदोऊ  
कीवरावरलोहेकौचुरालेइगवारिकेरस सैघोटेपहरा २ गोलाकरिकैतामैकैवासनमैधामैमैधरैअंउकेपातसैआश्वादन  
करैगोलाजातोभयोदोघरीमैतवधानकीरासमैगाडिरायेदिनउतवनिवासिकैपीसैभस्महार तवमरोलोहोकीवरावरगंधकले  
इगवारिकेरससैघोटेएकदिनगजपुटआचदेइसवक्रियाकौमरोलोहोसुद्धहोइ जोकेऊलोहषारसोएवसैनघाइ ऊमडाति  
लतेलउरदराईमदिराषटाईकरैलानघाइ अथसौनामाषीभारन सुद्धसौनामाषीकेचतुर्थीसगंधकडारिअंटीकेतेलसैघो

टिकिकरीकरैसंपुटकरिगजपुटआचदेइभस्महार अन्य कुरथीकेकाहेसैअंटीकेतेलसैतत्रसैघोटिगजपुटआचदेइभस्महार  
अथहरतालमारया सुद्धहरताललेइयथरसगाकेरसैसबरलेदिन १ गोलाकरैसुखैकै तवयथरसगाकौषारहोडीमैआधीहोडीभरै  
तिहिपरगोलाधरेऊपरषारहोडीभरदेइ बूलेपरचढारैकैआचदेइपहरयाचहरताल सिद्धहोइकरं पाचदिनकीआचकहीहेसोदेइ  
तवएकरतोषाइ अन्यशुद्धहरताललेइ गूमीकेरससौघोटेदिनएकआककेइधसैघोटेदिन १ गोलाकरिकैसुखैकै एकहोडीमैघारभरि  
कैवीचमैगोलाधरैहोडीकौमुहमुदिबूलेपरआचदेइपहरा ४ सिद्धहोइमाजारती १ रक्तविकारजारवातरक्तजार अथक्रियाईगुरकी  
ईगुरका २ आककौइधसैर १ माटीकेवासनमैआचदेइबूलेपरजवइधजरिजारतवघीउगाइको ॥ डारिदेइजवघीउजरिजार  
तवउतारिलेइसिद्धहोइफेरिवारकेरससैघोटिटिकरीकरैसुखैकै एकहोडीमैछेवलेकीराषभरैताकेवीचटिकरीधरेबूलेपरआच  
देइमंदपहरा ४ तौवहतगुनकरतहे अन्य ईगुर २ वहेरेकेफलकौचुरामधुघोउ इसदशयैसाभरिलेइएकषयरामैवहेरेकौचूर  
नआधौधरैतवरईगुरधरेऊपरतैआधौचूरनऔरधरेतवघीउमधुडारिकैबूलेपरचढारदेइजवधुवाकटैतवऊपरतैआग  
लगाइदेइजवसबजरिजारतवसुद्धहोइ अथताममारया अन्यप्रकारसौनामाषीपैसाभरवाटिकैएकघरियामैआधीतरैधरे  
बीचमैएकयैसाधरेआधीसौनामाषीऊपरदेकैसंपुटकरिगजपुटआचदेइभस्महार चाहैजितनैयैसाएकवडेसंपुटमैधरे  
तरेऊपरसौनामाषीदेइकैगजपुटआचदेइसवभस्महारजातहे अथस्वततामभस्म वेगतामो विषयारो हरताल



रूपा माषी सव एकत्र करि आके के दूध से छर ले दिन १ संपुट करि गजपुट आच देर भस्म होइ सर्व रोग पर चलत है  
अनूपान जै सो रोग होइ ते सो देर सर्व रोग जाइ इति धातु मारण ग्रंथान्तगत औ जिया अने कहै अथ रसालिख्यते  
तत्र सारंग धरात अथ ज्वर रिसः पारोशुद्ध घपरिया शुद्ध हरताल शुद्ध हरिया यथोशुद्ध सुहाग शुद्ध गंधक शुद्ध सर्व स  
मान लेइ करे ला के पान के रस से छर ले दिन १ तव ता मै के पात्र के भीतर लेप करे आध आगुर पमानत वता मै के पात्र को  
मुह मूद के बालुका जंत्र मै धरि के बूले पर आच देर ते ज जव ऊपर की वारु मै धान यूटे तव आग अचि डोर हरि डिया बूले  
पर रहन देइ जव स्वांग सीतल होइ तव निकसिले इना मै के पात्र के भीतर ते तव वारि चूर्ण करि ते ही की वरावर मरि च एकत्र  
सो पान के साथ पार ज्वर हरि होइ तीन दिन देर विषम ज्वर निष्यज्वर रक्त र निजारी वातुर्थक ज्वर जाइ अथ शीत ज्वर  
रिसः हरताल हरिया यथोशुद्ध तामो मरौ पारोशुद्ध गंधक शुद्ध मरसिल सुद्ध अधेला अधेला भरिले र पहिल पा  
र गंधक की कजरी करे तव सव एकत्र करि विफला के काठ से घौरे दिन १ गोला करि के सुषे के संपुट मै धरि करे टीक  
रि बालुका जंत्र की आच देर जव स्वांग सीतल होइ तव निकसिले तव आके के दूध से संपुट के दूध से दतोन के काठ से  
निसो त के काठ से सात सात भावना देर तव सिद्ध होइ मासो भरिय हरस ले र य वास मिरच के चूर्ण के साथ देर अथ गु  
डमा से चार लेइ ते ल के साथ मासो भरि रस देर अथ दो दल तुलसी के लेर ता के साथ देर तीन दिन देर जै सो बल हो

३ पथ्य दूध भात विषम ज्वर सीत पूर्व क होइ दाह पूर्व क तृतीय ज्वर चतुर्थ क एकाहिक द्वाहिक संत ज्वर स  
र्व जाइ अथ लोक्ताय पोटली रसः पारोशुद्ध भूर्धित भाग २ गंधक शुद्ध भाग २ कजरी करे पारे ते चो गुनी को डी  
सोध के लेइ सुहाग भाग ५ सेष भाग ८ सव एकत्र करि गार के दूध से घौरे सरवा मै चूर्णा पोत के तिहिर सरवा मै ध  
रि संपुट करि करे टीक करि के गजपुट आच देर एक हाथ भर गहिरो अरु हाथ भर चोरो घदरा करे तिहि मै कंडा  
कूटि के आधे तरे आधे ऊपर बीच मै संपुट धरे से गजपुट क होवै जव स्वांग सीतल होइ तव निकसिले यो से  
छेर तीय हरस अनती सर मरि च चूर्ण करि रस के साथ देर वात को घी उ सें देइ पित्त रोग को नैतू सें देइ कफ र  
ग को मधु सें देइ अती सार संधी अरु विग्रह ली का श उर्वलता मेदाग्निका सस्त्रा सुगुलम जात्र पथ्य तेहि के ऊपर घी उ अरु  
भात तीन को र घाट आघ दवाये उपरांत तव घाट पर औधो सो वैद्यनाक घटारि न पार घी उ भात मधुर दही जो गले के जे पक्षी ल  
वाती तुल आदि दे अरु जे जन उरतिन को मां स घी उ मै प चार के घाट दूध भात मूग के वरा घी उ मै करि के घाट तिल आवरे पानी मै वांछि उ  
वटनौ करि अस्त्रान जते पानी सें करे अथ वासर सो पानी मै वांछि उ वटनौ करि अस्त्रान करे तेल क दा धित नंग हन करे बेल करे ला  
भरा मछरी शमिली न घाट कुसुमन करे मयुनन करे मयु संधान जहा लो अथाने है ते सव हीग सोठि उरद मसर कुम्हडा



राई कांजी सवत्यागकरै कोधनकरै दिनकैनसोवै कोसेकेवासनमै भोजननकरै ककरीकरोदाकरै लाकलीदावकादि कजे  
फलअरुसाकजितनैहै तेनवार यहलोकनाथरससुभमवपुहोरपूरातिथि होरमुलपक्षचंद्रवल होरतवगुहराकरै लोकना  
थकी पूजाकरै कुमारीकन्याभोजनकरावै दानदेर घरी दोतेहि मध्यरसग्रहनकरै अरु जौरसकी गरमीवुहत होरतौ घाउअरुगु  
चकौसत्ववंशलोचनायुक्तदेर तथाषजूरदाडिम दाषअंघषाउ एषादतापरसकी हरि होर अरुपान अरुचि होरतौ धनावकलीह  
रकरिकै घीउमै भूजीकै घाउसंयुक्तदेर ज्वर होरतौ धनागुचिकौकाढेसैदेर उरईरुसौ कायकरिमधुषाउके जोगसैदेर पिनरक्त  
कफस्वासकासज्वरजार हररआगमै भंजमधुसंयुक्त रातिकैदेर निद्रानासअतीसारग्रहणीमंदाग्निजार सौचरनौन हररपी  
परिचूर्णकरिताते पानीसैदेर शूलअजीराजार मधुपीपरिके संयुक्तदेर ज्वरप्लीहउरवानरलेष्टदिगुदाके अंजुजार नाकहारलगि  
रत होरताकौ दाडिम फूलकौरसइवकौरसनामुदेर घाउसंयुक्तदेर वेरकी विजीकरजगरा पीपरिषाउमधुसैदेर हिचकी छर्दिजाइ  
इति लोकनाथरसः अथमृगं कपोटलीरसः सौनेके पत्रवतवारीक तिनकी वरावर सुद्धपारे घल्लमै डारिघोंटे कचनारकेरससै  
ज्वालाभुरबोकेरससै लोंगलीकेरससै जवलोपिटी होरतवसौनेके चौथे अंससुहागडारे मोतीचूर्णकरिके सौनेतै दूनेडारे तिनस  
वकी वरावर सुद्धगंधकडारिएकघोंटे गोलाकरिके सुषैके एककपरालयेटे पीछेमाटीघोटिकपरामे लगावे सोकपरासैकपराठीक  
रिक्के घामे सुषावे सरावसे पुटमै धारिमुडा करिके एकहांडोमै नौन ५५ भैरतिहिके बीघमै संपुटधरे होडीको मुहमूदिगजपुटआघ

जवसातल होरतवनिकासिले र तवगंधक सुद्ध पारे की वरावर गोलांमै मिला रहेर अरु कचनारकेरससै ज्वालाभुरबोकेरससै लोंग  
लीरससै घोंटे दिन १ एकए गोलाकरिके संपुटमै धारिपुनिहांडीमै धरिप्रथमकी नार्गजपुटआघदेर स्वांगशीतल होरतवनिका  
सिले र दोरती यहरसलेर आदमरिचकौ चूर्णअथवतीनपीपरिके चूर्णसै मधुसै अथवा घीउसैदेर अथएकरतीदेर पथ्यलोक  
नाथकी भोतिकरै अनोपानजै सौरेमाहोर फ्लेष्मगुहणीकासस्वासक्षयी अरुचिजार अग्निदीप्त होरकफवातजारवलहानिडुर्व  
लतादुरि होर अरुजिहिकौ वुहतसरदी होरतिहिकौ पाचरतीदेर मधुपीपरिसै अरुजेप्पेनियात सैनवेसै ज्वर होरतिहिकौ  
दोस्तीदेर मधुपीपरिके साथमोहइरि होरज्वरइरि होरवातनलगे अथहेमगभपोटलीरसः सुद्धपारेलेइनेहपारेकी चौ  
थारिसौनेके पत्रलेर घल्लमै डारिएकदिनघोंटे दोउरो हनौ गंधक सुद्धडारिके कचनारकेरससै घोंटे दिन १ गोलाकरिके सुषैले  
इतव संपुटमै धारिके संपुटको कपराठी करिके भूधरजंजकी आचदेर दिन ३ एकषदराघोंटे घोंटोतिहिमै संपुटधरे अरु  
वारसै षदरापूरिलेइउपरकंडावातरेहै सौधरजंजकहावतहै तवउपारिसंपुटघालिके गोलानिकासिले रतिहिकी वरावर सुद्ध  
गंधकलेर गोलाअरु गंधकएकघल्लमै डारिआदेकेरससै घोंटे दिन १ चितावरकेरससै षरले दिन १ तवपीतकौ डीवडीवडी  
लेइतिनकौ दिनमै आषटभरदेर अरुआषदतै आढे अंससुहागलेर सुहागतै आधौविषलेर सुहागअरुविषाकवपीसिके  
ग्रहवेइधसै घोंटेतिनकौ दिनको मुहमूदे एकहांडोमै कौचफिले रतिहिमै सबकौ डीधरिके होडीको मुहमूदिगजपुटआघ



सारसं०  
३५

देहस्वांगसीतलहोतवनिकासिले लोकनाथकीनारदेहभगांकवीनारपथ्यकरावतीनदिननौतनघार जौछादिहोतौ  
गुरिचकौकाहोमधुसंयुक्तदेहश्लेष्माकौकोपहोतौगुडआदसंयुक्तदेह दारहोतहोतौभागभूजीदहीसंयुक्तदेह कास  
क्षयीस्वासग्रहणीअरुविजाअग्निदीप्तहोतकप्रवातहूरिहोत अथद्वितीयहोतमगभपोतलीरसः पारौशुद्धभागचार४  
सौनैकेतवकाग४दोऊपरलमेडारिपिठीकरेगंधकशुद्धभाग१२डारिकैकजरीकरेतवमौतीछोटेअनवेधलेरभाग१६चूरा  
करिमिलारदेह सेषभाग४सुहागभाग१मिलारकैएकत्रसवनिबूरससैधोदिगोलाकरिकै सुवेलेरसंपुटमैधरेसंपुटकीदजमे  
माटीलगावै अरुऊपरकपरोटीकरेगजपुटआचदेहजवस्वांगसीतलहोतवनिकासिले पीसिकैचारितीगारकेघीउ  
संयुक्तउनतीस२४ मरिचकौचूराकेसाथमाटीकेवासनमै अथवाकूपेकेवासनमै अथकांचकेवासनमै अवलेहसौकरिचा  
दिजा लोकनाथकीनारपथ्यकरे कासस्वासक्षयीवातकप्रग्रहणीअतीसारसर्वहूरिहोत अथमहाज्वरांकुसरसः शुद्धपा  
रौ विषशुद्धगंधकशुद्ध एकएकटंकलेर धतूरेकेबीजाशुद्धटंक३ चोषटंक१२पहिलपारेगंधककीकजरीकरेतवसबचूराकरि  
मिलारदेहघोटेदिन१चूराहहनदेहजेभीरीकेगूदेसैदोरतीदेह अथवाआदेकरससैदेहविशेषज्वराज्ज एकहिकज्वरहाहिक  
तृतीयज्वर चातुर्थक विषमज्वरसर्वजाइ अथअनंदभैरवोरसः अतीसारे रंगुरवसनगामुद्ध मरिच सुहाग पीपरिमावासम  
लेरचूराकरि एकदिनघोटे एकरतीअथवासेस्तीमधुसैदेहइंजौकौ चूरा१२ अथवाकुरकीछालकौ चूरा१२ संयुक्तदेह विदेष

गो  
३५

तेजोअतीसारहोतसोइरिहोतपथ्यहोभागारकौमहाघाडुपियासलगतवसीतलजलभांगपिअरतिकै अथसूचीभरलो  
रसः विनसौधो सिगियाविषनेलकौ चूरापैसादोरभर११पारोमासेचारि४दोऊकहतवतोर्घोटेजवलौपारोनदिघातवतोडी  
छोटीमे राखेऊपरकेपात्रकेभीतरकांचफिरारलेदेहिपात्रसैतरेकौपात्रहापिलेउमरुजंजकीभांतिबुलेपरराखिकै दोपहरधीमीआ  
चदेहजवसीतलहोतवननिर्वातस्थलेमैलेजाइकेपात्रउघारेऊपरकेपात्रमैजोधुवालजौहेतेकहधुरिचलेरबोवादानोमैराखेपहि  
लतरुवामुडिकैपतरेपछनादेहवयहधुवांसीकसैलेरकेपछनाकेघाउपरलगाइदेहअरुएकछराअगुरीसैमले सेनिपातते  
जोमूर्धितहोइअरुमतप्रायहोइसोजिये अरुजोसायकादेमूर्धितहोसोएहीभांतिकेउपाथसैनीकौलोअथजलचूडामनि  
रसः पारदभस्मभाग१गंधकशुद्धभाग१मरसिलगंधककीचौथारलेरशुद्ध सौनामाधीमरी मरसिलकीवरावरलेरपीपरिमव  
सिलतैइतीलेरसोहिमरिचमरसिलकीवरावरलेर सबचूराकरि एकघोटेतकमघरीकेअरमोरकेपित्रकीभावनादेहसातसा  
तसुखेसुखेकेतवसिद्धहोत दोरतीयरसमूसरीकेकादेसै अथवापंचकोलकेकादेसैदेहसेनिपातहूरिहोत सीतलजलदेह  
जलहैसीचैजोगरमीहोतौ अथयंचवकोरसः पारौशुद्ध विषशुद्ध गंधकशुद्ध मरिच सुहागफुलैलेर पीपरिस  
वसमलेरपहिलपारेगंधककीकजरीकरेतवविषमरिच सुहागपीपरिसबचूराकरिकैकजरीमैमिलारदेहधतूरेकेफलकेर  
ससैघोटेदिन१ सुखेकैधरिगंधे दोरतीरसलेरआककीजरकौ काहोकरेतिहिमैसौठमरिचपीपरिकौ चूराडारिकैरससंयु



सा० सं०  
३६

भाग

कंदे रसे निपात हरिहो र पय्य दही भात घाद सीतल जल सबन करे जो कथ होर तो मधु से देर अर मधु अर आद के रस से देर तो  
अग्नि होर भूषव दे अय उन्मत्तोर सः सनिपाते पारो शुद्ध १२ गंधक शुद्ध १२ कजरी करे धतूरे को रस प्रल को लेर तिति से एक दि  
न घोंटे पाघे विकट को चुरावे सा एक भर डोर घोंटे पहर १ एकर ती भरना स देर से निपात हरिहो र अयांजन से निपाते अजे पाल के बी  
जाव कली हरि के रस टंकले र पीपर मूल मरिच एक एक भर डोर घोंटे पहर १ एकर ती भरना स देर से निपात हरिहो र अयना  
रावर स विरेचने पारो शुद्ध भाग १ सुहाग १ मरिच १ गंधक भाग २ पीपर भाग २ सोढि भाग २ अजे पाल के बीजा शुद्ध सब की वरा वर यहि  
ल पारे गंधक की कजरी तव सब औषदे चुरा करि मिलार देर एक च घोंटे पहर १ सिद्ध होर दोर ती देर आध्मान मल विष भ उदावर्त  
सर्व हरिहो र अय र स्या भे दीर सः रंगुर सुहाग सोढि पीपरि अधेला अधेला भरि स्वाय पेसा दोर भर अजे पार के बीजा शुद्ध १  
सर्व एक च चुरा करि गार के दूध से घोंटे तीन रती देर विरेचन होर विष भ आध्मान जाद अय राज मृगा को रसः पारद भस्म भा  
ग ३ सुवर्ण भस्म भाग १ पारो शुद्ध भाग १ मट सिल सुद्ध भाग २ गंधक शुद्ध भाग २ हरताल शुद्ध भाग २ सब एक च चुरा करि को दिन  
मै भरै तव सुहाग छेरी के दूध से पीसि कै को दिन को मुह मूदे ते सब को डीमाटी के वासन मै धरि के वासन को मुह मूदि के कपरो टी करि  
के सुखे के गज पुट आघ देर जव स्वांग शीतल होर तव निकासि के सब चुरा करे धा रिर तो रस लेर देस पीपर उनती समरिच को  
चुरा से मधु के साथ देर राज रोग हरिहो र पय्य घी उ सै भात घाद अय स्वय मग्निर सः सुद्ध पारो १ सुद्ध गंधक २ कजरी करे दो की  
३१

रा०  
३६

सुद्ध

वर वर लोहे को चुरा मिलार के गारि के रस से घोंटे दो पहर २ तव गोला करे तां मै के वासन मै धाम मै धरे अउ के पान से हा के दो घरी मै  
उल्ल होर तव धान्य जो है अन्न सो अन्न की रासि मै गा पुरा धे दिन शति गा डोर है तव निकासि के चुरा करे वस्त्र मे धानिले र लोह भस्म हो  
जात है तव गारि के रस की भावना ७ मज्ज्या के रस की भावना ७ कव सेरु गारि के रस की भावना ७ पय रस गा की रस की भावना ७ सह देर गुरि  
च जवा सो चित्त उर एक एक की सात सात भावना देर सुखे सुखे के चिपला के काहे की भावना ७ तव विकट ७ विपला ७ लाइवी १ जाइ प्रर १  
लो ग १ सब नौ भाग रतिन की वरा वर नौ भाग स्वय मग्निर स लेर एक च चुरा करि तीन रती भरया र मधु से क्षयी कास हरिहो र अय सर्वा वि  
रौर सः स्वासे पारो शुद्ध तोला १ गंधक तोला २ कजरी करे गारि के रस से पहर १ घोंटे तो मै की ड विया तीन तोला की वना वै ते हि के भी  
त रय ह कल्कल पेटे ह पि एक कपरो टी के बालु का जंजे के बी च मै राखि कै आघ देर दिन १ उविया पीसि कै दोर ती भरि धार स्वा स्या सी हरिहो  
र अय स्व छंद भौर वोर सः शुद्ध पारो मरो लोह सोना माधी मारी गंधक शुद्ध हरताल मरो हरर रर नी निगुं डी सोढि मरिच पीपरि सुहा  
ग विष सर्व सम लेर पहिल पारे गंधक की कजरी करै तव सब औषदे चुरा करि मिलार देर निगुं डी के रस से घोंटे दिन १ मुं डी के रस से  
घोंटे दिन १ दोर दोर ती को गोली वांधि राखे वाइ सुरही गुरि च देवदार शुद्ध अउ जर रन को काटो करि गुग्गुल घोरि पि आवे प्रथम एक  
गोली घाद या छे काटो पि अवात रोग सर्व हरिहो र अय हंशय टोली रस स गुरा पादो को डी भस्म सोढि मरिच पीपरि सुहाग विष गं  
धक शुद्ध पारो सर्व सम लेर पारे गंधक की कजरी करै सब औषदे चुरा करि एक च जंभा शि के रस से घोंटे दिन १ मा सो भरि धार मरिच घी उ



सारसं०  
३७

के साथ ग्रहणी जार पथ्य मदाभातवार अथ विविक्कमोरसः अस्मादिदौ तंमौमौपैसा दोभर १ घेरी कौदधपैसा दोभर १ दोऊमि  
लार के करही मै राधे तरे अचकै जव इधजरि जास्तव दोपैसा भर पारो दोपैसा भरि गंधक कजरी करे ताम्रभस्म मै मिलावै एक दिन नि  
गुं डी के सै से घौटे गोला करि के सुखे के सराव संपुट मै राधे तीन कपरो टी करे एक हां डी मै आधी वारुन रे आधी वारु ऊपर वीच मै संपुट  
पै एक पहर आच देर दोरती भरि पार ऊपर तै विजौरे की जर अथे ला भरि पानी मै वाटि पिअै एक महीना मै पथरी हरि होइ अन्य म  
जीठ ककरी के बीजा की बीजी जोरे सौध ईगुर गंधक मदेसिल शुद्ध हर एक तोला तोला भरिले र सेव चूर्ण एकत्र करि घौटे पहर १  
मधु सैटे कषा इपथरी गिर परे अनुभूत है अथ महा लालेश्वरी रसः हरताल शुद्ध सोनामा की सुद्ध मदेसिल शुद्ध पारो सुद्ध सैधो  
नोन सुहाग समले र तोला एक एक गंधक शुद्ध तोला २ ताम्रभस्म तोला २ सव एकत्र चूर्ण करि जंभीरी के रस सैधो टे दिन ५ संपुट करि भूध  
र जंजी की आच देर एही प्रकार जंभीरी के रस सैधो टि घौटे टि घौटे आच देर धंधर जंजी सैतव मरौतांमौ २ लोह भस्म ४ मिलाइ के जंभीरी  
के रस सैधो टे दिन १ लघु पुट आच देर तव सव ओषध के ती सैह अंस विषल र चूर्ण करि औषध मै डारि सव एक घौटे पहर १ तव सिद्ध होइ  
भैस कौधी उमै पारमासे २ मधु घी उव कुची के चूर्ण ११ पार सर्व कुष्ट हरि होइ अथ कुष्ठ कुष्ठार रसः पारद भस्म गंधक शुद्ध मरौलोह  
ताम्रभस्म गुग्गुल विप्रला वकारन के बीजा चितावर शिलाजंजु एसव सोरह सोरह टेकले र चूर्ण करे करंज बीज टेक ६४ चूर्ण कु  
रिमिलावै मरौ अथ कटेक ६४ मिलाइ के सव एकत्र करि मधु घी उमै सानिची कने वासन मै धरि राधे दो टेक पार अथे ला भरि छिहरी

२०  
३७

की जर लेर पानी मै पी सिकै ऊपर तै पिअै अथ वामत वा सैधार अथ बाधन सैधार अथ बाभित्री सैधार भोजन अथ के लोभात वाउ सैधा  
र अथ वापनी सैधार स्तवर कविकार हरि होइ अथ किलास हरि होइ मदा कषु जव मेद स्थान मै जात है तव गलत कुष्ट होत है गलत कुष्ट सै  
हा ३ थपाउ गिर परत है सर्व कुष्ट हरि होइ गलत कुष्ट हरि होइ अथ उदियादित्योरसः सुद्ध पारो पैसा १ भरि सोधा गंधक पैसा दोभर १  
दोऊ मिलार कजरी करे दिन १ गवारि के रस सैधो टे एक ४ गोला करे तीन पैसा भरि के एक तो मै के पात्र बनावावे गोला हां डी मै धरे तिहिक  
ऊपर तामै की कटोरी औधाइ देर अस्त्रासपास राधे भरि कटोरी के ऊपर गोवर देर हां डी चूल्हे पर राधिके दो पहर तै ज आच देर गोवर  
पर थोरो थोरो पानी हर घरी डारत जाइ दो पहर उपरांत जव स्वांग शीतल होइ तव कटोरी निकारि के पी सै पाछे सव एक दिन घौटे  
कठुअ मरे के काहे सै चिता उर के काहे सै विप्रला के काहे सै किरवार के काहे सै वार विडंग के काहे सै वकुची के काहे सै तव सिद्ध होइ दोर  
ती भरि पार ऊपर तै मंजिष्ठा दिका हो पिअै ग्यारह भांतिके सुद्ध कुष्ट हरि होइ अथ विविक्किलास कुष्ट ए दोऊ हरि होइ अथ सर्वेश्वरी  
रसः शल्प स्वत कुष्ट सुद्ध पारो पैसा १ सुद्ध गंधक ताम्रभस्म १ मरौ अथ क १ लोह भस्म १ ईगुर १ सोनो मरौ १ १२ रूपो मरौ १ १२ ही  
रामासो १ हरताल कौमत्व २ पारो गंधक एक पहर घौटे कजरी करे तव सव मिलार के एकत्र घौटे गंभीरी धतूरो रूसो सै ३ उइध  
नै आक इध वकारन करे ३ नसव के रस सै एक दिन घौटे गोला करि कमिलाइ देर दोरती मधु सै धाउ सुष्टिक लेव हिरी मंड  
ल कुष्ट हरि होइ वकुची देवदारु चूर्ण करि १२ अंउ के तेल सै वाटि जाइ अथ सराक्षी रसः वारह सेर गाद वै मढाले रति है



मैदसापैसा भरिबोषकीगाहै डारिदेइ असुआ चदेइ जव आधपाउमवारहिजारतवमहासैनिकसिकैवाहै सेरगाइको  
दूधमैपचावैजवदूधपचिजारतवदूधसैनिकासिकैपानीमैधौवैधाममैसुषारकेचुरनकरैचारिपैसाभरिसविचचूरकिरि  
दोऊएककरैतवदोपैसाभरिइगुरकोपारो डारिकेदोदिनघौटैतवएकटेकक्रमेतेदेइवरिरीकुसुइरिहोइजैसेसिलपशु  
कहअसुपरमगजोहैवांदरअसुवनविलारइनकोभारतहैतैसेयरसवहिरिकुसुकोनासकरतहै अथमेहवहारसः  
पारदभस्म सारभस्म कांतभस्म सिलजतु सौनामाद्य शुद्ध मलसिलसुद्ध सौहि मरिच पीपलि विप्रला वेरकीविजी के  
य हरद सबचूरकिरि के समलेइ घमरके रसकी भावना देइ ३३ सुषे सुषे के तवमधु से टेका १ पाइ प्रमेह इरिहोइ वकाइन  
केवीजाटेक ६ चाउरकोधोवन ११ घीउ १२ एकचूरकिरि अथमेहवहतदिननकोइरहोइ अथप्रमेहविकिसु  
चारिरीभरमरो अभुक दोरतीचंदोदय दोऊ मिलारकेषारमधुसेचाटिजार सर्वप्रमेह इरिहोइ अन्य चारि  
तीवंग दोरतीचंदोदयमधुसेपाइ प्रमेह इरिहोइ अथचंद्रकलारसप्रमेह लारचीगुंजरतीकोचूरार् कपूर  
मिथी आवरेकोचूरार् जारफरकोचूरार् गुरगुरूकोचूरार् सैमरकीजरकोचूरार् पारदभस्म वेगभस्म सबवराव  
रलेइ गुरिचकेकाटे सै सैमरकीजरकेकाटे सै एकएकदिनघौटैतवसिद्धहोइ दोमासेषारमधुसेसर्वप्रमेह  
इरिहोइ अथमहाचंद्रकलारसप्रमेहदो पारोशुद्धतोला १ तोमोमारोतोला १ अभुकमारोतोला १ गंधकशुद्धतोला १

व

पारोगंधक कीकजरीकरैतवतांमौ अभुक मिलोवैमौथाकेकाटे सै अनारकेरससैकेवरेपूलकेरससै सहदे  
इकेरससै ग्वारिकेरससै पित्तपायरेकेकाढासै धसकेकाटे सै मूसरीकेकाटे सै सतावरिकेरससै इनसै  
कदिनघौटै कटुकीचूरार् गुरिचसत्त्व पित्तपायरेकोचूरार् धसकोचूरार् पीपलिचूरार् असगंधचूरार् कारीगुरीसर  
कोचूरार् एकएकतोलालेइ ओहीमैमिलारदेइ मुनकादाधकेकाटे सै सातवेरघौटै चनावगवरगोलीवाधिछा  
हैमैसुषेकेधरिगवै एकएकगोलीषार अन्तपित्तपदरदाहमूर्छारक्तपित्तपित्तज्वरमूत्रकृच्छ्र असाध्यप्रमेहइ  
नसवकोइरि करै अथमृत्युंजयरसः प्रमेह सौनामाद्यभाग १ रूयौमारोभाग १ हीरामारोभाग १ मूसरीकेकाटे सै  
मूसाकलीकेरससै विजोरेकेरससै केराकीजरकेरससै करैछकेरससै एकएकदिनघौटैतवमृत्युंजयसिद्ध  
होइ उरदंगवरधारऊपरतैमहापिअ यहमृत्युंजयरससर्वरोगइरिकरतहै मिथ्याहारविहारविहारसैकृपित्तजो  
हैदोषनिहितैउत्तपन्नजैहै सबविकारतिनकहइरि करै क्षयीवीसभांतिकेप्रमेह जीरांज्वर अतीसार संग्रहणी  
वहमूत्रता इनकहइरि करै बुडार असुअप्रमत्युकोइरि करै असुइहकेसेवनतैवजुदेहीहोतहै असुइहकेषाय  
सैसौस्त्रीभोज्यकरै असुइहकेषाएसैसुकक्षयनहोइनामर्दतैमर्दहोइलिंगहाटोहै स्त्रीकोपियहोइ कुंदन



सार सं०  
३६

कैसौ रंग सरीर होइ बुद्धि वडी होइ धारणा शक्ति बृहत्त होइ जल दी घोरे कैसी होइ आषमोर कैसी होइ कान बाग  
हक से होइ असौ सुंदर होइ मानो दूसरो काम देव मानि नीके मान करइ रिकरत है धान के चाउर गो दुग्ध चिनी कंड जे  
जली जनाउर को मास रोटी पुरी कचौरी के रके पल कबहर छुरी नारियर को पोपरा और मधुखसु सब एकव  
र्ष लोषार एक वर्ष सेवन करे अथ वैलोक मोहन रस प्रमेहे पारो शुद्ध गंधक शुद्ध वंग भस्म सिला जतु मोती  
सर्व समेतर पारे गंधक की कजरी करे मोती चूर्ण सब मिलार के एक दिन सूषो घोटै तब पायान भेद के काटे से ग्वारि  
के रस से मवारि से काटे से गरिच के काटे से विफला के काटे से एक एक दिन घोटै घाम मे सुख वै काच की कूपी मे  
भरि के उरु की धौस असु विष चूर्ण पानी मे वाटि तेहि कल्क से सिसी को मुह मूदे सिसी के ऊपर कपरो टी करि देर  
वालुका जे चमे चारि पहर पचावे स्को ग सीतल करि के निकासिले चो वचिनी के चूर्ण एक उरद वरावर सौ सा  
इरती एक पान मे धरि के प्रमेह हरि होइ अथ वहिना मोरस उर पारो शुद्ध भाग ४ गंधक शुद्ध भाग ८ तरद विफ  
ला हरर एक एक दो दो भाग लेइ निसोत अजे पाले चिता उर तीन तीन भाग सौदि मरिच वीपरि वडी दोन दोऊ  
जीरे एक एक आठ आठ भाग पारे गंधक की कजरी करे और सब चूर्ण करि एकत्र मिलार के रनी के रस से काटे

सा

६

रा०

३६

से चूर के दूध की घमरा रस की चिता उर के काटा की अंडी के तेल की सात सात भावना देइ सिद्ध होइ ताजे पानी मे पिअै  
मासे ४ विरेचन होइ साज के मठा भात से धौ नोन धा रशीतल पानी नपिये ये सर्व उर व्याधि हरि होइ मूठ वात हरि होइ अ  
थ विद्याधर रस गंधक शुद्ध तरताल शुद्ध सोना माषा सुद्ध तामो भारो मद सिल शुद्ध पारो शुद्ध सब समेतर पारे गं  
धक की कजरी करे सब एकत्र करि वीपरि के काटे की चूर के दूध की भावना देइ दिन एक एक तब दो मासे मधु से घार  
गुल्म घ्राहजार गो मूत्र पिये अथ विरोधो नाम रस अथ सुलस्य चिकित्सा सुहाग हरि रा को सीरा सुवर्ण भस्म  
ताम्र भस्म पार भस्म समेतर आदे के रस से घोटै दिन संयुक्त मे धरि लघु पुट आच देर मधु घी उ से एक मसो घार से धौ जीरे रोग म  
धु घी उ चाटि जाइ पल्लि शल हरि होइ अथ सुलगज के सरीर स पारो शुद्ध पैसा भरि गंधक शुद्ध दो पैसा भरि कजरी करे तामे को उवाती  
नपैसा भरि के काटे तेहि मे यर कजरी राखे ऊपर के पला से टापिले एक कपरो टी करे एक हो डो मे आधौ नोन तरे राखे आधौ नोन उपर  
राखे वीच मे ड वारा घे हो डो को मुह पारे से मूदिके सब हो डो मे तीन कप रोटी करे गज पुट की आच देर जव सीतल होइ तब उवा नि का सिके मि  
ही को से दोरती भरि पान के साथ घार उपर ते हो ग भूजी सौदि जीरे वव मरिच वरावर लेइ चूर्ण करि एक छदाम भरि गरम पानी से  
घार असाध्य सुल हरि होइ अथ वाली सयैसा भरि तामे के पत्र सोधे दश पैसा भरि शुद्ध पारो पहिल तामे के पवन को अगुठा के  
नख वरावर कतेरे तिहि मो पारो मिलाइ के कागदी नी बूके रस से चारि पहर घोटै राति के आही रस मे रहन देइ विहाने रात को रस नि का



सिंजारे औरतयोरसनिवृत्तौ डोरे परे चार पहर दिन घोंटे राति रहन देइ प्रात काल सनिका सिंजारे एही भांति तीन दिन करे जेते तौ मे  
की जंगल निक सिंजारे तव वी सपेसा भरि सोधा गंध कलेर पीसिके एक हांडी मे आधौ तैरा घै अरु आधौ ऊपर राखे वीच सवतो मे के पत्र  
राखे एक पोर हांडी को मुह मूदे हांडी अरु पर की दर्ज मे मादेल गावे भली भांति तीन कप रोरी पारे के ऊपर करे अरु तीन कप रोरी हांडी के  
तरे करे घाम मे सुषे के चूले पर चढ़ा देइ तीन घरी तुंद आच करे पाक्षेल करी अधिक कोरला रहन देइ जव कोरला अरु हांडी आपु  
से सीतल होइ तव हांडी फेरिके तौ मोनिका सिलेइ मिही पीस तीन भाग करे एक भाग लेइ गोमूत्र मे घोंटे वी सवार और गोमूत्र डारि  
के करी मे राखे पकार लेइ घरी एक आच करे जव लौ सुधि जाइ यरे तु अग्नि मे देइ रहि के खाए से विरक होइ कुमिइ रिहो  
३ पेट को मल इरिहोइ सीतल उपचार करे सीतल उपचार से मारन ही होति है तेहि ते गरम पानो पिअे वीराघार आही तो मे  
कोइ सरो भाग लेइ दशवार गाइ के दूध से घोंटे दशवार नारि अरु के पानी से घोंटे पाछे कराही मे डारि के छन एक आच देइ करे  
समुषे लेइ यहर सको नम गोमूत्र स सूल इरिहोइ नाभिशूल कृषसूल कानसूल आषसूल मुख पाक योडु रोग मुख रोग रात पि  
तज्वर नित्य ज्वर संनिपात ज्वर योसी कुमिएसव इरिहोइ भूषवटो वै फेरि तीसरो भाग आही लेइ कळुऊ मरि की जर के वकला  
के स से घोंटे वी सवार पान मे धरि के तीन रती घार वांति होइ सव दोष विसृजिका अम्ल पित्त को वोरु सव इरिहोइ भूषले मे र  
हि को नम उदय भास्कर राई न घार नौ न तीक्ष्ण वस्तु अथ सूल हरः विष शुद्ध मरिच पीपरि सौ

सूल  
रा०  
४०

हि सै धोनौन समलेर सर्व चूर्ण करि घमरा करे सै एक दिन घोंटे दोर ती भरि घार सूल इरिहोइ अथ आदित्य वटी सौ  
हि जीरे विष मरिच बचरींगु समलेर वाटि चूर्ण करि घमरा करे सै घोंटे चिना प्रमान गोली घार सूल वात मे दागि जाइ  
अथ सूल सूदनः गंधक सुद्ध ॥ ताम्र भस्म ॥ रमितो को घार बना यो टका धा एक चकरि सौ हीग ताल बुधारे के बीजा मरिच सौ  
धरुन के जोग से घार टेक ॥ सूल जाइ परिणाम सूल जाइ मावाइ ह की दोमा से की है अथ वाती नमा से की है अथ परिणाम शूल  
लोह भस्म हर पीपरि सौ हि बराबले रवाटि चूर्ण करे बार मासे ओ घदन को चूर्ण लेइ दोर ती सार मिलार के मधु घी उ से चोंटे  
महीना एक सेवन करे परिणाम सूल जाइ अथ चंद्र वस्त्र रत्न पित्त स्पष्ट चिकित्सा अन्न इव नामा सूल मला दुश्चिकित्सा है  
अन्न इव कर मे दको उ वै धन ही जानत है अन्न इव शूल को अरु अम्ल पित्त को एकै लक्षणा है इन दोनो को तफावत को ऊना ही जा  
नतु धोखे से अन्न इव सूल मे अम्ल पित्त की चिकित्सा करत है तेहि ते अन्न इव शूल वाला मरत है तेहि ते अन्न इव शूल कर चि  
कित्सा करे तौ बह असाध्य होइ अन्न इव शूल मे आराम नाही होत है आराम तव होइ जव कर यो पिय रोष हो वांति होइ अन्न  
घाये ३ परंत मे मुरे रातो ते तव अन्न ओ कि डारत है अरु ये ही लक्षणा अम्ल पित्त मे होत है अन्न गिर परत है तव शूल से इरिहो  
जात है परंत अन्न इव सूल मे हृदय अरु कंठ मे दाह नाही होत है अम्ल पित्त मे हृदय कंठ मे दाह होत है एही तफावत तेहि ते अ  
न्न इव शूल मे असौ जल करे जेत है पित्त तव मन होइ अरु को फांत विरेचन होइ जव मन विन देर तो और चिकित्सा करे सो चि



कित्सायतहै गुडपैसा र दोभरि आवरे कौ चुरा पिसा दो र भरि हरर कौ चुरा पिसा दो भरि अर छै ये सा भरि किरी सार विधि पू  
र्व कवनायो सव एक वरि के छौ टै पहर एक अधला भरिले र मधु घौ उ सै चाटे कछु भोजन के पहिले चाटे कछु भोजन के मध्य में  
चाटे कछु भोजन के अंत में चाटे तौ अन्न द्रव शूल अर जरति न शूल अर असाध्य अम्ल पित्त कौ शूल अर परिणाम शूल वृद्ध  
तवरसन कौ हरि होर अन्न द्रव शूल में अर जरति न शूल में भोजन कौ उर दे के कौ छे दे नोन मिलाइ के रति गुड में डूर अन्य चा  
रिमा से आवरे कौ चुरा चारि रती सार मिलाइ के मधु सै चाटे जो सार न पैदा होइ तौ चारिमा से भरि जावै कौ चुरा मिलाइ के मधु सै चा  
टे पथ्य कौ छे नोन डारि के तिल के तेल में सै के घी उ सै घार अथवा समा कौ भात धार कौ दौ की धार क गुनी की धार घाउ चिनी डारि  
कै घाउ अथवा जवा कौ सतुवा लावा कौ सतुवा अथवा गो लमटर कौ सतुवा चिनी घाउ सै घार अथवा गुर डोर पु आघार तरका  
की रीसूर नै घार कुलडा महेरौ दही गौ ह के माडे घी उ सै अथवा इध सै चिनी घाउ सै घार पित्त के विदग्ध भये सै जो शूल होइ सो जरति  
न कहवावै सो जरति न शूल अन्न द्रव शूल सै उत्पन्न होत है अन्न द्रव शूल विषै व मन के निमित्त उदय भा स्कर नाम ता मे स्वर जो  
पहिले कहौ है कठु मरि के रस कौ घौ दौ तीन रती भरि दे र पान सै विरेक निमित्त जोता मे श्वर गो मूत्र सै घौ दौ है सो तीन रती भरि दे र  
जव गर होन लगे तव शीतल पानी न पिअै अथवा विरेक निमित्त ए करती नारा च दे र शीतल पानी सै यत गर तै अन्न द्रव कर स  
ल हरि होइ अर और शूल हरि होइ आध्मान प्रत्याध्मान अनाह हरि होइ उदावर्त गुल्म शूल जलंधर हरि होइ जव वे गरहि जा रा०  
४९

इत व चिनी घाउ दही भात धार अन्य विरेचन हरर किरवोरो दातोम की जरि के बकला अवरा कडकी थूलर निसोत मोथा र  
र एक दो र दो र ये सा भरिले र सव एक वरि के छे सेर पानी में औ व वै जव तीन पाउ पानी रहत व मलिकै छानिले र तेहि पानी में चाली स  
मा से भरि अजै पार के बीजा बकली हरि करि के मिही क परा मे बाधे धीमी आव दे र उ सै र ले र जव पानी गा हो होइ तव उ तारिले र अ  
जै पार क परा से छोलिले र ओही गा हो पानी रहन दे र एक पहर शूल में घौ टै जव बीजा हल्ल हो र जाइ तव पेंद्रा मा से सौ दिव  
रु करि डोरै के रिय हर भरि घौ टै तिहि उपरांत पाछे र मा से मरि च चुरा करि डोरै के रिय हर भरि घौ टै तेहि उपरांत सो धौ पारो दरा  
मा से सो धौ गंध कद स मा से कजरी करि के ओही रस में डारि दे र दो पहर घौ टै जव गा हो होइ तव रती रती भरि की गो ली बाधे य  
हर स सै जे हि के पेट में आउ सो जर सै वे गिरे हरि होइ अथवा पुनर्नवादि काय सै जात है वृद्ध होइ अर आउ की अधिकार सै  
जिहि की देह में सर्व दा सो यर है आउ की अधिकार शोथ को कारन है सो सोथ र हरि सै हरि होइ सोथ जन क जो है आउ सो जर  
सै वे जि दे हरि होत है अथवा पुनर्नवादि काय सै जात है अथवा नवाय स चुरा सै जात है अथवा उटनी के रूध सै जात है पा  
वन ओषध सै सोथ जन क आउ नाही जात है रति नारा वर सः अथ अग्नि जु डी वटी पाणै शुद्ध विष शुद्ध गंध क शुद्ध अज मोद  
विहला साजी धार जवा धार चिता उर सै धौ नोन जोरे सौ चर वार विडंग समुद्र नोन सौ दि पीयरी मरिच समलेर व  
कादन के बीजा घी उ मे भूजे सव की वरा वर ले र पारे गंध क की कजरी करे सव ओषधे चुरा करि एक व मिलाइ के जे भी री नीव



सारसं०  
४२

रससैघोटे मरिच मरिच सी गोली करै एक गोली पार अग्नि मो छद रिहोर अथ अजीर्ण कंद करसः शुद्ध पा  
रौ विष शुद्ध गंधक शुद्ध समले मरिच सब की वरावर लेर पारे गंधक की कजरी करै विष मरिच चूर्ण करि एकत्र क  
रि कै कटाई के फल के रस सैघोटे रक इस भावना देर तीन रती की गोली बाधे पार सर्व अजीर्ण जार विसृचिका जार  
अथ मथान भैरवोरसः पारद भस्म ताम्र भस्म हींग पृथक् रमल सैधौ गंधक हरताल कटु की सब समले चूर्ण एक  
रि कै पथर सगा देव दाली निर्गुंडी चौरद करै नुरैया इन के रस सै एक एक दिन घोटे यहर सोम धुसै देर कफ रोग  
दूरि होइ सर्व नीम कौ काठो पिअे उपरै अथ वात नाश नोरसः पारद भस्म स्वर्ण भस्म हीरा भस्म ताम्र भस्म  
लोह भस्म सोना माषी मरी हरताल मरी नीला जन शुद्ध हरियाथू चौसुद्ध अक्रिम पाचौ नोन सर्व समले एकत्र करि  
एक पहर घोटे यहर के दूध सैघोटे दिन संपुटै धरि कै मूत्र जंत्र की आचदेर उर देवरावर आदे के रस सैघा इवात दूरि  
रिहोर पीपरा मूल कौ काठो पीपरी डारि पिअे सर्व वात विकार आक्षेपक आदि दै सर्व दूरिहोर अथ कनक सुंदर  
रसः संनियाते सुवर्ण भस्म भाग ८ पारद भस्म भाग १२ गंधक भाग १२ ताम्र भस्म २ अभ्रक ४ सोना माषी २ वंग २  
सौवीर ३ लोह भस्म ८ विष ३ लंगली ८ सब एकत्र करि निवुर ससै एक दिन घोटे मूड पुर आचदेर सुद्ध होइ एक  
मास भर सलेर लहसन के रस सै आदे के रस सै देर संनिपात दूरिहोर किलास सब कुछ विसर्प भगै हर ज्वर

रा०  
४२

अजीर्ण सर्व रोग जार अथ संनिपात भैरवोरसः पारौ शुद्ध गंधक शुद्ध तीन तीन अधेला भरिले र कजरी करै रूखो  
मारौ अभ्रक ताम्र वंग सीसो लोह ए सब अधेला अधेला भरि एकत्र करि सुद्ध जनौ ज्वाला मुखी सौठि वेल चौर  
ई एक एक के रस सै एक एक पहर घोरि गोला करै गोला के उपर कपरा लपेटे उपर कपरो टी करि देर सुवै कै कांच की मिसी  
मै धरे मिसी के उपर कपरो टी करि कै बालु का जंत्र की आचदेर पहर २ अथ वा होडी मै नोन भैरवी चमे मिसी राखे दो पहर  
र आचदेर तव निकासि कै गोला कह पी सै तेहि मै मूगा कौ चूर्ण अधेला भरि विष कौ चूर्ण मासे ४ डारि कै एकत्र करि कारे सा  
प के विष की दो भावना देर तव तगर मूसरी जटामासी घोष अम्ल वेतस पीपरी लील पत्रज लारची चिता उर कठ से  
रूवा सौफ देव दाली धनूरो अगस्तिया मुंडी मुहवा चमेली मै नहर इन के रस सैघोटे एक एक वार तव सुवै कै धरि  
राखे विजै रे कौरस आदे कौरस मरिच १६ इन के साथ दो रती रस देर संनिपात दूरिहोर अथ सन्निपात भैरव द्वितीयः  
पारौ गंधक रंगुर समलेर पारे गंधक की कजरी करै विष दुसम एकत्र करि कोरे धतूरे के रस की भावना ७ भांग के रस की भावना ७ दे  
र घोरि घोरि कै तव यत कल एक होडी के भीतर सम लेय करि देर विष कौ चूर्ण समलेर सो एक होडी मै धरे विष वाली हो सीधी नी  
चे राखे अरक लकवाली होडी उपरै औ धार देर दोउ कौ मुहमिलार के रज मै माटी लगाइ कै कपरो टी करि देर मुह होडी के भीली भांति  
मूदे बूले पर चढाई कै आचदेर विष कौ धुवा होइ तव सिद्ध होइ सनिका मिले एक तिल वरावर सलेर मधु सै देर संनिपात दूरिहोर ता

३



सार सं०  
४३

पकै गरमी होर तो सीतल जल से सींचे भूय होर तो दही भात देर इति संनिपात भैरव अथ मृत संजीवनोरसः पारो शुद्ध भाग १ जं  
धक शुद्ध १ कजरी करे पोरने चौथार विष सब की वरावर मरौ तो मो एक चकरि धतूरे के रस से घोंटे पहर १ सर्पा सी के रस से पहर १ तव  
धवर के फूल अतीस मौया सौदि वारे बीजो अजवाइन धना वेल पाह हरर पीपरि कुरे की छालि रंड़ जो कैय हरिमा एसव अंधे  
ला अधेला भरिले इकूटि चतुर्गुने पानी मे काय करे जब चतुर्थी शरह मलिके छानिले इति हिसे घोंटे दिन ३ तव एक गोला करि संपुटे मे धरे  
वालुका जे मे आघे देर छल एक मंद आघे जे हिने रस सूपि जार सिवार आंचन लेगे चारि रतीय हरस देर अनूपान धवर के फूल सौदि  
अतीस देवदार मौया वच पीपरि अजवाइन वारे धना कुरे हरर रंड़ जो वेल पाह मोचरस समलेइ चुरा करि मधु से देर १२ अ  
ती सार सर्व असाध्या ती सार इति होर गुन वृद्धत करे अथ ग्रहणी कपाटः रूपो मारो मौतो सौनो लोह सार एक एक भाग गंधक  
भाग २ पारो भाग ३ एक चकरि कैय के रस से घोंटे जब गोले होइ तव मृग के सींग मे भरै मध्य पुटे मे पकावे तव निकासि कै वरिया री के  
रस से घोंटे वार ७ अ जाजरे के रस से तीन बार घोंटे लोह अतीस मौया धवर रंड़ जो गुरिच इन से एक एक से तीन तीन वेर घोंटे सिक्  
होइ उरद वरावर देइ मधु मीरिच से सर्व अती सार ग्रहणी जार अग्नि दीपन होइ ॥ अथ ग्रहणी कपाटः ॥ पारो मरो अथक गंधक  
शुद्ध जवाधार सुहाग इस्त्री वच समलेइ एक चकरि इरनी जभीरी घमरा इन के रस से एक एक दिन घोंटे गोला करि कै सुषे के लोहे की क  
राही मे धरे ऊपर सरवा से मूदि के नोचै मे दहीय क आव करे धरी २ तव निकासि लेइ तव पारे की वरावर अतीस चुरा करि डारे अस पारे की

रा०  
४३

वरावर मोचरस डारे तव कैय के रस की भांग के रस की सात सात भावना देर धवर रंड़ जो मौया लोह वेल गुरिच इन के रस की भाव  
ना एक एक सुषे सुषे तव सिद्ध होइ चारि मासे मधु से घार ऊपर ते चिता उर सौद विउ नोन वेल से धो चुरा करि ताते यानी सैपि अथ  
वग्रहणी जार ॥ अथ मदन काम देवोरसः ॥ रूपो १ हीरा २ सौनो ३ तामो ४ पारो ५ गंधक ६ लोह ७ एसव मरे लेइ एक चकरि गवारि  
के रस से घोंटे काच की कुंधी मे धारि के मुद्रा करि एक होडी मे से धो नोन भरै तिहि मे सि सी धरे हो डो को मुह मूदि चुले पर चढा देइ मे  
मेद आघे देर दिन १ स्वांग सीतल होइ तव निकासि लेइ चुरा करि आक के रूध की भावना देर अस गंध की काकोली करे छ मूसरी तालव  
पारो इन के रस से तीन तीन वेर भावना देइ सता वर रस की भावना कमल के कंद के रस की कसेर ससे कांसे के रस से भावना देइ कस्तू  
री विकट कपूर के कोल लाइची लोग सवरस जित नो है ते हि के आटे अंस इन सवन को चुरा मिश्रित करि देइ सब की वरावर वा उमि  
लाइ के मासे ४ गाइ को रूध २ मैपि अथ मधुर मधुर भोजन करे वल होइ ते ज होइ वृद्धत स्त्री भोग्य करे बीज होइ सुंदर होइ अथ कामे  
स्वोरसः अथक भाग ४ लोह मरो भाग १ तामो मरो लोह ते आधो पारो भाग ७ गंधक सब की वरावर एक चकरि काच की रूपो मे  
भरै वालुका जेव की आघे देर हर १२ स्वांग सीतल होइ तव निकासि लेइ एक रतीयाइ सौ स्त्री भोग्य करे पुष्टि होइ वल होइ ॥ इति  
सारं ग्रह सारसः ॥ अथ रस मेजरी ते रस लिख्ये ते अथ रत्न गर्भ पोटी लोहसः पारो मरो हीरा मरो सुवर्ग भस्म रूपो मरो लो  
ह मारो तामो मरो मौतो मानिक मृग शंख सर्व समलेइ एक चकरि चिता उर के रस से घोंटे कोडिन मे भरै सुहाग आक के रूध से पी



सारसं०  
४४

लोह

सिके कौटिन कौमुद सव कौडी हांडी मे धरि संपुट करि गजपुट आच देर सेतल होइत वनिकासिके पीसनि गुंडीर सकी भावना  
देर आदे केर सकी भावना ॥ सुधै के चारि तो देर सयी रोग साध होइ अथवा असुध होइ सोइ रि होइ मधु पीपरि धीउ मरि चसै  
देर आठ महारोगजार कास स्वास ज्वर अती पार सर्व इरि होइ ॥ अथ रत्न गिरि रसः सुध पारो शुद्ध गंधक सौ नौ मरौ अभ  
कसम लेइ मरौ पारो ते आधौ लोह ते आधौ मरौ वै जात लेइ पारो गंधक की कजरी करै सब एक करि लोह की कछु लोमै यो  
रि क धीउ डारि कै तिहि मे अषट डारि कै आग पर गरम करै जव गंधक पिघलै तव केरा के पात पर डारि कै फूला देइ ऊपर और केरा  
कौ पात धरि देइ ते हिके ऊपर गोवर धरि देइ असु जव पहिलौ पात धरै तव पहिल गोवर धरै तिहि के ऊपर केंला कौ पात धरै पर्यं टीहो  
उतव वर पर्यं टीहो से सुहज नौ रूसौ निगुंडी चिता उर घमरा मुंडी ररणी अगस्तिया ब्रह्मी गवारि एक एक रस की तीन तीन  
भावना देइ संपुट मे धरि कै लघु पुट भूधर जंज से आच देइ सिद्ध होइ उरद वरावर रस पीपरि धना के जोग से देइ एक मर्त मै ज्वर  
इरि होइ यहर सजोग वाही है जै से जोग से देइ ते सोगुन करै सर्व रोग पर चलत है ॥ अथ हिं गुले श्वर रसः ॥ पीपरि ईगुर  
विष सम लेइ दोर ती देइ मधु से वात ताप इरि होइ ॥ अथ सीतारि रसः ॥ पारो शुद्ध सुहाग गंधक शुद्ध सम लेइ पारो गंधक  
की कजरी करै पारो तेइ नै अजै पाल शुद्ध सैधौ मरि च रमिली घइ की भस्म घाउ एक एक पारो की वरावर लेइ एक करि जे भी  
री के रस सैधौ दे दोर ती ताते पानी से देइ वात स्नेह ज्वर जार सीत ज्वर जार ॥ अथ ज्वर रार रसः ॥ पारो शुद्ध भाग १ सौ नामा

रा०  
४४

षो भाग १ मरु सिल रंगंधक उ लरताल १० तोमौ ५ भिलम भाग उ सब एक करि घूरि करि घूर के इध मै घोरि कै माटी के वासन मै मुड़ा करि कै  
चारि फहर आच देइ स्वांग सीतल होइत वनिकासिके पुनि घौटे चार तो पान के साथ देइ अज्वर इरि होइ यहर सघात काल देइ प  
थ्य मठा भात हरि वाथ्ये के साथ देइ चातु र्य क ज्वर जार ॥ अथ शीत भंजीर रसः ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध ईगुर सम लेइ अजै पाल स  
व की वरावर लेइ कजरी करि कै एक करै आदे के रस सै देइ ती २ नव ज्वर महा घोर यहर भरे मै इरि होइ घाउ दही भात पथ्य सीतल  
पानी पिं अमृग की दार ऊपर तिहै ॥ अथ नव ज्वर रसः ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध लोह मरौ तोमौ मरौ सीसौ मरौ मरि च पीपरि  
सैधौ भावा सम लेइ विष आधौ भाग सब एक दो दिन घौटे आदे के साथ दोर ती देइ नव ज्वर वात संग्रही सर्व रोग पर चलत है अ  
नूपान से ॥ अथ मृत संजीवनी रसः ॥ ईगुर भाग ४ अजै पाल भाग ३ सुहाग भाग २ विष भाग १ सर्व एक करि घौटे यहर एक आदे के  
रस सैधौ मरौ मरि च पीपरि चिता उर सैधौ इन के घूर सै युक्त देइ ती २ ज्वर से निपात विदोष विष मज्वर आम वात शूल गुल्म जीद  
जलोदर शीत पूर्व कदाह पूर्व क विष मकै कठिन ज्वर मंदाग्नि सर्व जार सरत्ना कर मै कहौ है पथ्य वंदन ल गावै को से के पावै मे भोज  
न करै महा भात वेल संयुक्त मै धुनन करै ॥ अथ चंद्र सेवर रसः ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध मरि च सुहाग सम लेइ कजरी करै सब की व  
रावर घाउ एक करि मछरी के पित्त की भावना देइ दिन ३ घौटे दोर ती आदे के रस सै देइ कपित्त ज्वर इरि होइ तन भात भटा पथ्य सी  
तल पानी पिं और स देइ दिन ३ ॥ अथ महोदधि रसः ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध लोह विष तोमौ अमृक सम भाग लेइ पारो गंधक  
सौ नामा घी वंग भस्म १



सारसं०  
४५

की कजरी करे विकट पत्रज मौया विडंग नाग के सररे गुका मूर पीपरा मूल तसव दो दो र भाग ले र चूर्ण करि सव एक मिलार कै जल पीप  
रिके रस की भावना दे र चना प्रमान गोली वा धिरा धै एक एक गोली धार स्वास का स अरु भगें दर हृदय लया र्थ शूल करारि रोग कपाल रोग संश  
हृण जहर रोग आठ बीस भंति के प्रमे हय थरी चार भंति सर्व हरि हो र यथ्य जो मने लगे सो धार मथुन करे जै सी र ॥ अथ हो र ते सो ते सो अ  
हं विहार करै नी को हो र अथ चंद्र प्रभाव दो ॥ पारो मरो सो नौ मरो तो मो मरो मात्रा सम ले र वरावर खैर को सारन या मो चर स एक व करि सै मर की  
जब के रस सै धौ टै य हर र च प्रमान गोली वा धिरा धै वारि मा से जी र के साथ एक गोली धार वि दो व ते अती सार हो र ज्वर सहित सो हरि हो र ॥  
॥ अथ स्वास कुटी र रसः ॥ सुह पारो सुह गंधक सुहाग मट सिल विष अधे ला अधे ला भरि भरि च आठ अधे ला भरि पारो गंधक की कज  
री करे सव चूर्ण करि एक मिलार धर ले आ दे के र स सै दिन १ एक एक रती दे र का स स्वास मे दा गनि सीत सर्व जा र ॥ अथ मेघ सं उल र सः  
॥ पारो गंधक सम ले र दो र के र स सै धौ टै अध मूषा मे ध रि भू ध र जं ड की आ च दे र भ स्म हो र त व द श मूल के को ठे सै धौ टै य हर र दो र  
ती दे र हि व की स्वा स ज्वार हरि हो र अनूपान जै सो रोग ॥ अथ विगुणार रसः पारो सुह गंधक शुद्ध मं द आ च मे लो हे के वा स न  
मे एक छन प का वै उ तारि ले र चूर्ण करि सव चूर्ण की वरावर हर र चूर्ण करि मि ला दे र सात र ती धार एक एक रती वटा वै र कर सं र  
ती लो इ ध भात धो उ धा उ प थ्य के प वात जा र नि व ति स्थ ल मे र है वै हर न लगे तीन पख वा रे मे नी क हो र ॥ अथ वात नाश नो र सः ॥  
पार द भ स्म सो नौ ही रा रूपो लो ह सो ना भा धी हर ताल नी लोजन हरिया थू यो अ फी म मात्रा स म पा चौ नौ न एक भाग एक व क

३०  
४५

रिके य हर के इ ध से एक दिन धौ टिके संपु र मे ध रि के भू ध र जं व मे प धा वै एक उ र द वरावर र स आ दे के र स मे दे र वात हरि हो र पीपरा मूल को  
का हो पीप रि डारि पि अे सर्व वात वि कार जा र आ क्षे प क आ दि दे र सर्व हरि हो र ॥ अथ अ म्ल पि त्तान्त कर सः ॥ मरो पारो मरो तो मो मरो लो  
ह सम ले र सव की वरावर हर र ले र चूर्ण करि एक व ध रि रा धै ती न मा स मे धु सै धार अ म्ल पि त्त शां त हो र ॥ अथ ली ल विला सो र सः ॥  
पार द भ स्म ता म भ स्म अ भ क गंधक लो ह सम ले र आवे रे वे हे रे के र स सै धौ टै दिन उ घ म रा र स सै धौ टै त व सि व हो र छै र ती दे र अनू  
पान इ ध सै कु म्भ डा के र स सै आवे रे सै आवे रे सै दे र अ म्ल पि त्त जा र म धु सै दे र ॥ अथ चिंता मणि र सः ॥ सुह पारो सुह गंधक  
तो मो मरो अ भ क वि प्र ला विकट अ जे पाल शुद्ध मात्रा सम ले र पारो गंधक की कजरी करे औष दै चूर्ण करि एक मिलार कै धर ले  
गू सी के र स की भावना दे र सु धै के अ जी र ज्वर आठ प्रकार सर्व सू ल जा र ए कर ती अथ वा हो र ती दे र तथा आम रोग जा र ॥ अथ इ  
द्व वी र सः ॥ पारो मरो वेंग मरो सम ले र को हा की शूल के र स सै धौ टै दिन १ शै म रे के र स सै दिन १ उ र द वरावर गो ली वा धै धार प्र मे ह  
हरि हो र म धु प्र मे ह हरि हो र ॥ अथ र सै मंग लो र सः ॥ हर ताल के स त त म भ स्म लो ह भ स्म पार द भ स्म अ भ क भ स्म सो ना भा धी  
मारी गंधक शुद्ध हरिया थू यो सुह मट सिल शुद्ध सो वी र ज न शुद्ध का सी स सुद्ध नी लोजन भिल मा सिला जूत आ क की ज र को व क ला  
के र को कें द चि ता उ र अ को ल की ज र को व क ला को रे ध त्ते र की ज र व कु धी के वी जा गेरू सम द प्र ल बोष अ फी म पि यं गु व का  
र न के वी जा लो हे को की ट विष सर्व सम ले र एक व चूर्ण करि भा व ना दे र धर ले व स दं डी हर र सर फौ का दे व दाली ली ल दे व दा स  
नी म वे हे री करे ज घ म रा धै र इ मिल के फल कट उ म रि की ज र स व र स की भा व ना दे र ती न ती न दे र कै एक गो ला च क ती सो व



सारसं०  
४६

च

रसवञ्चो

नावेसुवैकेसंपुटमेधरिकेकपरोटीकरिकेएकवडीहांडीमैअसीभरैवीचमैसेपुटधरिकेवासनकोभुहमूदेएकपहरअग्निमैप  
चावैतवनिकासिलेइसिद्धहोइहोरतीषारचित्रपेडरीककुछइरिहोइदोमासमैअपथनदेरसर्वकुछजाइसुर्जकीभक्तिकेगुर  
कीभक्तिके॥अथपारिभद्राच्योरसः॥सुर्धितपारो॥आवरेनीमकेफलमात्रासमधेरकेकाढेसैएकदिनघोंटेगोलीमासेवारिषाड  
दड़जाइकुछजाइ॥अथशरीधारसः॥शुद्धपारो॥मुग्धक॥हरियायूथोशुद्ध॥तामोमरो॥समलेदपारेगंधककीकजरीकरैसव  
कजमिलाइकुछवीकेकाढेसैघोंटेदिन१गोलीवाधैती॥वकुचीकोतेल॥१२अधुनकेसाथषाडकुछचित्रइरिहोइ॥अथस्वतारि  
रसः॥पारोशुद्ध॥गंधकशुद्ध॥चिप्ला॥घमरा॥वकुची॥भिलमा॥कारेतिल॥नीमबीज॥सर्वसमलेदपारेगंधककीकजरीकरै॥सवचूरीकरि  
एकत्रकरिघमराकरैसकीभावनादेरसुषुप्तकेदिन०मधुघीउसैषाडमासे०स्वतकुछइरिहोइ॥अथमहारोक्षरसः॥  
पारोशुद्ध॥गंधकशुद्ध॥कोजी॥लोहमारो॥अभकमारो॥मंडूर॥वकुची॥केवीजा॥हरद॥लसोरेकेवीजा॥विडंग॥निसोत॥चित्तूर॥घमरा  
कारेतिल॥हरर॥सवसमानलेद॥पारेगंधककीकजरीकरै॥औषदैचूरीकरिएकत्रमिलाइदेइएकपहरघोंटे॥मधुघीउसैषाडमा  
से०सर्वकुछइरिहोइ॥अथरुद्ररसः॥शुद्धपारो॥सुग्धगंधक॥कजरीकरै॥पानकेरससैघोंटेदिन१॥चौर॥ईकरसैसेदिन१॥पथरसगा  
केरसैसेदिन१॥गोमूत्रसैदिन१॥पीपरिकेकाढेसैदिन१॥संपुटमेधरिकेवालुकाजेत्रमैपचावैमंदआवमैपहर१॥मधुसैएकरजीषा  
डअवुहरोगजाइ॥अथअशकठारसः॥शुद्धपारो॥१शुद्धगंधक॥२ताम्रभस्म॥लोहभस्म॥तीनतीनटकाभरिचिकट

रा०  
४६

लंगली॥दोतीनकोजरचिताउर॥कबूला॥दोदोटकाभर॥जवाघार॥सुराग॥दोऊपाचटकाभर॥सैधौपाचटकाभर॥गोमूत्रवतीसटका  
भर॥यूहरकोइधवतीसटकाभर॥मंदआवमैमालीकेवासनमैपचावैजवगालेपिंडसो॥होरजाइतवउतारिलेइ॥दोमासेषाडअशरोग  
इरिहोइ॥अथनित्योदितरसः॥मरोपारो॥अभक॥लोह॥तामो॥विष॥गंधक॥समलेद॥सवकीवरावर॥भिलमाकेफल॥एकत्र  
रीकरि॥सूरनकेकंदकेरससैघोंटेदिन३॥एकमासोघीउसैषाडअशरोगजाइ॥हाथयाउमुषनभिगुदाचपन॥हृदयकीपसुरि  
याकी॥सर्वपीराजाइ॥असाध्यअशकोयहऔषदकरै॥अथवंगेस्वरसः॥पारोभस्म॥वंगभस्म॥एकएकभाग॥अभकमारो॥ता  
मोमरो॥चारवारभागलेद॥आकेइधसैघोंटेदिन१॥गोलाकरिसंपुटमेधरिकेभूधरजेवमैपचावै॥दोरतीरसघीउसै॥पथरसगा  
सै॥गोमूत्रसैहरदसैषाडगुल्महीहउदरवाधिजाइ॥अथउदरारिदसः॥पारो॥हरियायूथो॥अजैयाल॥पीपरकिबारेको  
गूदो॥सवसमानलेद॥अशुद्धलेद॥हरियायूथो॥असपारोघोंटेजवमिलिजाइतवऔरसवमिलारकेयूहरकेइधसैघोंटेउरदवरा  
वरगोलीवाधैएकगोलीषाडस्त्रीकेपेटरक्तनेवडोहोइसोइहिमारेरक्तइरिहोइ॥कठिनविरेचनहै॥शमिलीपकीदहीभातषाड  
औरउदरमंडूरसर्वजाइ॥अथजलोदरारि॥पीपरि॥मरोतामो॥हरदीचूरी॥समलेद॥यूहरकेइधसैघोंटेदिन१॥अजैयालेके  
वीजाशुद्ध॥मात्रासमभिलारदेइजलेधरवालेकोचारिमासेदेइजारलेगजलोदरइरिहोइ॥दहीभातसवविरेचनमैयंभनहै  
आमोतमैमूगकोअधभातदेइ॥अथकामिनीमदभजनरसः॥पारोशुद्ध॥गंधकशुद्ध॥समलेद॥कमलकेरससैघोंटेदिन३



सारसं.  
४७

संपुटमैधरिवालुकाजं च मैधरि च दे इ पहर १ पुनि अरुणा कमल के रस की भावना दे इ दिन १ घाउ सै घाउ रती २ पय्य दूध भात अ  
रुजोमनै लगे सो घाउ सो स्त्री भोग्य करे ॥ अथ मदनोदय रसः ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध समले र कमल के पान के रस सै एक पहर  
घोटे पुनि आधौ भाग गंधक डारि कै लाल कमल के रस सै एक दिन पुनि घोटै पुनि आधौ भाग गंधक डारै पुनि कमल के रस सै घोटै दि  
न १ कोच की कूपी मै भरि कै वालुका जं च मै पकावै दिन १ तनिका सिले र पाचरी रस घाउ मूसरी को बूरा सै गार के दूध मै पिअै का  
मो दीपन होइ ॥ अथ अन्नं ग सुंदर रसः ॥ ॥ शुद्ध पारो २ गंधक शुद्ध २ सौ नौ भार १ अधे ला भर १ २ मरौ तामो १ मरौ हरताला २ ५  
पारो गंधक की कजरी करै सब एक मिलाइ कै पंचामृत सै घोटै दिन १ संपुट मै धरि पारो की करि गज पुट आवे दे २ दिन १ स्वांग शीतल  
हारत वनिका सिले कै पंचामृत सै घोटै दि कै वेर छोटे वरावर गोली करै एक एक गोली घाउ सो स्त्री भोग्य करै पुष्टि होइ ॥ अथ सा  
र सै घाउ रसा लिरखते ॥ ॥ अथ अग्नि कुमार रसः ॥ ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध सुहाग समले ३ एक एक भाग विष भाग  
३ कोडी भस्म २ संघ भस्म २ मरिच भाग ८ पारो की अरु गंधक की कजरी करै सब बूरा करि एकत्र करै पकी जभीरी के रस सै घोटै  
दिन १ अग्नि कुमार सिद्ध होइ वात करि कै पीडित होइ विष मज्जर को दौरी रस देइ स्यो कास स्वीस अपस्मार भगदरस  
वर्जाइ ॥ अथ दुग्धासन रसः ॥ गंधक शुद्ध टंक १ पारो शुद्ध टंक १ विष टंक ३ मरिच टंक ८ जभीरी रस सै घोटै दिन १ भूगवरा  
वर गोली बोधै आदे के रस सै देइ गोली १ सुल अरु चिगुल्म विसूची मंदारिनि अजोरा से निपात शीत शिर धीर सर्व जाइ ॥ अथ कु

रा०  
४७

प्रथम भावना देइ ॥ जवना प्रथम ॥ कुमारी रस ॥ शत मूसली ॥ सकेद मूसली ॥ बेली को कंद ॥ शो मल का कंद ॥ गो स्वत ॥ त्रिफल ॥ त्रिफल ॥ लवंग ॥ लवंग ॥ कुहिरि पुनः ॥  
इस वकी भावना देइ पञ्चात अड के पान माले पेट ॥ शुद्धि ५

दूध

खनासन लेय कोरे साय की भस्म तिही की वरावर भिलमा को तेल तेल तै आधौ नौ सादर लेर हाल की व्यानी  
गाउर को लेर जव लौ वचन पिअै होइ एकत्र तामै कै वासन मै घोटै दिन १ राति कै कुष्ठ पर लेय करै एक राति मै कु  
ष्ठ हरि होइ रहे तौ विहानै लगवै कुष्ठ जाइ सत्य है पूर मानै तौ बल हत्या होय होइ ॥ अथ चतुर्मुख रसः ॥ पा  
रो शुद्ध गंधक शुद्ध लोह भस्म अथक समले पारो की चौथार सौ नौ भारो सर्व धल्ल मै डारि कै गवारि के रस सै घोटै  
दिन १ तव अंड के पान मै धरि कै लये अन्न की राशि मै गाडि राखै दिन ३ तव निका सिले र सर्व रोग को देर विखला मधु  
देर तीर २ जै सौ बल होइ वली पलित डीर होइ स्यो ग्यारह भांति की डीर होइ कास पाच प्रकार की जाइ अष्टादश  
कुष्ठ बांडुरे गंधक सुल स्वासहि चकी मंदारिनि अम्ल पित्त वरावात विसर्प विडधि अयस्मार गुहोन्माद सर्व अ  
श्वत्वा के रोग चमनै शीतला जाइ सर्व रोग जाइ पुष्टि होइ पुत्र होइ ॥ अथ वंगेस्वर रसः ॥ वंग भस्म भाग ३  
पारो मरौ वंग की चौथार पारो की वरावर विष सब की वरावर तीळ उकी मरौ लोह गंधक वंग की वरावर एकत्र करि  
घमरा के रस सै घोटै दिन १ कूपी मै धरि कै वालुका जं च मै पचावै पहर १ २ स्वांग शीतल होइ तव काटे तव लौग कपू  
र तजय चजलाइ वीनाग के सरि बिफला समले ३ बूरा करि रस मै मिलाइ कै मधु सै घोटै सिद्ध होइ सर्व प्रमेह  
मूत्र कुष्ठ स्यो मूत्राधिक वातरोग गुल्म कुष्ठ सर्व जाइ भाव जै सौ बल होइ ॥ अथ गहरा कयाट ॥ अफीम



सारसं  
४८

ईगुरलौग मोचरस समलेद एकवधौटे एकरतीघाउसैदेरगुहरीहरिहोद ॥ अथ अगस्ति सूत्रजः ॥  
 पारोसुद १ गंधक १ सुद ईगुर १ सुद धतूरेकेबीजासुदभाग २ अप्रीमभाग १ पारेगंधककीकजरीकरसव  
 चुराकरिघमराकेरसकीभावनादेरदोरीघाउगुहरीजोद ॥ अथ सूतनिवारणः ॥ विफला मारोलोह वि  
 फलावै चुरायासेठलोहभस्मरतीदोषाउपरतैतातेपानीपिअपरिणामशूलजोद ॥ अथ प्रतापभैरवः ॥  
 पारोसुदगंधकसुद सुहाग हरताल विष विफला सौठ पीपर समलेद मरिचदेभाग धतूरेकेबीजातीनभाग पारेगंध  
 ककीकजरीकरसवअथदेचुराकरिअकवमिलारैकयमराकेरससैघोटे एकरतीकेप्रमानगोलीवाधिराखै मठासोषाउगुहरीजोद  
 अंडीकेतेलसैविरेवनहोद निंबूरससैसर्पविषजोद आदेकेरससैलेयकरैविछीउत्तरिजोद घीउसैवातजोद घमराकेरससै  
 पसीनाजोद निर्गुडीसधनुर्वातजोद घोउदूधसैप्रमेहजोद निंबूरससैअंजनकरैनेत्ररोगजोद आवरेकेरससैविदाहजोद गुड  
 सैविडबंधजोद घाउसैपित्तकोकोपजोद कसौदिनसैशोफजोद चावरकेधोवनसैउल्लवातजोद विफलासैप्रमेहजोद मोथार  
 ससैस्थिरहोद नागार्जुनीसैपरितापजोद पानकेरससैकान्तिहोद मधुसैअग्निकरै मंदाग्निजोद सुहजनेकेरससैघोउसंयु  
 त्सूलजोद दहीसैअजीराजोद धतूरेकेरससैलेयकरैसैनिपातजोद निंबूरससैहर्षजोद गाउकेरससैनिपातजोद  
 ॥ अथ उदरशोफवटिका निसोत गुग्गुलु समलेदइनौगुडमिलारैकेगुडटिका ॥ १२ एकगोलीघाउपरतैतातेपानीपि  
 रतिप्रतापभैरवघीउचोली ॥ अथ विस्फुल्लिचीनिवारणः ॥ गंधक सैधोनोन सौठ मरिच पीपर समलेरनिंबूरकेरससैघोटेपहराघाउ  
 विस्फुल्लिजोद ॥ ४८

अपेटकीसूजनपित्तात्मकहोद ॥ अथ ॥ हरर निसोत सौठ मात्रासमलेदवाटिछनिचुराकरिकैइनेगुडसैगोली ॥ १२ घाउसूज  
 नजोद ॥ अथ ॥ दशमूलकोकाजोकरिअंडीकेतेलसंयुक्तघोरोगसयिअसौपूइरिहोद ॥ अथ ॥ गोमूत्र अंडीकेतेलसंयुक्तपियैसूज  
 नजोद ॥ इति शोफः ॥ अथ द्वितीयद्विंतामनिरसः ॥ पारोसुद गंधकसुद सीसोमरी अभ्रकमारो एकएकभागलेदअजैपालसुद  
 आधोभाग पारेगंधककीकजरीकरैसवएकवकरिपानीसैपीसिगोलाकरैनागवेलकेपानलेयटकेसंपुटमैधरिक्थरतीमैएकछोदोषदरा  
 करैतिहिमैसंपुटधरिदेउपर ॥ आगवारेलेघुपुटमैपकादलेदस्वोगशीतलहोदतवनिकासिकैएकरतीदेरवातज्वरसैनिपातविदोषविषम  
 ज्वरजोद सर्वरोगकोदीजेयहद्विंतामनिरससर्वरोगपरबलतहै पथ्य मठाभातभटाघाद ॥ अथ मृतसंजीवनः ॥ मरिसिलसुद हरतालमा  
 री एकएकभागलेद ईगुर दोभागलेद सोनामायीमारीएकभाग ताम्रभस्मदोभाग विषछटेअंस सवएकवनिंबूरससैघोटेसिद्धहोद  
 कुष्ठादिसर्वरोगजोद ॥ अथ त्रयोदशः ॥ मरिसिलसुद हरतालसुद सुवर्णाभस्म मूलासौती सोनामायीमारी सववरावरलेद सवकीव  
 रवरगंधकलेद गंधककीवरवरसुदपारो एकवकजरीकरै कूपीमैभरैवालुकजैवमैपचावैपहर ३२स्वोगशीतलहोदतवनिकासिलेइहोद  
 तोदेर यक्ष्मास्वासण्डेरेगवातमंदाग्निसूलप्रमेहगुहरीकुहूरकपित्तनिपुंसकताजोदमर्दहोद अनूपानजैसोरोगजोदतवनिका  
 सिलेदतैसोदेरअरुपथ्यकरै ॥ अथ कामेश्वरोरसः ॥ जादफल ईगुर लौग मरिच सौठ विष धतूरेकेबीजा पीपर मोथा सवए  
 कवकरिजभीरीकरैसैघोटे धतूरेकेरससैभागकेरससैघोटेएकगुगवीप्रमानगोलीवाधै एकएकगोलीघाउ नामर्दताइरिहोदअ



सारसे  
४६

ल्यमूत्रवृद्धमूत्रप्रमेहद्विहोत्रसौख्यभोगकरैकामदेवकीनार ॥ अथरूपरसः ॥ अथपरोशुद्धगंधकशुद्धवेग एकत्रकरिसंयुक्तमे  
धरिगजपुटकीआवदेस्वांगसीतलहोत्रवनिकसिलेदोत्रोमधुपीपरिसेदेरप्रमेहवातद्विहोत्र ॥ अथकामदेवरसः ॥ अथ  
क तांमौमरो केसर लोहभस्मजाइये अफ्रीम लौग लाइवी पारोमरो क्षीरकाकोली सीसोमरो जारफर कवावचिनी समदेशो  
घ तालबुखारेकेबीजा अकलकरा सबएकत्रकरिमधुसैसरीरके अनुमानपुष्टिहोत्रकामवदेवलहोत्र ॥ अथपुष्पधन्वारसः ॥ मरोपा  
रो तांमौमरो वेगभस्म सुवराभस्म रंगुर अभ्रक रूपोमरो सोनामाषी कोतभस्म सीसोमरो गंधक हीराभस्म सम अकलकरा ताल  
बुखारेकेबीजा अफ्रीम समदेशोघ केसर असगंध विकट मोथा मिथी समलेदएकत्रकरिसमरेकरसकीभावना ३ विप्रलाकेजलकी  
भावना ३ गुंरिचकीभावना ३ वाराहीकंदकी ३ कस्तूरीसै ३ कपूरसै ३ तीनतीनभावना देरसिद्धहोत्र घोरतीरसलेर मधु घीउषांडसेयुक्तदे  
र सर्वप्रमेहद्विहोत्र वृद्धतस्वी सौरभवलहोत्रपुष्टिहोत्र ॥ अथविलासिनीप्रियः ॥ मरो पारो अफ्रीमसैघोटे धतूरेकेफलकेरससैघोटे एकर  
तीभरलेर भांगअसपाउ सैघा रशतदिनकामो दीपनवबोरहे ॥ अथमेघनादरसः ॥ रंगुर सुहोत्र अजैफाल विकट सबकमतेवहती  
लेदएकत्रकरिजंभीरिससैघोटे घामसैमुषुमुषुकेचना प्रमानुगोलीवाधै गुडसैएकगोलीघार आमांज विरेचनहोत्र उदरोगपांडुरो  
गपेटकीसृजनललोदरसर्वज्वरविषमज्वरजार ॥ अथमेघनादवितीयः ॥ सुद्धगंधर सुद्धपारो २ नौ सादरतोला १ पारंगंधककी  
कजरीकरैतवनौ सादरमिलादकैनिगुंजी केरससैघोटे दिन १ सिसीमे भैरैरैकैवालुकाजेवकी आवदेरपहरवारहकी कमते पहिली

रा०  
४६

वारयहरमंदआवदेरतवक्रमतेवहोवैसीतलहोत्रतवरी सीप्रोरिकैनीचैजो पारुभस्महै सोलेर उपरको गंधकद्विहोत्र सर्वरोगको  
दीजे ॥ अथप्रतापलकेस्वरः ॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध वरावरलेर दोउकी वरावर सोनामाषीरूपामाषीलेदयेकत्रकरि आककेरुधसैघो  
टेदिन १ वज्रमूषामे धरिसेपुरकारिकेधदामे आदयहरकी आवदेर एकहाथगहिरौषदाकरै एकहाथघोरकरै तोहमे कंडाकूटिके आधौ घदशभ  
रिदेरतव संपुटधरे उपरसै औरक सीभरिदेर एक अंगराधरे देस्वांग सीतलहोत्र आदपहरमेतबनिकसिलेद सर्वरोगको अनुपानसैदेरकाम  
वदेपुष्टहोत्रजोगवाहीहे ॥ अथवातविध्वंसोरसः ॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध सीसोमरो वेग लोह तांमौ अभ्रक पीपरि सुहाग मरिच सौ  
रियेकयेकभागलेर पारंगंधककी कजरीकरै सबबुराकरि एकत्रकरि एकपहरघोटे तबकक्षनागविषसांढे वारभागले बुराकरिमिलाददेरत  
वभावना देरकैघोटे विकटकेकावेसै ३ विप्रलाकेकावेसैघोटे वारतीन अचिताउरकेरससैवार ३ घमराकैससैवार ३ अकौवाकी जरकेकावेसै  
३ धतूरेकेफलकेरससै ३ तबसिद्धहोत्र गुन वमनविरेचनसूलक्ष्मरोगगुहरीसर्वसंनिपात अपस्मारमंदामिशीतपित्तहीत उदरकुष्ठसर्वजा  
३ स्त्रीकोप्रसूतरो वातरोगजार दोरतीमावाहै अनुपानजै सौरोगहोत्र ॥ अथवातराक्षसः ॥ पारोकोमरोशुद्ध सौनो मरो पारो गंध  
क कोतभस्म अभ्रक ताम्रभस्म समलेर पयरसगा गुंरिच चिताउर रूसौ रनकेस्वरसकीभावनातीनतीन दिन एकएकसैघोटे सं  
पुटमे धरिलघुपुट आवदेर स्वांग सीतलहोत्रवनिकसिलेद वातरोगको देरजे सजे सैरोगके अनुपानसैदेरत सौदोगद्विहोत्र एकरती  
देर उरुस्थंभवातरक्त आमवातगावभंग धनुंवातदेहकी पीडापक्षाघातकंपवातसर्वसंधि गतवात मुप्तिवातवात शूलउन्मादशीत

र



सुरसे  
५०

वात सर्व हरिहोर ॥ अथ उदय भास्कर रसः ॥ शुद्ध पारो १ शुद्ध गंधक १ ताम्रमरो १ लोहमरो १ विद्या १२ एक चक्र निगुंजी के रस की भावना  
धत्तरे रस की भावना देर दिन १ एक एक तव कांच की कुप्री मे धरे बाल का जेव मे अच देर पहर ६ स्वाग शील होइ तव नि का सिलर सर्व रोग हरि के जे से  
जोग से देर ते सौ रोग हरि के निपुंस कनी कहो ॥ अथ वातारि रसः ॥ विष भाग १ सुहाग भाग २ मरिख भाग ४ सुद्ध लेर एक चक्रा करि आ दे के रस से  
घर लेती नरती देर मा धरि च घी उके साथ सर्व वात जार ॥ अथ मदन कामेस्वर रसः ॥ सुक संभे ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध अक्षी म एक चक्र  
के नग वेले के पान के रस से घौटे पहर ३ तव नीन तीन रती की गोली बाधि राये प्रात काल एक गोली पारती सर पहर २ धगार को घाउ डारि पिअ मे  
स के रूध रति के पिअ इस र भोजन वजि ते वी र्ज संभ होर अति नी र स्पा होर तित नो मे युन करै तव वी र्ज छो ड वे के अथ निवृ र स घाउ सहित दार  
एक काल दो काल मंडल भर य हर स घाउ र स व धातु सो घले र हरि मे सं स य ना हो ॥ अथ द्वितीय गुहणी क पाटः ॥ कृष्ण अभ्र क लेर ती न दिन  
निवृ के र स से घौटे गोला करि सु ध के ते ही की चरा वर सु रा ग वां र के गोला के नी के ऊपर दे के संपुट मे ध र मु डा करि के सीत क परो टी करै ते अ ज  
च मे धौ के अभ्र क भस्म हो र सो अभ्र क एक भाग लेर पारो मरो भाग १ सो नो मरो भाग १ शुद्ध गंधक ३ एक चक्र र १२ दिन घौटे त व एक क घुली श्लो ह  
की मे थो रिक घी उ डारि के ति हि मे गंध क मु द्रा स व डारि के पि घ लो वे अ च मे ज व गंध क पि घ ले त व एक सिल पर के ला को पात वि घा वे ते र के ऊपर  
वि घा र देर ति हि के ऊपर और के ला को पात धरि के ऊपर गो व धरि देर प र्यं टी होर सीत ल हो र त व पी स के घ म रा के र स से घौटे दिन ३ अती स के को ठ  
से घौटे अथ वाणि मे अती स वा टि लेर ति हि सो दिन ६ कुरो के र स से घौटे दिन २ पाटे के र स से घौटे दिन १ गुहणी क पाट सिद्ध हो र घोर ती र स

ज

१०  
५०

यु १

अती स मधु से देर अवागु उ अरु वे ल से देर पथ्य द ही मठा गार को वेर कुर थी को जूष मस्तर को जूष क ही गार के मठा की लौनी करे ला ऊदर उ  
र था गो भी गिरि कणी एतर कारी घा र गुहणी हरि होर ॥ अथ वसंतराजः ॥ वंग भस्म १ सभस्म सम लेर को ला के र स से घौटे दिन १ मधु से घेर ती  
घा र दिन ध ति र क स दिन प्र मे ह मधु प्र मे ह हरि होर मधु र भोजन करै सै मर की जर को चूर्ण १२ मधु से सानि रू ध मे पिअ तथा गरि ख को र स मधु त था हर  
दी को चूर्ण मधु ॥ अथ यंच वा रो र सः ॥ पार द भस्म अभ्र क लोह भस्म सो सौ भस्म वंग भस्म ए स व दो दो भाग लेर सो ना मा धो गंध क ती न ती न भाग  
अक्षी म भाग ४ स व एक चक्र र ल घु पंच मूल के र स से घौटे दिन १ त व सो नो मरो २ रू पो मरो २ मिलार के भावना देर उ जा र अ क ल क र लौ ग सौ दि के को ल के सर  
पी पीर क लं व क स म द सो ष अक्षी म के पो स्ता क स्तरी मुं डी प्रियंगु र न को जु दौ जु दौ का ठो करै एक एक की सा त सात भावना देर पंच वान सिद्ध होर मा वा उ र द  
व रा व र म धु मा से षा ड मा से ६ घट का २ भरे मे घा र ति भोजन न करै पान चूत न घा र मधु र अ हा र से व न करै काम यु र होर ॥ अथ लक्ष्मी विलासर  
सः ॥ लोह भस्म अभ्र क पारो शुद्ध गंध क शुद्ध स म ले र ब ल मे डारि के गारि के र स से घर ले दिन १ त व अं ड के पान प के लेर तिन मे धरि के ल ये व धि के त व  
अन्न की श सि मे गा डि रा वे दि न ३ फेरि नि का सि के पी से दो र ती र स म धु वि प्ला सै घा र जै सो व ल हो र सी र हो र ते सी मा जा घा र स र्व प्र मे ह जा र का स पां ड रोग  
हि व की रा ज ज स्मा वा त ह ली म क मे दा गि न कु ल के डू वि स र्व वि ड धि अप स्मार पर वृ त्त च ल है स व रोग जार ॥ अथ बुद्ध मूत्र ह रो र सः ॥ मरो पारो वंग  
भस्म लोह भस्म अभ्र क स म ले र एक चक्र र घौटे मधु से देर रती २ ऊमर के फल प के चूर्ण करि के अधे ला भरि लेर मधु से सानि घा र बुद्ध मूत्र हरि होर सु  
घो होर ॥ अथ वंगेस्वर रसः ॥ वंग भस्म १ पार द भस्म अधो भाग एक चक्र आग पर लो ह के वा स न मे ध रै घ म रा को र सु रा र त जा ड प हर १ त व उ ता रि



लेर दोरती देर केवल रात पर चलत है सर्व वाज रोग हरि होर ॥ अथ कल्प वृक्षो रसः ॥ पारो सौनामाषी ईगुर मरसिल सुहाग हरताल एखव  
सुख मरे एक एक भाग गंधक रतामौ २ लोत १ सव एक निबुर सै घौटे थोरी आघ देर सोर है अं स विष डारै दोरती ॥ रस वकुची के बीजा तोला  
धूर्ता करि जल सै घाई सर्व कुंजार इध भात परवर एषार मधु पीपरि सै पांडुरोग जार गुटर रसै घार शोच सुल जार आदे के रस सै से निपात जार  
वात जार वकुची सै सर्व कुंजार विसेष कुंष्ट पर वृत्त चलत है ॥ अथ वंग रसायन ॥ पारो भस्म वंग भस्म समलेर मधु सै दो उरद वरा वरा है रस प्रमेह  
हरि होर ॥ अथ शीतां कुश ॥ हरियायू थो शुद्ध सुहाग पारो सुद्ध गंधक शुद्ध विष शुद्ध षपरिया सुद्ध हरताल मरी पारो गंधक की कजरी करै सव समले  
र एक कजरी घौटे करे ला के रस सै दिन १ अंड के पान मै धरिकै ले पेटे कपरो टीउ पर करि कै लघु पुट आघ देर एकर ती भर खलेर पाउ सो जीरे सै देर एक दि  
त्रिचतुर्थ कज्जर जार शीत जार पथ्य इध भात मूग की दार पा रस वै ज्वर हरि होर ॥ अथ रस पाभेदः ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध अभ्रक सुहाग समलेर अंजे  
पाल तंमौ पारो तंमौ अंस सव एक घमर के रस सै आदे के रस सै निगुं डोर सै एक एक दिन घौटे सिद्ध हो इती नरती देर पाउ सैन वज्ज रती नरती मै हरि होर  
॥ अथ मेह गांजा कुसः ॥ पारो मरी सौनामरी समलेर पथ्य रसा की जार के रस सै घौटे सेमर की जार के रस सै घौटे आवरे के रस सै घौटे दिन तीन तीन तवर  
पौमरी अभ्रक मरी समभाग लेर एक कजरी दाष के रस सै घौटे दिन उत वसिद्ध होर ती नरती लेर मिश्री मधु सै घार मधु पीपरि सै घार पीपीया सै घार सर्व  
प्रमेह हरि होर पथ्य सै रहै ॥ अथ रसैदः ॥ वंग भस्म रस भस्म लोह भस्म अभ्रक भस्म सर्व समान लेर गुरु शुद्ध केर आवरे ईदोरन इन के रस सै एक  
एक दिन घौटे दो मासे मधु सै घार सर्व प्रमेह रक्त प्रमेह जार कुंष्टा को रस पाउ डारि कै पि अं कुंष्टा की तर करि घार रक्त प्रमेह हरि होर ॥ अथ मेह हा

पारो मरी तांमौ मरी लोह तमरी अभ्रक तगर सर्व समलेर मौया के रस सै घौटे दिन १ मधु सै ती नरती देर अथ घाउ सै देर सर्व प्रमेह हरि होर सूत्रा घात हरि होर  
अथ मानिमी मधु विधु ननः ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध धतूरे के बीजा शुद्ध धतूरे के तेल सै घौटे दिन १ घेरी देर पाउ के सा घ प्रमेह जार स्तंभन होर ॥ अथ सनि  
पात दलनः ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध अभ्रक लोह सौनामाषी मरसिल तंमौ सौना वंग समलेर पारो गंधक की कजरी करै सव एक त्रिमिलाद के कोरे ध  
तूरे के रस सै ती नती नवेर घौटे मूषा मै धरिकै मूड आघ देर तव पारे की वरा वर विष डारै धतूरे के रस की भावना ७ रती के रस की भावना ७ घमर की ७ मत्स्या  
की रस ७ विकट के काटा की भावना ७ तव पारे की वरा वर विष लेर एक हा जी मै विष धरे घूर्ता करि कै अरु एक हा डी मै सव औषद को कल्क ले पेटे र पेटे दी  
मै सो कल्क वाली हां डी विष वाली हां डी पर औधाद के मुद्रा करि कै चूले पर मं द आघ देर विष को धुवार स मै लेगी त वउतारि लेर एकर ती पाउ सै वर आदे  
के रस सै देर अथ वासं निपात के काठे सै देर दाह सीत वात अयस्मार तं डपित विरेक सहित अथ वा विरेक रहित हरि होर ३ सुलभं दारि निगुल्म जीत जले  
हरसयी अजीरा अरु चिसर्व से निपात हरि होर ॥ अथ सप्तिरपवगः ॥ अभ्रक गंधक विष सौदि मरिच पीपरि पारो सुहाग समलेर पारो  
गंधक की कजरी करै सर्व घूर्ता एक त्रिमिला र घमर के रस सै घौटे बार ७ आदे के रस सै ती नरती देर अथ घाउ सै विकट सै देर महा वात व्याधि इ  
रि होर सै सा होर ॥ अथ वात विध्वंसन वटी ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध विष शुद्ध हरताल मरी विकट चिपला मरसिल सर्व समलेर घृहर के इध  
सै ग्वारि के रस सै घौटे गंधकी वरा वर गोली बाधै ए गोली घाद सर्व वात हरि होर ॥ अथ कांत वल्लभः ॥ पारो अभ्रक तंमौ गंधक षपरिया समले  
र ग्वारि के रस सै घौटे पित्त पापरे सै नीम रसो हरर कडु की के काठे सै घौटे त वसिद्ध होर मधु पीपरि सै देर ती उपित्त सै घात पटोल मधु सै



लोहदोरतीदेरकेवलरातपरचलतहैसर्ववातभोगइरिहोर ॥ अथकल्पवृक्षोरसः ॥ पारो सौनामाषी रंगुर मरसिल सुहाग हरताल एसव  
सुधमरेणकएकभाग गंधकरतामो २ लोह १ सवएकत्रिंश्रससैधौदेथोरीआधदेर सोरहै अंशविषजोरे दोरती ॥ १ ॥ स वकुचीकेबीजातेला  
धूरीकरिजलसैषादसर्वकुसुजारइधभात परवरएषाद मधुपीपरिसैपांडुरोगजार गुडररसैषादशोचसुलजार आदेकरससैनेपातजार  
वातजार वकुचीसैसर्वकुसुजारविसेषकुसुपरवृत्तचलतहै ॥ अथवंगरसायनः ॥ पारोभस्म वंगभस्म समलेरमधुसै दोउरदवरावरषादरसर्वप्रमेह  
इरिहोर ॥ अथशीतकुशः ॥ हरियायूथोशुद्ध सुहाग पारोशुद्ध गंधकशुद्ध विषशुद्ध पपरियासुद्ध हरतालमरो पारोगंधककीकजरीकरैसवसमले  
रएकत्रिंश्रिघौटेकरलाकरससैदिन १ अंडकेपानमैधरिकैलेपेटेकपरो टीउपरकरिकैलघुपुटआधदेरएकरतीभरसलेरषाडकोजोरेसैदेरएकदि  
त्रिचतुर्थकज्जरजारशीतजार पथ्यइधभातमृगकीदारषादसर्वज्वरइरिहोर ॥ अथदस्पाभेदः ॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध अधक सुहाग समलेरअजे  
पालतमो पारोतैछहैअंस सवएकत्रिंश्रमरेकरससैआदेकरससैनिर्गुडोरसैएकएकदिनघौटेसिद्धहोइतीनरतीदेरषाडसेनवज्वरतीनमुहतेमैइरिहोर  
॥ अथमेहगजाकुसुमः ॥ पारोमरो सौनोमरो समलेरपथरसाकोजारकरससैघौटे सेमरकीजारकरससैघौटे आवरेकरससैघौटेदिनतीनतीनवर  
पौमरो अभ्रकमरो समभागलेरणकवकार दाषकरससैघौटेदिनउतवसिद्धहोर तीनरतीलेरमिथ्रीमधुसैषाद मधुपीपरिसैषाद पौपीषाडसैषादसर्व  
प्रमेहइरिहोर पथ्यसैरहै ॥ अथरसंदः ॥ वंगभस्म रसभस्म लोहभस्म अभ्रकभस्म सर्वसमानलेरगुरुषुकर आवरे रंदोरन इनकरससैएक  
एकदिनघौटे दोमासमधुसैषादसर्वप्रमेहरक्तप्रमेहजारकुसुडाकोरसषाडउरिहैपिअकुसुडा कीतरकारिषादरक्तप्रमेहइरिहोर ॥ अथमेह

पारोमरो तांमौमरो लोलतमरो अभ्रक तगरसर्वसमलेरमौथाकरससैघौटेदिन १ मधुसैतीनरतीदेर अथषाडसैदेरसर्वप्रमेहइरिहोरसूत्राघातइरिहोर  
अथमानिमीमूविधूननः ॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध धतूरेकेबीजाशुद्ध धतूरेकेतेलसैघौटेदिन १ धैरतीदेरषाडकेसाधप्रमेहजारस्तेभनहोर ॥ अथसंनि  
पातदलनः ॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध अभ्रक लोह सौनामाषी मरसिल तांमो सौसो वंग समलेरपारोगंधककीकजरीकरैसवएकत्रिमिलारके कोरेध  
तूरेकरससैतीनतीनवेरघौटे सूखामैधरिकैमुडआधदेरतवपारेकीवरावरविष ॥ जोरे धतूरेकरसकीभावना ७ रनीकरसकीभावना ७ घमरकी ७ मत्स्या  
कीरस ७ विकटुकेकाहाकीभावना ७ तवपारेकीवरावरविषलेरएकहाजीमैविषधरेचूर्णकरिकै असएकहाडीमैसव औषदको कल्कलेपदेरपैदी  
मैसोकल्कवालीहांडीविषवालीहांडीपरऔधादकेमुद्राकरिकैचूलेपरमंडआधदेरविषकोधुवारसमैलेगीतवउतारिलेएकरतीषाडसैकर आदे  
करससैदेरअथवासंनिपातकेकाठसैदेरदाहसातवातअपस्मारतं द्रुपितविरेकसहित अथवाविरेक रहितइरिहोर सुलभं दानिगुल्मप्रीतजले  
दरस्योअजीर्णअरुचिसर्वसंनिपातइरिहोर ॥ अथसमीरपत्रगः ॥ अभ्रक गंधक विष सौदि मरिचपीपरिपारो सुहाग समलेरपारे  
गंधककीकजरीकरैसर्वचूर्णएकत्रिमिलारघमरकरससैघौटे बार ७ आदेकरससैतीनरतीदेर अथषाडसै विकटुसैदेरमहाघात व्याधिइ  
रिहोर संज्ञाहोर ॥ अथवातविध्वंसनवटी ॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध विषशुद्ध हरतालमरो विकटुत्रिपला मरसिल सर्वसमलेरधुहरकेइध  
सैगवारिकेरससैघौटे गंधकीवरावरगोलीवाधेएकगोलीषादसर्ववातइरिहोर ॥ अथकांतवल्गुभः ॥ पारो अभ्रक तांमो गंधक पपरिया समले  
रगवारिकेरससैघौटे पित्रपापरेसै नीम रसो हरर कडकीकेकाठसैघौटेतवसिद्धहोरमधुपीपरसैदेरतीउपितरुष्माजार पटोलमधुसै







सारसं.  
५३

रतीदेरसे अतिरक्तगुल्म अशो जाद ॥ अथ विषेस्वरः ॥ पारो सुद्ध गंधक सुद्ध सीसौवंग लोह भस्म अधिक  
समभाग लेर सव एक चक्रे कच लोना सव की चौथाई भाग एक चक्रि गवारि केर स से धौटे दिन ३ चिता उर से वार ३ जीरे से धौटे  
वार ३ तीन रती देर अती सार सव पुष्ट मेह वातरक्त पल्लि सूल सव हरि होर ॥ अथ ग्रहणी कपाटः ॥ कृष्ण भुक्त जभीर केर स से धौ  
टे दिन ३ तव सुहाग नरे ऊपर दे के से पुट मै धरे आग मै धौ के जे सो लो हो धौ कत है तव भस्म होर सो अ भुक्त भाग १ मरो पारो सुद्ध भाग १  
गंधक सुद्ध भाग १ कजरी करि एक चक्रे तव एक लोह के वासन मै थो गिक घी उ डारि के आग पर राखे जक गंधक पिघले तव के राके पान पर हा  
रि देर पैला के एक के रा को पान ऊपर धरि के ते हि के ऊपर गोवर धरि देर शीतल होर तव पर्ये दीव हयी सि के एक रती देर पाउ से जीरे से प्रा  
त का लघाद अती सार ज्वर विषम आम सूल वात सूल से ग्रहणी रक्त आव सर्व हरि होर ॥ अथ ग्रहणी कपाटः ॥ पारो अ भुक्त रूपो  
सोना भावी गंधक साजी धार जवा धार सुहाग छिपनी से धौ को डी भस्म सव सम लेर विष आधौ भाग सव एक चक्रि मोथा केर स से धौ  
टे वार ७ उरई अती स जुरो घमरा भाग धतूरो अज मोद नीम की छाल कोर स वरियारी की जर से एक एक से सात सात भावना देर जिहि  
औषध मै रसन के तिहि को काटो करि लेर तव धौटे गोला करि के धतूरे के पान ले पे टेल घु घुट मै आच देर जित नै मै र स सखि जाद तव नि  
कासिले र वृणी करि के तीन रती देर ग्रहणी रक्ता ती सार ज्वर छर्दि मं दानि सयी हो अशो सव जाद अन्यान मधु पीयरि से देर ॥ अथ  
ग्रहणी कपाटः ॥ पारो मरो भाग १० गंधक सुद्ध भाग १० सुवर्ण भस्म भाग ४ अ भुक्त ४ विष सुद्ध ४ कौडी भस्म भाग ७ मरिच भाग ८ अफी

गो  
५३

म भाग ६ धतूरे के बीजा सुद्ध भाग ३ सव एक चक्रि भाग केर स की भावना ७ त्रिकटु के काटे की भावना ७ तव सिद्ध होर मा जार ती ३ सर्व से ग्र  
हणी अती सार मे दानि आम सर्व अती सार जाद ॥ अथ ग्रहणी कपाटः ॥ पारो सुद्ध गंधक सुद्ध विष सुद्ध सम लेर चिता उर केर स से धौटे दिन  
३ तव कौ दिन मै भरे तव वमूर के काटे पी सि के चिता उर केर स से कल्क करि के कौडी को सुत मूदे से पुट मै धरि के कप रोटी करि गज पुट आच देर सि  
द्ध होर तव तीन रती मावा भाग से देर जीरे से रार से मरिच से से ग्रहणी जाद ॥ अथ ग्रहणी कपाटः ॥ कौडी भस्म भाग ७ मरिच ८ विष भाग १  
पारो मरो बीस भाग २० गंधक सुद्ध स भाग १० अक्षी भाग ४ धतूरे के बीजा भाग ३ सव एक चक्रि भाग सौ एक देर ग्रहणी जाद ॥ अथ लोकेस्वरः  
॥ पारो सुद्ध भाग १ गंधक सुद्ध भाग २ सेव भस्म भाग ८ पारो गंधक की कजरी करे सेव भस्म मिलार देर चिता उर केर स से धौटे दिन ३ तव जवा धार आ  
धौ देर के आक के दूध से धौटे दिन १ जवा धार जवा को होत है तव गोला करि से पुट मै धरि के कप रोटी करि देर सुखे के गज पुट आच देर दिन १ स्वा  
ग सीतल होर तव नि कासिले र छै रती देर ग्रहणी अती सार जाद अन्यान जे सौ रोग ते सो देर ॥ अथ लोकेनाथः ॥ पारो सुद्ध भाग १ गंधक सुद्ध  
भाग २ कजरी करे आक के दूध से धौटे कौडी की राख भाग ८ मिलार के चिता उर केर स से धौटे दिन १ तव आधौ सुहाग ॥ आक के दूध से पी सि के  
गोला करि के सुखे के से पुट मै घृणा पोत के तिहि से पुट मै गोला धरि के कप रोटी करि के सुखे के ले दहाय भरग हि रोष दरा करे अरु हाथ भरि  
कौरो तिहि मै कंड भरि बी चमै से पुट धरि के वार देर जव सीतल होर तव नि कासि के वृणी करे कौ बी स मरिच अरु घाउ से एक सात रती देर मे दानि  
ग्रहणी अती सार हरि होर ॥ अथ प्राणेश्वरोरसः ॥ पारो मासे ४ गंधक मासे ४ अ भुक्त मासे ४ एक मूरी केर स से धौटे दिन ३ तव काव की कू



मेधरैतवर्जिदेकपिकेसुहमेठैदीदे कैमाचीलगाइकेसातकपरोरीकरिदेरधरतीमेकोटोषदराकरैतिहिमेसिसीधरैमाहीकेपूरिकेकंडन  
कीआचदेरस्वागसीतलेहोइनबनिकासैमाहीइरकरिकैसिसीमेजोरसहैसोलेरखल्लमेधरै तबजवाधारसाजीधारसुहागपाचौनौनवि  
गु कडविप्रलाहोंगंगुलदेइजौचितउर सुहजनेकेबीजा अजवाइन वेल्लके एकएकमासोलेरचूरुकरिस्सैमिलारदेरतीनदिनघोटे नाग  
वेल्लिकेपानमैएकमासोदेउजरइरिहोरविप्रलाचूरुकरितमेपानीसैपिअमृगकौजुषपषधीउज्वरवालेकौवर्जितहै औरोगनकौघोउ  
सहितदेरगुहरीकौविसेयदेरमेदाग्निगुहरीविषमसूतिकारोगअतीसारसूलयोनिरोगप्ररोगसर्वइरिहोर ॥अथसूतसजः॥ गंधक  
शुद्ध लोहभस्म पारदभस्म मोती समलेर सबएकवकरिविजोरेकेरससैघोटेपहर १ गोलाकरिकैकपरातयेतेतिहिकेउपर औरकपरोरी  
करिदेरतवएकवासनमेनौनभरैवीचमेगोलाधरैबुल्लेपरआचदेरपहर १ सिद्धहोइमधुपीपरसैदेरती २ स्वासकासप्रमेतद्वयीमं दानि  
सर्वइरिहोर ॥अथरक्तपित्तसराजः॥ पारदभस्म सुवर्गभस्म सौनामापीमारी लोहभस्म कान्तभस्म अभ्रक समभागलेरकमलेकर  
सकीभावनादेरदिन ३ घाउसैदेरतीउरक्तपित्तइरिहोर ॥अथरक्तपित्तसैडः॥ लोहभस्म पारदभस्म गंधक समलेर रूपौ पीपर हर केरससै  
भावनासातसतदेरतवसिद्धहोइ हरचूरुकरिकैरुसेकेरसकीभावनादेरतिहिकेसाघदेरतीतीनमधुसै अथवास्सेकेरससैमधुसैदेररक्तपि  
तइरिहोर पुष्टिहोर ग्लानि स्वासकासरक्तार्शरक्तप्रमेतइरिहोर ॥अथरक्तपित्तसूतवरः॥ पारोमारी ताम्र लोह अभ्रक सौनौ सीसो  
वंगसमलेर एकवकरिगुरिचकेसत्त्वसैआवरे केरससैतीनवारघोटे ग्वारि केरससैघोटेवार ७ रुसेकेरससैघोटेवार ७ तवसिद्धहोइ दोरतीय

हरसलेर मधुपाउरुसेकेरससंयुक्तदेर अथवास्सेकौरसघाउघोउसंयुक्तदेर अथवालाखकेरससैदेर अथवातजपजलादधीनागकेस  
रिपीपरिफालसेहरर आवरेमित्रीमधुसैदेर अथवाहरमधुमित्रीसैदेररक्तपित्तशोतिहोर ॥अथकृमिमुजः॥ पारोमुह १ गंधकसुधभाग २ अ  
जमोद ३ विडंग ४ वकारनकेबीजाभाग ५ पलासबीजभाग ६ पोरगंधककीकजरीकरैसवचूरुकरिएकवमिलारकैघोटेमधुसैमासोएकघाउउपर  
तैमोयाकौकाहोपिअ कृमिरोगजाइअग्निदोपनहोतीनदिनदेर ॥अथकृमिमुजः॥ पारो १ गंधक २ लोह ३ हरताल ४ कुचिलाभाग ५ हांग ६  
विकट ७ नीनौखा ८ पाचौनौन ९ सुहजनेकेबीजाभाग १० अजमोद ११ विडंग १२ पलासबीज १३ सबएकवकरिनिबूरससैघोटेनीमकेरस  
सैघोटेवेरकीगुठिलीवरावरगोलीवाधराखैएकएकगोलीघाउ कृमिसूलगुल्मआध्मानवातज्वरमेदाग्निस्वर्इरिहोर ॥अथपीयूष  
सिंधुः॥ पारदभस्म सुवर्गभस्म लोह अभ्रक ताम्र मोती कान्त वंग समलेर सूरनकेरससैघोटेदिन १ दौनकेरससैघमगरससै अ  
करससै चिताउरसै एकदिनघोटेपाछेगोलाकरिकैअनकीरासमेगाउरावेदिन ३ तवनिकासिकेपीसैमासोमरिदेरमधुसै अरशि  
गकठिनइरिहोइगुहरीसूलपांडुमेदाग्निक्षयीशसर्वजाइछैमहीनासेवनकरैसर्वरोगजाइदोवषसेक्नकरैबुडाईजाइपुष्टिहो  
इकानिहोइवीजवृद्धिहोर ॥अथअशोहः॥ पारोमारीभाग १ अभ्रक २ ताम्र ३ लोह ४ गंधक ५ सबलोहेकीकराहीमेधरिकैदे  
वदालीकेरससैकैयकवैपाछेविषयानीमेवाटिथोरोसौदोघरीतिहिमेपकावैतवउतारिलेइतवघोटेविकटकेकादासै  
विप्रल्लकेकादासैचिताउरकेकादासैदोदोदिनघोटेतवसिद्धहोइ गुरिचकेरससैसैमरकेरससैलालवोरसैजौपित्तैअशोहो



इतौ रने दे २२ मीतीन वाततै जौ अर्श होरतौ अंडी के तेल सै चिकु डै घी उमरि च सै देर जौ अर्श रोग कफ ते होरतौ चिता उर सै गुंडै सै अर्श  
देर विदोष तै होरतौ गुंडी परिसै देर हरर सौद गुंड ॥ विकला घी उमधु सै सर्व अर्श रोग हरि होर सै वनतै ॥ अथ अर्श हर ॥  
पारो भाग १ सौ नौ भाग २ वेग भाग २ गंधक भाग ३ सर्व एक वर ले करे कर सै दिन ३ लंगली रस सै दिन ३ गोला करिके सुधै के लघु पु  
ट आच देर स्वांग शीतल होरत वनिका सिले इती नरती देर अर्श प्रमेह ग्रहणी पांडुरोग जाद ॥ अथ सुलारि ॥ पारो गंधक सुहाग सौना  
भावी कचनौ ना विष अथक कौडी भस्म तामो शंख भस्म घौघा भस्म हरिन के सींग सब एक वर हर के सुधै सै आक के सुधै सै एक  
एक दिन घौटै संपुट मै धरि गज पुट आच देर स्वांग शीतल होरत वनिका सिले इत वपारे की वरावर विष डारिके पुनि घौटै मरि च घी उ सै घार भा  
से २ अथ वामासे १ जौ सो वल होरतै सीमा चादेर महा सुल रोग हरि होर पंक्ति सुल जाइ क्षयी ववे सी पांडुरोग मंदाग्नि ग्रहणी सर्व हरि होर  
॥ अथ वडवातल क्षार ॥ पारो गंधक सुहाग पाचौ नौ न साजी वार जवाधार हरर मोथा समलेर चूर्ण करि एक होडी मै आक के  
पान धरै तेह के ऊपर चूर्ण धरै तव आक के पात और धरै गज पुट आच देर होडी कौ मुह मुदिके सीतल होर निका सिके पी सै घार पंक्ति सु  
ल मंदाग्नि सै ग्रहणी विसूचिका अजीरा गिदकी लसं वजार ॥ अथ ज्वर कुस ॥ पारो शुद्ध गंधक सुद्ध सुहाग भाग २ विष भाग १ म  
रि च भाग ५ कड़फूर ५ अजै पाल शुद्ध एक वर चूर्ण करि एक पहर भरि घौटै एकमा सौ देर अथ वा योरो देर जौ सो वल होर जीरा ज्वर विदोष तै  
होरो हरि होर जे हि ज्वर मै क्षरामे शीत होर क्षरामे उष्ण होर क्षरामे जुर जात रहे क्षरामे होर आवे कवहराति के होर कवहराति के दिती

पज्वर तनी यज्वर चौथक विषम सर्व हरि होर विरेचन है ॥ अथ मृगोक्त ॥ पारो भाग १ सौ नौ भाग १ मोती भाग २ गंधक भाग २ पारे की चौथा  
र सुहाग सर्व एक वर करि कांजी सै घौटै गोला करिके सुधै लेर संपुट मै धरि के मुडा करिके एक होडी मै नौ न भरै तिहि मै संपुट धरि बूले पर  
चार पहर आच देर स्वांग शीतल होरत वनिका सिले इचार तौ लेर मरि च सै अथ वा दश पीपरिके चूर्ण सै मधु सै घार क्षयी रोग हरि होर  
अथ रज मृगोक्त ॥ सौ नौ एक भाग पारो भस्म रोक भाग वैकांत भस्म भाग १ गंधक भाग १ मोती भाग २ हीरा भस्म सौ नौ की चौथा सुहाग पा  
रे की चौथा सर्व एक वर करि जे भीरी के रस सै घौटै घर ले गोला करिके सुधै लेर तिहि पर कपरा लपेटे ऊपर कपरो टीमा टी सै करे ७ त  
व सुधै के एक होडी वीता भर गहिरी होर दश आगुर चोरी चार आगुर चोरी मुह होर तिहि मै कीट वाटिके छै आगुर भरि देर तिहि के  
ऊपर गोला धरै ऊपर नौ न भरि देर होडी कौ मुह मुदिके बूले पर आच देर पहर चार एक पहर मंद आच देर एक दो पहर मध्य येक दो पहर  
पतेज अथ वा दो पहर मध्य आच देर चौथे पहर तेज आच देर जव स्वांग शीतल होरत वनिका सै भैरव कौ जप करे कुमारी जो मिनी तपि  
करे वा स्नान तपि करे विघ्ने स्वर की पूजा करै तव बल मै चूर्ण करिके दस पीपरि मधु सै चारि रती देर क्षयी रोग जाइ पांडुरोग प्रमेह ग्रह  
णी सुल सब प्रकार के अर्श ज्वर संनिपात सर्व हरि होर वल होर अग्नि होर ॥ अथ चिंता मणि ॥ पारो मोरी वैकांत तामो लोह सौ  
नौ मोती गंधक सर्व एक वर करि आदे कर सै भावना ३ घमरा रस की भावना उचित उर के रस की भावना ३ गार कौ सुधै छैरी कौ सुधै  
की भावना ३ एकर तीलेर मधु पीपरि सै देर अर्श क्षयी कास अरु चिंता सपो डु प्रमेह विषम ज्वर सर्व हरि होर वात हरि होर ॥ अथ



त्रैलोक्योदितं न भविष्यति ॥ पारो सुहृद् भस्म हीरासौ नौ रूपौ ताम्रौ लोहं अभ्रं गंधकं मौनीरां वमूगा हरतालं मरसिलं सबसमं लेखिता  
उरके रसकी भावना उरके रसकी भावना उरके रसकी भावना काठे से घोटै दिन ७ आक के दूध से दिन ३ मिर्गुंडी के रस से घोटै दिन १ मूरनर से  
दिन १ घृतर के दूध से दिन १ तवपीरी कौडी वडी वडी तिन मै भरे असुहाग आक के दूध से पीसिके कौडिन कौ मुह मूदे तव सब कौडी एक  
हांडी मै धरे हाडी कौ मुह मूदिषदरामे आवे देर स्वांग शीतल होर तव निकासिके चूर्ण करे चूर्ण के नृत्य मरौ पारो वै जांत भस्म चौथार  
एक चक्रि सुहृज नै के काठे से सात बार भावना देर चिता उर के काठे की भावना २१ आदे के रस की भावना ७ भाग की भावना ७ जे भी  
री के रस से भावना ७ विजोरे की ७ सुषे के चूर्ण करे तव सब चूर्ण की चौथार सुहाग सुहाग की चौथार विष विष की वरावर भरि च लौ  
ज सौ हि हर पीपरि जार फल एव एक एक विष की चौथार अंसे लेर विजोरे के रस की भावना आदे के रस की भावना देर तव सि  
द्ध होर चाररती धार मधु पीपरि से अथवा मधु आदे के रस से धार अथवा सौ गडु से धार मंदागि जार बल होर नेज होर बीज  
वहे विष दूर होर सरीर पुष्ट होर वली पलित इरि होर कास क्षयी स्वास वात विद्धि सुल पंडु ग्रहणी रक्तातीसार प्रमेह हृद्गी हजलो  
हर पथरी तृषा शोफ हली मक उदर लूना सूत्र कृष्ण भगंदर सर्व उर अर्श सर्व ज्वर साध्य असाध्य सर्व रोग इरि होर ॥ अथ रत्न गर्भ पोष  
ली ॥ पारो मरौ हीरा सौ नौ सीसो लोह ताम्रौ सब मारे लेर मौती सौ नामाधी मूगा संघ सब समान भाग लेर चिता उर के रस से घोट  
ऐ दिन ७ सुषे के कौडिन मै भरे सुहाग आक के दूध से पीसिके कौडिन कौ मुह मूदे तव सब कौडी हां डी मै धरि के हां डी कौ मुह मूदि के

गजपुट आ चंदेस्वांग सीतल होर तव निकासिके कौडी समेत तव मिर्गुंडी के रस की भावना देर ७ आदे की रस की भावना ७ चिता उर के  
रस की भावना २१ देर सुषे सुषे के तव सिद्ध होर चारि रती देर दश पीपरि उर समरि च मधु घी उ से देर क्षयरोग दूर होर आठ महारोग जार  
वे आठ महारोग एहे वात व्याधि पथरी कुष्ठ प्रमेह उदर भगंदर अर्श संग्रहणी ए आठ महारोग कहत है ज्वर अतीसार सर्व इरि होर  
॥ अथ राजभस्म ॥ रस भस्म सुवर्ण भस्म चारि चारि मासे लेर संघ गंधक मौती ए आठ आठ मासे लेर कौडी भस्म आठ मासे सु  
हाग एक मासे सव एक चक्रि के चिता उर के काठे से घोटै पहर २ गोला करि के सुषे के संपुट मै धरि कपरो टी करि के एक हां डी मै नौ नभ  
रे तिहि के सी च गोला धरि के बूले पर आ चंदेस्वांग शीतल होर तव निकासिले चारि रती देर घी उ से मिरच से देर मधु पीप  
रि से देर गज रोग क्षयी इरि होर ॥ अथ सवंगि सुंदर ॥ सौ नौ भाग १ अभ्रक २ गंधक भाग ५ पारो भाग ६ सुहाग २ सौ नामाधी ३ ताम्रौ  
भाग ७ सव एक चक्रि जे भीरी के रस से घोटिल घुपट देर के रस सुषे लेर असी सात पुट देर तव चूर्ण करि के विष मौती मरि च एक एक भाग ड  
रि के घोटै तव सिद्ध होर घाउ घी उ से धार जीरा ज्वर अरु विष लक्ष्य कास प्रमेह पंडु भ्रम गदरोग उदर रोग सर्व इरि होर एकर ती होर ती  
कु धार ॥ अथ वसंत सुमाकर ॥ सुवर्ण भस्म भाग २ अभ्रक भस्म भाग २ लोह भस्म भाग ३ पारद भस्म भाग ४ वंग भस्म भाग ३ सर्व एक च  
क्रि भावना देर गार के दूध की ७ उष के रस की ७ जौ उष कौर सन होर तौ घाउ पाती मै घोरिले रुसेर रस की भावना ७ हरद के रस की ७  
केर के रस के रस की भावना ७ उर र के रस की ७ के स्तूरी की भावना १ तव सिद्ध होर एकर ती देर मधु से सर्व प्रमेह जार क्षयी कास तबाखासर



सारसं०  
५७

क्तपित्तं अतीसारजारपांडुग्रणीमूत्राघातपथरीसर्वहरिहोत्र ॥ अथसर्वगुणसुंदरचिंतामणिरसः ॥ अभ्रकगंधक पारो एकएकतौला  
विषआधौतौला अजैपालआधौतौला सर्वसुद्धमेलेइसवएकवधल्लैपानीसैकल्ककरिकैनागवेलकेपानमैधरैतवधेआगुर  
षदराकरैतिहिमैनीचेनागवेलकेपानधरैतवकल्कलपेटपानधरैतवऊपर और पानधरैषदराभरिदेइतवऊपर अंचकरैकंड  
नकी सीतल होइतवनिकासिलेइ कल्कपाननसैलगोहैतेपानसमेतफेरिषल्लैतवआधौतौलाविषअरुअधौतौलाअजैपा  
लकेवीजागुहडारे अरुषल्लकरैसिद्धहोइ ~~कनिनालिले~~ एकरती आदेकरससैदेइमरिचिंताउरसैधौनोन रनकेजोगसैदेइ  
संनिपाततथावातविदोषविषमज्वर मेदाग्निग्रहणी अतीसारजार भोजनदहीभातकरै जौगरमी अधिकहोइसीतलजलहा  
रेसरीसीतलकरै ॥ अथमृत्युंजयोरसः ॥ सोनामाषी हरताल अजैपाल विषमटसिल तंभौगंधक पारो समलेइ एकव  
मूसरीकरससैधौटैसंपुटकरिकुक्कुटपुटमैपचावैवीतादोइगहिरोषदरासैसीतलहोइतवनिकासिकै धेरती देइदहीभातप  
थ्यनवज्वरसंनितइरिहोइ ॥ अथज्वरारिः ॥ सुहमा पारो गंधकसुद्धलेइ भरिच सवसमएकवकरिजेभीरीरससैधौटैदिनती  
नसुधैकै षोड मछरीकौ पीतौ की भावनादेइतवशिद्धहोइ आदेकरससैदेइरती ॥ सीतलजलपि अमहाभातभटाघादसर्वज्वर  
इरिहोइ ॥ अथचंद्रोदयरसः ॥ पारोमरो गंधकसुद्ध वंग अभ्रक समलेइ एकवकरिजेभीरीकरससैधौटैलघुपुटदेइ  
सातपुट तवगवारिकेरसकी चिंताउरकरसकी भावनासातसातदेइ गुडजीरसैदेइजीराज्वरइरिहोइ गवारिसैदेइकासस्वा

रा०  
५७

सजार विफलाकेकाढेसैउन्मादजार गुरिचकेकाढेसैधनुर्वान्तजार ॥ अथजीराज्वरहोरसः ॥ सीसौमरो वंग तंभौ गंधक सु  
हमा पारो विष अजैपाल हरतालसमलेइ एकवकरिवटकेइधसैधौटिगोलाकरिसोगोलाएकभांडेमै धरिदै दीपकआचमैपचा  
वैसीतलकरिकैघमराकरससैधौटै आदेकरससै ~~कै~~ दोरती देइजीराज्वरइरिहोइ ॥ अथगरोरातैल ॥ पा  
रो गंधकभाग १० सुहागभाग १० सुयेत अकोलाकेवीजाकी विजीभाग २० अजैपालभाग २० एकवधल्लमैडारिकैव  
डोदतौनकीजरकरससैधरलैदिन १ घायामैसुधावेमधुमैसवसानेडूवां तवएकनारियरकैभीतरकौषोपराकाडिडारेतिहि  
नारियरमैओषदसवभरिदेइसातदिनाधिराखै तवनारियरतैनिकासिकैको सेकीलाहीमैधरैतेजघामैमैकुवारमैअथ  
वावै सायमैकरैघामकेलगेजोतेलनिकसैसोकाचकीमिसीमैधरिराखैनाभिमैलगावैविरेचनहोय कंडमैलेपक  
रैवमनहोइ जववदकरनेआवैतवइध अरुषाउपिअ अरुनिवकरससैधोइडारे तेहितेलमैहरडारिराखैमरी  
१ फिरिनिकासिकैजेवारसूधेतैवारदस्तहोइदाहिनैसुरसूधेतौविरेचनहोइ वा अैसुरसूधैवमनहोइ नवज्वरविष  
ममन्यास्तभहनुग्रहसर्वहरिहोइ वमनविरेचनतैयहओषदवडेचिमत्कारकीहै ॥ अथान्यविरेचन ॥ पारोगंध  
कधिकड अजैपाल सुहजनैकेवीजा एकवकरियुहरेकेइधमैधौटैदिन १ सवअधेलाअधेलाभरलेइ गोमू  
त्रमैधौटैदिन १ नाभिलेपकरैषाइनविरेचनहोइयह ओषदराजनलायकहैजवधोइडारेतववदहोइ ॥ अन्य रा



सारसं०  
५७

कपित्थं अतीसारजारं पुण्ड्रं मूत्राघातपथरी सर्वहरिहो ॥ अथ सर्वांगसुखं चिंतामणि रसः ॥ अभ्रकं गंधकं पारो एक एक तोला  
विषं अधो तोला अजैपाल अधो तोला सर्वसुद्धमेलेरु सव एक वल्लेपानी सैकल करिके नागवेल के पान मे धरे तव छे आंगुर  
षट्शकरेति हि मे नीचे नगवेल के पान धरे तव कल्लेपे पान धरे तव ऊपर और पान धरे षट्श भरि देर तव ऊपर आंच करे कंड  
न की सीतल होर तव निकसि लेर कल्लेपानन सैल गौ है ते पान समेत फेरि वल्ले तव अधो तोला विष अरु अधो तोला अजैपा  
ल के बीजा शुद्ध डारे अरु वल्ले करे सिद्ध होर ॥ अथ चिंतामणि रसः ॥ एक रती आदे के रस सै देर मरि चिंता उर सै धौ नोन रन के जोग सै देर  
संनिपात तथा वात विदोष विषमज्वर मे दग्नि ग्रही अती सारजार भोजन दही भात करे जोग रसो अधिक होर सीतल जल हा  
रे मरी सीतल करे ॥ अथ मृत्युंजय रसः ॥ सौनामाषी हरताल अजैपाल विष मटसिल तं भौ गंधक पारो समलेर एक व  
मूसरी के रस सै धौ दे संपुट करि कुट्टु पुट मे पचावे बीजा देर गहिरो षट्श मे सीतल होर तव निकसि के छेरती देर दही भात प  
थ्यन वज्वर संनित हरि होर ॥ अथ ज्वर रसः ॥ सुहमा पारो गंधक सुद्ध लेर मरिच सव सम एक करि जंभीरी रस सै धौ दे दिन ती  
न सुधे के षोड मछरी को पीतो की भावना देर तव शिद्ध होर आदे के रस सै देरती ६ सीतल जल पि अमदा भात भटा घाट सर्वज्वर  
हरि होर ॥ अथ चंद्रोदय रसः ॥ पारो मरौ गंधक सुद्ध वंग अभ्रक समलेर एक करि जंभीरी के रस सै धौ दे लघु पुट देर  
सात पुट तव गवारि के रस की चिंता उर के रस की भावना सात सात देर गुड जीरे सै देर जीरा ज्वर हरि होर गवारि सै देर कास स्वा

रा०  
५७

सजार विप्रला के काठे सै उन्मादजार गुरिच के काठे सै धनुर्वान्तजार ॥ अथ जीरा ज्वर रसः ॥ सीसो मरौ वंग तं भौ गंधक सु  
हमा पारो विष अजैपाल हरताल समलेर एक करि वट के हूध सै धौ दि गोला करि सो गोला एक भांडे मे धरि के दीपक आंच मे पचा  
वे सीतल करि के घमरा के रस सै धौ दे आदे के रस सै देरती देर जीरा ज्वर हरि होर ॥ अथ गरु रसः ॥ पा  
रौ गंधक भाग १० सुहमा भाग १० सुयेत अकोला के बीजा की बिजी भाग २० अजैपाल भाग २० एक वल्ले मे डारि के व  
डी दतौ न की जर के रस सै धर ले दिन १ घाय मे सुधा वै मधु मे सवसाने डूबा तव एक नारियर के भीतर कोषो परा का डि डारेति हि  
नारियर मे ओषद सब भरि देर सात दिन धरि राखे तव नारियर ते निकसि के को से की लाठी मे धरे ते ज घा मे मे कुवार मे अथ  
वा वै साय मे करे घाम के लगे जो तेल निक सै सो का चकी सि सी मे धरि राखे नाभि मे लगावे विरेचन होय कंड मे लेप क  
रे वमन होर जब वंद करे न आवे तव हूध अरु वाउ पि अथ अरु निवु के रस सै धो डारे ते हिते ल मे हरर डारि राखे मही  
१ फिरि निकसि के जेवार सूधे ते वार दस्त होर दाहिने मुर सूधे तो विरेचन होर वा अथ सुरसूधे वमन होर नवज्वर विष  
ममन्या स्तं भहनु ग्रह सर्व हरि होर वमन विरेचन ते यह ओषद वडे चिमत्कार की है ॥ अथ अन्य विरेचन ॥ पारौ गंध  
क थिकड अजैपाल सुहजने के बीजा एक करि शुद्ध के हूध मे धौ दे दिन १ सव अधेला अधेला भर लेर गोमू  
त्र मे धौ दे दिन १ नाभिलेप करे खाइन विरेचन होय यह ओषद राजन लायक है जब धो डारे तव वंद होर ॥ अन्य रा



विरेचन ॥ सेतगुग्गुचीकीविजीअजैफलसमलेरविष्णुकांताकेरससैनाभिमैलेपकरैविरेचनहोरराजाजोगपवि  
रेचन यहलेपअधोमुखनक्षत्रमेकरैघंडवलतारावलहोरतवकरैमूलकनिका मघा विसाधा भरणी श्लेषा पूर्वा  
फाल्गुनी पूर्वाषाढ पूर्वभाद्रपद इननैअधोमुखनक्षत्रहै जवजारवेदकरौचाहेतवलेपधोरडारैवेदहोर ॥ अमरव  
विरेचन ॥ निसोतकोचूरीभासेअधेलाभरिघाउघारेआमोतविरेचनहोरजवजारहोचुंकेतवमठाभातघा  
र ॥ अथशिलातालीरसः ॥ हस्तालमरासिलमुद्गोषुरुकेरसमेघौदैन १ रूसेकेरसमेदिन १ संपुटकरिवालु  
काजेवमैपचावैपहरतवनिकासिकैतेहीकीवरावरत्रिकटलेइअरुतेहीकीवरावरनिगुंडीकोचूरुलेएकत्रमिलाइकेमा  
सौएकषारस्वासकासजार ॥ अथहंसमेडूरः ॥ किटीसारचूरुकरिकैअठगुनेगोमूत्रमैपचावैजवगाहोहोरतवउतारै सौहिमरिचपी  
परिविफला मेषा विडंग चर्व चिताउर दासहरद पीपामूल देवदार वरावरलेचूरुकरिकैमेडूरकीवरावरसबचूरुमिलाइदेइतवअधे  
लाभरिघाउ मठाभातभोजनकरै पांडुरोग सोफ हलीमकउरुस्तेभकामलाअरुसर्वरोगहरिहोर ॥ अथसिद्धमेडूरः ॥ मेडूरटकाटाअठ  
गुनेगोमूत्रमैपचावैजवगाहोहोरतवउतारिलेइतव ओषधेचूरुकरिमिलाइदेइपथरसगा निसोतचिकटु विडंग देवदार हरद दासहरद  
पुहकरमूलचिताउर दातौनकीजर चर्व विफला अधेला अधेलाभरिलेचूरुकरिमिलाइदेइअधेलाअधेलाभरेकीगोलीवाधे  
पांडुसोफउदरअनाहशलअरुकिमिरोगसर्वहरिहोर ॥ इति सिद्धमेडूरः ॥ अथरसप्रदीपकातेरसचिकित्सालिख्यते ॥ अथमहा

मृत्युंजयोरसः ज्वरदिसर्वरोगेषु ॥ पारोसुद्ध एकतोला विषसुधतोला १ सीसौ सोधोतोला १ गंधकयुद्धतोला १ पहिलसीसौपिघलावे  
तेहिमेपारोमिलाइदेइसीतलकरिकैपल्लमेपीसेतवगंधिकडारिकैकजरीकरैपीछेविषचूरुमिलाइकेचिताउरकेरससैघौदैनदोइज  
वगाहोहोरतववारीकएकतोलाभरिसौनेकेपत्रओहीपिठीकेआसयासलधेटे सरावसंपुटमैराषिकैएककपरोटीकरैसंपुटसुखैकेएकहा  
डीमेधरैसंपुटकेऊपरचारिआगुरवारुदेइतिहिकेऊपरलोहेकीकटोरीओधारदेइलोहेकीकटोरीकीदरजेमैमाटीलगाइदेइबूलेपरध  
रिकैएकपहरमेदआवदेइजवस्वांगसीतलहोरतवउतारै इनोकेचतुर्थीससोधोविषडारै जोचारभागपारदभस्मअरुसौनोहोरतौउनहीकी  
वरावरमोतीडारैअरुविषकीवरावरएकभागंधकडारैदोदिनचिताउरकेरससैघौदैनजवगाहोहोरतवफेरिसौनेकेवारीकपत्रनसेचारउ  
तरफकल्ककैमूदेयहिलीपारदभस्मअरुसुवर्णभस्मदोउकीचतुर्थीससौनेकेवारीकपत्रलेइकेगोलाकेचारउतरफमूदिकैशरावसंपुटमै  
धरिकैएककपरोटीकरिकैएकहाडीमेधरिकैसरावसंपुटकेऊपरचारिआगुरवारुभरिकैओहीभांतिलोहेकीकटोरीसैमूदिकैओहीभां  
तिओबदेरपहरतवलकरीनिकासिडारैजवस्वांगशीतलहोरतवनिकासिलेइतीनरतीषाडजेहिरोगकेअनूपानसैषादतेहीरोगकहइ  
रिकैसैमरकेरससैषादतौपित्ररोगकैइरिकैछरिवासीअम्लपित्तस्वासानात्यकहइरिकैअरुएहीअनूपानसैपुष्टिकै मरिचके  
साथषादतौकफरोगहरिकै पीपारिकेसाथषादतौवाइकेरोगहरिकै अरुवातज्वरकेकाठेसैषादतौवातज्वरहरिकै पित्तज्वरकेस  
हैसैषादतौपित्तज्वरहरिकै कफज्वरकेकाठेसैकफज्वरहरिकै सेनियातकेकाठेसैसनियातज्वरहरिकै विषमज्वरकेकाठेसैविष



सारसं०  
५६

मज्जर दूरिकरै एही भांति जेही रोग के कोड़े से चूरा से अवलेह से अनूपान से द्यौ जाइते हो रोग कह हरिकरै धीउ मधु से देश तो परिणाम  
मसल कह हरिकरै गुरिच जीरे सैषा रतौ त्वर भेद हरिकरै उदनी के दूध से अथवा नारायण चूरा से उदर रोग हरिकरै एहर से सेवन ते के  
शरीर हाथी की नार मो दौ हो ते हे अरु बलवंत हो ते हे बार सुपेतन हो र मृत्यु न होइ यह रस को गुन प्रलय तो रैन कहि सके अथन वज्वरे  
लघु मृत्युं जयोरसः ॥ पारो शुद्ध शुभ सुद्ध अजैपाल अधेला अधेला भरतीन उए कव करि विधारे के रस से धौ टै दिन २ व डी दौ न कर स  
सै धौ टै दिन २ अरु आदे के रस से धौ टै बार हवेर एक रती प्रमान गोली बाधे एक गोली चार रती मिश्री के साथ दे रन वज्वर हरि हो र जौ दा  
ह अरु वेग हो र तौ मठा भात घार अरु जौ चार न हो र तौ न घार ॥ अथ अल्प मृत्युं जयोरसः ॥ सा जीवार जवावार सौहि पीपरि मरिच सै धौ  
सौ चर पांगा सा म्हर विडलौन सौ फ पै सौ पै सा भरि ले र वाटि चूरा करै जौ यह चूरा ग्यार ह पै सा भरि हो र तौ ग्यार ह पै सा भरि सौ धौ पारो  
ले र अरु ग्यार ह पै सा भर सुद्ध गंध कले र दोऊ की कजरी करै पाछे चूरा में मिलाइ के दिन तीन धौ टै कफाधिक संनिपात मै यह चारि रती  
आदे के रस से देश संनिपात हरि हो र मूल हरि हो र आमजन्य विकार हरि हो र अग्नि मध कह हरिकरै कोष्ठ वंध हरिकरै अरु वात अज्वले  
ष्मा ते उपन्न जे हे रोग ते सब हरिकरै कास स्वास हरिकरै ॥ अथन वज्वरे धूमकेतुः ॥ शुद्ध पारो पै सा भरि शुद्ध गंध क पै सा भरि दोऊ  
की कजरी करै पाछे समुद्धरे न पै सा भरि ईगुर पै सा भरि दोऊ कजरी में मिलाइ के एक पहर सौ धौ टै तब आदे के रस से तीन दिन धौ टै दो  
दोरती की गोली बाधे घाम में सुषे कै धरि राखे एक गोली आदे के रस से देश तीन दिन के देये सैन वज्वर हरि हो र बलवंत कह छै रती

रा०  
५६

देश आदे के रस से दिन ३ तरिका कह एक रती भर देश ॥ अथन वज्वरे उदक मंजरी रसः ॥ पारो शुद्ध गंध क शुद्ध सुहाग भूंजौ मरिच एक एक पै  
सा भरि मिश्री पै सा चारि भरि रोह मछरी कौ पीतौ पै सा तीन भर पहिले पारो गंध क की कजरी करै तब सब औषद मिलावे एक पै सा भरि पीने  
से एक दिन धौ टै एही प्रकार दो दिन और धौ टै एक रती भर मावा आदे के रस से देश बलवंत कौ तीन रती देश आदे के रस से एक दिन सैन वज्वर  
हरि हो र पथ्य भरा कौ भरत अरु भात घार जौ दाह बहत हो र तौ त क देर ॥ अथ पंचवक्त्रोरसः संनिपाते सौ धौ गंध क पारो शुद्ध सुहाग  
भूंजौ मरिच विष शुद्ध एसव एक एक तोला पारो गंध क की कजरी करै सब एक न मिलाइ के धतूरे के रस से एक पहर धौ टै पाछे सुषे कै एक र  
ती देश आदे के रस से महा संनिपात हरि हो र ॥ अथ संनिपाते अग्निकुमार रसः ॥ शुद्ध पारो शुद्ध गंध क पै सा पै सा भरि विष शुद्ध अधेला भरि  
पहिले पारो गंध क की कजरी करै पाछे विष चूरा मिलावे तं सपदी के रस से एक दिन धौ टै जवागा हो लो र न वगोली बाधे सुषे कै कूपी में डारै क  
पी को बकी छो लो हो र कपरो टी करै सुषे कै हां डी में राखे हां डी के तरे चार आगुर वारु भरै ति हि परशिशी शेष पाछे और वारु भरि दे र सि सी कौ सु  
हमा टी से से दे वार ह पहर आध देश पक जवरी तल हो र त व डतारिले र शिशी फेरि के रस निकालि ले र न व छे मा से भर विष और डारै अरु छे मा से  
मरिच चूरा करि के डारै एक पहर धौ टै एक रती देश संनिपात हरि हो र प्रलाप हरि हो र भूष हो र मूल से ग्रही स्तवी पांडु रोग कास स्वास हरि हो र  
अरु जे संनिपाती कौ पेट चलत हो र कास हो र स्वास हो र सोऊनी कौ हो र रिकी करत व्यता क दिन है जे सौ लि यो है ते हि भांति नारी सधि आ  
वत है ते हि ते रहर स कौ यह भांति वनावे पाच पै सा भरि पारो ले र पाच पै सा भरि गंध कले र दोऊ की कजरी करै अठार पै सा भरि वि



सारसं०  
६०

घडारै हंसपदी केरस सैधौटे दिनतीन जवसूखि जात वसिसी मै भैरवार हपहरने ज आच देर अरुती नये साभरि गंधक डोरै रसवि  
षके संजोग ते गंधक की राख कह्यो उदेत है रंग लाल होत है तेहि कह एक नारियर मै धरि राखे एक पेसा भरि निकासिले दते हि मै छेमा  
मे विष सुख अरु छेमा से मरि चडारि कै चार पहर धौटे एकरती देर से निपात हरि होइ अथवा अधेला भरि रसले तीन मासे विषती  
नमा से मरि चडारि कै एक दिन धौटे एकरती देर ॥ अथ अति मोहन मूहस्य से निपातिन अकितसा ॥ विष सोधौ पेसा भरि ईगुर  
पेसा भरि दोऊ कह दो दिन ॥ अमल वेतनी वृक्ष केरस सैधौटे दो दिन जंभीरी रस सैधौटे अरु दो दिन बांगेरी रस सैधौटे बांगेरी कहने  
निया दो दिन मिर्गु डीरस सैधौटे दो दिन गजपीपरि के काते सैधौटे घाम मै सुखे पाछे चिता उर की जर केरस सैधौटे पहर २ उर दवराव  
र गोली बाधे सोहि पीपरि मरि चहों गंभीजी चार उवरावर लेइ चूर्ण करि राखे मासे भरय ह चूर्ण अरु उर दवरावर रस आदे केरस सैधौटे रि  
पिअ वै मोह हरि होइ वेगि दे जग उठे मोह मै जौ जमलोक गयो होइ तौ यहरस के प्रताप ते फिर आवे ॥ अथ संनिपाते पलाय शान्त्यर्थ कल्प  
रोनस्य ॥ पारो सुख गंधक शुद्ध गोमूत्र को सोधौ सिद्धिया विष मटसिल भूजो सुहाग एसव अधेला अधेला भरि सोहि पीपरि पेसा पेसा  
भरि मरि चपे सापा चभरि पहिले पारो गंधक की कजरी करै तब विष मटसिल सुहाग सोह मरि चपी परसव चूर्ण करि कै कजरी मै मिलार कै  
दो पहर धौटे तब कल्पतरु सिद्ध होइ अरु जौ आदे केरस सैधौ पहर और धौटे तौ बुझत गुन करै अरु विष की गरमी हरि होइ एकरती भर आ  
दे केरस सैधौ तौ वात कफ जन्य सब रोग हरि होइ वात कफ जन्य स्वास कास सीतता अग्नि मांघ अरु बि

रा०  
६०

हरि होइ अरु जे हपुख केरस की वृद्धि ते सर्व दामुह से लारव हतर है सो यहरस के सेवन ते धमि जाइ यहरस के नास ते अपस्मार जन्य जो है शि  
र पीडा सो ज हरि होइ मोह संज्ञा ॥ ता प्रलाप छिक्कारो धएसव हरि होइ ॥ अथ शीत ज्वरे से निपाते राम बानो रस ॥ पारो सुख गंधक शु  
द्ध लौग जाइ फर सोहि पीपरि मरि च जवाधार विष सोधौ वरावर लेइ दो दिन खल्ले मै धौटे एकरती भरि पान के साथ पार से निपात अरु विष मज्ज  
र रन दोऊ पर अनुभूत है अरु जूडी हरि होइ ॥ अथ शीतारि रस ॥ तौ मोमारी गंधक सोधौ सुहाग विष हरिया धूधो पारो धपरिया हरताल सोधौ  
वरावर लेइ एक दिन करे ला केरस सैधौटे एकरती मात्रा चारिती जीरे वारती मिथी मिलार कै पार जूडी जाइ ॥ अथ सोमला घबडी से विषा  
सुमलवार पेसा भरि तब किया हरताल पेसा भरि दोऊ मिलार कै खल्ले मै धौटे घरीय कपाछे करे ला को रस पेसा दोर दोर भरि जाइ अरु धौटे यह  
भोगितीन दिन लौधौटे जव गालो होइ तव गोली आधे मूग वरावर बाधे घातः काल देइ दमरी भरि मिथी के साथ जूडी हरि होइ ॥ अथ भूत भैरव  
शीत ज्वरे ॥ हरताल तब किया पेसा एक भरि छिबनी को चूर्ण पेसा एक भरि हरिया धूधो चारि मासे गवारि केरस सैधौटे दिन ॥ जव सूप जाइ तव शरा  
व संपुट मेरावे गजपुट आच देर आध गजगहिरी आध गज चौरौ घदरा करै आधे कंडानी चै आधे ऊपर देर वीच मै संपुट राखे आच देर जव शीतल  
होइ तब निकासिले एकरती रस एक मासे मिथी मिलार कै पार वोगिती होइ जूडी हरि होइ पहर देही भात घार ॥ अथ द्वितीय भूत भैरव ॥ हर  
ताल अधेला भरि हरिया धूधो पेसा भरि छिबनी को चूर्ण पेसा तीन भरि धतूरे केरस सैधौ पहर धौटे पाछे लोहे के वासन मै राखि कै धीमी आच से गारि  
केरस सैधौ सुखे कछु कगी लौरहन देइ विहाने छेरी कछु कजर मकरि कै चना वरावर वडी बांधे मिथी ते एक वडी घाट जूडी सर्व हरि होइ पथ्य चिनी घाउ देही भात



सारसे.  
६१

॥ अथ जीर्णज्वररिक्तः ॥ चंद्रोदयतो हो सुवर्णमाभिममारी जोला ॥ नौमिलारकै रो घरी घौ वैतवदोरती भरियतसलेदवारह अथवा छै मिरच  
कौ बूरा मिलारकै मधुसेवादिजार उपरत अधेला भरिअथवा दुकरा भरिजुलसी कौरसपिअपुरा नौज्वरदोरिहोर कफकौ अधिकदूरिहोर जोज्वरमेवासी  
होर स्वास होर सो दूरिहोर भूषकै कोखबंधरिहोर खर भेसंयुक्त जोरजो गति हिकहूरिहोर पुष्टकै वलकै देहकी कांति उत्तमकै अरु जीर्णज्वरको भेद  
जो हेवातबलासज्वरतेहकहूरिहोर वातबलासज्वरमे सो य होत है कफाधिक सेवासी होत है अरु वातधिक से अंगजकर जात है इहिमे स्वास होर छदि होर पिया  
स होर नौ बीस विस्वामरै जोयह ओषधवार तो सोय स्वास छदि पियास एसवदूरिहोर घीउनघार मांसनघार ॥ अथ जीर्णज्वरतिक्का घोलो ॥ कटकी तरद  
चंदन पित्तपापरो मौया पाहि पीयरि देवदार परवरके डारपात वायमान मुरहारी इंडजो घिरातौ सबवरावरलेदवादिछानिबूरा करै एकमासो भरिदोरती भरिसारमि  
लादेकै मधुसेवार जोज्वरसीतारिसेन दूरिहोर सोतिक्कादि लोहसे दूरिहोर ॥ अथ जीर्णज्वरपंचामृतपर्वटी ॥ चंद्रोदयमासे छै स्वयमग्निभस्मसारमासे छै अ  
धकमारो मासे छै ताम्रमासे छै सवकवपीसै सवनेइ नौ सोधो गंधक पहिले गंधक लोहकी करछुलीमै पिघलावे योरिकघीउ डारिकै तवसव ओषधै पिघ  
ले गंधक मै डारिदेर वेगिदेवलावे छुरीसै तवकेरा कौ पात गोवर के उपर ते तेहिमे पतरो विछा इदेर तेहिपर और केरा कौ पात धरिदेर तेहि के उपर गोवर धरिदेर जब  
शीतल होर तव निकासिले रफिसि के दोरती भरिले र दोषी परिकौ बूरा डारिकै मधुसेवादिजार जीर्णज्वर जोडवप्रवृत्ति संयुक्त होर सो दूरिहोर जोडवप्रवृत्ति अधिकन  
होर तो मासो भरिजीर चूरा करि मधुसेवादे पीयरि न डारे जेहि जीर्णज्वरमे प्रवृत्ति डवन होर सो कय है सीको होर परतु उहाजीरेने देर पीयरि मधुसेवादे यह पंचा  
मृतपर्वटी अमृतपित्तकर दूरिहोर अरु अमृतपित्तते सूल होर वमन होर तेहकहूरिहोर दोरुत्पकहूरिहोर पांडुरोगादूरिहोर भूषकै ॥ अथ मालिनी वसंतर  
सः ॥ जीर्णज्वरादौ ॥ पपरिया छुइपे सा दश भरि मिही पीसिकै तेहिमे पाचपे सा भरि मिरच कौ बूरा मिलारकै गार के नै नू सै एक दिन घोटै दूसरे दिन सै

चूरी

रा०  
६१

कागदी नि बूकेरस से घोटै दिन सात जव गांठो होर तवरिकरी वाधिके घाममे सुषावे दिन तीन के रिवादि के कागदी नि बूकेरस से घोटै दिन सारह के  
रिटिकरी वाधिके सुषावे के रिवादि के कागदी नि बूकेरस से घोटै महीना ॥ पेरिटिकरी वाधिके सुषावे जव देधै के चिकन रटि करी मीनाही दिखत चिकन ईरहि  
तटिकरी सुपेत होत है तवन घोटै दोरती भरयह मालिनी वसंत दोषी परिकौ बूरा मिलारकै मधुसेवार दिन सात अथवा दिन चौदह एकरसपुरा नौ  
ज्वर जो गरमी सै होर सो दूरिहोर जेकर क्काती सार होर सो ऊहूरिहोर दोरती मालिनी वसंत कुरो अवलेह सेवार अरु जेकर क्का प्रतिस्याय से अथ  
वार क्का पित्त ते अथवा वातर क्का अथवा वाउ से जेह के भीतर लोह की यपरी जमि जाइ ते क्क दोरती मालिनी वसंत मधुसेवादे अरु इधमात वेवे कहदे  
र अरु जेकर क्का पित्त जन्य दाह रोग होर तेहकहमधुसेवादे अरु जेह की नाक कौ वांसा पपरी के परत परत थोरो सौ गिरो होर वाउ के सवव सै तेह के थोभि  
वेकेलाने एकजौ यह मालिनी वसंतर समधुसेवादे इसरी जोर बार मासे चोवचिनी मधुसेवादे तो वांसा और न गिरे जेकेवल चोवचिनी वारतो चोवचिनी  
की गरमी ते अधिक लोह की यपरी परे अरु वांको वांसार हो होर सो ऊ गिरि परे तेहि ते विन मालिनी वसंत चोवचिनी न देर बारिमासे चोवचिनी कौ बूरा  
थ होर अथवा क्का श होर तेहकह दोरती मालिनी वसंत बारिमासे रसोत के साथ देर अरु जेह की अंधमै धुंध होर भाषना होर ते क्क एकर तो भरि मालि  
नी वसंत एक हंदवा सो पानी डारि बीकने पाथर पर गारिके प्रातः काल अंजन देरनी को होर ॥ अथ सुवर्णमालिनी वसंतो जीर्णज्वरादौ ॥ एक तोला  
सोन के तवक दो तोला छोटै मोती तीन तोला ईगुर चारि तोला मिरच आठ तोला पपरिया सब क्लृप्त मै बूरा करै पाछे नै नू डारिके एक दिन घोटै तव



सारसं०  
६२

रिक्की बाधिका धाममे सुधार के दिन तीन घंटे दिन सोरह टिकरी बाधिका धाममे सुधार के दिन दोन महीना १ जव जाने के धीउ मुक्त भयो तबन घंटे + १  
निबू के रस से घोंटे दिन सात जो गुन रहिले मालिनी वसेत को सो गुन रहिको जो मात्रा ओर की सो ये लकी जो अनूपान ओर को सो रहिको परंतु य  
ह मालिनी वसेत ओष के रोम पर बहुत चलत है ॥ अथ जीर्ण ज्वर तीये मालिनी वसेत ॥ को सुला मारी तोला १ सें ये मरिचि भंस्मे अधिक मारी तोला  
एक तोमो मारी तोला १ सोना मारी तोला एक रुयो मारी तोला एक सोधो गंधक तोला एक वेदोदय तोला १ स्वयमग्नि भस्म सार तोला  
एक सुहाग भूं जो तोलायक यो घा की भस्म तोला एक सव एक वपी सिंके गीली सुता वरि के रस की सात भावना देर गीली हरदी के रस की सात भावना  
देर तब सिद्ध होइ जीर्ण ज्वर हरि होइ रोमा से गुंरि चको सत अरु रोमा से मिश्री इ नो के साथ तीन रती भरि सघार तो घमे हरि होइ अधेला भरि ओदे  
को रस अरु अधेला भरि विजोरे को रस इ नो के साथ तीन रती भरि सघार तो पयरी हरि होइ ॥ अथ तीसार ग्रहण विहित ॥ अथ गंधाधर स  
सः मोथा मोचर स लोध धवर के फूल वेल रंज जो अफ्रीम पारो गंधक पहिले पारो गंधक कजरी करे तब पाछिली ओषदन को चूर्ण मिलोवे  
पहर एक घोंटे पाछे अफ्रीम मिलार के पुस्तो के पानी से घोंटे दिन उतव सिद्ध होइ तीन रती घार गुड से पाछे पैसा भरि मठा पित्रे अती सार प्रवाहिका  
सं ग्रहणी हरि होइ सव ओषद वरा वले र पारो शुद्ध डारे अथवा वेदोदय डारे वेदोदय डारे तो गुन बहुत करे ॥ अथ ग्रहणी कपाट ॥ वेदोदय तो  
ला १ अधिक मारी तोला १ गंधक सोधो तोला एक १ जवा वार तोला एक सुहाग भूं जो एक तोला अगेथु की जर को वकला को चूर्ण एक तोला वच को  
चूर्ण एक तोला सव एक करि के घरी चार सौ घोंटे पाछे एक दिन अगेथु के रस से घोंटे दिन एक जेभी के रस से घोंटे दिन एक घमरा के रस से घोंटे  
दिन १ तब एक गोला करे सात तोला को तिह को एक दिन घाम मत सुखे तेहि गोला कहलो हे के पात्र मे राखे उपर से पारे से दो पेट र दोल करी  
की आच देर अरु आध आध घरो पाछे गोला कहल उलटत पलटत रहे जो हिजे चारि उतर फ आंच लगे एह तरह चारि घरी आच देर तब गोला नि

रा०  
६२

कासिले र बल्ल मे पी सेत व एक तोला अतीस को चूर्ण डारे अरु एक तोला मोचर स को चूर्ण डारे पेरि घरी चार घोंटे पाछे के थके गूदे के रस से सात बार घों  
टे सात बार गीली भांग के रस से घोंटे अथवा भांग के कोटे से घोंटे एक वेर धवर के फूल के कोटे से घोंटे रंज जो मोथा लोध वेल गुंरि च रन ओषधन के  
कोटे से एक एक वेर घोंटे तब सिद्ध होइ घाममे सुखे के धरि राखे पहिले मासो भरि घार मधु से दिन ७ उपर से य ह चूर्ण दोमा से घार गरम्यानी से चिता उ  
र से ठि विडनोन वेल से धोनोन वरा वले र चूर्ण करि राखे दूसरे साते से ग्रहणी कपाट स दोमा से घार तीसरे साते अरु दोमा से घार एही भांति व  
हार के चारि मासे लोघार सं ग्रहणी हरि होइ अन्वप चै देह की पित्राई हरि होइ सोय हरि होइ दुर्वलता हरि होइ ॥ अथ अरु रोग विहित ॥  
दो रती भरि पहिले मालिनी वसेत दोमा से भरि नाग के सरि दोमा से मिश्री दोपे सा भरि गार को नै नू से चाटिजार रक्ता र्श के लोह को बंद करे ॥ अ  
थ अरु कुहा रो रस ॥ पारद भस्म अधिक मारी सोना मारी गजे वल मारी तोमो मारी सकेला लोह मारी मंडर गंधक सोधो सोना माथी मारी सव  
वरा वले र एक दिन गारि के रस से घोंटे गोला करि सुधावे सराव से पुटै राखि तीन कपरो टी करि धान की भुसी के बीज मे राखे तीन दिन आच देर घोंटे दिन  
निकासिले र मासो भरि घार घी उम धुंवां ड से पित्राई हरि होइ ॥ अथ अत्यंत कोष्ठ बाधिसंनिवेत असाध्य पयरी सि अरु कुहा रो रस ॥ पारो शुद्ध  
पैसा दो भरि गंधक शुद्ध पैसा चारि भरि तोमो मारी पैसा छे भरि सार पैसा छे भरि सेठि पी पयरी मरिच चिता उर वडी दतोन कवीला करि हारी हर एक च  
रि चारि पैसा भरि सेधो दश पैसा भरि सव एक करि के दिन एक घोंटे तब एक कशही मे डारे उट से र से र के र्श डारे उट से र जो मूत्र डारे धीमी आच से  
पवावे जव गालो होइ तब दोमा से घार पकी इ मिली के रस से मठा भात अथवा दही भात पाइ सर्व अरु हरि होइ रक्ता र्श पय हर स मे दे र गरम बहुत है अ



रूपिनाशपरयहरसनदेरजोरत्तार्शपरदेरतौमावाकमकरिकैदेरअर्शकेहरिकरवेकहअर्शजन्यकोहवेधहरिकरवेकहइहिसमानदूसरोउपाइ  
नाही यहरसगरमवुतहएहीवास्तैपकीरमिलीकेरससैदेतहैजोयहरसमैदहीभाततकभातनघारतौविरेवुवुतकरैअस दाहकरै ॥अथअ  
र्शसिअग्निमुषलोह ॥ निसोतसोरहपैसाभरि चितवर निगुंड़ी घूहर मुंडी जहामासी सबसोरहपैसाभरिएकत्रकृदिवारहसेरपानीमैओरावे  
जवचोप्याइपानीरहेतवमलिकैछानिलैरछानिकैधरिरावै वाशविडेगछैपैसाभरि सौठिडेहपैसाभरि पोपरिडेहपैसाभरि मरिचडेहपैसाभरि विफला  
दशपैसाभरि सबचूर्णाकरछानिकै यहचूर्णमैदोपैसाभरिसिलाजनुकोसत्वमिलारैकेजुदोधरिरावै मरसिलकौमारो अथवासौनामाधीको  
मारोचौवीसपैसाभरिलोहलेर परंजुसकमलोहलेर कोतोलोहतैअधिकस्याहहोतहैसोरुक्मलोहकहावतहै असोजेभावमिथीप्रभृतिगजवेल  
कहरुकमलोहकहतहैसोलेर चोवीसपैसाभरिमधुओचौवीसपैसाभरिमिथीपहिलेकाठेमैडारिकैअरसौनामाधीकोमारोजोहैसारसोडारि  
कैओरावेजवरावैसोरतवउतारिलेर वाशविडेगविफु विफला सिलाजनुकोसत्वएसवडारिकैघौटैछेमसेभरिषार अर्शरोगहरिहोइजेहक  
हकोहबंधवुतहोइ अग्निमंदहोइ अग्निमंदतैमलयतरोहोइतेकरगुनदहै अथवातेहीकोअर्शकुठारगुनदहैपरंजुअर्शकुठारसुकुमारआदि  
मीकोनाहीदेत सुकुमारकोअग्निमुषदेरभूषवुततलगेभारीवस्तुषारहोरसोपविजारदेहसुरषहोरयांडुरोगआमवातदेहकीसजनघतिल्लौजले  
धरकोहवारकीसपेदीएसवहरिहोइ अरुइनरोगनकेसिवारओरोगजार करीलकीटैटीनघार कोजीनघार ककरी करेला केरा कलीदोकोरो  
दाकुम्हलनघार कदाचित एवस्तैषारतौछातीमैलोहेकोकीरजमै ॥अथान्यअर्शरोग ॥ अंधाहलीकोचूर्णाअर्शतैमदअग्निपैसाचारिभ

र मुरगीकेअंडाकोवकलाकोचूर्णपैसाचारिभरि इनौकहमिलोवैएकघपरामेदोपैसाभरपारोडारैनिहिपारेकेऊपरचूर्णोडारैतैमंदअग्निम  
रैचूर्णसहितजोहैपारोतेकहलोहेकीकरछुलीसैतवलौरगरैजवलोभस्महोरवहपारदभस्मएकरतीलेरडरुदरेकोचूर्णनिकछिकनीकोच  
र्णदोशेमासेलेर तीनौमिलारैकेषारपानीसेसातदिनकेघाएसेअर्शरोगहरिहोइ ॥अथविद्यापतिमिथुनसारसारत्तार्शपित्तार्शोद्विकि  
त्ता गुरिचकोसतपैसाभरि पारोसोधोपैसाएकभरि गंधकसोधोपैसाएकभरि लालवोरपैसाचारिभरि सबएकत्रकरिकै सैमरकीजरकर  
सैसातदिनघोटे नौरतीभरियहरसखारमधुसै महीनाएकतौरत्तार्शअरुपित्तार्शविद्धिरक्तपदरहरिहोइ ॥रत्निबोलवडोरस ॥ अथर  
त्तारिरस ॥ ईगुरकोपारोपैसाएकभरि गंधकसोधोपैसाएकभरि लालवोरपैसाचारिभरि इनौमिलारैकेघौटैपहरएकपाछेलोहेकीकरछुलीमैडारै  
अरुघोउपैसाएकभरिलोहेकीकरछुलीमैडारैपाछेआवपरपिघलोवेजवपिघलेतवकेराकेपातपरडारैऊपरदूसरोकेराकोपातधरेइसरे  
पातकेऊपरगोवररावैअरुपहिलेपातकेतैरगोवररावैतवपर्यटीहोइ तेहिपर्यटीकहपीसतेहिमैदोपैसाभरिलालवोरकोचूर्णमिलोवैपाछे  
इनौकहयहरएकघोटे यहरभांतिजवसिद्धहोरत्तारिरसतवरतीतीनलेर दमरीभरिमिथीलेइइनौकहमधुसैघार वातरक्तहरिहोइरक्तपि  
तहरिहोइ रक्तार्शहरिहोइ पदरहरिहोइ यहरसखदरपरवुतबलतहै ॥अथअर्शरिरस ॥ सोधोपारो सोधोगंधक मरसिलसुख सौ  
ठि पोपरि मरिच एसवदोपैसाभरिलालवोरकोचूर्णपैसाभरि सैमरकीजरकरसैदिनएकघोटेचनावरगोलीवाधैएकपानीसे  
प्रातकालघारत्तार्शहरिहोइ ॥अथचंद्रोदयरस ॥ चारिपैसाभरिसौनेकेतवकलेर असूसारपैसाभरिकमायोपारोलेइइनौकह



घोटे जवमिलिजाउतवसो धौगंधकवती सपे साभरिडारिकै कजरी करे कपासके लाल फूल के रस से एक दिन घोटे अरु एक दिन गवारिके रस से घोटे सुखे कै शिशी मै भरै शिशी के ऊपर सात कप रोली करि कै जै सो पारे के सार रामे चंदो दय की क्रिया मै बालुका जं वलि घोटे ही प्रकार के बालुका जं व मे राधिके आंचे देवारि आगर मोटी वमूर की दोलकरी की अठारा पहर तेज आंचे देर जवचार पहर वाकी रहे तव शिशी को मरुदिले खुड चु रासे अठारा पहर उपरांत जव स्वांग सीतल हो रत व उतारिले शिशी फोरिके ऊपर जो कटेरी वधिर हो हेला लरंग की सो निकासिले दए कर तीय हवें दो दय एकर तो जार फूर एकर ती क पूर एकर ती लो ग एकर ती मरिच पौने तीन चाउर कस्तूरी मिलारे कै खाद चार की सपे दी सवरो गइरि होइ भूष लगे अजीर्ण विषसुविष पानी के दो घड़ि होइ ॥ अथ शंघडाक अजीर्ण अग्नि मोघे च ॥ फूट करी नौ सार कलमी सो रासु येत वीस वी सपे सा भरि नैन वागंधक अथेला भरि सव एक तपी सिकै एक छोटे घेला मै भरै घेला के ऊपर सात कप रोली करे घाम मै सुखे ले रत व घेला को अठ पर एक कर वा आधा इंदे दो ऊकी दर्ज मै माटी कमाई लगावे कप रोली करि देर फेरि सुखे तव दो सपे घुल्ले करे पहिल एक हाथ ले वी धरती घोटे अरु एक वातागहिरी तेहि के ऊपर दो सपे घुल्ले करे तेहि घुल्ले पर घेला वे डोरा घे घुल्ले की भीति के बाहिर कर वा रहे कर वा की टोटी आधी रहै तेहि टोटी के तरे धिनी को चको एक प्यालारा घे कर वा की पीठ पर भी जो लता राखे धारत रत व घुल्ले की हनौ तर फूसै हटा नि देर वमूर की लकरी जव तई आंचे देर जव तो ईर सव हि कै प्यालामे परे अरु लता के ऊपर हर घरी पानी सी चतर है जिह ते कर वा की पै दी शीतल रहे जव सव चुइ परे तव को चकी शिशी मै राखे चार मासे पिअे दांत सैन लगे अथ वा सोढ को चूर्ण डारिके गोली बांधि कै घाड अहार कर वे गिहै पचार डारै भूष

करे चार गोला जलंधर पेर को फूल को छयी छल मांस कि गाहि इरि करे लगा ए सै दाडक ह इरि करे वल करे पुष्टि करे ॥ अथ अजीर्ण अग्नि मोघे च अथ दिरसः ॥ गंधक सोधौ चारि पै सा भरि पारद भस्म दो पै सा भरि स्वयं भग्नि भस्म सार पै सा एक भरि तोमो मारो पै सा एक भरि सव एक चवारि कै लोहे की कर छुली मै पिघला वै तारे गोवर राखे तेर के ऊपर अंडा को पात तेहि पर फैला देइ तेहि के ऊपर एक पात अंडा को और धरि देइ पात पर गोवर देइ घन एकर हन देइ पाछे निकासि कै पोसि कै लोहे के वासन मै राखे दो दो पै सा भरि नीबू जे भीरी को रस धानि कै डारै तरे धामी आंच करे जव तो ईर निवू को रसटका १०० भर सव सख जाइ तव करा ही सैनिकासि कै मिटो पी सै आध सेर पेव कोल को का लो घानिले रते हि मै पाउ सेर बूक घोरे तिहि सै पचास वार घोटे तव सुहाग भूजौ सब की वशवर ले भरि च सुहाग की वरावर ले भरि च को आधो विड नौन लेर पोसि कै मिलार देइ चना की वा शी पानी मै धोरे कै तिह सै घोटे वार सात घाम मै सुखे कै शिशी मै राखे दो मासे भरि खाद पाछे सै धौ नौन डारिके मठा पिअे पै सा दो भरि एहि के वा ए सै जो वसु भारी धार मे होइ अथ वा जो अन्न वृत्त घायो गयो होइ सो वे गिहै पचि जाइ भूष वृत्त लगे सूल वाइ गोला को छबंध जलंधर इरि होइ ॥ अथ अग्नि नुं जीव सी अजीर्ण ॥ पारो सुख विष शुद्ध गंधक शुद्ध अज मोद अंबरे हरर वहेरे साजी पार जवाधार चिताउर सै धौ नौन जीरे सौ चर वाउ विडे ग पागा नौन सौ हि पोपरि मरिच एक एक छ स म छ स म भरि लेर सव की वरावर कुचिला इध के सोधे लेर पिहिले पारे गंधक की कजरी करे पाछे सव आध को चूर्ण मिलार के जे भीरी रस सै घोटे दिन तेन रती भरै की मावा गोली बांधे एक गोली धार अजीर्ण अग्नि मोघे च इरि होइ ॥ अथ अजीर्ण अग्नि मोघे च ज्वाला न लोर सः ॥ पारद भस्म एक तोला गंधक सुद्ध साजी जवाधार सुहाग भूजौ एक एक तोला भांग को चूर्ण



पाचतोला सुहजनेकेजरकेवकलाकोबुरीअहारतोलासबमिलारकेभांगकेकाठेसेतीनपहरघोंटेधमराकेरससेसुहजनेकेरससेचिताउरके  
रससेहरएकसेतीनतीनपहरघोंटेपाछेएकगोलाकरेघाममेसुधेकेलोहेकीकराहीमेराधिकेचारिघरीदुपतीरलीकरीकीआंचसेचाउतर  
फगोलाकरसेकेपाछेआदेकेरससेसातवारघोंटेतवसिद्धहोवचारिमासेभरिषारपातीसेपाछेअधेलाभरिगुजसेदिकीगोलीघारअजीराअती  
सारआलससंगहरीछदिषहीउकारअरुचिअग्निमोघकफसूलहरीहोर ॥अथविसृबिकायाचिकित्सा॥अग्निकुमारभुतागभुजो  
पारोशुद्धगंधकशुद्धएकएकक सिंगियाविषसुद्धतीनटंककौडीकीभस्मसाजीजवाधारपीपरिसोहिअधेलाअधेलाभरिमरिचआ  
टअधेलाभरिपरिलेपारगंधककीकजरीकरेतवसवमिलारकेएकदिनसुधेघोंटेदोदिनजंभीरीकेरससेघोंटेतवसिद्धहोएकरतीघार  
विसृवीसलवारअग्निमोघहरीहोर ॥अथपांडुरोगचिकित्सापांडुरि॥चेद्रोदयगंधकशुद्धअभकमोरोसारस्वयमग्निभस्मएसवदो  
दोतोलालेदसवएकवकरिकेएकदिनवारिकेससेएकपहरघोंटेदिकेएकगोलाकरेलोहेकीकराहीमेराधिकेचारिघरीदोपतीरलीकरीकीआ  
चमेसेकेचारिउतरफफेरिग्वारिकेससेएकपहरघोंटेलोहेकेवासनमेलोहेकेदस्तासेफेरिगोलाकरेघाममेसुधेकेफेरिओहीआंचदे  
दफेरिग्वारिकेससेपहरभरिघोंटेफेरिगोलाकरेघाममेसुधेकेफेरिओहीतरहआचदेदक्रमतेवारदरतीलोषारमधुसेपोडुरोगका  
मलापांडुजन्यसोयहलीमकहरीहोरजेहिकोरंगपिअरोहोदस्पाहोदहरीरोहोदसोहलीमककहावेहलीमकमेएलसराहोतहेवल  
हानिअपरीअग्निमोघज्वरपिआसशिरकोपिरवोहउफूरनसातलक्षराहलीमककेहो ॥अथरक्तपित्तअम्लपित्तकासानांचिकित्सा॥  
परोशुद्धअधेलाभरिअगोयकीजरकेवकलाकेरससेआदेकेरससेजलकुंभीकेरससेमकुयाकेरससेदिनदोदोदएकएकसेघोंटेतिहिपाछेसो

धोगंधकमेसादोभरिलेइकेवलमेडारिकेधमराकेरससेदोदिनघोंटेफेरिदूनेएकवकरिकेवकरीकेदूधपेसाचारिभरेसेघोंटेजकाहोहोद  
तवउसेएवदरावरगोलीवांधेप्रातकालएकगोलीघारजोमहीनाछेएहकोसेवनकरेनोफिरिकेरक्तपित्तनहोदछथीदूरिहोरवांसीवृत्तदिनकी  
थेपेदिनकीदूरिहोदरक्तपित्तवृत्तदिनकोथोरेदिनकोदूरिहोदस्योकीयासीरक्तपित्तकीयांसीओरोयांसीदूरिहोदअम्लपित्तकीओकीजोकोनहोभा  
तिनयभेसोदूरिहोदअम्लपित्तसेजोडकारषहीहोदछातीगोरेजेसोनीकहोदअनुभूतहो ॥इतिरसेइवलीअम्लपित्तदो॥अथअम्लपित्तस्यो  
कहयकचिकित्सा॥अधुमारोपेसाचारिभरिसारमारोपेसादोभरिमंडुरपेसाएकभरिसवएकवकरिकेककराहीमेराधेतेहिकेतेधीमोआंचकरअरुन  
आघदनकोरसडारतजारअरलोहेकेरससेघोंटेतजारवओषदेएहसौनाकोरसडोरअरघोंटेजोतीनोनमिलेतोकाढोकरिलेदअभाजोरोलाल  
केरससेघोंटेसूरिकेससेघोंटेसातवारिकेससेतजकेकाठसेधमराकेरससेनगाधुभीकेरससेमरवाकेरससेविप्रलाकेकाठसेमोथाकेरसएस  
वओषदनकोरसडारिडारिघोंटेतवकराहीकहआधसेउतारिलेपाछेसुधपारोशुद्धगंधकअधेलाअधेलाभरिदूनेकहकजरीकरेसोकजरीपूर्वो  
रक्तओषदेजोहैअभकसारमंडुकतेहीमेमिलारकेपहरसुधेघोंटेपाछेदनओषदनकीबुरामिलावेवबचवअजवारनजीरर्यामजीरसेसोहि  
सोफपीपरिमरिचमोथावारविंडापीपरामूरअभाजोकेबीजा निसोतचिताउरवडोदोनकीजरकोवकलादुहरेकेबीजातजमानकंदविला  
ईकंदहथिकनकमलिनीधमरास्याह निसोजकीजरएकएकपेसापेसाभरिलेदवाटिछानिबूरारकरेआचरेहरवहरेपेसापेसाभरिअथवा  
दोशेपेसाभरिसवएकवकरिकेलोहेकीकराहीमेडारिकेघाममेआदेकेरससेघोंटेवारतीनपाछेवरकीगुहिलीवरगोलीकरेप्रातकीलाती  
नगोलीघारमराकेसाधमधुखसुनघारइधनघारघोषरानघारअम्लपित्तपरिरामसूलहरीहोदइन्होनोपरवृत्तवृत्तहोअग्निमोघअरो



चक्रपांडुरोयउदर अर्शकासस्वास प्रीहयेदकौ फूलवो आम बातस्वरभेदएसवद्विहोर ॥ इति सुधावतीवटी ॥ अथ भुक्तलोहकिहुरसगंधकां  
सुधावती गुटिकावायवानो सुविषकारः ॥ अभुक्त धाना भुक्त करिके नीबू के रस से अरमाउ में एक दिन घोंटे एक दिन राति ओही मेरहन देर अथ  
वा अम्लभक्तोदक आरनालकह कहत है धान्याम्ल चाउर कोमाउ अथवा कुंदर कोमाउ बहुत दिन एक वासन में धीराये जव खाटो होर सो धान्याम्ल  
कहावे तिहिसे अभुक्त को चूर्ण घोंटे दिन १ अरु ओही में एक दिन रहने देर अथवा दिन तीन राधेन बवह अभुक्त मासन जो ग्य होत है तेहि अभुक्त कह  
एक दिन मात कंद के रस से घोंटे टिकरी करिके घाम में सुषावे पाच सेर के डा की आच देर एही भांति हड जोर के रस से घोंटे आच देर एही भांति रथ के  
रा के रस से घोंटे आच देर चौराई चावर को धोवन कत जुया बडी कटार तज के काहो लक्ष्मणा को काहो धमरा को रस हर एक से घोंटे आच देर तव  
अभुक्त निश्चंद्र मस होर ॥ इति अभुक्त शुद्धिः ॥ वारह पैसा भरिकांती लोह को चूर्ण लेते तेहि में पैसा भरि सोना माधी डारे अरु पैसा भरि चाउर डारे  
स्वारिके रस से घोंटे टिकरी वनावे कंडन में आच देर जव टिकरी लाल होर तव विप्ला के काहो में पुगोवे एही भांति सात बेर पुगोवे तव लोह शुद्ध  
होइ पाछे रस ओषदन से एक एक दिन घोंटे अरु आच देर तव लोह मरे वे ओषदे एहे लोह के काहो से हाथिकन के काहो से विप्ला के काहो से विधारे के काहो  
से अरु मल के काहो से हड जोर के रस से आदे के रस से दशमूल के काहो से मुंडी के काहो से मूसरी के काहो से रन से एक एक दिन घोंटे आच देर तव लोह मरे  
॥ इति लोह सोधन मार गोव ॥ अथ किहू स्थलाल अऊर जो सुपेत फूल की वरि आरी घुमोर सुपेत अऊर जो चौर पर यथरस गा एक एक माउ पाउ  
भरि लेर कूटिके एक वासन के भीतर आधो तैर धीरे तेहि के ऊपर कीट डुकरा करिके पाउ एक धरे और ओषदे उह के अमर धरे वासन को मुह पारे से मुंदे वासन में  
कपरोही करिके गज पद की आच देर किटी निकासि के एक वासन में डारे अरु बीस सेर गो मूत्र डारे वासन को मूदि चुले पर चतार के दिन दोर में दग्नि करे आ

दोसेर + १

वदेर जव गो मूत्र सब जरि जाइ तव किटी निकासि के और वासन में धीरे तिहि में गो मूत्र डारे दिन तीन भिजे एषे चौथे दिन निकासि के कूटिक पर घानि करे ॥ इति  
किहू स्थल शुद्धिः ॥ रंगुर को पाओ पाउ एक लेर तेह अंगेय को रस अंड के पान को रस आदे को रस मकुल्य को रस एक एक से तीन तीन दिन घोंटे डमरु जेव मै डारि  
उठलेर दोष हर आच देर के ॥ इति रस शुद्धिः ॥ नोनिया गंधक आध पाउ लोह की कुराही में डुगा कर करिके राखे उह में पाउ भरि धमरा को रस डारे अथवा आ  
ध पाउ रस डारे तेज घाम में रोषे जवर स सुधि जाइ तव आध पाउ घमरा को रस और डारे जव एह स पेत वरे रि आध पाउ रस डारे तिहि पाछे गंधक निकासि लेर  
चूर्ण करिये सा भरि घोंटे डारे एक वासन में धमरा को रस डारे तेह वासन के मुह पर कपरा बाधे तेह पर गंधक विधावे तेह के ऊपर तवारि तेहि तवारि अगारा राखे  
तेहि की गरमी से गंधक पिघले के रस में पेट वनिकासि के सुधे लेर ॥ इति गंधक शुद्धिः ॥ अथवा अभुक्त लोह किहू पाओ गंधक रस सवन कह और प्रकार  
से सुधिकरि लेर ॥ अरु अभुक्त मार और प्रकार से मारि लेर तव पुर्वोक्ति रस से घोंटे टिके सिद्ध करे ॥ इति सुधावतीवटी ॥ अथ हिक्काया चिकित्सा ॥ जेह  
रस से कास स्वास दूरि होत है ते ही रस से हिक्की दूरि होत है तिहि तेहि हिक्की के ऊपर स्वास कुठार देर दशमूल के काहो से चंद्रोदय देर हिक्की दूरि होर स्वास  
दूरि होइ स्वयं मग्नि भस्म देर हिक्की पर ॥ अथ क्षय रोग चिकित्सा ॥ क्षय रोग की खासी में स्वयं मग्नि भस्म बहुत गुन दहे क्षय रोग के ज्वर अरु खा  
सी में मृगां क बहुत गुन दहे क्षय रोगी के सुषने क फूल बहुत गिरि पमे हजा अरु ज्वर के स उन घुंटे तेहि पर कुमुदे स्वर स बहुत गुन दहे अरु से इवटी व  
हुत गुन दहे अरु जे क्षय रोगी को खासी स्वास ज्वर एती नो होर तेह पजीरा ज्वर रि अरु न भूत है तहार से इवटी की क्रिया आगे लिखि आए है अरु जीरा  
ज्वर रि जीरा ज्वर के अधिकार में लिखो है स्वयं मग्नि भस्म अरु मृगां क अस्कु मुंदे स्वर ए पाछे नारी लिखे है ते अवलिषत है ॥ अथ क्षय का से स्वयं म



सारसे  
६६

चकण्डुशोथउदर अर्थकासस्वास व्रीहपेटकौपूलवौ आमबातस्वरभेदएसवइरिहोर ॥ रति सुधावतीवरी ॥ अथ भुक्तलोहकिहिरसगंधकानां  
सुधावती गुटिकावायवानोपि प्रकारः ॥ अभुक्त धानाभुक्त करिके नीबूकेरससे अरमाउमै एकदिन घोंटे एकदिन राति ओही मेरहनदेर अथ  
वा अम्लभक्तोदक आरनालकहकहतहै धान्यान्त चाउरकौमाउ अथवाकुदरकौमाउवदतदिन एकवासनमै धीरायेजववाटो होर सोधान्याक्ल  
कहावे तिहिसे अभुक्त कौ चूर्णघोंटे दिन १ अर ओही मै एकदिन रहनदेर अथवा दिन तीन राधेतववह अभुक्त मारन जो गप होतहै तेहि अभुक्त क  
एकदिन मात कंदकेरससे घोंटे टिकरी करिके घाममै सुषावेयाव सेरुं डाकी आचंदेर एही भांति दउजोरकेरससे घोंटे आचंदेर एही भांति हथके  
राकेरससे घोंटे आचंदेर चौरार बावर कौ धोवन कनजुप्पा कडीकटार तजकौकाहो लस्मराणकौकाहो धमराकौरस तर एकसे घोंटे आचंदेर तव  
अभुक्त निश्चंद्रभस्म होर ॥ रति अभुक्त शुद्धिः ॥ वारहपै साभरिकांती लोहकौ चूर्ण लेर तेहि मै पैसा भरि सोनामाधी डारै अरु पैसा भरि चाउर डारै  
स्वारिके रससे घोंटे दिवार टिकरी वनावे कंडनमै आचंदेर तव टिकरी लाल होर तव विप्लुके काठे मै गुगुं वै एही भांति सात बेर गुगुं वै तव लोह शुद्ध  
होर पोष्टेरन ओषदनसै एक एक दिन घोंटे अर आचंदेर तव लोह मरै वे ओषदे एहै लोहके काठे सै हथिकन कके काठे सै विप्लुके काठे सै विधारे के काठे  
सै अरु मात कंदके काठे सै दउजोरकेरससे आचंदेरससे दशमूलके काठे सै मुंडी के काठे सै मूसरी के काठे सै रनसै एक एक दिन घोंटे आचंदेर तव लोह मरै  
॥ रति लोह सोधन मारण व ॥ अथ किहू स्थलाल अजगारो सुपेत मूलकी वारि आरी पुमैर सुपेत अजगारो चौरर पथरसगा एक एक माउ पाउ  
भरि लेर कुटिके एक वासन के भीतर आधो तै धरे तेहि के ऊपर कीटु करार करिके पाउ एक धरै और ओषदे उहके ऊपर धरे वासन कौ मुह पारे सै मूदे वासन मै  
कपरोटी करिके गजपटकी आचंदेर किटी निकासिके एक वासन मै डारै अरु बीस सेर गोमूत डारै वासन कौ मूदि चुले पर चतार के दिन दोर मंद अग्नि करै आ

रा०  
६६

दोसेर + १

वेदेजवगोमूतसवजरिजारतव किटी निकासिके और वासन मै धरे तिहि मै गोमूत डारै दिन तीन भिजे राधे चौथे दिन निकासिके कुटिक पर धनिकरे ॥ रति  
किहू स्थलालः ॥ ईगुरकौ पारो पाउ एक लेर तेह अगोथ कौरस अंडके पान कौरस आदे कौरस मकुल्य कौरस एक एक सै तीन तीन दिन घोंटे उमरुं जेव मै डारि  
उठालेर दोष हर आचंदेर के ॥ रति रस शुद्धिः ॥ नोनिया गंधक आध पाउ लोहकी कुराही मै डार करार करिके राधे उह मै पाउ भरि धमरा कौरस डारै अथवा आ  
ध पाउ रस डारै तेज घाम मै राधे जवर ससुषिजारतव आध पाउ धमरा कौरस और डारै जव एह ससुषेतव फेरि आध पाउ रस डारै तिहि पाठे गंधक निकासिले र  
चूर्ण करि पैसा भरि घी उडारै एक वासन मै धमरा कौरस डारै तेह वासन कौ मुह पर कपरा बाधे तेह पर गंधक विधावे तेह के ऊपर तवार धे तेहि तवार पर अगारा राधे  
तेहि की गरमी सै गंधक पिघले के रस मै पेर तव निकासिके सुषेलेर ॥ रति गंधक शुद्धिः ॥ अथवा अभुक्त लोह किहू पाठे गंधक रन सवन कह और प्रकार  
सै सुद्धि करिले ॥ अरु अभुक्त मार और प्रकार सै मारिले तव पूर्वोक्त रस सै घोंटे टिके सिद्ध करै ॥ रती सुधावतीवरी ॥ अथ हिक्काया चिकित्सा ॥ जेह  
रस सै कास स्वास इरि होतहै ते हीरस सै हिक्की इरि होतहै तिहि तेहि वकी के ऊपर स्वास कुठ मरै रस मूलके काठे सै चंदोदव देहि वकी इरि होर स्वास  
इरि होर स्वयमग्नि भस्म देर हिक्की पर ॥ अथ स्यो रोग चिकित्सा ॥ स्यो रोग की घासी मै स्वयमग्नि भस्म वदत गुन दहै स्यो रोग के ज्वर अरु  
सी मै मृगांक वदत गुन दहै स्यो रोगी के मुषेत कफ जो वदत गिरै पमेत जार अरु ज्वर के सउत घुटै तेहि पर कुमुदे स्वर सवहत गुन दहै अरु सै इवटी व  
दत गुन दहै अरु जे स्यो रोगी कौ खासी स्वास स्वर एती नौ होर तेह पर जीरां ज्वरि अरु नु भूतहै तहार सै इवटी की क्रिया आगे लिखि आएहै अरु जीरां  
ज्वरि जीरां ज्वर के अधिकार मै लिखौहै स्वयमग्नि भस्म अरु मृगांक अरु कुमुदे स्वर एपाठे नाही लिखे है ते अवलिखत है ॥ अथ स्योकासे स्वयम



सारसं०  
६०

गिनरस=॥ जारूर लोग लारवी गुजराती आवरे हरर बहरे सौदि पीपरि मरिच सबमिला दै नौ मासे भस्तिर असुनौ मासे स्वयमग्नि भस्म ले  
हसार ले दौदि कै तीनतीन रती भरे की पुटि आवधे मधु सैषा दसवी की धासी इरि होर ॥ अथ भृगांकोरस=॥ पारो सुद्ध एक तोला सौने केतवक एक  
तोला अनवेधे छोटै मौती दो तोला मौती कह्य हिलै मठा मै घरी चारि सेवन करे डोला जेवसे गंधक तोला एक सुहागम सेतीन पहिले पारो असुनौ  
नै केतवक मिला दै छोटै पहर एक पाछे गंधक डारि कै कजरी करै तव सुहाग असुनौ ती डारै फेरि गवारि करै सैधौ दै दिन तीन पाछे एक टिकिया वा  
धै तीन आगुर परमान चोरी घाम मै सुधा वै पहर चारि करै सराव संपुटे मराधिकै कपरोटी करै संपुटे को सुधै कै एक हाडी मै राधे छे सर साम्हर नौन  
त रेऊ पराधि हांडी को मुह पर रसै मूदिक परोटी करि घाम मै सुधा वै दिन २ संपुटे मराधिकै कपरोटी करै सुधै कै एक हाडी मै राधे छे सर नौ सादर तरे  
इजव अंगरा अपु सै सीतल होइ तव उतारि लेर टिकरी भृगांको नीका सिले र देरती अथवा एकर ती छेम रिच के चूर्ण सै अथवा दो पीपरि के चूर्ण  
सै मधु सैषा र पात=काल ज्वर धासी इरि होर भूषल गे जो पेट चलत होइ तो वेद होर जो पेट न चलत होइ तो यह भृगांको पेट न चलावे ॥ अथ पावोत  
र भृगांकोरस=॥ सौने केतवक एक तोला पारो सुद्ध एक तोला गंधक सुद्ध एक तोला छोटै मौती छे तोला सुहाग एक टंक पहिले पारो असुनौ नै केतव  
क मिला दै पहर एक छोटै पाछे गंधक डारि कै कजरी करै तव सोधे मौती असुनौ सुहाग डारै चारि घरी दौ दै पाछे कवनार के रस सै दिन तीन दौ दै तव  
एक तोला करै नौ तोला असुनौ चारि सा से कोते कह घाम मै सुधा वै दिन २ संपुटे मराधिकै कपरोटी करै सुधै कै एक हाडी मै राधे छे सर नौ सादर तरे  
अपर राधिकै हांडी को मुह पर रसै मूदिक परोटी करै छे लह पर आठ पहर नरम आच देर पाछे ल करी नीका सि डारै

रा०  
६१

अंगरा रहने देर जव अंगरा अपु सै सीतल होइ तव गो लानिका सिले रती नरती भरे की मात्रा आठ मरिच को चूर्ण के साथ अथवा दो पीपरि के चूर्ण के सा  
थ मधु सैषा र क्षयी रोग जो ज्वर असुनौ सी असुनौ पित्त असुनौ दागिन रन संयुक्त होइ सो इरि होर जो पथ्य लोकना घर सै है सो रहि मै है वदार्न घाड़  
बेलन घाड़ भटन घाड़ र मिली न घाड़ व्यायाम न करै मैथुन न करै मधन पित्रै अथानै न घाड़ हींग की वधारी दारन घाड़ सौ वउर दम सूर ऊरु डा  
गई को जीन घाड़ को धन करै कुसमथै सोवन को सेके पात्रम हन घाड़ पवशा क फल शाक जो ककारा दिके है सो न घाड़ ॥ अथ भृगांको यो दती रस=॥  
तोला भरि सौने केतवक तोला भरि सुद्ध पारो असुनौ माथो दू नौ कह पहिले सुधौ दौ दै दिन एक पाछे तीन दिन कवनार की छाल के काहे सैधौ दै जवा बो मधी के  
रस सै तीन दिन दौ दै कि रकि चहार करै सै तीन दिन दौ दै एक दिन घाम मै सुधा वै तीन मास सुहाग डारै असुनौ तोला छोटै अनवेधे मौती को चूर्ण डारै  
सवा चार तोला सोधो गंधक डारै एक दिन सुधौ दौ दै पाछे तीन दिन कवनार के रस सै दौ दै जव गा होइ तव गो ला करै दो दिन घाम मै सुधा वै दिन २  
नव एक तह क परा गो ला के ऊपर लये दै गो ला के माद्रिके ते दिक परा के ऊपर आध आंगुर क माई माटी को लेप करै तह पर एक कपरोटी करै तामे माटी को  
लेप करै तीन कपरोटी करै फेरि सुधा वै सधि जाइ तव शराव संपुटे मराधिकै सराव संपुटे के ऊपर आध आंगुर माटी को लेप करै कै तीन कपरोटी फेरि करै  
आध आंगुर माटी को लेप एकै बेर करै तह पर लता भिजै कै माटी लये करै कपरोटी करै तेह सराव संपुटे कह घाम मै सुधा वै एक हाडी मै अवारि सर  
साम्हर नौन तरे राधे तेह पर संपुटे राधे संपुटे के ऊपर और अवारि सर नौन राधे हांडी को मुह पर रसै मूदिक माटी लगाइ देर हांडी के ऊपर असुनौ माटी सै  
लेप करै एक आंगुर माटी माटी लगावे असुनौ कपरोटी करै हांडी कह एक दिन घाम मै सुधा वै पाछे एक हाथ गहिरौ असुनौ हाथ चोरो एक बदरा करै ते

ला



सारसं.  
६८

हृषरामे अधो यजंगली कंडा कूटि कै भरे तिहि पहाडी राखे हांडी के ऊपर अधराय ऊचो अरु अधराय चो रोजंगली कंडा और भरे कूटि कै जे हके  
ऊपर आग धरे नीसरे दिन स्वांग सीतल हांडी निकासिले हांडी फोरि नोन डूरि करे संपुट निकासिले रथुक्ति से संपुट कह्यो लिके गोला कहनिकासिले रगो  
ला के ऊपर की माटी दूरि करे अरु कपरा दूरि करे री गोला कहनिकासिले तोले गोला पहिली उजन साहे आठ तोला कौर हो तेह में गंधक सबाधार तोला  
हे जोगोला आच देय उपरांत साठे पाच तोला होर तो जानिये कै गंधक तीन तोला जरो सबा तोला गंधक का कीर हो तो जानिये कै पारो नही उडौतव तोला  
भरि कै गंधक और डारै प्रेरि कवनार के रस से दिन तीन घोंटे गोला बाधे घाम मे सुधा वै पहिली तरह संपुट करे अरु पहिली तरह आंच देइ एह भांति की आ  
च से सब गंधक नही जस्त तीन तोला जरै अथवा दो तोला जरै अरु एह भांति की आच से पारो नही उडत गोला भली भांति से परिपक होत है अरु भर भरे  
नही होत सिमिट जात है गोला करे होत है जे से स्वयं मग्नि भस्म होर ते ही रंग होत है एकर ती भरि अथवा दोर ती भरि चारि भरि चको चूरी अथवा एक पी  
परि कै चूर्ण मिला रके मधु से चटावे कफ संग्रहणी को सी स्वास अरु चि अग्नि मांघ शैत्य एसव हरि होर अरु ज्वर से जो कुरा होर अरु निर्वल होर सो  
नी को होर अरु सखी रोग हरि होर अरु जे कुरा शरीर होर बुहत ते कह पांच रती देर पीपरि अरु मधु के साथ अरु जो से निपात सैन बोले अरु ज्वर होर  
तेज सो जो दोर ती भरि पांच पीपरि अरु मधु से दो उजोर तो मोह हरि होर ज्वर हरि होर बोलन लगे ॥ अथ कुराज मृगांकर सः ॥ चंद्रोदय नीत तोला  
सुवर्ण मांश एक तोला जो सुवर्ण न होर तो सुवर्ण मांसिक मारी एक तोला सुवर्ण मांसिक मारी सो नैते उतम है तो मोमरो एक तोला मटसिल सु  
इ हो तोला गंधक सो धौ दो तोला हरताल सो धौ दो तोला सब कह एक पहर सखो हौटे सब चूर्ण को दिन मे भरे छे रके इध से मुहाग पी से तेह से को डि  
न को छिड़वेंद करे तिन सब को दिन कह एक संपुट मे राधे दो पर रंगिरी होर अरु वडी होर तेह को संपुट करे सात कप रोटी करे घाम मे सुधे कै एक हा

रा०  
६८

सारसं०  
६९

से विलार कंद के काठे से एक एक दिन घोंटे टंकटंक की गोली बाधे मधु अरु सैन से सवार रह्या हरि होर दाह रोग हरि होर भ्रम कैंद शिर को फिर  
दो पित्त को पित्त रोग मुख शोष जो है पित्त से प्रमेह हरि होर यरगोली धार ऊपर से एक तोला चंदन को पानी पि अरु एकर ती कपूर से युक्त  
यहर स से जो जाक हरि होत है ॥ रति क्षीर साग रसः ॥ ॥ अथ महास्यस्य चिकित्सा ॥ पहिले पारे कुरा अमलता से कर स से चित्त उर के का  
ला से टेरा की जर के वकला के रस से गवारि के रस से दो दो दिन घोंटे उमरू जंत्र मे डारि कै दोय हर आच दे रके उडाइ लेर फेरि विजोर नी बूर स  
से एक दिन घोंटे फेरि सैंता सात दिन आक हूध से घोंटे उमरू जंत्र मे डारि कै उडाइ लेर फेरि चूह स्के इध से धतूरे के रस से करि हारी के रस से क  
नेर के पात के रस से घुघची पत्र स से अफीम पाउ भरि पानी मे घोरै तेह से एक एक से सात सात दिन घोंटे हर वेर उमरू जंत्र से उडाइ ले र पाछे  
दिन ५३ विजोर नी बूर स से घोंटे पानी से धोर ले र फेरि आठ तहल ताले र ते कह गज पीपरि रोर हींग पेसा पेसा भरि ती नौ विजोर नी बूर स से  
पी सि कैल तामे घुपै तेहल तामे पारो राधे पोर ती बाधे हांडी मे लटकावे तेह हांडी मे कांजी को पानी भरै पोर ती बूडी रहे तीन दिन धीमी आच करे  
जो कांजी को पानी जरि जाइ तो और कांजी को पानी डारै र हि भांति तीन दिन स्वदन करे तव पारो राधे हरि होर वल वंत होर सुधित होर सो पारो  
सोर है पेसा भरि तो लिले चार पेसा भर सो धौ सी सो ले र ते हि कह पिघलावे ते हि मे सब पारो डारि दे र फेरि शीतल करे सोर है पेसा भरि सो धौ  
गंधक डारै इनो की कजरी करे ते कह विजोर नी बूर स से एक दिन घोंटे गज पीपरि के काठे से तीन दिन घोंटे रोह के पानी से तीन दिन घोंटे ही  
रा के पानी से तीन दिन घोंटे सुधे कै शिरी मे डारै तीन कप रोटी करे वालु का जंत्र मे राधे के आठ पहर तुट आच देर पचये यरगोली को मुद

रा०  
६९



यवौरो एक रायगहिरौ धराकरै तेहि सै आधे कंठ तरे आधे ऊपर कूटि कै भरे बीच मै संपुट धरे ऊपर सै आचकरि देउ जव शीतल होइ तव निकासि लेइ य  
 ह मंगोक की मात्रा चारि रती तोइ है दो पीपरि कै चूर्ण मिलारै कै मधु सै देइया सीवात कफ स्यो हरि होइ ॥ इति राजसूय कोरसः ॥ अथ कुमुदेश्वरोरसः ॥  
 बंदोइय सोधौ गंधक अभ्रक मारौ एक एक तोला इंगुरे डेठ तोला मरसिल नौ मासे सब सवा पाच तोला भयो तेह को आधौ अठार तोला देह मासे स्वय  
 मग्नि भस्म सार सब मिलारै कै बौदह वेर गीली सतावर केर सै दिन दो १ घौ टैत बसि रहोइ दोर ती अथवा तीन रती भरि प्रातः काल पार चारि रती मिथी  
 अरु मरिचकौ चूर्ण मिलारै कै स्यो ज्वर कास कफ आव प्रमेह सर्व हरि होइ ॥ अथ सिद्धसांकः स्यो रोमो ॥ उर रती सौ नौ मासे अरु उर रती चंदोद  
 य ह नौ मिलारै कै मधु सै पार स्यो रोग हरि होइ जौ सौ नौ मासे न मिलै तो सुवर्ण मासिक मारी डारै ॥ अथ उरः सते विंध्य वासि योगः ॥ सौरि पीपरि  
 मरिच सतावरि आवरे हरर बहरे वरियारी कीजर गोरुवा कीजर पेसा पेसा भरि लेइ वाटि छानि चूर्ण करै सब चूर्ण की वरावर मरो लोह डारै एक मा  
 सौ भरि मधु सै चारि डार उरः सत केठ रोग राजसूय अपवाहक अर्द्धित ए सर्व हरि होइ ॥ अथ अरोचक स्यो चिकित्सा एकरती चंदोदय दो पीपरि कै  
 चूर्ण मधु सै पार छर्दि हरि होइ लौंग सै पार अरु चि हरि होइ ॥ अथ मूर्च्छा या अश्वि चिकित्सा ॥ दो पीपरि कै चूर्ण एकरती चंदोदय मधु सै चारि डार  
 मूर्च्छा हरि होइ ॥ अथ रक्षा भ्रमदाहानां चिकित्सा ॥ पारो टंक १ गंधक टंक १ कपूर टंक ३ लाइची टंक ४ उर्द टंक ५ मरिच टंक ६ मिथी टंक ७ स  
 वमिलारै कै तीन रती भरि पार ऊपर सै वासी पानी पिअे पियास हरि होइ अन्य चंदोदय अभ्रक मारौ तोमौ मारौ घेडी मरी गज वेल मरी सौना  
 माषी मारी लोथ कै चूर्ण ए सब एक एक तोला सब कइ एकत्र करि कै जाठ के काहे सै घौ टै दिन १ रुसे के काहे सै घौ टै दिन १ मुनका दाघ के काहे

मूरे आठ पहर उपरांत शीतल होइ तव उतारि लेइ दोर तीय हरस मासे भरि आवरे कै चूर्ण मधु सै पार मद्य विकार हरि होइ भूषल गेवल हो  
 इ अन्न पचे ॥ अथ उन्माद स्यो चिकित्सा ॥ पारो गंधक मरसिल धतूरे के बीजा चारि उसाधि कै वरावर लेइ पारो गंधक की कजरी करै तेहि मै मरसि  
 ल धतूरे के बीजा मिलौ वै घुरा पानी बचकूटि कै चारि पेसा भरि लेइ डेठ सेर पानी मै आठो वै जव पानी पेसा आठ भरि लेइ तव उतारि लेइ तेह पानी सै घ  
 ल्ल करै पहिले पेसा चारि भरि पानी डारै अरु घल्ल करै जव गाहो होइ तव पेरे पेसा चारि भरि पानी डारै घल्ल करै जव एरु गाहो होइ तव केरि चार पे  
 सा भरि वचकौ पानी डारै घल्ल करै एही भांति सात वेर वचकौ पानी चार चार पेसा भरि डारि कै घल्ल करै एही भांति बुझी केर सै सात दिन घौ टै  
 तव उन्माद गज के सरी सिद्ध होइ दो पेसा भरि गार कौ घी उगम करै तेही घी उके साथ यहरस मासौ भरि पार पहिले दोर ती भरि पार दिन उति  
 ति उपरांत एकरती वहावै उन्माद हरि होइ मिरगी हरि होइ भूजा वेश हरि होइ ज्वर मै यहरस घी उके साथ नदेर ॥ अथ अपस्मार स्यो चिकि  
 त्सा आवरे हरर बहरे सौरि पीपरि मरिच चित्त उर वार विडंग एक एक तोला सिलाजतु कौ सत पाच तोला किटी सुद पाच तोला सुवर्ण मा  
 सिक भस्म पाच तोला स्वय मग्नि भस्म सार पाच तोला मिथी आव तोला सब एकत्र करि कै लोह के वासन मै राखे अरु आध सेर मधु डारि  
 कै सानि राखे छदाम भरि पार कसतै अथेला भाति नोई पार एक वर्ष सेवन करै मिरगी हरि होइ दही वासी रोटी वासी दार भात नधार शरबत  
 न पिअे मठा भात नधार कली दौन धार कबूतर कौ मांस नधार मक्या की भाजी नधार कुरथी की दार नधार अरु विसै घखी पसंगान कै  
 ॥ इति योगराज योगः ॥ गुवा के फल कौ चूर्ण करि नासदे र मिरगी कौ कीरा गिरि परै ॥ अथ वात व्याधौ अपस्मार च सौरी गज के सरी



रसः ॥ तोलाभरि अफिमते कह आठ तोला आदे केरस से घौटे तव सुद्ध होर तोला भरि कुचिलोते कह दो सेर गद के रूध मे डारि के दो पहर आठ देर  
तवनरम होर अरु सुद्ध होर रूध से निकासि के मले पीसि के अफिम मे मिलावे तोला भरि मरि बकौ चुरा मिलावे एक पहर घौटे रती की गोली करे  
घाम मे सुषो वैधिरा वै एक एक गोली बारवात व्याधि अरु अपस्मार दूरि होर कुजवार लेगवार कहिसल राघनि अपवात कलाय पाउ को सूधि  
वै अरु हाथ पाउ के कंप अपतानक विसूचिका अरु चि सब दूरि होर यहर सविसेष के अपस्मार परवुत चलते है ॥ अथ वतारि सवात व्याधौ ॥  
पौषै सा एक भरि गंधक सुद्ध पैसा दो भरि विप्रला के चुरा तीन पैसा भरि चिता उर को चुरा चारि पैसा भरि गुग्गुलु पांच पैसा भरि पहिले पारे गंधक की कजरी करे  
पाछे विप्रला चिता उर गुग्गुलु रन को चुरा मिलावे सब कह एक दिन अंडी के तले से घौटे अधेला अधेला भरे की गोली बाधे एक गोली दो पैसा भरि अंडी के तले  
लसे पादने रके ऊपर पैसा भरि सौंदि अरु दो पैसा भरि अंडी जर को वकला दो ऊकुरि के काठो करि के पिअै अरु निर्वात स्थल मे रहे अरु अंडी के तले गरम क  
रि के पीठ मे मर्दन करे जब ऊपर हो बुकैत वगरम पिचरी वुत घी उडारि के धार ही भांति एक महीना खर करे जहां तो ईवात रेण सो सब दूरि होर एक महीना खि  
प्रसंगन करे ॥ अथ आमवात स्पचिकित्सा ॥ गंधक सौधो पैसा चारि भरि सौंठ को चुरा पैसा दो भरि निसोत को चुरा पैसा दो भरि सब कह पहिले सूखो घौटे  
पाछे दो दिन आदे केरस से घौटे दो दिन विप्रला के काठो से घौटे तव अधेला अधेला भरे की गोली करे एक गोली पाद रोज एक  
वेग दो वेग नित्य होर जो वेगन होर तो दो दो गोली बारवात दिवस की दार भात धार रोटी रूध मांसन धार डप हरे एक वेर भोजन करे खराई भारी वसुन धार  
एह भांति जो महीना तीन पथ्य करे तो आमवात दूरि होर जो महीना छे धार अरु पथ्य करे तो आमवात कवहन होर अरु नए आमवात भेय हगे धक कल्पन  
देर ॥ इति आमवात गंधक कल्पः ॥ अथ कफ व्याधि चिकित्सा ॥ चंदोदय अथ वारस सिंहर स एक तोला गंधक सौधो एक तोला तामो मारो एक तो  
ला पुह कर मूल को चुरा एक तोला हींग भूजी एक तोला सैधो नौ न एक तोला कडकी को चुरा एक तोला सब कह एक बकरि के चौर र केरस से घौटे स  
तवेर देव सली केरस से कर ईतरे या केरस से पथर सगा केरस से स्याह फूल निगुंडी केरस से सात सात बार घौटे तव सिद्ध होर उर दबरा वर गोली बाधे मधु  
से धार सब कफ रोग दूरि होर र्हि को नाम कफ के अरु मधु घान भेय जो को ऊय हरस के सेवन करे जो जवा की रोटी धार ता नौ पानी पिअै ॥ अथ पित्त रोग स्पचि  
कित्सा ॥ पित्त प्रकोप विषे अथ वा पित्त रोग विषे देरती मालिनी वसंतर स एक मासो गुरिच को सत मिला र के मधु से धार अथ वा त्रैलोक्य सीर सभार स धार पि  
त्र को रोगनी को होर ॥ अथ वातरक्त रोग चिकित्सा ॥ गूमी केरस से आक के रूध से सिद्ध जो है हरताल सो हरताल होर ती भरि धार वातरक्त जन्य शोथ वातरक्त  
जन्य वरा जे हि वरा जे अंगल गे सो दूरि होर अंगल गे से वचे वातरक्त से भयो जो है वहिरी दो रामे डल वै वर प देह की ललाई एस व दूरि होर धारि मा से चो  
बबिनी को चुरा एकर ती हरताल मिला र के मधु से चोटे वाउ के वरा वेगि दै सूधि जार जो वाउ को वरा को नह भांति नो को होर सो हरताल से नी को होर अस जे  
हि की छाती मे पेट मे घना वर वुत मो संधि भई हेर सो हरताल के धार से गाय व होर जार ॥ अथ मूत्र कृच्छ्र चिकित्सा ॥ दोरती भरि सार मधु से धारि जा  
र मूत्र कृच्छ्र दूरि होर दिन तीन मे ॥ अथ मूत्र कृच्छ्र समर्थ चिकित्सा ॥ जीरा चर के अधिकार मे जो ती से रामालिनी वसंत है जे हमे वै जो तपर तै सो तीन र  
ती धार आदे कास विजारे कोरस अधेला अधेला भरि मिला र के मूत्र कृच्छ्र अरु पथरी दूरि होर ॥ अथ मूत्राघात स्पचिकित्सा ॥ राम मारो पैसा चारि भर  
सिला जनु को सत वरि पैसा भरि गुरिच कर सत चारि पैसा भरि मिश्री चारि पैसा भरि गुजराती लाद घी को चुरा चारि पैसा भरि सब एका व मिला  
र के चारि घरी मधु से घौटे पावमां से भरि धार वुत दिन को जो है सो जा कजे कह डल कहत है सो दूरि होर और सूवा घात सब दूरि होर ॥ अथ बाल



सारसं०  
७९

का  
शिवगुटिकाएककर्मपातः अलंकार ॥ घटे अन्तरकेरसे अथवा गारे के रूध से तै भूव कृष्ण थरी सूत्राघात इन सब को इरि करे जो सयज  
यथासी हे अस्नामर्द हो रगो होर अरु प्रमेह हो रनौ छेरी के रूध से पार ॥ अथ लघु शिवगुटिका ॥ सिलाजनु को सत्व सोरह पै साभरि तेहि क  
ह इंद्र जो के काठे से विप्रल को काठो परवर की डार पात को काठो नीम को काठो मोथा को काठो सोदि को काठो हर एक काठो सिलाजनु तेइ नौ व  
नी सपे साभरि होर अथवा सिलाजनु ते निगु नौ अरता ली सपे साभरि होर तेहि हर एक काठे से सिलाजनु कूर घोटे तव शिलाजनु शुद्ध होर तेहि  
मे सोरह पै साभरि मिथी डारे वंश लोचना पीपरि को चूरा आवरे को चूरा काकरा सिंगो को चूरा भटके दया के फल को चूरा भटके दया की जर को चूरा  
तज पवज लो रवी को चूरा दो दो पै साभरि मधु छे पै साभरि दो पै साभरि मारो कांती लोह दो पै साभरि अ भु कमारो सब एक च करि के बीजे के पानी  
से दिन तीन घोटिके अथला अथला भरे की गोली करे ॥ अथ सिलाजनु सत्व निःकासन प्रकारः ॥ सिलाजनु कूर जल मे धोवै तव वद शिला  
जनु शुद्ध होर अरु निर्दोष होर तव सुषे के पूवे लिक्का थ करि के घाटे जल मे जे ह भांति धोइ के सुद्ध करत है सो लिरवत है शरद रिनु मे अथवा श्री  
ष्मिनु मे जव घामे ज होर तेहि समे चार सेर शिलाजनु ले रूटिके चारि भाग करे चारि कराही मे धी के घाम मे राखे अरु हर कराही मे दो दो सेर पानी  
अधा वट करि करि के गर मे गरम डारे जव घाम की गरमी से पानी के ऊपर साठी सो होइ तव वद साठी अनामत निकारि के और पात्र मे धरे ए ही  
भांति रवे गरम पानी डारे अरु रवे र पहिले पात्र से निकारि के दूसरे पात्र मे राखे वद सिलाजनु तव गरम पानी डारे अरु पाछिले पात्र मे जो स  
त्वरहित है ते कह निकारि डारे दूसरे पात्र के ऊपर पानी के घाम की गरमी से जो शिलाजनु की साठी होर सो फेरि निकारि ले द्यहि ले साठी मे राखे

रा०  
७९

फेरि पानी इरि करि के सिलाजनु तीसरे पात्र मे राखे फेरि दो सेर पानी गरमा गरम डारे फेरि और भी भांति घाम मे राखे फेरि पानी के ऊपर जो साठी होर  
सो निकारि ले द्यहि ले साठी मे राखे फेरि पानी इरि करे सिलाजनु चौथे पात्र मे राखे फेरि अधा वट गरम पानी डारे वडी वेर जो र घाम मे रहन दे रजव  
सत्व ऊपर आवेत वनिका सि के पहिले सत्व मे मिलार दे र पानी इरि करे अरु पानी के तेरे जो सिलाजनु को काठे से सो इरि करे घांसे अरि वेर गरम प  
नी डारे से सत्व वा की नाही रहत अथवा ए के कराही मे चार सेर शिलाजनु कूटिके डारे अरु अद सेर अधा वट पानी गरम डारि के घाम मे राखे वडी  
वेर जो र जो सत्व आवे सो निकारि ले ए ही भांति और तीन कराही मे फेरि अरु हर वेर सत्व निकारि ले रत व शिलाजनु शुद्ध होर जल मे जु दो होर  
के निकसे ॥ इति जल शुद्ध प्रकारः ॥ अरु वाजे वैद्य सिलाजनु को ल्यार के अगर मुरहार अरु हर की पाती नीम की पाती गुरिब ये सापे सा  
भुखि के ओह मधी उमिलावत है अरु कूटिके चारि जवामिलावत है सिलाजनु के आस पास अंगार धरि के रत ओषधन की धूनी देत है जेहि  
तै की शक्तिंग अरु विष ओषधी कर दोष ए सब इरि होत है तेहि उयरो तजल शुद्धि करत है तेहि उयरो त ओषधन के काठे की भावना देत है एक एक का  
ह से दश दिने घोटत है ॥ इति लघु शिवगुटिका ॥ अथ स्थूल स्य चिकित्सा ॥ भूसरी पै साकी सभरि विप्रलाघेर रूसो निसोत मुंडी दू  
हर की जर को बकला निर्गुंडी घिताउर एवी सवी सपे साभरि कूटिके पुद्ध सेर पानी मे आटा वेंजव पौने चारि सेर पानी र है तव मलिके घानिले द  
तेहि मे भेसा गुग्गुलु की सपे साभरि मिथी कूटिके डारे धीमी आव करे जव गुग्गुलु पिघिल जाइ तव पानी घानिले रत व दौवी सपे साभरि ओह म ह  
सार डारे सोरह पै साभरि मिथी डारे तां मे के वासन मे पाग करे जव पाग पतरी राव की नां रंगा होइ तव उतारि ले रजव शीतल होइ तव सोरह पै सा



सारसे ०  
७२

भरिमधुजारे असुवार पैसा भरिसिलाजुन को सत्वजारे लारवी गुजरानी तज वाइविरंग मरिच रसौत येसा एकभरि वाइविउंगो पेसा धै भरि  
मरिच रसौत पीपरि आवरे हरर वडेर एसव एकव वाइछानि चुरा किकै पैसा चारि भरिलेइ अरु पाछिली ओषदे वाइछानिलेइ अरु कौसी  
सुपेसा चारि भरि सव एकै वेर पागल मै डारे कर छुली सै घरी एक घौटे चीकने वासन मै धरि राखै अथेला भरि वाइ उपर तै पैसा चारि भरि गाइ को  
दूध पिछै अथवा जंगली जनावर जे है हरिणा धरहा लवा तीनु रवंदेरे इत्यादिक निन के मांस के रस सै धार वात असुकर इरि होर को ब प्रमेत जल  
धर कामला पांडुरोग मज्जन भगंदर मूछा मोर विष उन्माद असु जहा तोई विष है निन कह इरि करै मोटे आदमी कह डुबल करै मेद स्वीक हउत म हैर हि  
केवा ए सै कूष पेद वुत पंचक जान है बल करै सुभ करै सायन है काम देव वहां वै देह सो भा करै पुत्र करै डर गुरी इरि करै वार की सपेदी इरि करै केरा के दे  
राक कांजी करौ दाकरी ल करेला न धार ॥ इति लोहर सायन ॥ अथ उदर रोग स्पचिकित्सा ॥ तौमौ मरौ हरदी पीपरि अजै पाल गुद पैसा पैसा भ  
रि चूहर के इध सै एक दिन घौटे दोरे मासे धार दिन सात जल धर इरि होर ॥ इति जलोदरारि ॥ अथ कूषांड ह्यार ॥ पांगानेन सै धौनेन धारीनेन सेचनेन  
न जवाधार मुहाग भूंजी साजी चूहर को धार छुटिया नेन विडनेन साम्हरनेन एक एक चारि चारि पैसा भरि सव एक व करि आक के इध सै चो दह वे  
र घौटे चो दह वेर चूहर के इध सै घौटे सव की वरावर सीप भस्म करि के डारे सव एक वारि के रस सै एक दिन घौटे अरु ओही मै चारि पैसा भरि धम  
रा मिलावे असु चारि पैसा भरि आक के पान पके मिलावे औध मरा अरु आक के पान आध आध सेर मिलावे तौ वरुतौ भली है सव कुम्हडा के  
भीतर भरै कुम्हडा के मुह क हकुम्हडा के द करौ सै हायै भाटील गार के तीन क परो टीकरै सुवै के गज पुट आं ब देइ जव शीतल हो रत वमाटी इरि करि के

रा०  
७२

सारनि का सिले र पाछे समुद्र फल शंघ भस्म बडी कटार के चुरा करंज चुरा पीपरि पीपरामूर चर्व चिताउर सौदि हीग भूंजी अजवादन  
मैथी वारु विउंग अजमोद कलौजी एक एक दो दो पैसा भरिलेइ चुरा करै तौमौ मरौ पैसा भरि लोह मरौ पैसा भरि पारे गंध की कजरी पैसा भरि  
समुद्र फल लेइ के पारे गंध की कजरी तौई सव ओषधन की उज्जत ताली स पैसा भर भई रहि मै छोट्टे पैसा भरि कुम्हडा को धार मिलावे एक  
एक के धार रोज जले धर सव उदर रोग वार गोला विडधि अथेला या कूत पी ह अग्नि मांघ सव शूल प्रत्या ध्मान अजीर्ण शोथ रोग एसव द  
रि होइ विसेष के विडध पर असु जल धर पर वुत बलत है ॥ अथ शोथ रोग स्पचिकित्सा ॥ सौदि पीपरि मरिच आवरे वडेर हरर मोथा वार वि  
उंग चिताउर हर एक छदाम छदाम भरिलेइ सारमरौ सव चुरा की वरावर लेइ घुराक अठारानी की है पहिले मासे एक धार मधु सै दिन सात  
तेहि उपरांत वडावे यहन वायस चुरा पांडुरोग पांडुजन्य शोथ तह पर वुत चलत है पांडुरोग पांडुजन्य शोथ ते पर चलत है पांडुजन्य शोथ जौ लर  
काक ह होइ तौ यही चुरा मधु सै देइ परं मावा कम करि कै महीना एक धार स्त्रि इरि होइ यहन मांघ सव चुरा तै वडे को पांडुरोग इरि होइ तै पांडुजन्य शो  
थ इरि होइ तै ॥ अथ ॥ पथर सगा की जर दार हर द हरद सौदि हरर गुग्गि चिताउर भंगी देवदार सव वरावर लेइ इरि के दो पैसा भर लेइ तीन पाउपा  
नी मै ओषावे जव पानी चारि पैसा भरि लेइ तब भी डिकै छानिलेइ छदाम भरि षड घा घा इत के उपर काठे पिछै एक आध वेग होइ शोथ इरि होइ ॥ अथ सुधानि धिर  
तीन रतौ भरि सुधानि धिर सचारि मासा भरि त्रिफला को चुरा मिलावे धार उपर सै पैसा भरि गोमूत्र पिछै शोथ रोग इरि होइ ॥ अथ सुधानि धिर  
स ॥ पारौ शुद्ध गंधक शुद्ध सौनामा धौ भस्म लोह भस्म पैसा पैसा भरि एक व करि त्रिफला के काठे सै घौटे दिन तीन टिकरी बधिके गज पुट की आं ब दे

रा०



पाछे विप्रलाको काढे लोहे की कराही में डूबे ओही में सवाटे करी डारै तैरें उनकी आंच करै जवतों ई विप्रलाको काढे चारिउ सेर जांरि जांरि अरु ओषध सखि  
जाइ तव एक जी विप्रलाके काढे सैषा रक्तपित्त रोग हरि होइ अरु जेकर सो थरोग होइ तो यह ओषध लेर तीतीन अरु चारि मासे विप्रलाको बूना  
लेइ इनो कहमिलार के गाइ के सूत्र से वाद गोमूत्र पे सा दोर भरि सो थरोग हरि होइ ॥ अन्य ॥ सर्वो गशोय विषे अरु गुल्म विषे उल्की को इध परम  
ओषध है सर्वो गशोय विषे अरु जले धर विषे चाली स दिन तो ई अके ले उटनी के दूध को अहार करै तो सोय अरु जले धर इनो हरि होइ उटनी को  
दूध पाउ भरै सै साधे से भरि तो ई परं तु गरम करि कै पिअरी तलन पिअै ॥ अथ अंडु दे चिकित्सा ॥ सोधो पारो पैसा भरि गंधक सोधो दोये  
सा भरि कजरी करै पाछे लोह मांरो रंग मांरो तामो मांरो को सो मांरो हरताल सोधो हरियायूथो सोधो शंख सोधो को डी सोधी सौरि पीपरि मरिच  
आकरे हरर वहेरो बर्ब वार विडंग विधारो कचूर पीपरामूर पाठ हवुधा लारवी वच देवदार सैधो सौचर सा भरि पांग विडनोन एक एक ये  
सा भरि दिन तीन हर के काढे सैधो टै पाचर ती की गोली वाधे गोली ठे हे पाती सैषा असाधो अंड वृद्धि होइ गंड माला अर्बुद स्त्री प दूइ रि  
होइ यह केवल अंड वृद्धि पर वृद्ध चलात है भाव प्रकास के मत भैषज्य सम मरु हि के गुन अधिक लिखे है अथ बुरास चिकित्सा ॥ अथ  
रक्तारि ॥ सोधो पारो पैसा भरि सोधो गंधक दो पैसा भरि दोउ की कजरी करै इकर सवेर आदी के रस सैधो टै पाछे तीन ये सा भरै की एक तां  
मे की उदिया वनावे तेह के भीतर लेव करै अरु माटी के परा मै लगाइ के तीन कप रोली करै गज पटकी ओच दे रजव शीतल होइ तव निकासि ले  
इ रहि के खाए सै उधर क्त जन्य सब वरण हरि होइ नडी बुरास ख के बुरा हरि होइ अरु जो लोह कोट को करै ते कहणु करै यकृत रोग हीह

+ अंगारे पर तेह मै रोये सा भरि भीम के पात की टिकरी डारि के जलार के निकासि डारै तव लीला घोया दमरी भरि वाटि कै डारै छन एक गरम करै + २  
रोग विशेष एहरि होइ स्थोत्परोग का र्प रोग एहरि होइ भूषव है एक रती भरि वाद मा सो भरि सौदि मा सो भरि मिश्री मिलार के घी उ सै चाटि जाइ घी  
उपाउ एक गरम करै पाछे पाच मासे भरि हर दे के डुकरे पांच मासे दा रुहर दे के डुकरे जलार के निकासि डारै तव घी उ धानि लेर घेरि अंगारे पर चलावै तव सुर  
दा संध रार घेर कवीला जरी सुपारी पांच पांच मासे लेर पीसि कै डारै छन एक अंग वपर रहन दे उतारि कै घी टै दोउ जोर प्रोहा लगावै जो भीतर घाली होइ तो  
वनी चलावै घाउ भरि आवे हथियार के घाउ कह दिन तीन कनिक हर दी पिअज सै सै के जव चिरक परै तव यह मतलह मतलगावै ॥ रहि मतलह मतलगावै  
मृत्ती है ॥ अथ भगंदर चिकित्सा ॥ सोधो पारो पैसा भरि सोधो गंधक दो पैसा भरि कजरी करै के गारि के रस सै एक दिन घी टै एक गोला करै वह गोला  
तीन ये सा भरै को तां मे को उवावन वावै तेहि मै गोला रावै एक हो डी मै राध भरै तेहि के वी चंड वा रोषे हो गि के ते चारि पर अं च दे रजव शीतल होइ तव उवा  
निकासि लेर गोला सुडा उवा पीसै सात बेर जंभीरी के रस सै घी टै मधु घी उ सै एक रती भरि वाद तेहि के जयर छ दमरी भरि मूसरी को बुरा चि अरु थदम  
भरिल हसन की पिटी इनो मिलार के घाउ उपर सै कांजी कर सपि अपै सा चारि भरि विप्रलाके काढे सै भगंदर के बुरा कह नित्य धोवै अरु नित्य विलाई  
को दाउ पाती सै रग रि कै भगंदर के बुरा मै लगावै मोही वसुं वै वा करै शीतल न धादि दिन के न सोवै मेथुन न करै जो यत्न सै भगंदर न नी को हो रती एह  
सै जवर हस्त एकर सहे तेह को सेवन करै ॥ रहि भगंदर रोर सः ॥ अथान्य ॥ सोधो पारो पैसा चारि भरि सोधो गंधक दो पैसा आठ भरि इनो को ए  
क पहर सूधो घी टै पाछे दिन सात गंध पसारि न के रस सै घी टै थोरो थोरो रस डारि कै एक दिन मै चौदह वेर रस डारै जव सात दिन बीति जाइ तव वा  
म मै सुषार के पीसि कै पतरी शी शी मै डारै एक कप रा मै माटी रा धि कै तिह सै सि सी को छल मूद पाछे एक हाथ चोरो एक हाथ गहि रोष दरा करै ते



सारसं०  
७४

हिमैदशसेर घोरकीलीदभैतरे अरुदशसेर ऊपर डारैबीचमै शिशोराधमहीनातीनगाडीरहनदेर पाछेनिकासिलेर चारितीयहरसलेर अरु  
चारिपिचलेर इनोकरहपानमै धरि कै प्रातः कालघार एकवर्ष सेवनकरै भगैदर हरि होर उरद दहीनघार यहरससै सेवनहसूर दूर होतै अ  
षके भीतरै कोनहसूर मुखके भीतरै कोनहसूर एसव हरि होतै ॥ अथ उपदेशानो चिकित्सा ॥ चारिपैसा भरिसुमलघार मिहीपीसिके गाढे कपरा  
मै धरि कै पोछी करै पोछी करहोरा सै बाधे डोला जत्रकी भांति होडी मै लटकावे होडी की ये दी ते चारि आगुर पोछी उचीरै होडी मै कोजीक  
र पानी भरै होडी के तरै धीमी आच करै चारयहर स्वेदन करै एही भांति चारपहर दिन कागदी निंबू के रस सै चारिपहर कुम्हडा के पानी सै स्वेदन  
करै पाछे कपरा सै धो लि कै धोटे गुरि चकेर ससै अदाइ सेवर गूमी के रस सै २५ पान के रस सै वेर २५ पाछे जो चारिपैसा भरिसुमलघार होइ  
तो पैसा भरि स्याह घेर डारै इनोकर हर कर सेवर करै ला के पान के रस सै घोटै त वसर सौ ते कछू वडी बहुत एक गोली बाधियै एक गोली  
प्रातः कालघार कफ ज्वर वात ज्वर सयीया सी स्वास अती सार एवे गिदै हरि होर रुधिर विकार वातरक्त एउ हरि होर लडकूट निशिर की पी  
वि डो स्त्रे वराकाउ एसव हरि होर यहर सायन व दीधनंतरि वला रहै अरु वडे वडे राजन रहि कौ आदर करै रहै अरु दिकौ सेवन करै  
है यह अथ दधै वेलाय करै ॥ इति धनंतरि विर विनार सायन व दी ॥ बाजे वै घर हर सायन व दी कर और भांति वनावत है चारिपैसा भरिसु  
मिते रहै पैसा भरि गंधक डारत है अरु पैसा भरि सुहाग डारत है पहिले कोजी के पानी सै निंबू रस सै कुम्हडा के रस सै इन सै सात सात  
वेर घोटत है एक गोला बनार के घाम मै सुधै कै एकतह कपरा सै गोला कहल पेटै ते हिपरतीन कपरो दी करे वडे सराव से पुट मै राखि कै से पुट

गो  
७४

पा०

के ऊपर तीन कपरो दी करि कै सुधार कै एक होडी मै राखि कै ते ऊपर चसेर बाफू राखे होडी कौ मुह मूदितीन कपरो दी करि कै घाम मै सुधार कै हा  
थ भरि पहर गहिरो हाथ भरि धोरै ते हिमै कंडा कूटि कै एक बीता भरि देर ते हपर होडी राखे ते हके ऊपर एक बीता और उपरी कूरि कै भरि देर जव डो  
डी राखे तव एक अंगारा तरे धरि देर जव होडी कह मूदे कर सी सैन व एक अंगारा ऊपर धरि देर चौथे दिन होडी निकासत है जव शीतल होइ तव गोला नि  
कासिले रते हि गोला कह गुरि चकेर ससै गूमी के रस सै पान के रस सै अठार स अठार सेवर घोटै त है त व पैसा भरि स्याह घेर मिलार कै करे ला के रस सै रक  
र सवे घोटि कै सर सौ सै कछू वडी गोली बाधे एक एक गोली घार जो गरमी होइ तो शीतल उयचार करै औ समैन सौ वै अखान करै ॥ अथोपदेश  
चिकित्सांतर ॥ रिके बुगु के पा रो तोला भरि ते हकटुल सी के रस सै पहर एक घोटै त व अठार पैसा भरि पुरानो गुड मिलावे लोहे के कर ही मै धरि  
कै नीव की लकरी सै घोटै असराध अजवारन भिलमा जरी कौ डी सुहज नै के बीजा हर दी हर एक तीन तीन पैसा भरि एक चकूटि कै ऊपर धानि करि औ  
ही मै मिलार देर पहर एक नीम की लकरी सै घेरि घोटै अधेला भरि चूर्ण यह प्रातः कालघार पैसा भरि सायंकालघार दिन चोदर अरु चोदहो दिन निवार्त  
स्थल मेर है बीराघार करै दूध भातघार नौननघार किरंग बाउ हरि होइ सरीउतम होइ ॥ अन्य ॥ चारिमासे ग्वालरी गेरु चारिमासेर सक पूर चारिमासा  
मिथी तीन उकह एक ठावाटि कै पान के रस सै चोदह गोली बाधे एक गोली प्रातः काल एक सायंकालघार गोह की रोटी घी उबुपरि कै घार सात दिन तो रियह  
ओषद सै मुह थोरो आवै बाउ हरि होर ॥ अन्य ॥ मूसरी अकल कर गजराती लाइवी पुरासानी अजवारन दो दो पैसा भरि तीन उकह एक चकूटि कै  
रखान करै एक पहर घोटै पाछे मोह डी हरि करि कै दो पैसा भरि भिलमा डारै औ ही चूर्ण मै भिलमा कह कूटै छे घरो घोटै ते हिमै पैसा भरि पा रो डारि कै पै



सारसं०  
७५

रिक्के धौटे पहर भरि पाछे वारह पैसा भरि पुराने गुड डारि के वारि घरी धौटे वयाली सगोली बाधे अधेला अधेला भरे की गोली बाधे एक गोली प्रातः काल द  
ही के साथ पार दोहर दिन वाउ डरि होइ कागदी निबून पार और सब पार एह ओषध वाजिन कह्यो रो सो मुह आवत है एह नौ ओषध अनभूत है ॥ अन्य ॥  
अजवादन चूर्ण करि के पैसा चार भरि घेर के ट आठ गुगुल आठ टंक ईगुर को पारो मासे पाच नौ भिलमा अदरि पैसा भरि धीउ सब एक करि के दोहर गो  
ली बाधे एक गोली प्रातः काल एक सायंकाल पार वाउ डरि होइ वाउ से गेरे मे अथ वं सरामे गिलटी भर होइ अरु गुगुवा वात जो साथ संयुक्त होइ लोह पीवया  
नी जो वाउ के घाउ से वहत होइ वाउ से पीडा होइ ही स होइ जल न होइ तप कना होइ वाउ से जे हि की रे डी गलि गलि परत होइ रे डी के भीतर की रा पर होइ सो सब  
व डरि होइ परंतु यह ओषध से मुह बहुत आवत है दिन सात गोह की दरिया पार यह ओषध से जो मुह बहुत आवे अरु पकि जार तो चमेली के पात अरु  
कचनार की छालि और टिकरुला करे अथ वाव मूर की छालि और टिकरुला करे ए ओषध दौलत बंधक हासि पाही कह अन चिन्हार कहना ही देर वडे आ  
दमी कह असी ओषध देरे जे हि मे मुह न आवे अथ पिर सायन वटी मुह नाही आवत परंतु वह गरम बहुत है वडो आदमी ओह की गरमी नाही सम्हार सक  
त है तेहि ते वडे आदमी को वाउ यहि भीति नी को करे सो उपाय यह है चोव विनी को चूर्ण छदाम भरि अधेला भरि मधु से सानि के पार चोस दिन तोई पै  
ह वी करे फिर गवाउ डरि होइ नौ न से धौ पार सम्हारन पार अवस्य के नी को होइ ॥ अरु खरा के डरि करि के कह मले म लगो वै सो मल ह मय है ॥ ईगुर सो  
सेतीन ईगुर को पारो मासे दोर और सार गंध कतीन मासे छाछिया गंध क दो मासे सूखो विहरा जा दो मासे मुरदा संघ दो मासे सेउर दो मासे रा  
ल दो मासे घेर स्पाह दो मासे गार को धीउ पैसा चोद भरि पहिले पारे कह मूर के रस से दो घरी धौटे पाछे पानी से धोरत वपारो ओ दो उगंध कमिलार के

राम  
७५

धीउ गरम करि के वे ही धीउ मे सब डारै आठ पहर धौटे त वसि कह होइ कपरा के पोहा मे लगार के घाउ के उपर लगावे प्रातः काल अरु सायंकाल धौटे पाच दिन  
सिंहा रू के कास से धौ वें नी को होइ ॥ अन्य ॥ देरा की जर को बकला को रस पैसा दो भर मुह गो पैसा एक भरि पल्ल करे पहर एक गोली बाधे चना प्रमान दो उजो  
र पार दिन ० पथ्य दूध भात नी को होइ ॥ अन्य ॥ ईगुर मासे पाच हरिया धुं धौ मासे पाच मुह मा मासे पाच माच पूर मासे पाच मरि चमासे पाच मुह मा पूले ले रतीन  
पुरिया बाधे एक प्रात एक मध्याह्न एक संध्या के एक मापि अथ भटा गोह की रो ॥ ० ॥ पथ्य भटान मिले तौ सेम से रोरी पार फिर गजा ॥ अन्य ॥ कूट पैसा  
एक भरि मुरदा संघ पैसा भरि घेर पैसा भरि घुरा सानी जवारन पैसा भरि सब चूर्ण करि जल से गोली बाधे चना प्रमान विकाल पार पथ्य दूध भात दिन  
निर्गत अस्थि ले मे रहे ताते पानी से सपरै मुसलमान को मुरगी पथ्य ब्राह्मण को परवर से धौ नौ न मूग की पिचरी पार फिर गवाउ नी को होइ ॥ अथ सूक  
दोष स्प व्याख्या ॥ शकः सविषो जल जेने तस्य धानो लिंग वृद्धि करोय उपायः सोपि शक संतकः ॥ तादृशो पायज न्यो यो रोगः ससूकजः तथा वसूक प्र  
य धानो पायज न्यः शकज इत्यर्थः ॥ सूक प्रधान उपाय है ॥ भिलमा की गुहिली जल सूक कहै सविष जो है पानी को कीरा कमल के पात इन तीनों कह ए  
क करि के एक बसन मे डारै वासन को मुह मूदिके कहै लोह नी जरा देइ उन ओषधन के साथ से धौ नौ न डारै पाछे वडी कटार के पके फल के रस से धौटे  
पहिले मे सिंके गोवर से लिंग कह सुक करे तव एह ले पलगा वैन से वचार के यह ले पन से लिंग मो मो दौ होत है अरु ले वौ होत है जवर होत है सूक दोष  
कहै सूक जन्य विकार यह ले पन शक प्रधान है रहि मे सूक परत है तेह ते यह को नाम सूक भयो असे ले पन के लगाए से सूक दोष उत्पन्न होत है अरु जेहि  
जोग मे सविष जीवन परो होर तेहि के लगाए ते लिंग विष सूक जन्य विकार नाही होत है काहे ते निर्विष ले पउचित है सविष ले प्र अनुविब है ॥ अथ सूक



सारसं०  
७६

रहितो निर्विषो योगो यथा ॥ असाध वच कूटजलामां सो वडी भटके टोया के फल पेसापेसा भरिले रबी से पेसा भरि दूध सोरहे पेसा भरि तिल को तेल  
ओषधन को पीठा करि के दूध मै घोरि के तेल मै पचावे यह तेल स्नान मै लगाए से स्नान वहे लिंग मै लगाये तै लिंग वहे कौन मै लगावे कान वहे सविष उपा  
य से जो शक दोष के है सक विकार होत है सो अठारा भांति के है एक सर्षपिका ईसरो अहीलिका गुथित कुंभीका अलजी मृदित अवमंथ पुष्करिका  
स्प र्शहानि उत्तमा शतयोनक त्वकपाक शोशिता बुद्ध मांसपाक विद्धि तिलकालक १६ जो पिडिका पिअरी सरिसो सदृश है अरु उद्योनि से उत्प  
न्न होर अरु प्रवात से होर सो सर्षिका कहावे शक जो सविष उपाय अरु दुर्भगा जो है दुष्ट योनि जेह योनि मै सची वक्रनामा योनि रोग है यह करय  
कंहे हेतु जेहि विषै सर्षपिकाना न्नी पिडिका सकै से होत है अरु दुर्भगा से होत है एही सर्षपि पिडिका जो प्रमेह से होर तो ओह कह सक दोष न  
कहि ए जो सर्षपि पिडिका दुष्ट जो नि से होर सोई शक दोष कहावे सक विकार कहावे ॥ अथ अहीलिका ॥ जो पिडिका करी होर निहारी की नोई  
अरु विषम कहै कौनो छोटे कौनो बडे अरु भुग्न कहै देहे असे जो है सक कहै मांस कुरते हि करि के व्याघ्र होर कोर्थः लिंग मै एक पिडिका वडी होर अरु  
निहारी की नोई करी होर तेह के ऊपर अरु आसपास कौनो छोटे कौनो बडे अरु देहे मांस के अंकुर होर तेहि कौनाम अहीलिका शक दोष विसेष यत्  
अहीलिका केवल वार से होत है एह विष जो है जल जंतु तेह के तेल के लगाए तै होत है ॥ अथ गुथित ॥ जो लिंग सर्वदा शक जो है मांस कुरति न करि  
कै पूरि के है कंठ कित होर तेहि कौनाम गुथित सो कय के कोपतै होत है ॥ अथ कुंभीका ॥ जो पिडिका लिंग मै जामुनी की गुदिली के सह सब डी होर  
अरु अमुभ कहै स्याह होर सो कुंभीका कुंभीका यह नाम कहै से परो कुंभी एक वोल होत है तेह के फल के सदृश होत है यह कुंभीकार के अ

रा०  
७६

रुपित के कोपतै होत है ॥ अथ अलजी ॥ प्रमेह पिडिका जो है अलजी तेह के सदृश जो लिंग मै पिडिका होर तेह कह अलजी कहत है जे से पंडित न प्रमेह  
को पिडिका जो है अलजी तेह के लक्षणा कहै है पाछे प्रमेह के अधिकार मै वह प्रमेह को पिडिका अलजी के सो है लाल है स्याह है स्फोट करि के  
संयुक्त है अरु दास है एरु रक्त पित्त से होत है ॥ अथ मृदित ॥ मांस कुर के भएउ परांत जो शक दोष योडित होर कहै रगरिगयो होर अरु रग  
रिग एतै जो शोथ भयो होर तेहि कर नाम मृदित यह मृदित वार के कोपतै होत है अरु मांस कुर के भएउ परांत नो हाथ से जो वह शक संयु  
क्त लिंग अत्यंत संमूह होर कोर्थः अत्यंत मलिगयो होर तो संमूह पिडिका होर कोर्थः वह शोथा पिडिका भवति मृदित महयो शोथ होत है र  
हि संमूह पिडिका मह शोथ वृद्ध होत है शोथ फैलि जात है जे से मृदित वार के कोपतै होत है तै से संमूह पिडिका वार के कोपतै होत है ॥ अथ अ  
वमंथ ॥ लिंग विषै जो पिडिका कोर्थः अंकुर होर अरु वृद्ध होर अरु वीच मै ओह के दरार होर अरु पीडा करि के रोमांच कह करे सो अवमंथ क  
हावे यह अवमंथ क अरु लोह से होत है लिंग मरु जो है शक विकार तेहि के इरि करे से कफ अरु लोह कुपित होत है ॥ अथ पुष्करिका ॥ एक पि  
डिका वडी होर अरु ओह के आसपास छोटी छोटी पिडिका होर जे से कमल के फूल के बीच करि का होत है अरु ओह के ऊपर छोटे छोटे रवा होत है  
उर कौनाम पुष्करिका ॥ अथ स्पर्शहानि ॥ लिंग विषै असी पिडिका होर जो घूर्जन जार ओह कह स्पर्शहानि कहत है यह स्पर्शहानि सविष उपा  
य से जो लोह दुष्ट भयो तेहि ते होत है स्पर्शहानि कौ यही लक्षणा है कै वर धु औन जार ॥ अथ उत्तमा ॥ मूग की वरावर होर अथ वाउर द की वराव  
र होर जो पिडिका अरु लाल होर तेहि कौनाम उत्तमा यह उत्तमा रक्त पित्त के कोपतै होत है उत्तमा पिडिका नामा जो है बाधि सो सूकाजीरा से हो



सारसं०

२७

हर

क

तहै पहिले भयो जो है सूक विकार वह जो हर वेर पुजा यो जाइ तेह को नाम सूकाजी रा सो जो है निमित्त कहै कारणा ते उत्तमा उत्पन्न होत है ॥ अथ  
शत पोतन जेहि के लिंग के आस पास छोटे छोटे छेद वृत्त होइ सो सत पोतन कहौ वै यह शत पोतन व्याधि वाइ के अरु लोह के कोप ते होत है सूक की धी  
ल कह जव हर वेर अगु रो सै दवि दा विचिका सै तेहि ते वात शोशित कुपित होत है एही भांति हर वेर सूक के धील के निको सै ते रक्त पित्त कुपित होत है रक्त पि  
त के कोप ते उत्तमा होत है जो पहिले कहि आए है अरु हर वेर सूक के धील के निको सबोध जु आइ के सो रक्त जीरा कहौ वै शत पोतन बलनी कह कहत है  
जैसे बलनी में छेद वृत्त होत है ते से एह व्याधि में छेद वृत्त होत है तेहि ते इहि को नाम सत पोतन कह्यो ॥ अथ त्वक्पाक ॥ लिंग विषे जो पिडका ज्वर अरु दाह  
कह कहै तेह को नाम त्वक्पाक यह वात पित्त से होत है ॥ अथ शोशितावृद्ध ॥ जेह के लिंग विषे छोटे छोटे पिडका करि कै निषीडित होइ पिडिका लाल होइ अरु  
स्याह होइ स्याह विस्फोट करि कै लिंग पुच्छ होइ कहं वा सुख जायत है अरु कहं वस्ति रुज पावत है वासु रुज को अर्थ यह है वासु जो है विस्फोट को हिका नौ  
त हाती बपी डा होइ अरु वस्ति रुज पावत है वस्ति कहै पेड़ त हाती बपी डा होइ जो पिडका असे तेह को नाम शोशितावृद्ध जेह को मांस उधु भयो होइ  
तेह ते जो अर्बुदाकार पिडका होइ तेह मांस अर्बुद कहत है ॥ अथ मांसपाक ॥ लिंग विषे जव शक्य कि जाइ ओह मै जो चोद लगे तेहि ते मांस उधु भयो  
होत है तेहि मांस के उधु भए ते जेकर मांस गलि पारै अरु सब दोष जन्य पीडा होइ तेह को मांसपाक कहत है यह मांसपाक सब दोष ते होत है ॥ अथ वि  
द्विध तीनो दोष के कोप ते लिंग विषे विद्विध होत है सो निवात क विद्विध कर जो लक्षण है सो रह कर लक्षण है ॥ अथ तिल कालक ॥ जो शक्य जन्य बुरा  
कोर्थ सविषोपाय जन्य बुरा स्याह होइ अथ वानाना वराति होइ अरु सविष होइ सविष जो है रूका रज्य जन्य जल जन्य जंतु तेह ते बुरा भए है तेह वा से वे

रा०  
२७

बुरा सविष भये वे बुरा वेगि है जो लिंग कह्य का वै जेह पुरुष के लिंग को मांस ओह बुरा के हेतु स्याह होइ कै गलि पारै ते कह तिल कालक कहत है स्याह  
जो है तिल तेह के सदृश इहि को रंग होत है तेह ते एकर नाउ तिल कालक मांस अर्बुद मांसपाक विद्विध तिल कालक एचारि उअसाध्य है यह तिल कालक  
तीनो दोष के कोप ते होत है सुइ रोग मह जो तिल कालक कहौ है सो बह तिल को नाउ है दो भांति कर म दित होत है अरु दो भांति की सार्ध पी पिडिका होत है  
ए दो भेद ते इहे शक्य दोष अठारह भांति को है ए दो उभेद कह जो नग ने तो सोरह भांति को होत है सारंग धर मे सूक रोग चौबीस भांति के कहै है लिंगा री अ  
वपाटिका निरुद्ध मणि निरुद्ध कास परिवतिका निर्धृत ए छहौ अरु अठार पाछिले कै चौबीस सोरह पाछिले अरु एक म दित को भेद संमूल पिड  
का अरु सार्ध पिका को इ सगे भेद सार्ध पिका पाछे दो भांति को कहि आए है एक सूक से होत है इ सगे दुइ योनि से होत है लिंगा री कह लिंग वर्तिक कहत है  
लिंगा री के दत ने स्याम है अंड कोश अरु लिंग के छेद के सोध मै अरु लिंग को जो है मणि तेह के ऊपर पहिले अंजुर से थोरिक लेवौ होत है मां  
सो कुर पाछे मुरा की बोली की नांर होत है यह लिंगा री कह वा जे उपदेश को भेद कहत है जेह स्त्री के योनि को छेद छोटे होइ असे के पास जो पुरुष  
जाइ तेहि ते अथवा हस्त भिघात ते जेह के लिंग को चर्म ऊपरि चलि जाइ अरु अपुर से फटि जाइ तेह को नाउ अथवाटिका निरुद्ध मणि मरु अ  
रु निरुद्ध काश मरु दत ने भेद है जव मूत्र को छिद्र चर्म से मुदि जाइ तव मूत्र पीडा सहित निकसै जव मूत्र को छिद्र चर्म से नरुक्त व मूत्र पीडा रहित मरु  
धार निकसै इह व्याधिक कह निरुद्ध कहत है अरु कासौ कहत है जव वाइयु लिंग के भीतर कुपित होइ कै लिंग के भीतर को चर्म लेर कै लिंग के  
छोटे खोत कह मू दत है तेह को नाउ निरुद्ध अरु निरुद्ध मणि अरु जव वाइ कुपित न भर्च मरा सै खोत कहन मूदे तेह को नाउ प्रकाश यह व्याधि



सारसं०  
७८

+ सो बारिउ केत छपदिजातै सरकाएतेउपरकहना होसरकत बारकेरतेतैवहर्भर्मकोषपिरातै अरजरतै अरुपकतै अरुमणि केतैरवहर्भर्मकोष + २  
निरुद्धकाशात्मकभई अतिमर्दनतै अरुअतिपीडनतै अरुअभिघाततै वारकुपितहोइकेजवर्लिंगकेचर्मकेषोलमे प्राप्ताहोइतवहवारकरिकेसं  
युक्तभेजोहैवहर्भर्मकोषगालि सीहोइकेलरकतहैतेहकहपरिवर्तिकाकहतै यद्यपियहपरिवर्तिकावातजन्यहै तथापिहहमै पित्तकोसंवेधेहै का  
हेतै एहमहदाहहोतहै अरुपाकहैतहै जोइहमैकफकोसंवेधेहोतहै पुनार अरुकरोहोइ निर्वृतकहविरताकहतै जेहकोमुहमूदोहोइतेहकहवि  
रुतकहतहै अरुसंवृतकहतहै अरुजेहकोमुहपुलोहोइतेहकहविरुतकहतहै अरुनिर्वृतकहतहै एकेऊमरकीनाईजोपिउकाहोइ अरुवहपिउका  
महजरनहोइ अरुमुहउहकोविरुतकहैपुलोहोइ अरुबारिउकेतसै शोथसंयुक्तहोइतेहकोनाउविरुता यद्यपित्त बैसेहोतहै ॥ अथशकदोष  
स्पचिकित्सा ॥ कौसीस हरद दारुहरद मोया हरताल मरसिल कवीला गंधक वारविडंग गुग्गुलु मेनमरिच कूट हरियायूथौ पीरोसरसबा रसो  
त सेउर रार रक्तघेदन स्पष्टधेर नीमकेपान करंजकीबीजी कारीगु रीसर बचमजीठ जाठे जटामांसी सिरसकेबीजा लोध पदमाष हरर पवा  
रकेबीजा अधेला अधेलाभरिलेइ जुदेजुदेमिहीपीसै सवासेरवीउमैयह चूरन डोरेंतोंमैकेवासनमैयहसवराधैएकदिननीमकीलकरीसैघोटे  
फेरिसातदिनघामैमरहनदेइ आठ एदिनसैलगावै सबसकदोष दाडवांजु विषाई अपरस विसर्प विस्रोह वातरक्तजन्य शिरकेफोरा उपदंश नाडीबुरा और  
बुरा सृजन भगंदर मकरीकेबुरा एसव हरिहोइ यहघृतबुराकहशुद्धकरतहै अरुयहघृतसैघाउभरिआवतहै यहघृतजोसपेददमापरलगावैतोरंगवदलि  
जाइ ॥ रतिशकदोषाहोकाशीसाधैघृत ॥ अरुसकदोषविषैविषहरीक्रियाकरैसोविषहरीक्रियाएकगोशघृतहै हरद दारुहरद सरिकन मुरहारी  
गुपीसर सुपेतघेदन रक्तघेदन मधुजाठे कमलकेजीरे पदमाष कमलउरई मेदा आवरे हरर वहेरे वटकीछाल ऊमरि कीछाल पीपरकीछाल पारसपी

रा०  
७८

परकीछाल पाकरिकीछाल अधेला अधेलाभरि जो पारसपीपरनमिलैतों सिरसकीछाल डोरै सबवारिकैएकदिनपानीमैभिजेराधै विहानैपीसिकैदेसेरपा  
नीमैघोरिकैतीनपाउधीउमैडारिकैमंद आंचमै पचावै घीउछानिलेइलगावै शकदोष विसर्प मकरी कौविस्फोट विषकोकीराकेबुरा विषकेबुरा औरस  
वविष हरिहोइ ॥ रतिगोशघृत ॥ शकदोषविषैदशांगलेपउतमहै ॥ शिरसकीछाल जाठे तगर रक्तघेदन लारची जटामांसी हरद दारुहरद कूट  
वारो सबवरावरलेइपानीसैसिलपरपीसै जोपिहीयसायांचभरिहोइतोंएकपैसाभरिलेनू डारिकैलेपकरै शकदोष विसर्प विष विस्फोट शकदोषकोसोय  
उष्टबुराएसवहरिहोइ ॥ अथगलन्मांसयोगीसपाकतिलकालको अिकित्सा ॥ छदाम भरिचोवचिनीको चूरा मधुसैचारिजाइ प्रातःकालसाठदि  
नघाइ नोनघराई उरद रीनघाइ मांसगलिवेतैवेदहोइ अरुसकदोषकेबुरानोकेहोइ अथवादोपैसाभरिचोवचिनीकूटिकैसोरहटकभरेपानीमैऔला  
वैजवचारिपैसाभरिपानीमैरहेतवमीडकेछानिलेइयहकोलै प्रातःकालपिअैसाठदिनतोर अरुनिर्वृतस्थलमैरहे अरुकोहकीधोरिहैतेहको सांजकेउक  
दोकरिकैपिअै मांसगलिवेतैवेदहोइ पारो गंधक रार गुग्गुलु सूखैविहरोजा दशदशमासेलेइ रसामसगीमासे अठार पतिलपारे गंधककीकजरीक  
रेतबसव आषाढैचूर्णकरिमिलावैफेरिसवधीउमैडारिकैयहर एकघोटे पाछैयूक सैपहर एकघोटे तवसिद्धहोइ यहमलहमपैसाभरिलेइ तेहमैदमरी  
भरिपु मलीमडोरै रोज जोरप्रोहलगावैमांसनगलै जोलिंगभीतरकीराघरेहोइ तौधनीचलावै अरुमाटीसैलिंगकोछेदमूदेकीरामरिजाइ ॥ अ  
थलिंगार्शः प्रभूतीनांशकदोषारांभिकित्सा ॥ कौसीस किरकिचलाई कूट सौंद पीपर सैधौ नौन मरसिल कनैरकीजर वारविडंग चिताउर रसो  
वडीदोनकीजर करईतुरैयकेबीजा चोष हरताल अधेला अधेलाभरि कूटिकैपानीमैभिजेराधैवरिवांठिकैपिटीकरै तीनपाउतिलकेतेलेमैडोरै अरु



सारस.  
७६

चारिपैसाभरिधूरकोदूध डोरै अरु चारिपैसाभरि आकको दूध डोरै अरु तीनसेरगोमूत्र डोरै चारघरीनित्य आचंदेरै कैतीनदिनमै सिक्करै यर  
तेललिंगारीमैलगावैजवतारैलिंगारीदूरिहोइ ॥ इति लिंगांश सिकासीसाधनैले ॥ अन्य ॥ हरदीको चूरीपैसाभरितेहकहसातवारधूरकेदूध  
सैधोहैतेहिको एकगोलीबनावै वहगोलीपानीसेरगोरैतेहिमै एकडोरापकौभिजेकैलिंगांशमैबोधै अर्शकरिपेरै ॥ अन्य ॥ सेइउकेदूधसेहर  
दीपीसैतिहिकोलेपअर्शपरकरैअर्शगिरिपेरै ॥ अन्य ॥ हरदीकरईतुरैथा दोउको चूराकरिकैसरसोकेतेलमैमधिकैअर्शपरलगावैअर्श  
गिरिपेरै ॥ अन्य ॥ अजाजरोकीजरकोकाढोकरैतिहिसै हरतालघोडैएकदिन लिंगांशपरलगावैलिंगांशदूरिहोइ ॥ अथअवपाटिकायाष्टि  
कित्सा ॥ अवपाटिकामैतेललगावैअरुसैककरैतेलकेलगाएसैअरुसैकैसैजोचमराउपरचढिगयोहै सोनीचैउतरिआवैअरुचमराकोघाउनीको  
होइ ॥ अन्य ॥ निरुमहअरुप्रकासमहजैमूत्रवेदहोइइंदोकेचमराकेरोकैसै अथवामूत्रवेदहोइसस्मधारआवैतैएकलोहैकोनलवनवैपतरो  
होइ ॥ अन्य ॥ निरुमहअरुप्रकासमहजैमूत्रवेदहोइइंदोकेचमराकेरोकैसै औरवाहिरकेछेदकीराहसूसकीचरवीअथवामुगरकीचरवीपिघुला  
दोउतरप्रछेदहोइउपरवहनलेकेघीउचुपेरैलिंगकेछेदमेंपेठावैथोरोसो औरवाहिरकेछेदकीराहसूसकीचरवीअथवामुगरकीचरवीपिघुला  
इकेचुवाइदेइ चरवीकेपेरैसैइंदोकेचमराकेभीतरवाइइहोइ जेहिनेवायुपेरिकैओहीचमरासैमूत्रमार्गकहनरोकैअरुचमराजैमूत्रमार्गक  
हरोकैचुवाइ सोइहोइजारतवमूत्रभलीभांतिनिकसै ॥ अन्य ॥ लिंगकोचमराजोचारिउकैतछपरिहोहैमरिाकहमूदिलरैहैउपरचढ़ाएसैनाहीचह  
ततेहकहपहिलेघीउसैमले मलिकैतीनदिनतारैअथवापाचदिनतारैउपनाहस्वेदनकरैवातहरजैहैसाल्वरादिगारातेहैसै कोजोसैअथवातकसै  
अथवाऔरघरसैसाल्वरादिगाराकहपैसै असौनडोरैघीउडोरैदूधडोरैमांसरसडोरैतबकपरमैवाधिकैथोरोगरमकरैसैसै साल्वरागारा त्व  
७७

यहहै कुरथी उरदगोह अरुसौतिल सरसो सौफ देवदारु नेगउ जीरे अंडकीजर अंडी वारसुरही मूरा सुहिजनौ कासनी पीपरि स्नाहपानकीबोवई  
नैन घलाई पसारिन असाध स्यामस सहदेई टिपारी गगेरुवा दोउकटार दोउबलारे गुरघुर बेल्कीजर ररनी सौनाकीजर पाउरकीजर घुमेरकी  
जर गुरिच करैछकेबीजा जेजुरैतेलेइवरावरसव एकवकैहिकैपानिपैपीसैगरमकरैलतामैबाधैतवैसैककरै पहिलेचमराघीउसैमलिलेवसैककरैय  
हयोगकोनाउसाल्वरा अरुएककोनाउउपनाहस्वेद अिसैसैकैतवतेललगावैचमरासै घीउलगाइकैउपहानस्वेदकरिकैफेरिघीउगसकरिकैलिंगकेभी  
तरडोरै हरवेहरवेसलाकासैबलावैचौमिदमरिाकहदविकै यहभांतिघीउडोरिकैतीनअथवापाचदिनसलाकापेरैपाछेचर्मविषैप्रविष्टजैहैमरिा  
तेकरफेरिसैकैपूर्वोक्तउपनाहइयसै तवरंटीमहवसिकर्मकरैतवचमराउससिआवैअरुसैवैकैविकनोदेइ वसिकैयकभांतिकीहै अनुवासनहै  
निरुहहै उतरवसिहै रहाउतरवसिउचितहै औरवसिगुदाकीराहसैकरितहैस्त्रीकेयोनिकीराहवसिकरतहै यहउतरवसिलिंगकेछेदकीराह  
हकरितहै वारहआगरकोनलवनवैपतरो अिसौपतरोबनावैजोलिंगमैपैटिसैकैअरुनलकोछेदअिसौघोडोहोइजेहमैहोकेसरसौनिकसै  
जोपुरुषपचीसवर्षकेइहकैतहोइतेकहपैसाभरिओषदनलमैडारिकैवसिकर्मकरै जोपुरुषपचीसवर्षतैऊपरहोइतोदोपैसाभरिमावोहै नल  
जवबलवैन चपहिलनलकहघीउसैचुपरीलेइवसिकर्मकीविधिगुंथांतरहै वातघुओषदकोनहै खेहादिकमायादिनेलआदिदेकै ॥ अथान्यउपा  
य ॥ बकरीकोघोपरीजरावैपहिलेचमराकेचौदिगितिलकोतेलडोरैपाछेघोपरीपिसिकैचौदिडोरैअरुसरारचमराकेचौदिफेरैयहभांतिमहीनाए  
ककरैपाछेपैसाभरिगरअरुअधेलाभरिगेरुचारिपैसाभरिघीउमिलारकैएकसेरपानीमैऔलावैजवआधसेररहैतवहाथसैमलेवहपानीदूरिकरै



सितलपानीसे सातवेरधोवै यहमलहमचमरापरलगावै जेहते चमरा लरम होरतवफेरि चमराके बो गिदिनेल डोरै अरु फेरि जरी घोपरी डोरै अरु फेरि सरारि फे  
रै चमराउससिआवै यहउपाय सथियनकरै है ॥ अथ विवृतायाश्चिकित्सा ॥ जेह भंति पित्रवि सफिरचिकित्सा करिते है तेही भंति विवृता करचिकित्सा  
करै जवतोर विवृता कर शोधकबो है जवविवृता कर शोध थपकि जारतवमधुर औषध सेवना योजो है एतते तू को मलहम लगावै जेह ते घाउ भरिआ  
वै शिरसकी छाल जावै तगर चेदन लारधी जटा मांसी हरद दासहरद कूट वारो समलेखानी से वारि पिठो करै पाच एअस घी उमिलाइ कै लेप करै  
यह दशांश लेप पित्रवि सपरबुद्धत चलते है अस्वार के विसर्पक हृदिकरत है कफ के विसर्पक हृदिकरत है यह दशांश लेप कचे शोध परलगावै पाछे  
शोध के पकार वे निमित्त अरु फूटि जे वे निमित्त और लेप करै सो लेप यह है रेनुचिनी पैसा एक भरि तेही की वरावर पर हर जीरे मुददा संघ रसोत  
गोरू पैसा दोर दोर भरि निरबसी मासे चारि लीला थो थो मासे एक सब क ह पीसि कै दो मासे प्रमान बरी बाधै एक बरी पानी से रगि कै लगावै प्रातः का  
लेडु पर सांज के पाछे लौ लेप धोर डोरै तव डू सरो लेप करै यह तव तो रिलगावै जवतोर शोध थपकि जार अरु फूटि जार अरु जवतोर घट कर चकती कति  
जार ते ह पाछे जोज मै कै घाउ वडो है भरि नाही आवत तव जाल्या दिष्ट लगवै जेवती है ते घाउ भरिआवै चमे ली के पात नीम के पात परवर के पात  
हरद दासहरद कूट की मजीठ जावै कांज गुरी सर उरई पैसा पैसा भरि लेखुदिकै पानी मै भिजै कै पो से सर भरि घी उतपै कै ते ह मे डोरै परिल सेर  
भरि घी उतपै कै लीला थो थो पैसा भरि डोरै धरी चारि आच देर कै घी उ घानिले रत व पिठो सर एक पानी मै घोरि कै डारि देर आच देर कै परिपक्व  
रे घी उ घानिले र पैसा भरि मै न डारि कै फेरि धरी आच आ च देर कै राखि छोडै यह घी उलतना मै घुपरि कै दो ऊ जोर लगावै घाउ भरिआवै जौय

हसे गुनत होर नौ लालमलहम लगावै लालमलहम के लगावै सेवे गिदै चमरा हो आवै जरत हरि होर ठो पेरै अरु वे गिदै घाउ भरिआवै पानी पी  
व वंद होर सूनन हरि होर पाउ भरि घी उ गरम करै अंगारे पर लीला थो थो दमरी भरि पीसि कै डोरै जव लीला थो थो जारि जारत व घी उ घानिले रते हि  
मै एक पैसा भरि मै न डोरै जव मै न पछिले तव पाच मा सरंगर डोरै पीसि कै अंगारे से उतारि कै न लीला थो थो होर मै लगावै कै डू नौ जोर लगावै घाउ भ  
रिआवै ॥ २॥ विवृतायाश्चिकित्सा ॥ अथ कुष्ठ रोग लक्षण ॥ कुष्ठ अंगारह भंति कै है तेहि मै सात महा कुष्ठ है अरु पारत सुड कुष्ठ है ॥ अथ महा कुष्ठ ॥  
कपाल कुष्ठ औडं वर कुष्ठ मंडल कुष्ठ सिध का कशा पुंरीक अरु सज्जिक ७ सिध दो भंति कै है एक त्वक मांसा धित है ते क ह सुड कुष्ठ मै शुभ्र तनै रानो है  
अरु जो सिध सप्रधातुगत होर ते क ह चरक नै महा कुष्ठ मै गनौ है ॥ अथ छुड कुष्ठान्याह ॥ रते नै सुड कुष्ठ है परिल सुड कुष्ठ एक कुष्ठ है जे तिक ह चकाव  
र कलत है गज चर्म २ चर्म दल ३ विचर्चिका ४ अरु विपादिका दोऊ मिलि कै ४ बरी विचर्चिका जव पांउ मै है सो विपादिका कहौ जौ सब देह मै फैले सो विच  
चिका कहौ बाजे वै ध कलत है कै विचर्चिका और रोग है अरु विपादिका और रोग है हथेरी मै होर सो उ विपादिका अरु रत वन मै सो उ विपादिका अरु विच होर  
चिका वत कहौ जौ हथेरी मै न होर अरु रत वन मै होर और सकल देह मै होर उन वै धन के हि साब सुड कुष्ठ वारत यामा ५ कच्छ ६ ६ ३ ० २ ३ दो  
भंति करै एक अंग ठ मूल है ते क ह सुभ्र तनै महा कुष्ठ मै गनौ है अरु जो दू अंग ठ मूल नाही ते क ह चरक नै सुड कुष्ठ मै कहौ है ॥ विसोर २  
किंभ ६ अलसक १० शतारु ११ सब कुष्ठ विदोष जन्य है बाजे वाजे कुष्ठ यह भंति कै है बातो ल्वरा पित्रो ल्वरा कफो ल्वरा वात पित्रो ल्वरा पित्त कफो  
ल्वरा सर्व दोषो ल्वरा ॥ अथ स्नाना मपि महा कुष्ठानां लक्षणान्याह ॥ कपाल कुष्ठ वार से औडं वर कुष्ठ पित्र से मंडल कुष्ठ कफ से विचर्चिका







सा. सं०  
८२

निलक्षणानि ॥ सप्रधानगतजो है कुष्ठतिन कल सराजु देजु देहै ॥ अथर संगत स्पृकुष्ट स्पल क्षरामाह ॥ रसधानगत जो कुष्ठ होर तो अंग  
विवैरु सता होर चमरा सन्य जानै जार देह की त्वचा असी जानी जार जैसी वहिरी मै होत है रोमो च होर परीना बहुत चले ॥ अथ रुधिरग  
त स्पृकुष्ट स्पल क्षरामाह ॥ रक्तधानगत जो कुष्ठ होर तो धनुरी होर बहुत पीव निकसै ॥ अथ मांसगत स्पृकुष्ट स्पल क्षरामाह ॥ उनही अठार  
ता हो कुष्ठ मांसगत होर सो पुष्ट होर मुख शोष होर कर्करा होर छोटी छोटी पिउका होर तो दहो रवि स्फोट होर स्थिरता होर पिडक मै ॥ अथ मेदोगत  
स्पृकुष्ट स्पल क्षरामाह ॥ जो कुष्ठ मेदगत होर तो हाथ गिरि परै चलिन सके हड्डी टन होर घाउ फैलत जार अरु रसगत रक्तगत मांसगत जो कुष्ठ  
जो पहिले कहै है तिनहं केल क्षरामि ले ॥ अथ अस्थिमज्जगत स्पृकुष्ट स्पल क्षरामाह ॥ अस्थिमज्जगत जो है कुष्ठ ते है मैना कगि रिपरत है आंष  
लाल होर घाउ मै कीरा परै स्वर को नास होर पीडा होर ॥ अथ सुकृगत स्पृकुष्ट स्पल क्षरामाह ॥ उष्ट है आर्तव अरु सुकृजिन को असे जै है स्त्री पुरुष  
आर्तव स्त्री को अरु शुक्ल पुरुष को ए दो उक्ता है ते विगरे स्त्री अरु पुरुष के कुष्ठ वाद रूपनै असे आर्तव अरु शुक्ल सै जो लरिका भयो होर सो उको  
ही होर लरिका को को ही हवो स्त्री पुरुष के कोर को लक्षणा है यह भांति दो उको कुष्ठ के निदान है विरोधी अन्न पाना दिक वाता दिक के को  
प के सोर निदान शिवो कर है जै से वे अठार हो कुष्ठ वाता दिक के को पतै होत है सै से शिवो वाता दिको पतै होत है वाता दिक हो कर जो दूष्य अरु  
र हो भर है वे र दूष्य शिवो भर है रसरक्त मांस लसीका ए चारि उदूष्य दूना जागाम है सो दोष अरु दूष्य रन दूना सै होत है अरु किलास शिव  
उकर भेद है शिव केवल त्वगा शित है कोर्यः रसा शित है तव उर कह शिव कहित है जव वही शिव रसरक्त मांस शित होर तव किलासक  
+ सुकृगत है तो लरिका को ही भयो ॥ रति सप्रधानगत नो अष्टादश विधान कुष्ठानी लक्षणानि ॥ अथ कुष्ठ मेद स्पृकुष्ट स्पल क्षरामाह ॥ जो अष्टादश कुष्ठ + ४

१०  
८२  
४

होवे किलास लाल होत है अरु शिव बहुत नाही है और कुष्ठ बहुत है तेहि ते और कुष्ठ ते शिव भिन्न भयो शिव केवल रसगत है ते ते रसमर  
आवनाही स्वावरक्त दिक धान के दुष्ट भए होत है रस दुष्ट ते आवनाही होत अरु शिव तीनो दोष सै ना होत केवल वा र सै होत है केवल  
पित्त सै होत है केवल कफ सै होत है अरु वे अठार हो कुष्ठ तीनो दोष के समूह सै होत है तो ते शिव पृथक् विधात द्वयः रक्त मांस मेद ए है स अथ  
क है स्थान जेह के असे जो शिव अरु वे अठार हो भांति के जे है कुष्ठतिन को स अथ सवधान है तो ते शिव उन अठार हो ते भिन्न है तीनो ते ए  
क हेतु रिकी परि आवी नाही दूसरो हेतु यदृथक् दोष सै उत्पन्न होत है तीसरो हेतु यह सवधानगत नाही ॥ अथ शिव स्पृकुष्ट स्पल क्षरामाह जो वा र रक्त  
गत होर तो वह शिव रस होर अरु योर किलास होर जो पित्त मांसगत होर तो वह शिव वृद्ध लाल होर क मल के पत्र की नाई जो कफ मेदोगत होर तो वह  
शिव सपेद होर मो मोदल होर अरु भागी होर दाद कह करै रोम कह हरिकरै पुजार दोषकार शिव किलास वर्णन कहै रंग करि के असे है अरु स है  
ताम्र है ॥ अथ शिव स्पृकुष्ट स्पल क्षरामाह ॥ जो शिव अष्टादश होर वैरोम उर के सुपेतन होर अरु अवल होर लचा उर की पतरी होर अरु आपस  
भिलिग ए होर अरु आगि जे र सै न भए होर सो साध्य और भांति के असाध्य जेह के रोम सुपेतन होर जेह के चमरा मो यो होर जो भिलिग यो होर पुरा  
नो होर आगि के जे र सै न भयो होर सो असाध्य अरु जो किलास शिव लिंग मै अथ बा भग मै होर लथेरी मै होर तरवा मै होर जदि पवहन यो हो  
र तो असाध्य राजे रोग संसर्ग ते उत्पन्न होत है वे रोग ए है कोउ ज्वर शोष क्षयी रोग आंष को उठवौ अरु औपसर्गिक रोग जे है शीतला दिक  
ते एक नुष्य ते दूसरे नुष्य कह प्राप्त होत है काहे ते बहुत संगत सै अरु रोगी की देह के छुये सै अरु रोगी की स्वासा के लगे सै रोगी के साथ जे यें ते



सारा सं०  
८३

८१  
अरुणी की धातु में सो एते अरुणी के विधौ नो भेद है अरुणी को वस्त्र अरु माला पहिरै अरुणी से मै धुनकरै ते रते नै ते ते रोगी को रोग  
और को लगत है अरु को ही जे मरै अरु के रिउत्पन्न हो रते फेरि को ही हो रते है को लकी बराबर और रोग निंदत नही है ॥ अथ कुष्ठ रोग  
गस्प विकित्सात वा दो कुष्ठ भेद स्पष्टि व स्पष्टि कित्सा ॥ अज मोद को चूरा भा से ४ सीतल पानी से पिअ महीना छे अथ जो है सपेद सो हरि  
हो ॥ अथ कुष्ठे अथ किला सार लेपः ॥ अथ हरः किला सहर अ साप की को चुरी पे सा दो भरि जरा वै जंगली कवुतर को विष्टाये  
सा दो भरि जे रूपा उ भरि सुमल धार छे टट लीला यो या छे टट लोटा का साजी अध पाउ संग भर वर पायर को चूना विन वज्र यो सेर एक  
सव एक व पी सै मीठे कुवा के पानी से पी स दिन घौटे फेरि और औषधन को चोवा डारि कै ते जाव सै आठ पहर घौटे ते जाव की क्रिया  
कलमी सो रा सेर एक नौ साहर अध सेर फट करी अध सेर जवा धार अध सेर सव एक व पी सिके शोख दाव की भांति ते जाव निकासे संघ  
दाव जो अजीर्ण के अधिकार मै लिखौ है अथवा और भांति निकसे एक हां डी मै सोरा नौ साहर फट करी जवा धार चारि उ पी सिके डोर दूसरी  
हां डी छोटी ले रते लको मुह व डी हां डी मै पैठा वै भाटी से दर जव द करे घाम मै सुख वै पहिले छोटी हो डी के पेस मै दो छे द करे दो आगुर के त  
फाउत छे द मोटी सूज की बराबर करे दो छे द करे त एक डोरानिकासे दो उतर फके जोरा वाहिर है अरु डोरा सूज बराबर मोटी होइ अरु  
लेवौ अ सो होइ जो पिआला मै लगौ है दो उ सोर हां डी चूले पर वै डोरा वै छे द नीचे कोर है ते हां डी के तरे आंच करे अरु छोटी हां डी पर  
पानी डारत है एक लता पे दी पर धरि दे रते हि पर पानी चुवा वतर है दो उ सूत की राह ते जाव निकसिके पिआला मै परे चौ द ह पे सा भ

रा०  
८३

रि सो सव ते जाव बल्ल मै डारि कै आठ पहर घौटे फेरि पानी से न घौटे परंतु पहिले औषधन को चोवा डारि कै तव ते जाव सै घौटे चोवा की औषध है  
पारो अध सेर सो सो सेर एक गंध कतीन पाउ पहिल सी सो पिघलावै ते हम ह पारो डारि दे रज व पारो मिलि जारत व धरती मै फैला दे र जवाव  
रावर ह का करे उ हि मै गंध क पी सिके मिला दे र दो दो पैसा भरि छोटी छोटी शि सी मै डारे सि सी के मुह म ह स ले मानी मुद्रा करे स ले मानी मुद्रा य है  
सि सी की ना रिषा ली रा वै विना क पारो ले आगुर अरु सि सी मै औषध भरै जितनी सि सी विन क पारो ही है सो वाहिर रावे और सब धरती मै गा डे सि सी के  
आस पास चार आगुर हरि धर के आगुर धरै विजना के धौ के जव सि सी को मुह पिघले तव स मै रि के मुह व द करे रि दे र सांस न रहे अंगरा हरि करे सी  
तल करि कै क पारो ले करि दे र उ सव सि सी मै तव धान की भु सी सेर पाच कं डा सेर पाच रुटि के दो उ मिला र के एक ना द मै भरै ते हि मै सव सि सी गा डे मु  
ह वाहिर है अरु एक एक अंगरा हर एक सि सी के न जी क भु सी मै रा वै ती सेर दिन सि सी निकासि ले र सि सी को मुह टोरि कै ऊपर जो अतर ल गौ हो र आ  
धरती माफिक सो ले र के एक पिपनी मै रा वै सव अतर वै रि पिठी मै डारि कै ते जाव सै घौटे पहर आठ अरु जो और ते जाव वना द के पहर सोर ह घौटे तो  
की सविस्वासे पे द दाग जार लगावै सो र ते जाव के परे गुन नही करत जव सि द हो र तव छोटी सि सी मै धरि रावे ऊपर से पानी डारे पानी चार आगुर  
पिठो से ऊ चो र है जो सपे द दाग पर लगावौ चा है तो पानी सि सी से उ ले डिके और वासन मै रा वै पे सा डे भरि पिठो निकासि कै एक पर ई मुह धरे  
जो पानी उ डे डि धरौ है सो वही सि सी मै फेरि डारि दे र पानी करे है औषध को ते जना ही ज्ञात पर ई मै जो राखी है पिठो ते क ह हाथ से निका  
सि कै सपे द दाग पर न लगावै एक सी क मै थोरी रुई ले पे टै ते हि सी क से थोरि क व ह पिठो ले र सपे द दाग पर लगावै लेप अध जो उ चार है



सारसं०  
८४

ध१  
वहलेप आंधरी लागी रहे जव सूखिवे पर आवैत वगीलेल जासे कोछि डारे इहि भांति पची सवार लगावे सपेदाग इरिहोर सोरहवे  
रकेलगाए सेतिलकी भांति स्या हवाल सपेदाग पर परिजे है असुराग सिमिटिजे है ज्यो ज्यो आगे आषद लगत जाइयो त्याषा । लस्यो  
ह अधिक होइ के वरावर होइ जाइ यह आषधवार सातनि वीज होइ जात है तव और ते जाव डारिके आठ पहर घोंटे फेरि ओही तरा  
शि सिमैरा विछोडे इहि आषद मै करामात ते जाव की है और की नाही है जो ते जाव वहुत डारिके घोंटे तौ सुभिल पार एके कंडा  
रे छेरे कन डारे किया मै एके कलि घत है ॥ अन्यलेप सारेग धरात ॥ मकोइया पवार कूस पीपरि एकवारि बुकरा के मूत्र से पी  
सिगोली करि राखे बुकरा के मूत्र से घोरिले पकरे शिव इरिहोर ॥ अन्य ॥ हरताल मासे ४ बुकी मासे १६ गो मूत्र से पीसिले पकरे शिव  
इरिहोर ॥ अथ सुकुष्ठानां महाकुष्ठानां च विक्रिया ॥ महामंजिष्ठादिक के काठे से जौ उदिया दित्यर सवारतौ सुकुष्ठ जे है एक कुष्ठ  
गजवर्म चर्मदल विचर्चिका पामा कच्छू दू विस्फोट किटिभ अलसक शतारु इन सबन कह हरिके असुकुष्ठ कुठार नामा जौ है रसगल  
कुष्ठ को हरिके तौ सो महाकुष्ठ जे है कपाल औ डुंवर मेडल सिध्म काकरा पुंउरीक असजिह इन विषै हित है ॥ अथ उदयादित्योर सः  
शुद्ध पारो पैसा भरि सुगंध कदो पैसा भरि दोउ मिलार के कजरी करे एक दिन चारि कर सै घोंटे एक गोला करे तीन पैसा भरे को एकता मै को र्वि  
वनावे गोला कह होडी मै राखे ते कहता मै की कटोरी सै ठोपे कटोरी के आसपास राख भरे असुकुठोरी के उपर गोवर देइ होडी कह चूले पर राखि  
कै दो पहर तेज आवे देर गोवर पर थोरो थोरो पानी हर घरी डारत जाइ दो पहर उपर तेजव स्वांग शीतल होइ तव कटोरी कह पीसै पाछे घोंटे

रा०  
८४

२१  
एक एक दिन कठुमरि के काठे से चिता डर के काठे से विफला के काठे से किरवा के काठे से वारविडंग के काठे से बुकी के काठे से तव सिद्ध  
होइ दुइती पार उपर ते मंजिष्ठादिक ठोपि अग्यार हो भांति के सुकुष्ठ इरिहोर असुशिव असुकिला सुकुष्ठ एज इरिहोर ॥ अथ सुकुष्ठारो  
सः ॥ पारद भस्म गंधक सोधो सारसारो एसोरह सोरह टंक तौ मोम रौ चो सटि टंक ६४ गुगुल विफला वकाइन के बीजा चिता डर सिला  
जतु को सत्व करंज की बिजी एक एक सोरह सोरह टंक करे जकी बीजी चो सटि टंक यहिल सब आषदेवांति चूरा करे पाछे पारद भस्म गंधक सा  
रतां मोमिलावे तेहि उपर ते गुगुल कह घी उसे कुटि कैल पसी सौ करे सब चूरामिलार देइ फेरि सिला जतु को सत्वमिला देइ तव मधु असुधी उसे सा  
निके बीक नै वासन मै धरि राखे अधेला अधेला भरि पार छिरहटा की जर अधेला भरिले रपानी सै पीसि के उपर सै पिअे अथवा मुहवा से पार  
अथवा धना से पार अथवा मिश्री से पार भोजन अके लौ भात पार मिठाई सै अथवा पानी सै सवरक्त विकार कह हरिके असुठार हो कोठ  
कह हरिके अथ किलास गल कुष्ठ ए इरिहोर महाकुष्ठ जव मेद स्थान मै जात है तव गल कुष्ठ होत है गल कुष्ठ सै हाथ पाउ गिरि परत है ॥  
अथ एक कुष्ठ स्पउपायंतर माह ॥ मरिचा दितैल एक जोर लगावे इसरी जोर सिंदूर दितैल लगावे तौ एक कुष्ठ जे है चकावर सो इरिहोर ॥  
अन्य ॥ अधेला भरि चोव विनी को चूरामधु से पार प्रातः काल तीन महीन मार असुवे दोउ ते ललगावे तौ नमही नाताइ नौ न पार न धाई चका  
वर इरिहोर तहां मरिचा दितैल ते लन मै लिखो रसिंदूर दिनाही लिखो हे सो सिंदूर दितैल यह है सिंदूर पे सारक भरि जोर पैसा दो भरि सरसो के  
ते लट का आठ भरे मै पचावे सिद्ध होइ तव लगावे ॥ अथ राजवर्मा री विचर्चिकायां अलस के चउपायंतर माह ॥ अके लौ महामंजिष्ठा



दिवायदोमहीनापियेनौगजधर्मविचर्चिकाअलसकएतीनौइरिहोइ विचर्चिकावडीशीतलाकीभांतिहोतेहै अलसकसीतपित्तकीभांति  
होतेहै अरुमरिचादिनेलरनतीनउमहलगावै ॥ अथयामाविस्फोटशतासुप्रभृतीनाउपयांतर ॥ लघुमेजिष्ठादिकावैविधिपूर्वकपिअतो  
वेदिपामाविस्फोटसतारुइतकहअवश्यइरिहोइ ॥ अथदहुरोगस्यपामाहीनांचउपायांतरमाह ॥ पारो गंधकलीलायोद्या येसोपेसाभरिलो  
हेकीकराहीमैउरिहोहोकेदस्तासैएकदिनघोंटिसोपायाचैवमहपैसाभरिघोउउरिहोतीनदीनघोंटैयहघोउदाडुवाजु पामाजोहवडीवाजु  
विस्फोटकिटिभकेंचूचर्मदलएइरिहोइअथकपालकुष्ठस्यउपायांतर ॥ याउभरिलालगुगचीकीदारगतिपैपानीमैभिजेरावैप्रातःकाल  
सिलमैमिहीपीसैसेभरितिलकेतेलमैउरैअरुधमराकौरससेरएकैवेहीमैउरैदिनदोइमैपकाइलेइ यहतेलकपालकुष्ठपरहसवैहसवै  
मलेतेतमलेतेसजनपेदाहोइ कपालकुष्ठइरिहोइ अरुयहितेलसेदारुमारोगजो शिरमैहोतेहैसोइरिहोइ औदुंवर मंडल सिध का  
करा अरुजिहू पुंडरीक इनविधैमरिचादिनेलउत्तमहै रसधानुगतजवकुष्ठहोइतववहिरीउत्पन्नहोइ अरुवाताधिकजोवातरक्तहोइ  
तोवहिरीउत्पन्नहोइ अरुवातरक्तप्राग्पौमहवहिरीउहोतेहै अरुक्फाधिकजोहवातरक्ततेहमैवहिरीहोतेहै वहिरीकहसुप्रिकहतेहै  
अरुत्वकस्वपकहतेहैत्वकस्वपकहैस्पशित्वतेहकीचिकित्सा स्वर्णक्षीरीरसः वारहसेरगाइकौमढालेइ तेहिमेइयपेसाभरिघोघ  
कीगाहैउरिदेइतवतोइआचदेइजवतोइमहाआधपाउरहिजाइफेरिमहासैनिकासिकैवारहसेरगाइकेइधमैपचावैजवधपचिजाइतवइधसैनि  
कासिकैपानीसैधोवैघाममैसुघाइकैचारिपैसाभरिमरिचउरिहोउकहवाटिकपरधानकरैतवदोपेसाभरियारोइगुरकौउरिहोदोदिनघोंटैतव

एकटंककमतेदेइवहिरीकुष्ठकरइरिहोइजैसैसिंहपशुकहअरुपरशुस्मजोहैवोइअरुवनविलारइतकहमारे असेयहरसवहिरीकौइरिहोइ  
॥ रतिस्वर्णक्षीरीरसः ॥ अधिरगतजोहैकुष्ठतेमहकेडूपीवहोतेहै मोसगतजोहैकुष्ठतेहिमै विस्फोटककशाघोदीघोदीगिलटीहोतेहै  
इतदूनेकुष्ठपरलघुमेजिष्ठादिचलतेहै रसगत रक्तगत मोसगत एतीनउकुष्ठसाध्यहै मेदोगतकुष्ठसाध्यहै मेदोगतमै हाथकोनासहोतेहै उहमाल  
कुष्ठकौजोहैकुष्ठकुठपरससोदेइ अस्मिमजगतजोहैकुष्ठतहानाकगिरतेहै गरीवैदजातेहै अरुब्रामहकीरापरतहै यहअसाध्यहै यहके  
वलहरतालेसैनीकौहोइअथवानीकौनहोइ अरुसुक्तगतजोहैकुष्ठसोअअसाध्यहैइरिहोइचिकित्सानाहीहै ॥ रतिकुष्ठश्चित्रयोश्चिकित्सा ॥  
अथशीतपित्तस्यचिकित्सा ॥ शीतपित्तमहवाजेकहओकीहोतेहै ज्वरदाहहोतेहै तहाशीतलउपचारनकरै शीतलउपचारशैसंनियातहोतेहै स्वा  
सहोतेहै ओकीज्वरइरिहोइवेनिमित्त दाहकेइरिहोइवेनिमित्त चारिपीपरिकौचूर्णमधुसैवाटिजाइ अथवापीपरिकेचूर्णसैएकरती चंदोदय  
मिलारकेसुधुसैघोंटै ॥ अन्य ॥ सरसो हरद पमारकेबीजा तिल वरावरलेइपानीसैपीसिकैरससोकेतेलमैमिलाइगरसकरिकैउपटनोकरै  
यहउवटनेसैदेहकेउपरकोसजनधजुरीइरिहोइ ॥ अन्य ॥ पैसाभरिआदेकौरस अधेलाभरिपुरानौगुडमिलारकेपिअदेहकोशायधज  
रीइरिहोइरूखलजै एहीशीतपित्तकहपितीकहतेहै यहमहवाइकरआधिकबुद्धतेहोतेहै तेहीनैशीतलउपचारनकरै ॥ अन्य ॥ अजवारनमि  
हीपीसिकैमर्दनकरैतेहिनेसजनधजुरीइरिहोइ ॥ अथशीतपित्तस्य ॥ अजवारनगुड पारदभस्मरतीदोइएकअमिलारकेघाउशीतपित्तइरि  
होइ अरुसरसोकोतेललगावै ॥ रतिशीतपित्तस्यचिकित्सा ॥ अथउदरस्यचिकित्सा शिशिरवज्रमहजोदेहमंडलहोइमंडलवीचमैनिम



सारसं०  
८६

कि०

होइलाल होइ पुजाइवहुते कह उर्द कहत है यह कसके आधिका से होत है घदाम भरि अज मोद घदाम भरि गुड मिलार कै धार सात  
दिन उर्द इरि होर ॥ अथ कोठो कोठ यो चित्सा ॥ कोठ अरु उकोठ एव नो पित्त कफ लोह से होत है वमन भली भांति न होर तो पित्त  
कफ लोह कुपित होत है तेहि से सो घम उलाकार होत है पुजात है लाल होत है ते कह कोठ कहत है यही कोठ जो हरवर होर तो वह रक्त को  
ठ कहत है कोठ उकोठ महार देर अरु रक्त कडा वै पाछे कुष्ठोक्त चिकित्सा करे सो कुष्ठोक्त चिकित्सा महामंजिष्ठा दिकाथ है कोठ उ  
कोठ अलस के इन तीन उकर एकै चिकित्सा है विना सेवन महामंजिष्ठा दिकाथ एना हो जात है जो महामंजिष्ठा दिकाथ सेवन न करे तो  
एतीन उवातर रक्त कहै पद करे एतीन उमिंद्रा दितेल के मर्दन से इरि होत है अरु वातरक्त के अधिकार में जो हरताल लिखो है तेह के से  
वन से इरि होत है महामंजिष्ठा दिकाथ अरु सिंद्रा दितेल अरु भारी हरताल एतीन सुखोक्त चिकित्सा है ॥ रति शीत पित्तोर्द कोठो को  
ठाल सका भां चिकित्सा ॥ अथ विसर्प स्य चिकित्सा ॥ पारद भस्म दशमा से कांती लोह भारी मासे १० गज बेल भारी मासे १० सोधो गंध  
कमा से १० सौना माषी भारी मासे १० सब कह वंदा लके रस से दिन तीन घोंटे वंदा लदेव दाली कह कहत है पाछे एक गोला करे घाम में सुधा वै  
फेरि वंदा लकी जर सेर आध ले रते कह रू दिके गोला के ऊपर लेप करे तेह म ह आधी कर सीत करे आधी ऊपर तेह के ऊपर तीन कप रोटी करे  
एक चपिया मेरावे तेह को मुह मूदे तेह पर फेरि कप रोटी करे सुधै के आध गज बंदरा गहिरौ अरु आध गज बोरौ तेह म ह आधी कर सीत रे आधी  
ऊपर बीच मै हडिया धरिके ऊपर ते एक अंगरा रावे तीसरे दिन दो लै घे मासे सोधो विष डारि कै दिन एक घोंटे एक रती धार मधु पीपरि से

राम  
८६

दशदिन मै विसर्प इरि होर ॥ रति विसर्प काला निरुद्धोर सः ॥ अथ विस्फोट रसः ॥ उपदंश की चिकित्सा मै रसायन बटी लिखी है सो विस्फो  
ट वातरक्त कह इरि करत है ॥ अथ विसर्प लेपः ॥ विसर्प विस्फोट मै दशंग लेप उत्तम है अरु सत धौत घृत को लेप उत्तम है ॥ अथ वात विसर्  
लेपः ॥ वाइ सुरही कमलगटा देवदारु चंदन जांटे वरियाही सब एक वंदि घी उड्ड से लेप करे वात विसर्प जार ॥ अथ पित्त विसर्प लेपः ॥  
कमल कौनाल चंदन लोध उरई कमलगटा कारीगरी सर आवरे तरर एक वयानी से वादिलेप करे पित्त विसर्प जार ॥ अथ श्लेष्म विसर्प ॥ विष्  
ला पदमाष उरई मजीठ कनेर हवकी जर जवा सौ एक वंदि लेप करे श्लेष्म विसर्प जार ॥ अथ भृन्निवा दिकाथ विसर्प ॥ चिरा रतौ रूसो कडुकी  
परवर के पान विप्रला चंदन नीम की छाल समलेर अष्टावसेष काय करि देर विसर्प दाह ज्वर मोह कंडू विस्फोट हृष्मा घर्दि इरि होर अथ वातरक्त  
लेपः ॥ जरा मा सी रा र लोध जांटे रेनुका भूर्वा कमलगटा पदमाष शिरस के फूल सब वंदि सत धौत घी उड्ड से लेप करे पित्त वातरक्त इरि होर ॥ अ  
थ कंडू चिकित्सा ॥ परवर के बीजा वज्र की के बीजा सरसौ तिल कूट हरद दारु हरद मौथा समलेर एक वत कं मै वादिलेप करे वाजु दाडु विचर्चिका  
जार ॥ अथ कंडू चिकित्सा ॥ अन्य लेपः ॥ बोध वा रविडंग ईंगुर गंधक पवार के बीजा कूट से डर समलेर एक वंदि कै धतूर के रस से नीम के पा  
त के रस से नाग बेल पान के रस से एक एक रस से घोंटे तलेप करे पाया दडू विचर्चिका कंडू र कसा एसव वेमि दे इरि होर ॥ अन्य ॥ इव हरद से  
धौनौन पवार के बीजा वोवर सब एक वमरा मै वादिलेप करे कंडू इरि होर ॥ अन्य ॥ इव हरद दारु हरद पानी मै वादिलेप करे कंडू पाया जार  
कूट कूट इरि होर ॥ अन्य ॥ सरसौ हरद कूट पवार के बीजा तिल एक वंदि सरसौ के तेल से लेप करे दाडु पाजु इरि होर ॥ अथान्य ॥ हरद



सारसं  
८०

सिध्माजार

वकुषीकेबीजा निवृपत्र अवरदेकएकगोमूत्रसैपीअंकुंजजार ॥ अथपामा ॥ मरिच मटसिल सैदर भैसकेघीउसैलेपकरैपामकंडुजार ॥ अन्य  
॥ दोउहरदजलसैलेपकरैकंडुजारपामाजार ॥ अथसिध्मसुहवा ॥ दारुहरद मूराकेबीजा हरताल देवदारु नामवेलकेपान सबअधेलाअ  
धेलाभरिले शंखकौ बुरा घदाम भरिसवएकवानीसैपीसिलेपकरै ॥ अन्यसुहवा ॥ केराकीराष हरद जलसैलेपकरैसुहवाजार ॥ अ  
न्यसुहवाकेबीजा अवरवेल दहीसैवाहिलेपकरैसुहवाजार ॥ अन्य ॥ चंदन हरताल कपूर सुहाग मूराकेबीजा निवृससैलेपकरैसुहवा  
जार ॥ अन्य ॥ गंधक चंदन निवृससैलेपकरैसुहवाजार ॥ अन्यसिध्म ॥ आवरे गरजबाधार एकवकोजीसैलेपकरैसुहवाजार ॥ अथ  
बुरासोधनरोपणलेपः ॥ तिल सैधोनौन जादे नीमकेपात हरद दारुहरद निसोत सबएकववांदिघीउसैयुक्तलेपकरैबुराको सोधनकरै  
अन्यबुरासोधनरोपण ॥ नीमकेपात घीउ मधु दारुहरद जादे तिल सबएकवलेपकरैबुरासोधनरोपणहोर ॥ अथबुराकिमिधु ॥ करंज  
नीम निर्गुंडी एकवलेपकरैबुराकेकीराहरिहोर ॥ अन्य ॥ लहसनलेपकरैबुराकेकीराहरिहोर अथवाहीगु नीमकेरसमैलेपकरै  
बुराकेकीराहरिहोर ॥ अथबुरासोधनलेपः ॥ निवृपत्रतिलवडीदतौनकीजरनिसोत सैधोनौन मधुएकवलेपकरैदुष्टबुरासोधनरोप  
नहोर ॥ अथविडधि ॥ वातविडधिलेपः ॥ सुहजनैकीजर निर्गुंडी अंडकीजर जवा गौह मूरा सबएकवानीसैपीसिथोर गरमकरिलेप  
करैवातविडधिजार ॥ अन्यपित्तविडधौ ॥ घीउ लाजा जादे घाउ धुइध एकवलेपकरैपित्तविडधिजार ॥ अन्यश्लेष्मविडधौ ॥ ईट वारु  
लोहेकोकीट गोमूत्रमैवांदितातौकरिलेपकरैश्लेष्मविडधिजार ॥ अन्यरक्तविडधौ ॥ रक्तचंदन मेजीर हरद जादे गेरुइधमैवादि

११  
८०

लेपकरैरक्तविडधिजार ॥ अथगलगंडेचिकित्सा ॥ सुहजनैकेबीजा दलमूल पानीमैवांदितातौकरिलेपकरैवातगलगंडजार ॥ अन्यक  
पूगलगंडे ॥ देवदारु रदोरनकीजर पानीमैवांदिलेपकरैकपूगलगंडजार ॥ अथअर्बुदे ॥ सरसौ सुहजनैकेबीजा सनकेबीजा अरसी  
जवा मूराकेबीजा सबमटामैवांदिलेपकरैगंडमाला अर्बुदगलगंडसर्वजार ॥ अथअपय ॥ सरसौ नीमकेपान भिलमावाहिके छेरी  
केमूत्रमैलेपकरैअपयजार ॥ अथअधुस्यदिषु ॥ वाहुमैअंगमैजहावाततैपीडाहोरतहाधुरासैपछनादे रकैगुगचीवांदिलेपकरैवाहकी  
पीडाविस्वाचीगधुसीसुत्पवातजार ॥ अथश्लेष्मदे ॥ धतूरो अंडकीजर निर्गुंडी यथरसगा सुहजनौ सरसौ सबएकवलेपकरैश्लेष्म  
दजार ॥ अथकुरंडे ॥ अंडसुजैसोकुरंडकहौवे जीरे हपुषा कूटे अंड वेरकीजर कांजीसैपीसिलेपकरैकुरंडजार ॥ अन्य ॥ सिंगियाविष  
सोदि समलेर पानीसैवांदिलेपकरैअरुकेडासैसैकेअंडकीसुजनजार ॥ अथनाभिसूले ॥ मैनहर कटकी कांजीसैपीसितातौकरिलेपक  
रैनाभिसूले ॥ अथपिरंगेलेपः ॥ कनैरकीजर पानीसैपीसिकैलेपकरैपिरंगकेषतासुजनजार ॥ अन्य ॥ त्रिफलाकराहीमैवाहिके  
केडकीकरैमधुसैलेपकरैपिरंगकेषतानीकेहोर ॥ अन्यउपदेश ॥ रसोत शिरसकीछाल हरर एकववांदिमधुसैपिरंगकेबुरामैलगावे  
नीकोहोर ॥ अन्य ॥ रमिलीछालिवारिके बुराकरिकेउपदेशकेषतामैलगावैनीकोहोर ॥ अथअग्निदग्ध ॥ वंशलोचना पाकरिकीछालि  
चंदन गेरु गुरिच एकववांदिघीउसैलेपकरैअग्निदग्धनीकोहोर ॥ अन्य ॥ बौरकीजरकोकाहोघीउसैलेपकरैअग्निदग्धनीकोहोर  
॥ अन्य ॥ जवावारकैतलमैलेपकरैअग्निदग्धबुराहरिहोर ॥ अथभल्लातकसोथे ॥ छेरीकेहूधमैतिलवाहिकेनैसंयुक्तलेपकरैभिल



माकेषतानीके होइ ॥ अथ हरे लेपः ॥ वहेरे की विजी पानी में वाटिले पकरै दाह जाइ ॥ अथ शोथ रोग चिकित्सा वात सोथ लेपः ॥ विजौरे की जर  
हर सार की जर देवदार सौंठि वाटसुरही गनियार एक वपानी में वाटिले पकरै वात सोथ जाइ ॥ अन्य पित्त शोथ ॥ जो वै चंदन सूबो मौथा  
पदमाथ उरई वारो कमल एक वले पकरै पित्त शोथ जाइ ॥ अन्य कफ शोथ ॥ पीपरी सुहजने की घाल हर गोमूत्र में पीसितो कौरे लेप करै कफ  
शोथ जाइ ॥ अन्य आगंतु ॥ जर लेशोथ ॥ हरद हार हरद चंदन रक्त चंदन हरर सूबो पथरसा की जर उरई पदमाथ लोध गेरु रसोत  
सुव एक वपानी में वाटिले पकरै रक्त शोथ आगंतु शोथ हरि होइ ॥ अथ स्वेत कुष्ठ ॥ गुंजा निंबू कड़की वच चिताउर कांजी सै लेप करै से  
त कुष्ठ जाइ ॥ अन्य स्वेत कुष्ठ ॥ मरसिल चिताउर कुची अफाफे की राख कांजी सै लेप करै सेत कुष्ठ जाइ ॥ अथ शिरः करण सिमुख रोग गुंथ  
पकाना चिकित्सा ॥ शिरो रोग वार सै होइ पित्त सै होइ अथ वा कफ सै होइ अथ वा कफ वार सै होइ अपस्मार जन्य जो है शिर की पीडा सो  
कफ वार सै होत है तिहि को लक्षण कहै जिह्वा स्नेह क्षण एक करै जीभ तुरा जाइ क्षण एक जीभ अति जाइ फेरि जीभ सै छूटै कै कफ अरु  
वार सिर में जाइ रहत है तब जीभ अछो होइ जात है ५ जो शिर की पीडा बहुत अधिकार होइ तौ कफ अरु वार सिर सै उतरि कै पहिले दोऊ हाथ में  
आवत है तब हाथ पाउ में ऊन ऊनी होत है अरु हाथ पाउ निःक्रिय हो जात है यह रोग के हं भांति ना ही जात जब हाथ पाउ में शिर सै कफ वाइ उत  
रत है तब धिन एक सिर की पीडा हरि होत है जब हाथ पाउ सै फेरि शिर में चढ़ि जात है तब फेरि शिर में तीव्र पीडा होत है रदि भांति की शिर की पी  
डा न सै कसे हरि होइ न शिरो रोग की चिकित्सा सै हरि होइ रोग के लेप सै हरि होत है अरु विषगर्भ तेल के मर्दन सै हरि होत है वि

षगर्भ यहि भांति वनावै छे ये सा भरि सिंगिया विषलेद आठ पैसा भरि सरसौ के तेल में डरि कै जरौ तेल छानि कै गरम करि कै मर्दन करै य  
हो तेल के मर्दन सै अपतंत्र क अपतान क धनुर्वति बुराया मए उरि होत है रदि भांति की शिर की पीडा में पिप्पलादि काय वृत्त गुन दहै अ  
रु अधेला भरिल हसन की पिठितिल को तेल डरि कै घाट नौनी क होइ परंतु जे सै पिप्पलादि काय अरु रोग को लेप एह नौ गुन करत है तै सौ  
और औषद गुन नाली करत ॥ पिप्पलादि काय की औषद एहै ॥ पीपरी पिपरामूल बर्ब चिताउर सौंठि वच अतीस जीरे पादि कुरे की  
छाल रेनुका विरारतौ मुरहारी सरसौ मरिच कारफूर पुतकर्मूल भारंगी वार विउंग काकरा अंगी आक की जर वडी कवार की जर  
वार सुरही जवा सौ अजवाइन अजमोद सौना रोग एक एक पैसा भरिलेद एक वं कूटि कै दो पैसा भरिलेइ सोर हटका भरि पानी में  
औठावै जब बारि पैसा भरि पानी रहत व छानिले रते हिमै दोरतौ भूंजी रोग डरि कै पि अदिन सात रदि भांति की अपस्मार जन्य शिर की पीडा रही के  
घाट सै रूधुते फूप सै सरवत के पिए सै कली दे के पाए सै वा सौ अन्ध पाए सै वृद्ध शीतल पानी के अन्ध पाए सै होत है अस्वाजे कहरन वसुन के सा  
ए सै को धि सै ले रकै अगुशित रमहा पीडा होत है अरु अगुरी की नसे हाथ की नसे पूलि जात है तेह क हथ हं का हो देइ अरु विषगर्भ तेल को  
मर्दन करै अरु रोग घोरि कै वांठ में लगावै अरु अपस्मार जन्य शिर की पीडा कहर अरु हाथ की पीडा कहर दो पैसा भरि सौंठि छे म भरि हो  
ग छदाम भरि अफीम सब क हथतुरे के रस सै पीसि कै गरम करि कै लेप करै अरु जो शिर की पीडा अपस्मार सैन होइ केवल वा  
र सै होइ अथ वा केवल कफ सै होइ तेह पर एह उपाय करै अथ पित्त जन्य शिरो रोग चिकित्सा ॥ जो पित्त सै ती शिर की पीडा हो



३ कनयवीकीपीडा गद्दनकीपीडा आंघकीपीडा शिरकीपीडासेदांतकीपीडाहोइ पित्तजन्यआधाशीशीहोइ नेहसहघडंगकाय  
देइ घडंगकायकीओषदेहै हररवैसाधीगुठिली दूरिकरि कैवकलीलेइ दोपैसाभरि वहेरैपैसादोभरि आवरैपैसादोभरि चिराइ  
नौपैसादोभरि तरहीपैसादोभरि नीमकीछालिपैसादोभरि गुणिवैसादोभरि सबकह कूटिकैसातभागकरै एकभागतीनपाउपानीमैओ  
६ जवचारिपैसाभरिपानीवाकीरहैतबमलिकैद्यानिलेइपैसाभरिगुरघोरिकैपिअएहीभोतिसातदिनपिअ अरुउपरसैआधसेरदूध  
कचौहोपैसाभरिघिनीडारिकैपिअ अरुकेसरिवारिकैनासलेइ सूर्यावर्तअरुसंघजन्यजोहैशिरकीपीडा सोइहोइ यहशिरकीपीडासैआ  
खलालहोतहै अरुधुंधहोतहै अरुदांतपिरातहै ससवइरिहोइ ॥अथशिरोरोगलेयः सारंगधरात॥ कूटअंडकीजर कांजीसैपीसि  
कैसिरलेपकरै शिरकीपीडावातहैहोइ सोइहोइ ॥अन्य॥ मचकुंदकेफूललेपकरै वातजन्यशिरपीडाजार ॥अन्य॥ देवदारुतगर के  
८ जयमोसी सौंठि कांजीसैपीसिकैघोउसंयुक्तलेपकरै वातजन्यशिरकीपीडाजार ॥अन्य॥ रक्तपित्तशिरसुजि ॥ चंदन उरई जाई वरियारी नव  
कमलगाराधुमैपीसिकैशिरमैलेपकरैरक्तपित्तजन्यशिरकीपीडाजार ॥अन्य॥ आवरे कसेरवा वारो कमल यदमाय चंदन इव उरई कोसकी  
जर पानीमैवाडिलेपकरैशिरमैपित्तजन्यशिरकीपीडाअथवारक्तपित्तजन्यइरिहोइ ॥अन्य॥ रेणुका तगर छरीला मौया लादबी अ  
गर देवदारु जयमोसी वारसुरही अंडजर पानीमैवाडिउल्लकरिशिरलेपकरै कफजन्यशिरकीपीडाइरिहोइ ॥अन्य॥ सौंठि कूट पवा  
रकेबीजा देवदारु रोहिस गोमूत्रमैपीसिकैतातैकरिशिरलेपकरै कफजन्यशिरपीडाजार ॥अथमायासूरआंधीलेय॥ कारीगुरिसर

रा०  
२६

चि

कूट जाई वच कमलगदा कांजीमैपीसिशिरलेपकरैसूर्यावर्तआधाशीशीजार ॥अन्य॥ चिल्ला कमलगदा इव तिल पीपरि पथरसगा  
पानीमैपीसिलेपकरैसर्वशिरकीपीडाजार ॥अन्य॥ कूट पीपरि सरसो वच आवरे कांजीसैलेपकरैशिरकीपीडाजार ॥अन्य॥ पीपरि मरि  
व हरर कांजीसैपीसिशिरलेपकरैशिरकीपीडाजार ॥इतिशिरोरोगचिकित्सा अथकारोरोगकिन्सा कर्णस्वावकर्णश्लकणवाधिर्य करणो  
६ कर्णकीट रत्यादिककारोरोगहै ॥ चारिपैसाभरिघोघाकांमोसलेइपीसिकैसोरहपैसाभरिसरसौकेतेलमैडारिमेदअग्निमैपरिपककरैछानिकै  
धरिषाधै चारिबूंदकानमैडारवौकरैकानकैवहिवैवदहोइ ॥अन्य॥ समुद्रप्रेत कूट सैधौनोत होंग वारतुवरू घोघाकांमोस सौंठि छोलैवेल वच ल  
हसन अधेलाअधेलाभरिघोघाकांमोसचारिपैसाभरिसवकवूटियानीमैभिजैकैसिलमैपीसै वीसपैसाभरिसरसौकेतेलमैचुरैतेलछानि  
कैमासोभरिकानमैडारै वाधिर्य करणश्ल कृमि कानसेदुर्गंधपानीवहतहोइएसवइरिहोइ ॥इतिदिंडीशदितैले॥अन्य॥ जेहिकैकानमैवहत  
श्लकैलेइ पूटसोदे लहसन पैसापैसाभरिपानीसैपीसिकैएकटिरीकरै आरपैसाभरिसरसौकेतेलमैदिकरीजरावैतेलछानिकैकांनमैडारै  
केरणश्लइरिहोइ ॥अथान्य॥ जेहिकैकर्णादहोइअरुकानमैपीडावुडतहोइतेहकौ पीपरिहीज वचलहसन पैसापैसाभरिपानीसैपीसिकै  
वारहपैसाभरिसरसौकेतेलमैचुरैलेइमासोभरियहगरमकरिकैकानमैडारै कर्णाद कर्णश्ल एइरिहोइ एइनौतेलशिरःपीडाजन्यजोहैकर्ण  
श्लक अरुसंनिपातजन्यजोहैकर्णादअरुकर्णश्लतेइकहदूरिकैअरुशिरःपीडाजन्यजोहैगद्दनकीपीडाअरुकनयवीपीडा सोमर्दनकरै  
तैतेइकहदूरिकै ॥अथग्रीवापीडायागुपायांतरमोह॥ मुरगीकेअंडाकेभीतरकौरसले रपिअरौअरुसुपेततेहनहअधेलाभरिघोउडारै दमरीभरि



सारसं०  
८६

सैधौ नौन बांदि कै डोर गरम करि कै गर्दन में मलै गर्दन की पीड़ा अरु श्रीवास्तव डोरि होइ ॥ अन्य ॥ आक के पात में अथवा अंड के पात  
में थोरिके तेल चुपरे अथवा धी उचुपरे गरम करि कै गर्दन पर राखे अरु बाक की पोदरी सैक करे श्रीवास्तव अरु श्रीवापीडा डोरि होइ  
॥ अन्य ॥ दशमूल को काढ़े साधारि भरि लेते हि सैयें चमूल की ओषध पैसा दो भरि पीसै एकलना में पोदरी बांधै तेहि सै गर्दन सै कै श्रीवास्तव  
अथवा पीडा डोरि होइ अथवा लवंगादि चूरी को नासले र एकलौग जवा की गुरी २ तीन सरसौ चारिदाने धना एक जवा के प्रमान धना  
हीग दो पीपरि दामरिच सब एकत्र मिही पोसै दो पीपरि की बराबर सैधौ नौन ले र बांदि कै घूरन में मिलाइ देइ एक घरी घौटे दोरती नास  
लेइ शिर की पीडा करी शल बाधिय गर्दन की पीडा अपतें वकल नुसंभ अर्ध विभेद का तिमिर काच रतौ धी पटल अर्ध दे एसव डोरि होइ  
पैसा पैसा भरि लहसना दिछै महीना धारतौ बाधिय डोरि होइ अरु विषम तेल कान में डारै तौ बाधिय डोरि होइ अरु जोगराज गुणुल अर्धेला  
अर्धेला भरि धारतौ बाधिय डोरि होइ ॥ अथ करी शले ॥ आक के पात पके धी उचुपरि कै आग में तपे कै रस कान में डारै करी शल जाइ ॥ अन्य ॥  
करी शले पाके च ॥ वकरा को मूत्र सैधौ नौन उल करि कान में डारै करी शल करी याक डोरि होइ ॥ अन्य करी शले ॥ आदौ जावै मधु सैधौ  
नौन अवरें चंदन मुसाग निबूर स तेल उल करि कै कान में डारै करी पीडा जाइ ॥ अन्य करी शले ॥ कैथ कौरस विजौरै कौरस आदे कौरस उ  
ल करि कान में डारै करी शल जाइ ॥ अन्य करी शले ॥ आक के अंकुर नी बूर सै पीसै नौन संयुक्त पेरि घूर के गोड में भरि आक के पात सै लये  
तेमोटी छाधिके पुट पाक करे तेहि कौरस थोरिक गरम कान में डारै करी पीडा डोरि होइ ॥ अन्य करी शले ॥ सैना या डर वेल सुमेरि गनि आ

रा०  
८६

र सब की जर ले र बांदि कै अंड के न सुवामे भरि उपर कपरा लपेटै तिहि कपरा पर तेल चुवावै अरु हिया की नाई वोर जेत लपेटै सो ऊन ऊ  
नो कान में डारै करी पीडा डोरि होइ ॥ अन्य करी शले ॥ सौना की जर बांदि तेल में पचावै मंद आंच में तेल छानि कान में डारै करी शल जाइ ॥  
अथ करी नादे ॥ जावै काकोली धना उरद सुगर के तेल में पचावै तेल छानि कान में डारै करी नाद डोरि होइ ॥ अन्य ॥ साजी मूरा सौ  
हीग पीपरि सौ पा पैसा पैसा भरि चोगने तेल में पचावै छानि कै तेल कान में डारै करी नाद शल बाधिय करी आव डोरि होइ ॥ अन्य करी ना  
धिये ॥ अर्जुन के कोषार पानी में घोरि राखे सो पानी छनै तव तेही पानी में अरु अजागरे कोषार बांदि तेल में पचावै तेल छानि  
कान में डारै करी बाधिय करी नाद जाइ ॥ अन्य करी नाडी ॥ घोघा को मांस सरसौ के तेल में पचावै कान में डारै करी नाडी सरस  
वेह होइ ॥ अन्य करी आवे ॥ साजी विजौरै कौरस एकत्र करि कान में डारै कान को वहि वौ जाइ दाद जाइ ॥ अन्य करी आवे ॥ तैड के बीजा  
हर लो धातु की व आवे बांदि चूरी करे कैथ कौरस मधु संयुक्त कान में डारै कान को वहि वौ जाइ ॥ अन्य ॥ आम के पात जामुन के  
पत्र महुवा के पत वट के पात एकत्र बांदि तेल में पचावै तेल छानि ले र कान में डारै कान को वहि वौ जाइ ॥ अन्य ॥ समुद्र के न बांदि चूरी कान में ड  
दि सरसौ के तेल में पचावै तेल छानि कान में डारै करी शल करी नाद बाधिय सब डोरि होइ ॥ अन्य ॥ समुद्र के न बांदि चूरी कान में ड  
रे कान में पीववहन होइ सो वेह होइ ॥ अन्य करी कीटे ॥ डर डरे को स्वरस कान में डारै कान को कीरा जाइ निर्गुडी कौरस कान में  
डारै कीरा जाइ किरकिच हाऊ की जर कौरस कान में डारै कान के कीरा जाइ सौठ मरिच पीपरि को चूरी कान में डारै कान में डारै



॥ अन्यवाधिये ॥ लहसन अँवरे हरतालसमलेर पानीमेवारिके चो गुनेने लेमेपचो वजयचिजारनवेलेने चो नौ दूधपचोवेतेलछानि  
लेरकोनमेडारेवाधियेहरिहो ॥ अन्यवगईकोउपाय ॥ गुगचीकीबीजी लहन हींग किरकिचहाऊकीजर एसववाटिकरिकरिहोतेल  
मेजरवेतेलछानिकोनमेडारेवगईमरिजा ॥ अन्यकराकीटि ॥ गोमूत्रमेहरतालघोरिकोनमेडारे करीकीटिहरिहो ॥ अन्यवासरसो  
कनेनेमेहरतालडारेकराकीटजार ॥ अन्यकराकीटि ॥ सुहजनैकीजरकोस्वरसकानमेडारेकराकीटजार ॥ सोहि मरिच यीपरि  
कोचुरी करेच्छीजरकेरसमेघोरिकोनमेडारेकराकीटजार ॥ अन्य ॥ चोचोभदिराकानमेडारेवगईऔरकीराजोकानमेगयो  
होरसवहरिहो ॥ अन्यकराकीटि ॥ आदेकौरस सूरनकौरसकानमेडारेपीडाजाइवहिवोजा ॥ अन्य ॥ लहसनकौरसकानमेडा  
रेपीडाजा ॥ अन्य ॥ धुहरकेपातधीउधुपरिकेआगमेनातेकरिसकाहिकेकानमेडारेपीडाजा ॥ अन्य ॥ कौडीभस्मकरिकेति  
चूरसमेघोरिकोनमेडारेपीडाजा ॥ इतिकरारोगचिकित्सा ॥ अथकराभिलउपचार ॥ कूट कलौजो काइछर कुरथी समलेरपा  
नीमेवाटिकुनकुनोलेपकरेकराभिलनीकोहो ॥ अन्य ॥ हींगमासे १ अफीममासे १ वचमासे २ सववाटिघमराकेरसमेलग  
वेदिनउनीकोहो ॥ अन्य ॥ कुरथी काइछर धीउकोजीसेपीसिलगावेकराभिलजा ॥ अन्य ॥ कुचिला करेजीरे पानीमेवा  
टिगरमकरिलगावेकराभिलनीकोहो ॥ अन्य ॥ कहीराकेबीजा गोमूत्रमेवाटि अफीमसंयुक्तलगावेकराभिलजा ॥ अथनेत्र  
रोगचिकित्सा ॥ अथवाताभिष्यदे ॥ इंदु इंदु इंदु इंदु काइकिरिसे ॥ अंडकेपात अंडकीजरकोवकला कालोकरिधीउदूधडारिकेयो  
रिगरमसेसककरेवातते आंध आइहोसोपीडाजा ॥ अन्यसेकवाताभिष्यदे ॥ हरद हारुहरद काइकरिसेधौनोनसंयुक्त

आंधसोचै वाताभिष्यदपीडाजा ॥ अन्यसैक ॥ लोध जादे समलेरधीउमेभूजेवाटिचूरकरेधेरीकेदूधमेडारिसैककरेधिनरक्त  
तेआंधकीपीडाहोइसोहरिहो ॥ अन्यरक्तभिष्यदे विप्लता लोध जादे धांड मोथा शीतलजलमेपीसिकेसैककरेरक्तविकारते  
आंधकीपीडाहोइसोहरिहो ॥ अन्यरक्तभिष्यदे ॥ लाव जादे मजीब लोध कमल पानीमेवाटिसैककरेरक्तभिष्यदजा ॥ अन्य  
नेत्ररले सेतलोध धीउमेभूजेवाटिचूरकरेकपराभेपुटरियावाधैएककोरीमेपानीगरमकरेतिहिमेपुटरियावेरिवोरिकेसैक  
रेआइआंधकीपीडाहरिहो ॥ अथआइआंधमेरसडारे ॥ वेल छुमेरि सौना पाउर गनियार कलार अंडकीजर सुहजनैकी  
जर सवकोकाहोकरिथोरिगरमआंधमेडारेवाततेआइआंधकीपीडाहरिहो ॥ अन्य ॥ निवृपव लोध पानीमेपीसिके  
आगमेतपेकरसतिचोरकेआंधमेडारे वाततेरक्तपित्ततेआंधआइहोइसोनीकीहो ॥ अन्यअभिष्यदेशले ॥ विप्लता  
कोरसआंधमेडारेसर्वप्रकारकीआइआंधनीकीहो ॥ अन्य ॥ स्त्रीकोदूधआंधमेडारेरक्तपित्ततेआइआंधकीपीडाहरिहो  
॥ अन्य ॥ दूध धीउ आंधमेडारे वातरक्ततेपीडाहरिहो ॥ अथआइआंधकोपीडावाधै ॥ अंडकीजर अंडकेपात अंडको  
वकला पानीमेवाटिउल्लकरिपीडिवाधैवाततेआइआंधनीकीहो ॥ अन्य ॥ सुहजनैकेपानवाटिपीडिवाधैकरतेआइआ  
ंधनीकीहो ॥ अन्य ॥ आवरे पानीमेवाटिपीडिवाधैपित्ततेआइआंधनीकीहो ॥ अन्य ॥ वकारनकेपानपानीमेवाटिपीडि  
वाधैपित्ततेआइआंधनीकीहो ॥ अन्य ॥ लोधधीउमेभूजेकोजीकेपानीसेपीसिपीडिवाधैरक्ततेआइआंधनीकीहो ॥ अ  
न्य ॥ सोहि नोमकेपानवाटिउल्लकरिपीडिवाधैसधौनोनडारिके आइआंधकीपीडाधजुरीसजनहरिहो ॥ अथवाहिलेपः ॥



॥ अन्यवाधिर्य ॥ लहसन अंबरे हरताल समलेर पानी में वाटिके चौगुने तले में पचावे जवय चिज रतवने लते चौगुने दूध पचावे तले स्थानि  
लेर कान में डारे वाधिर्य हरि हो ॥ अन्यवर्ग कौउयाय ॥ गुग्गुली की बीजी लहन हींग किरकिच हाउ की जर एसव वाटिकरी करे तले  
मेजर वेते लक्षानिकान में डारे वगई मरिजा ॥ अन्यकर्णकीट ॥ गोमूत्र मेहरताल घोरिकान में डारे कर्णकीट हरि हो ॥ अथवा सरसो  
करे तले मेहरताल डारे कर्णकीट जा ॥ अन्यकर्णकीट ॥ सुहजने की जर कौस्वर सकान में डारे कर्णकीट जा ॥ सोहि मरिच पीपरि  
कौचुरी करे वही जर कर समे घोरिकान में डारे कर्णकीट जा ॥ अन्य ॥ चौघो मदि राकान में डारे वगई और की राजो कान में गयो  
हो ॥ सव हरि हो ॥ अन्यकर्णकीट ॥ आदे कौरस सूरन कौरस कान में डारे पीडा जा ॥ वही बोजा ॥ अन्य ॥ लहसन कौरस कान में डारे  
रे पीडा जा ॥ अन्य ॥ धूर के पात धीउ बुयारे आगे में ताते करि सकाहिके कान में डारे पीडा जा ॥ अन्य ॥ कौडी भस्म करि के नि  
चूरस में घोरिकान में डारे पीडा जा ॥ इति कर्णरोग चिकित्सा ॥ अथ कर्णमूल उपचार ॥ कूट कलौजी काइर कुरथी समलेर या  
नी में वाटिकुल कुनो लेप करे कर्णमूल नी को हो ॥ अन्य ॥ हींग भासे १ अफीम भासे १ वधभासे २ सव वाटि घमरा करे समे लगा  
वे दिन ३ नी को हो ॥ अन्य ॥ कुरथी काइर धीउ कांजी सैपी सिलगावे कर्णमूल जा ॥ अन्य ॥ कुचिला करे जीरे पानी में वा  
टि गरम करि लगावे कर्णमूल नी को हो ॥ अन्य ॥ कहीरा के बीजा गोमूत्र में वाटि अफीम संयुक्त लगावे कर्णमूल जा ॥ अन्य ॥ अथ नेत्र  
रोग चिकित्सा ॥ अथ वाताभियं दे ॥ हरद हांरु हरद काहो करि से ॥ अंड के पात अंड की जर कौक्कला काहो करि धीउ दूध डारिके यो  
रि कगरम से सेक करे वातने आध आइ हो ॥ सो पीडा जा ॥ अन्य सेक वाताभियं दे ॥ हरद हांरु हरद काहो करि से धौनोन संयुक्त

आंख सींचे वाताभियं दे पीडा जा ॥ अन्य सेक ॥ लोध जादे समलेर धीउ में भूजे वाटि चूर करे घेरी के दूध में डारि सेक करे पित्त रक्त  
ते आंख की पीडा हो ॥ सो हरि हो ॥ अन्य रक्ताभियं दे विफला लोध जादे धांड मोथा शीतल जल में पीसि के सेक करे रक्त विकार ते  
आंख की पीडा हो ॥ सो हरि हो ॥ अन्य रक्ताभियं दे ॥ लाख जादे मजीब लोध कमल पानी में वाटि सेक करे रक्ताभियं दे जा ॥ अन्य  
नेत्र शले सेत लोध धीउ में भूजे वाटि चूर करे कपूर में पुटरिया बाधे एक कलोरी में पानी गरम करे तिहि में पुटरिया वोरि वोरि के सेक  
रे आइ आंख की पीडा हरि हो ॥ अथ आइ आंख में रस डारे ॥ वेल घुमेरी सौना पाउर गनियार कटार अंड की जर सुहजने की  
जर सव कौकाहो करि थोरि गरम आंख में डारे वातने आइ आंख की पीडा हरि हो ॥ अन्य ॥ निरूपव लोध पानी में पीसि के  
आग में तपे करे सनि चोर के आंख में डारे वातने रक्त पित्त ते आंख आइ हो ॥ सो नी की हो ॥ अन्य ॥ विफला  
कौरस आंख में डारे सर्व प्रकार की आंख आंख नी की हो ॥ अन्य ॥ स्त्री को दूध आंख में डारे रक्त पित्त ते आइ आंख की पीडा हरि हो  
॥ अन्य ॥ दूध धीउ आंख में डारे वात रक्त ते पीडा हरि हो ॥ अथ आइ आंख को पीडा बाधे ॥ अंड की जर अंड के पात अंड की  
वंकला पानी में वाटि उल्ल करि पींडि बांधे वातने आइ आंख नी की हो ॥ अन्य ॥ सुहजने के पान वाटि पींडि बांधे कफ ते आइ आं  
ख नी की हो ॥ अन्य ॥ आवरे पानी में वाटि पींडि बांधे पित्त ते आइ आंख नी की हो ॥ अन्य ॥ वंकारन के पान पानी में वाटि पींडि  
बांधे पित्त ते आइ आंख नी की हो ॥ अन्य ॥ लोध धीउ में भूजे कांजी के पानी सैपी सि पींडि बांधे रक्त ते आइ आंख नी की हो ॥ अ  
न्य ॥ सोहि नोम के पान वाटि उल्ल करि पींडि बांधे सधौनोन डारि के आइ आंख की पीडा घजुरी सुजन हरि हो ॥ अथ वही लेप ॥



नेत्ररोग ॥ रसोतपानीमैवांटिलेपकरै पलकनमैनेत्रपीडाजार ॥ अन्य ॥ हरर सौहि आवरे पानीमैवांटिलेपलकनपरलेपकरै  
पीडाजार ॥ अन्य ॥ गवारिचिताउरकेपानवांटिनेत्रकेवाहरेपलकनमैलेपकरैपीडाजार ॥ अन्य ॥ दरिमाकेपानवांटिलेपकरै  
पीडाजार ॥ अन्य ॥ वच हरद सौहियानीमैवांटिलेपकरै पलकनपरपीडाजार ॥ अन्य ॥ सौहि गेरू लेपकरैनेत्रपीडाजार  
अन्य ॥ लोधघीउमैभूजै सैधौनोन मधुपानीमैपीसिआंघकेऊपरलेपकरैनेत्रपीडाजार ॥ अन्य ॥ नीबूरस लोहेकेवासनमैलोहे  
केहसासैधौटिनेत्रकेवाहिरपलकनमैलेपकरैनेत्रपीडाजार ॥ अन्य ॥ भरिचवूर्णकरिकैघमराकेस्वरससैधौटिनेत्रपरलेपकरै  
पीडाजार ॥ अथनेत्रोजने ॥ हेमवतचतुमेशिशिरचतुमैमध्यानमै अंजनकरै ग्रीष्ममैप्रातकालअंजनकरै सरदमैसायं  
कालअंजनकरै वर्षाप्रवसंतमैजववाहेतवअंजनकरै अंजनतीनप्रकारहै लेखन रोपन छेदन क्षारतीक्ष्ण अम्ल  
हेरसजिहिकौसोअंजनकहावे कषायतिक्तसरसकरिकैयुक्ततैलघृतसंयुक्तजोअंजनहै सो रोपनकहावे मधुरअंजनहै सो छे  
हकहावे गुटिकारसचूर्णविविधअंजनहै ॥ अथअंजनविधि ॥ अमित होर रोवतहोइ उरानौ नवज्वरी अजीर्ण दौ  
रोहोइ गिरोहोइ ऐसेकोअंजननकरिए ॥ अथोजन शरबनाभि ॥ बहेरेकीबीजी हरर मदसिल पीपरि मरिच कूट वच  
मावासमलेइ वाटि चूर्णकरैछेरीके दूधसैधौटिकैगोलीजवाकेप्रमाणवाधिराखे पानीसैभरगरिकैअंजनकरै अंजनकीमा  
जानेगडकेफूलवाएवरहै तिभिरमांसरुद्धि काचपटल अर्बुदरतौध एकवर्षकीफूली एसबहूरिहोइ ॥ इतिचंद्रोदयवर्तिना  
अन्यलेखनीवर्ति ॥ छेवलेकेफूलनकौस्वरसलेइ करेजकीबीजी वांटिभावनावहतदेइकेगोलीवाधिराखे अंजनकरैफूलीहै ॥

रिहोइ ॥ रसोत समुद्रपेल सैधौनोन शरब मुरगीकेअंजाकौछुकला सुहजनेकेबीजा सबएकत्रवाटिगोलीवाधिराखेसलाकासैअं  
जनकरैपानीमैगारिकैफूलीमोतियाविंदुहूरिहोइ ॥ अन्यलेखनीदंतवर्ति ॥ होपीकौदांत वाराहकौदांत ऊंटकौदांत गारकौदां  
त घोडेकौदांत छेरीकौदांत गहहाकौदांत शरबमौती समुद्रपेल सबएकत्रवाटिचूर्णकरैबहुतवारीक अंजनकरैफूलीजारैफूटि  
जार ॥ अन्यलेखनवर्ति ॥ कमलगदा सुहजनेकेबीजा नागकेसर पानीमैवांटिगोलीवाधिराखेपानीमैगारिअंजनकरैतेडाहूरिहोइ  
अथरोपनवर्ति ॥ तिलकेफूल २० पोपीकेबीजा ६० चमेलीकेफूल ५० मरिच एकत्रवारीकपीसिकैगोलीवाधिराखेजलसैगारिअंजन  
करै तिभिर शुक्रमांसरुद्धि एसबहूरिहोइ ॥ अथनक्रोधाहरीवर्ति ॥ रसोत हरद हारुहरद चमेलीकेपात नीमकेपात सबएकत्रवाटिगोव  
रकेरससैगोलीवाधे अंजनकरैरसोहूरिहोइ ॥ अथनेत्रआवे ॥ वमरकेपानकोरस मधुगरिकैअंजनकरै आंघकेवाहिवोजाड ॥ अ  
थलेहनीवर्ति ॥ नेत्रकौआवे ॥ आवरेकीविजीभाग १ बहेरेकीबीजीभाग २ हररकीविजीभाग ३ एकत्रपानीसैपीसिगोलीवाधिराखे पा  
नीमैगरिअंजनकरैदोरेनुकावरावरनेत्रआवहूरिहोइवातरक्ततेनेत्ररोगहोइसोजाड ॥ अथगौरिकादिवर्ति ॥ गेरू कपूरजादे  
कमलगदारसोत नागकेसरिसबवांटिगोलीवाधिराखेपानीसैअंजनकरैतिभिरजार ॥ अथहरिद्रादिप्रभावतीवर्ति ॥ हरद नीमके  
पान पीपरिमरिच मोथा लील सौहि सैधौ वचपाठ चिताउर कंकुष सबएकत्रछेरीकेमूत्रमैवाटिबनाप्रमाणगोलीवाधे अथामेसुधे  
कंधरिराखे पानीसैअंजनकरैतिभिरजार मधुघीउसैअंजनकरैपटलजार तिलकेतेलसैअंजनकरै आंघकेविषरवोजाड काजी  
सैअंजनकरैकामलाजार घमराकेरससैअंजनकरैरतौधजार स्त्रीकेदूधसैआंजेफूलीजार अजीर्णकोदेइगोली १ विसवी



सारसे  
८३

कौ२ मूसेकाटे कौ३ सांपकाटे कौ० विषयाय कौ१८॥ शिथिलभावतीवरी ॥ अथ सुखादिवर्तिः ॥ सौद मरिच पोपरि होरा नोन वच  
कुटकी शिरसकेबीजा किरवारेकेबीजा सुयेतसरसौ सव एकवगोमूत्रसै पीसिगोलीवा धिरावेनेच अंजनकरे चानुर्थक अपस्मा  
रुन्माद हरिहोद ॥ अथ सुखावतीवर्तिः ॥ कतकफूल शंख विकडु सैधौ मटसिल समुद्रफेन रसौत मधु वादविडंगा हरर सबस  
मंदेर छेरीकेइधसै पीसिगोलीकरे छेरीकेइधसै अंजनकरे तिमिर यल्लकाच धर्मशुक्रकेइधसै अंजनकरे एसवनेचरेभाजार ॥ अथ रस  
क्रिया अथ लेखनीरसक्रिया लीलाथोया सोनामाषी सैधौनोन मिश्री शंख मटसिल गेरू समुद्रफेन मरिच एसव एकवगोदिमधु  
सैधौदेदिन १ गोलीवा धिरावे मधुसै रगरि अंजनकरे वर्मरोग अमृतिमिरकाच शुक्रसवनेचरेभाजार ॥ अथ पुष्पहरि रसक्रिया ॥ बरकौ  
इध कपूर पीपरि एकवगोदिगोलीवा धिरावे पानीसै रगरि अंजनकरे होमहीनाकी फूली हरिहोद ॥ अथ तेंदायो ॥ मधु घोडेकी  
लारमे मरिच घसि अंजनकरे अतिनिद्रातेंदा हरिहोद ॥ अथ तेंदायो ॥ चमेलीके फूल चमेलीके पात मरिच कुटकी वच सैधौ  
एकवगोकराके मूत्रसै पीसि अंजनकरे तेंदा हरिहोद ॥ अथ सनिपाते अंजन ॥ शिरसकेबीजा मरिच पीपरि सौदि एकवमूत्र  
मैवांदि अंजनकरे सनिपातजार ॥ अथ यक्ष्मप्ररोहादौ ॥ रसौतरार चमेलीके फूल मटसिल समुद्रफेन सैधौनोन गेरू मरिच  
सबसमलेर एकवगोदिमधु सैधौदिगोलीवा धिरावे अंजनकरे लेंदकंडुयक्ष्मसर्वजार ॥ अथ तिमिरादौ ॥ गुरिचकौ स्वरस अ  
धेलाभरि मधुमासौ १ सैधौनोन मासौ १ सर्व एकव करि अंजनकरे पिल्ल अमृतिमिरकाच कंडु लिंगनाश शुक्रकृमनेचरेभा  
हरिहोद ॥ अथ पुनर्नवांजन ॥ पथरसगा कीजरइधसै अंजनकरे कंडुजार मधु सै अंजैनेच आवजार धीउसै अंजै फूली

श०  
८३

जार तेलसै अंजै तिमिरजार कांजीसै त्योंधजार ॥ अथ ॥ कतकफूल मधुसै रगरि कधूककपूरडारिके अंजनकरे नेचभले  
होद ॥ अथ ॥ शिरोलाते ॥ धीउमधु अंजनकरे शिरोत्यातनेच रोगहरिहोद ॥ अथ वृंजने ॥ पोपरि छेरीकेकरेजे मैपकावै फेरिते हिरस  
मैवांदि अंजनकरे वृत्तदिनन कौरत्योंधहरिहोद ॥ अथ मृदु वृंजने ॥ वपरि आशिले मैपसै वारीक वृत्तफेरि पानीमै घोर ऊपरको पानीले  
इनीवैको चूर्णहरकरे सोपानी मुखवै पर्वडीकी भांति होर फेरिवाटिके विप्रलाके रसकी भावना अतिहिमै देश अंशकपूर उरनेच अंजनकरे नेचके  
सर्वरोगहरिहोद ॥ अथ यक्ष्म सौसै समलेरतिहिने नौ सुरमाडोर कधूककपूरडारि अंजनकरे नेचरोगहरिहोद ॥ अथ सर्पविषहरमेतने ॥ अंजैप  
लकीबीजा निद्रासकी भावनादे २१ गोलीवा धिरावे मृषके धूकसे घसि अंजनकरे सर्पविषहरिहोद ॥ अथान्यधकार ॥ जेहकी आधवहुतलाल होर सो  
यसंयुक्त होर अरु सुखासर्वदावहतरहै अरु सुखाकेवै अंघछेली होर गर होर तहवासादि कायको सेवनकरे होमहीना अथवा तिमिरादौ अ  
रुषेवैको मृगकी दारभात अरु धीउदेरतीनमहीना तेंदतवनीको होर ॥ वासादि कायकी औषदेहै ॥ रुसेकी जरकौ वकला सौदि गुरिच दासहरद  
रक्तचंदन चित्तारु बिरारतौ नीमकी छाल आवरे हरर वहेरे मोया कुरेकी छाल रंजो चारिचारिपै साभरिले रसव एकव कूटिके वतीस भागक  
र एकभाग तीनपाउपानीमै औषावै जवधारिपै साभरि रहै पानीवोंकी तवमलिके छानिले इपि अमहीना एकपि अंजै आधी पूरसत होर होमही  
ना एकपि रपि अंजै त्रकावंद होर औषकी सुरधी सृजन हरिहोद जोवर्धदिन सेवनकरे तो मोतिया किंदे हरिहोद ॥ अथ नेचरो गेलेय ॥ दासहर  
द रक्तचंदन गेरू जौबै सैधौनोन हरर एक एक जुदी जुदी पानीसै रगरे करोरीमै गरम करे तरेके पलकनमै अरु ऊपरके पलकनमै लगावे  
सृजन सुरधी पीडा हरिहोद ॥ अथान्य ॥ जेहकी आधमै सीतलाके सबवसै अथवा और सबवसै फूलोपरो होर तेहको उयाय धिनीके



सारसे०  
८४

बीजाकीबीजीमासेचारि रगुवाकेफलकीबीजीमासेचारि शिरसेकेबीजामासेउठ जेत्नीकोचमासेएक सवुत्तरंगकीचीनीमासेएक एकएकमि  
हीपीसिकेएकवकरिकेमधुसेएकदिनघोंटेगोलीवाधिराधै मधुसैरगरिकेआंधमेआंजैपेदादिनमेपूलीकदिजाइ असुनाखुनाकदिजाइ धुंध  
होरिहोइसबलेवारइरिहोइ ॥अन्य॥ अथवाधुंधअरुइहकाअरुनाखुनाइनेकेहोरिकेविनिमित्तकएकरतीलधुमालिनीवसेतएकबुंदवा  
सापानीसेचीकनैपाथरपररगरिकेआंधमेअंजनकरैयातः कालनीकोहोइअरुजेकहवुडैतधुंधहोइकछूनसूजेतेकहसुवर्णमालिनीवसेतकर  
अंजनकरावै ॥अन्यवभनीकोउपाउ ॥ रसोत छदामभरि एर चमेलीकेफूल मरसिल समुद्रफेन सैधोनैनगेरु मरिच एसवछदामछदामभरिस  
वकहमिहीपीसिकेमधुसैधोंटेपानीसैरगरिकेफलकमैलगावैवभनीहोरिहोइवारहोइआवै ॥अथतिमिरमुतांजन ॥ छोटेमौती कपूर काच  
अगर मरिच पीपरि सैधोनैन एलुवा सौठि केकोल कासौमारो रंगमारो हरद मरसिल शंखनाभि अधुकाभारो लीलायोथा मुरगीकेअंडा  
कोवकला वहेरेकीविजी केसरिहरजोटे लाजवर्द चमेलीकेफूल तुलसीकेफूल तुलसीकेबीजा करंजेकेबीजा नीमकेबीजा मुरमाभोया  
तांमौमारो लोहमारो रसोत एसवमासो मासोभरिलेइसवकहमिहीपीसिकेएकवकरिकेमधुसेएकपदरघोंटेकेगोलीवाधिराधैपानीसैरगरि  
अंजनकरै तिमिर औरनेत्ररोगसबइरिहोइ ॥अथहृदयामतेनेत्ररोग ॥ हररचारैपैसाभरि वहेरेदोपैसाभरि आवरेआदयेसाभरिसतावरिचा  
रिपैसाभरिजाडे चारिपैसाभरिवंशलोचनापैसाभरिसैधोनैन पैसाभरि पीपरिपैसाभरि सबएकववादिबुरीकरैलोहमारोदोपैसाभरि सबबुरी  
कीवरावरमिथी डारैमधुअरुघोउसेसानिराधै अधेलाअधेलाभरिधैवोकरैतिमिरादिकसर्वरोगइरिहोइ ॥अन्य॥ वारिरीतमधुचीकनैपाथ  
रपरगधैतेहिमेआधीरतीलगरगरैअरुआधीरतीनिर्मलीरगरैअरुआधीरतीसुपेतपसंगाकीजररगरैऔहोइसराआंधमेअंजनकरैऔहो  
यर१

रा०  
८४

या३

सराहएतेजहोइअनुभूतहै ॥अन्य॥ निंबुकोरसमासो नीमकोरसमासो तुलसीकोरसमासो जसदमासे १२ समदफूल १ तांमैकेवासनमेधर  
लेअथवाकोसेकेवासनमे गारकनैनुसेघासिअंजनकरै आंधिकोवहिवैपदलजारकीवरजाइ ॥अन्य॥ हरिचूयोंटेक ४ हररटेक ४ मरिचटेक १ पानी  
सैपीसिवहीवाधैचनाप्रमानमधुसैरगरिअंजनकरैतिमिरकांडवारकीवरसर्वजाइ ॥इतिनेत्ररोगचिकित्सा ॥ अथनासारेणचिकित्सा ॥ नासारेणमेएकपी  
नसेहै इसरोपूतनस्पैहतीसरोसवयुहै वौथोप्रतिस्पायहै औरनासारेणबुद्धतहैपरंतएप्रसिद्धहै वासाकूष्मांडावलेहैसैपीनसअरुनाककीडुर्गंधहै  
होतहै अस्याठादिनेलेकेनासैपीनसअरुकीनाककीडुर्गंधइरिहोइतहै अरुदोपैसाभरिआदोकरैकरसनिकासिले २ अधेलाभरिमधुआरि केपिअथति  
छिकाइरिहोइ ॥अथवासाकूष्मांडावलेहै ॥ पानीमेकुम्हडाउसरकेचारिपैसाभरिउपरदोसेरलेइ तेकहतीनपाउघोउमैतैले षोडचारिसेर आठपै  
साभरिउपर तीनसेरसेकेकोटैमेषोडघोरिकेपभाकरैरावसोहोइतवघोउको भेजोकुम्हडाडारैवारिघरीधीमी आं चमैपकावैजवपागहोइघोउपागसिलदिधार  
तवउतारिकेसबआंधदडारै मोयाभारंगी वंशलोचना आवरेतजपवन लारची अधेलाअधेलाभरिले २ छरोला सौठिधना मरिचदोदोपैसाभरिपीपरिपै  
साआंधभरि सबकटिकपरछानकरिकेपागमैडारै सोरहपैसाभरिमधुआरैराधिछोडे दोपैसाभरिघार पीनस अरुनाककीडुर्गंधआसकासछरिहिके  
रक्तपित्तहलीमक हृदरोग अरुपित्तइरिहोइ ॥अथपाटादिनेले ॥ पाट हरद हारुहरद मुरहारी पीपरि चमेलीकेपानवडोदोनकीजर अधेलाअधेलाभरि  
सवकह १ कूटिकेपानीमेभिजेकेसिलेपीसे आधसेरणानीमेघोरिकेचौदहपैसाभरिलेकेतलेमैडारैचुगैलेइ चारचारबुंदानासले रपीनसअरुनाककी  
डुर्गंधइरिहोइ ॥अथआंधदपीनसकी ॥ केसरिटेक १ मस्तगीटेक १ नागकेसरिटेक १ केउरेको भौंधैर मुरदासंघ नीमकीगाइ एसवएकवपीसिकेगाइ  
केघोउसेनासलेरपीनसजाइ ॥अन्य॥ नालकंद अमरखेलपानीमेवुरैकेवफारोलेइ ॥अन्य॥ घाउचिनी गारकोहूधनासदेरपीनसजाइ ॥अन्य॥



सारसं०  
८५

चीनियां कपूर कौना सदेर की रागि रिये ॥ अन्य ॥ अकल कर मरिच कदिना सदेर पीन सजाइ ॥ अन्य ॥ यथरसग की जर कौ चुरी करि कैना  
सदेर पीन सजाइ ॥ अन्य ॥ घाउ अरु रूसौ पानी में बांदि पिअ पीन सजाइ ॥ अन्य ॥ कपास के फूल बांदिना सदेर महीना ॥ पीन सजाइ होइ ॥ अथ प्र  
ति श्वाय विकित्सा ॥ सो प्रति श्वाय पांच भांति कहै एक वा रस है इसरो पित्त सै है तीसरो कफ सै है चौथो विदोष सै है पांचो चारु तै है यह पित्त स्या  
ह यकर की मज्जा का मल कहत है ॥ अस्त जल्ला कहत है कफ सै सोइ सो जु काम कला वै पित्त तै होइ सो न जल्ला कहा वै गोत रुवा सै पीडा कान के नैन गो  
च उत्पन्न होइ रस वार के प्रति श्वाय कौल सारा है नाक सै पानी पीरो व है गरमी बहत होइ देह को रंग पिअ होइ यह पित्त के प्रति श्वाय कौल सारा है  
मुपेत शीतल कफ नाक सै निकसै शिर भारी होइ सो तात् शिर में बजरी होइ यह कफ के प्रति श्वाय कौल सारा है विदोष जन्य प्रति श्वाय में तीनों दोष  
के लक्षण होइ अरु कवह प्रति श्वाय मालूम होइ अरु मिदि जाइ इति लील पीरो कफ नाक की राह निकसै स्थानि में पीरा होइ नाक में दुर्गंध होइ देह  
गरम होइ जर की भांति औषध सुरष होइ औषध की कोताई करे न कछु कदिन में की रा परे एहि वा सै औषध सित बोकरे यह रक्त प्रति श्वाय कौल स  
रा है ५ औषध पांच प्रकार के प्रति श्वाय की जु दीज दी है ॥ अन्य ॥ आदे को रस एक पैसा भरि मधु अथेला भरि डारि कै गरम करे  
पिअ वात जन्य कफ जन्य प्रति श्वाय इति होइ ॥ अन्य ॥ सोहि मासे रमरि चमासे २ पीपरि मासे २ चिता उर मासे २ ताली स मासे २ किरवारी मा  
सो २ कलौ जी मासे २ तज मासे २ पत्र मासे २ लार ची मासे २ सब एक वाटि छानि चुरा करे मधु सै खाइ रती ॥ अथ वा अधिक धार अरु शिर पर  
क रू भरी दोषी वै दै परा सै कन पटी सै के पांचो प्रकार के प्रति श्वाय इति होइ ॥ अन्य ॥ एलुवा पैसा भरि के सरिये सा भरि गुग्गुलु पैसा भ  
रि सुहाग पैसा भरि सब मिही पीसि के चना वरावर गोली बांधे एक गोली धार कफ अधिक प्रति श्वाय इति होइ वात जन्य प्रति श्वाय इति होइ

क  
भ्रंजो

रा०  
८५

विदोष जन्य प्रति श्वाय इति होइ अरु जो पित्त सै होइ अथ वारु सै होइ तो यह औषध करे रसोत घाव स एक वदेर ॥ अन्य ॥ पित्त को ॥ पुस्ता की  
लौह राने सुदा १०० छै सेर पानी में औटो वज्र चौथा रिया निर है तव मलिकै छानि लेइ सेर भरि बिनीषोड डारि कै पाग करे जव अब लेह सो होइ तव उता गिलेइ  
पांच मासे सै अरु भकरे एक तोला तोइ घाउ पित्त प्रति श्वाय इति होइ रक्त प्रति श्वाय इति होइ ॥ अन्य ॥ पानी पैसा भरि गुलाब पैसा भरि लोह चार होइ सब  
वाटि पिअ पित्त जन्य प्रति श्वाय इति होइ रक्त प्रति श्वाय इति होइ ॥ अन्य ॥ जो पित्त प्रति श्वाय में नाक की राह पानी व है तो पानी के वंद करे व कौना के सखंद करि  
कै पानी पिअ नाक के दोउ सार सै पानी वलत होइ सो वंद होइ पित्त प्रति श्वाय इति होइ अथ वा एक तो अफीम धार अरु करती अफीम दोउ नाक के सुर में ल  
गावै अरु ऊपर तै एक मुह भर घना के कूटा धार मुह वंद करि कै वारि घरी पानी नापि अनाक के पानी वंद होइ प्रति श्वाय इति होइ जु डारि होइ ॥ अन्य ॥ अ  
रु जो आदे को रस मधु डारि कै पिअ तो आदे को रस सै स्वास का सगर की सूजन अरु कफ उन्माद मूर्च्छा अरु चिगल रोध अउ की पीडा कफ को आधिका  
एस व इति होइ अरु साक के अथेला भरि सौहि कूटि कै तीन पाउ पानी में औटो वज्र चारि पैसा भरि पानी र है तव गरम गरम पूकि पूकि कै पिअ न र जु डारि  
इति होइ स्वास पांसी इति होइ जो गुन सौहि के तउ गुन आदे के है आदौ विबेध कह स्वभेद कह छर्दि शत हड्डो गये व को कूल वों पेट की वार रुकल इति  
करत है पित्त जन्य जो है प्रति श्वाय सो जौ पुरानो होइ तो डुध किता है जव तोई जिअ तव तोई औषधो पानी पिअ तो न जल्ला इति होइ अरु वातर  
क्त सै अथ वारु सै अथ वारु सै प्रति श्वाय सै नाक में जोय परी जमी होइ तेहि में दोरती मालिनी व संत मधु सै चलावै परी इति होइ अरु वातर  
क्त जन्य जो है नाक की पयरी सो गुडु आदि तेल के नास सै इति होइ अरु सीतल पानी जो नाक की राह पिअ तो नाक की परी इति होइ ॥ इति नास रोग  
किता ॥ अथ मुख रोग स्पष्ट किता ॥ मुख वाक अरु गाल रोहीनी इत्यादि मुख रोग है ॥ नीम के पात आम के पात जामुन के पात चमेली के पात परव



सरसं  
८६

रकेपात यैसायैसा भरिलेसेर भरपानीमे औरोवेजवाउभरपानीरहेतवधनिकै गरमगरमकरुलाकरै मुखयाकहरिहोर असुजेहि कोकंठरोहिनीरो  
गसेवेदहोदवहनपानी पीसकेन अन्नघादसकेतेहि काचिकित्सायहहै ॥ छपैसा भरिआदेकौरसनेतिमे सौहि पीपरि मरिच सैधौ नौन इनकोचुगामा  
सो एकउरि केतीनवेर करुलाकरै एकदिनमे एहिभांति सातवेर करुलाकरै गलरोहिनी हरिहोद गरोधुलिजार पानी पिऔजार असुजोआदेकेकरु  
लासे हरिहोदतौजवायार तेजुबल पाहि रसोत दासहरद पीपरि घदामघदामभरिलेमिही पीसिकेमधुसैधौ दैघरीएकछोटेवरवरगोली  
वांधै एकएकगोलीमुहमेनितराघैरसलीततजारगलरोहिनी हरिहोदपानी असुअन्नगरेसेउतरे ॥ अन्यमुषपाके ॥ पीपरि जीरे कूट रंइजो एक  
त्रिमिहीचूराकरिकै मुखकेभीतरघसिकै असुमुखमेराखैमुषपाक असुमुखकीदुर्गंधहरिहोद ॥ अन्यमुषपाके ॥ दासहरद गुरिबविफला दाषवमे  
लीकेपात जवासौ समरलेदकाथकरै छटैअंसमधुडारिकै शीतलकरिकै मुखमेराखैमुषपाक हरिहोद ॥ अन्य ॥ तिलकमलगया धीउ घाउ दूध मधु  
राखै एकमुषमेडोरे दाहरिहोदमुखकी ॥ अथउपजिह्वाचिकित्सा ॥ सौहि मरिच पीपरि जवायार हरर धिताउर रेनुका एकत्रवादिचूराकरै मधुसंयुक्त  
उपजिह्वामेघसेनीकोहोद ॥ अन्य ॥ कौसीस लीलाथोया जंगाल वरावरलैकेसिरकासैधौदिकैगोलीवांधैघामेसुघारकेधरिगोलेदोरीकेय  
मान गरमपानीसेरगपि वै उपजिह्वामे लगावेनीकोहोद हरिकौरसपेटमेनजानयावेजोपेटमेजारतौ ओकीचुहत आवेतेहिनेवेरवरयुकिडारे  
॥ अथदंतरोगचिकित्सा ॥ मोथा हरर सौहि मरिच पीपरि वारविडंग नीमकेपात एकत्रवादिगोमूत्रसैगोलीवांधै घायामेसुघावेमुखमेरा  
खैदांतउगतहोदपीडाहोद सोहरिहोद ॥ अन्य ॥ चमेलीकेयान पथरसगाकीजर राजपीपरि अंडकीजर कूटवच सौहि अजवादन हरर सम  
लेदकोटिचूराकरैमुखमेराखै वात रुमिदंतपीडा दुर्गंधमुखकी सर्वजारदंतपीरजार ॥ अन्य ॥ मुजनैकेवकला जादे धारतौदंतपीरजार

रा०  
८६

डा

॥ अन्य ॥ इमिली वरनौ सरफौका कनैर इनकीजरकीदंतोनकरैतौदांतनकीपीरजारदंतहहोद ॥ अन्य हरर चूराकरिमधुमेतांमेकेवासनमेय  
कोवेघनएकगोलीवांधिमुखमेराखैदांतनकेकीरजार ॥ अन्य ॥ धूलरकीजरदांतकेतरैदावराखैरुमिहरिहोद ॥ अन्य ॥ कौसी सघोउमेबुरैकेमु  
षमेराखैदंतपीरजार ॥ अन्य ॥ इदोरनकीजरफलकौ चूरानिजेलोहेपरहोरेतिहिकौधुंवादांतनकोलगेदांतनकेकीरागिरियरे ॥ अन्य ॥  
चमेलीकेपात अंडकेपातप्रतःकालचवाइववाइकेयुकिरे असुतेहिकीदंतोनकरैदांतहहोदपीडाजार ॥ अन्य ॥ भौरसिरीकेबीजाचवा  
इकेयुकेदांतहहोदपीडाजार ॥ अन्य ॥ भौरसिसा रीकेबीजा पानीमेवांदिमुखमेराखैदांतहहोद ॥ अन्य ॥ जई धूलरलील अकोवा इनकीज  
रलेदपानीमेवाटपिहीकरैअथवापानीमेडोरे नीतोलेदवांदिक्ककरैमुखमेराखैदांतनकेनीचैदंतरुमिहरिहोद ॥ अन्य ॥ रुसेकेपानकी  
रस कसेरुवा एकत्रवादिगोलीकरैमुखमेराखैदंतरुमिहरिहोद ॥ अन्य ॥ आकेकेपाततयैकेदांतनसैदावेमुरावेनतपैतयैकेदांतसौदावेदंतपीर  
जार ॥ अन्य ॥ किरकिचहारकीजरपानीमेवांदिगाउनकेनधमेलेपकरैदंतरुमिजार ॥ अन्य ॥ कटारकेफलगोवरतयेदिकैमंदआचमेभरता  
करैगोवरदुरिकारिकैचवा रथुकिडारेदंतरुमिहरिहोद ॥ इतिदंतरेगचिकित्सा ॥ अथमुखदुर्गंधकित्सा ॥ विजौरेकीछाल ॥ जाररूर समले वि  
रचूराकरिमुखमेराखैमुखदुर्गंधजार ॥ अन्य ॥ कूटजारफल सुपारीएकत्रवादिचूराकरैधारऊपरतैपैसाभरिसीतलपानीपिऔमुषउर्गंधजार  
अन्य ॥ गोमूत्रमेकूटकोकाठोकरै हरर गोमूत्रकूटसर्ववादिगोलीकरैमुखमेराखैमुखदुर्गंधजार ॥ अन्य ॥ कबूर कांजीसेवांदिपिऔमुखदु  
र्गंधजार ॥ अन्य ॥ कूटचूराकरिमधुसैषाअमुखदुर्गंधजार ॥ अथमुखस्पिडकास्यामिकायोचिकित्सा ॥ सैधौनौन सरसौ चंदनवेल



६ + पिडिका बंग सर्वजा १ दिन ० मै ॥ अन्य ॥ मटसिल लोध हरद दारु हरद सरसौ नीम की छाल रक्त चंदन समलेर पानी मै वाटिले पकरै मुख की छोरी  
 सारसौ ६७ की छाल पानी मै वाटिले मुख ऊपर लेप करै यौवन पिडिका कंडू जाइ ॥ अन्य ॥ मसूर चंदन वेल की छाल एकत्र पानी मै वाटिले मुख लेप करै दिन १५ मुख पि  
 डि का हरि होइ ॥ अन्य ॥ सैमर के कोटे दूध मै पीसि मुख पर लेप करै दिन ८ यौवन पिडिका हरि होइ ॥ अन्य ॥ लोध धना वच समलेर पानी मै वाटिले मु  
 ख पर लेप करै यौवन पिडिका जाइ ॥ अन्य ॥ मरिच गोरोचन पानी मै वाटिले मुख लेप करै तारुण्य पिडिका जाइ ॥ अन्य ॥ विजोरे की जर घीउ मटसिल  
 गोबर के रस मै वाटिले मुख लेप करै पिडिका तिल हरि होइ ॥ अन्य ॥ रक्त चंदन मजीठ कूट लोध धियंग वर के पाए मसूर एकत्र पानी मै वाटिले मुख लेप  
 करै बंग पिडिका तिल छोरी हरि होइ ॥ अन्य ॥ मजीठ जोटे लाघ विजोरे की जर अधेला अधेला भुरि ते लटका चारि भर छेरी को दूध टका आठ भ  
 रि सव चोषे दूध मै वाटिले लम्पे पत्र विमेट आठ मै तेल छानिले मुख पर लगावे मुख की छोरी स्था मता जाइ ॥ अन्य ॥ भैस के दूध मै हरद  
 रक्त चंदन वाटिले पकरै मुख स्थामिका जाइ ॥ अन्य ॥ हरद दारु हरद मजीठ घीउ सेत सरसौ गेरू समलेर छेरी के दूध मै वाटिले पकरै मुख स्थामिका  
 जाइ ॥ अन्य ॥ वच लोध उरई घीउ रार दूध वटके पात पीरे हरद एकत्र वाटिले मुख लेप करै मुख स्थामिका जाइ ॥ अन्य ॥ मसूर मधु एकत्र पी  
 सि मुख मै लेप करै धीर डोर मुख स्थामिका जाइ ॥ दिन ० मै ॥ इति मुख रंजन ॥ अन्य ॥ मुख रंजन तारुण्य पिडिका दो ॥ वच सरसौ लोध सैधौ नोन  
 पानी मै लेप करै तारुण्य पिडिका जाइ ॥ अन्य ॥ कोजे ॥ कौहा की छाल मजीठ मंथु नैच एकत्र लेप करै मुख बंग हरि होइ ॥ अन्य ॥ मुख स्थामिका  
 या ॥ आक कौ दूध हरद दारु हरद एकत्र लेप करै मुख स्थामिका जाइ छोरी बुद्ध दिन नकी जाइ ॥ अन्य ॥ तारुण्य पिडिका दो ॥ वटके पात पीरे चमे  
 ले के पात रक्त चंदन कूट कलंवक लोध एकत्र पानी मै वाटिले पकरै मुख मै तारुण्य पिडिका बंग छोरी सब हरि होइ ॥ अन्य ॥ ३ जा र फल

चमेली कौ वकला पानी मै वाटिले पकरै मुख बंग पिडिका जाइ ॥ अन्य ॥ जीरे तिल सुपेत सरसौ पानी मै वाटिले पकरै मुख मै बंग हरि होइ मुख सुंदर  
 होइ ॥ अन्य ॥ मुख नासार रक्त च्युति विकृति ॥ चाबुर धना पानी मै वाटिले पित्रै मुख रक्त शान्ति होइ ॥ अन्य ॥ इव दरिमा हरद धना वारो वाटिले रू  
 करै नास लेर नासार रक्त प्रवाह हरि होइ अन्य ॥ पानी मै वाटिले छानिना सलेर ॥ अन्य ॥ इव कौरस दरिमा के फूल कौरस एकत्र नास लेर मुख नाक हो  
 रक्त गिर होइ सो वंद होइ ॥ अन्य ॥ विपला इव पानी मै वाटिले नास देर रक्त शान्ति होइ ॥ अन्य ॥ घुह कर मूल पके ऊमर गुड माह ३ समलेर एकत्र वाइ  
 मुख नासार रक्त प्रवाह जाइ ॥ अन्य ॥ दरिमा की वौडी दूधिया घेर चिनो घाउ पानी मै वाटिले पित्रै रक्त रूके छर्दिसै ॥ अन्य ॥ यथे सगा की जर के रकी  
 जर कुरे की जर मावा समगाइ के दूध सै वाटिले पित्रै दिन ३ रक्त वंद होइ ॥ अन्य ॥ स्वर भंग विकृति ॥ वहेरे कोयल पीपरि सैधौ नोन कांजी सै वा  
 टिले पित्रै स्वर भंग हरि होइ ॥ अन्य ॥ आवरे दूध मै वाटिले पित्रै स्वर भंग जाइ ॥ अन्य ॥ अमल वेतस विपला तंतरी क नाली स पीपरि चिता उर  
 जीरे चर्व पत्र लोण सबूरन करि वरावर गुड मै गोली बाधे १२ घाट स्वर भंग जाइ ॥ इति स्वर भंग विकृति ॥ अन्य ॥ अथ तृष्णा तालु शोष विकृति ॥  
 ॥ सौंठे जीरे आदो सौ चरतोन पानी मै वाटिले पित्रै वात तृष्णा जाइ ॥ अन्य ॥ घुमेर पदमाष उरई दाघ जाइ चंदन काहो करि घाउ डारि पित्रै पित्र  
 तृष्णा जाइ ॥ अन्य ॥ काठ के पात्र मै घीउ धरे शीतल पानी सै हजर वेर धोवै सो पानि पित्रै तृष्णा जाइ तालु शोष कौ घीउ देइ तृष्णा दाह भ्रम छ  
 रि जाइ शोष मूर्च्छा हरि होइ ॥ अन्य ॥ दारि म वेर रमिली अमल वेतस दिन कौर स देर तृष्णा जाइ ॥ अन्य ॥ कमल कौ कंद शीतल पानी मै वाटि ता  
 लु लेप करै तालु शोष जाइ ॥ अन्य ॥ जामुन के पात आम के पात पानी मै वाटिले पित्रै तृष्णा तालु शोष जाइ ॥ अन्य ॥ ३ मिली विजोरे वेर सौ  
 ॥ विजोरे कोयस चावर कौ धौन मधु एकत्र तालु लेप करै अवलेह सौ करै तृष्णा तालु शोष जाइ ॥ अन्य ॥ मधु घाउ तालु लेप करै तृष्णा शोष हरि होइ + २



४६ एषा रत्नक्षानालुशेषजा ॥ अन्य ॥ लाल धान के बाउर दही बाउ भोजन करे नोन नया ॥ अर्द्धि रत्नक्षानालुशेषजा ॥ अन्य ॥ कमल  
गटा कूट जावे लज्जु वरा के पाए बांटे गुटिका करे मुख मेरा वै रत्नक्षानालुशेषजा ॥ अन्य ॥ मूर्छा मेरी तल उपचार करे विजना  
कै शीतल वै हर करे वेर की बीजी मरिच उरई केशर शीतल पानी मे बांटे पिआवे मूर्छा जा ॥ अन्य ॥ पीपरि मधु चटावे मूर्छा जा ॥ अ  
न्य ॥ मरिच को नास देर नाक मुख मे मूर्छा से धरती मे उरो होर सो चेतन्य हो ॥ अन्य ॥ अथ अरुचि चिकित्सा ॥ विजोरे के फल के जीरे सै धौ नोन मरि  
च एक चार अरुचि हो ॥ अन्य ॥ रमिली गुड तज लारची मरिच एक चार पानी मे बांटे पिआवे अरुचि हो ॥ अन्य ॥ जीरे मरिच दाव अ  
न्य ॥ मूलवेत हरिमा सौ चर गुड मधु एक गोली करे वेर की गुटिली प्रमान भुष मे राखे अरुचि जा ॥ अन्य ॥ अथ अर्द्धि चिकित्सा ॥ करंज के पत्र को मल नोन  
यराई सब एक चार अर्द्धि जा ॥ अन्य ॥ लारची लौग नाग के सर वेर की बीजी धान के फल प्रियंगु भौथा चंदन पीपरि सम ले रं विचूर्ण  
रे मधु मिश्री से देर विदोष अर्द्धि जा ॥ अन्य ॥ दाव मरिच याउ शीतल जल से बांटे पिआवे अथवा चूर्ण करि देर अर्द्धि जा ॥ अन्य ॥ लारची  
के बकला रुका मे पिआवे अर्द्धि जा ॥ अन्य ॥ जामुन के पत्र आम के पत्र आवरी के पत्र वांटे अउ के पान मे ले पे टिके माटी थ्या पिआगे मे भरता करे रसनि  
का सिखाउ घोरि पिआवे अर्द्धि जा ॥ अन्य ॥ लौग लारची रजल सी के पत्र रपानी मे बांटे पिआवे अर्द्धि जा ॥ अन्य ॥ छुहारे कमल गटा लारची  
शीतल पानि से पिआवे अर्द्धि जा ॥ अन्य ॥ लाजा मिश्री लौग कमल गटा लारची एक चार वांटे चूर्ण करे मधु से देर अर्द्धि जा ॥ अन्य ॥ दाव मरि  
च मिश्री शीतल जल से बांटे पिआवे अर्द्धि जा ॥ अन्य ॥ अथ हिक्का चिकित्सा ॥ वेर की बीजी चिता उर चिरां तो पीपरि आवरे सौ हि काय करि याउ  
घोरि पिआवे हिक्का जा ॥ अन्य ॥ परवर के फल अथवा पजर के फल मधु से चाटे हिक्का जा ॥ अन्य ॥ जाठे मधु से चाटे हिक्का जा ॥ अन्य ॥

सो हि मिश्री मधु से देर हिक्का जा ॥ अन्य ॥ पीपरि मिश्री मधु से देर हिक्का जा ॥ अन्य ॥ पीपरि आवरे सौ हि चूर्ण करि कै मिश्री  
मधु से देर हिक्का जा ॥ अन्य ॥ मरिच मिश्री लौग वेर की बीजी चूर्ण करि मधु से चाटे हिक्का जा ॥ अन्य ॥ कैय के पात मीडि के नास  
देर हिक्का जा ॥ अन्य ॥ सौ हि गुड पानी मे घोरि नास देर हिक्का जा ॥ अन्य ॥ नेगडे के बीजा पीपरि सम ले रपानी मे औटि पिआवे  
हिक्का जा ॥ अन्य ॥ पीपरि याउ बांटे नास देर हिक्का जा ॥ अन्य ॥ जाठे पानी से पीसि नास देर हिक्का जा ॥ अन्य ॥ अथ अम्ल पित्त रस चि  
कित्सा ॥ हडुवा बरियारी आवरे कौटो करि देर अम्ल पित्त जा ॥ अन्य ॥ परवर के पात याउ रकीजर धना सौट कौटो करि देर अथवा पा  
नी मे बांटे देर अम्ल पित्त जा ॥ अन्य ॥ परवर के पान सौट गुरिच कुटकी नीम के पात रुसे के पात काय करि देर विसर्प अम्ल पित्त दा  
दुमंडल होर हो ॥ अन्य ॥ हर पीपरि दाव याउ धना रुसे वांटे चूर्ण करि मधु से देर अम्ल पित्त जा ॥ अन्य ॥ गुड कुम्हडा के गूदे या  
र अम्ल पित्त जा ॥ अन्य ॥ याउ आवरे याउ अम्ल पित्त जा ॥ अन्य ॥ अथ आंधी की औषध ॥ सै धौ नोन घीउ नास देर आंधी जा ॥ अन्य ॥ आ  
क की लकरी को नास देर आंधी जा ॥ अन्य ॥ केसरि मिश्री गोघृत मे घसि नास देर आंधी जा ॥ अन्य ॥ अजै पार की बीजी सै धौ  
नोन पान के रस सै घसि नास देर आंधी जा ॥ अन्य ॥ अजै पाल की बीजी सै धौ नोन नीम के पात एक चार वांटे कान मे डोरि दिन ३ औ  
धी जा ॥ अन्य ॥ अथ आंधी चिकित्सा ॥ हांग कौडी एक भरि घीउ पेसा भरि याउ दिन २ वाउट जा ॥ अन्य ॥ केजी के बीजा सुहाग फूलो एक चार देर वा  
उट जा ॥ अन्य ॥ गवारि कौटो पुराने गुड याउ दिन २ वाउट जा ॥ अन्य ॥ साजी भाग २ सै धौ भाग १ चूर के दूध मे उवावे माटी के वा  
सन मे भरु दिक परोली करि कुंउन मे वांटे देर वांटे के वा रती ४ दोऊ जोर दिन २ वाउट जा ॥ अन्य ॥ दोरन के फल मे सै धौ नोन मरि



च सौचर होगभरै बूलेभैगाडैदिन २ गंडौरहैतवनिकासिकैवांदिबैषारटंक २ गुल्मजाइप्रीहजाइ ॥ अन्य ॥ इरनीकेयानकौरसमा  
से १ पिअदिन ७ तौवाडजाइ ॥ अन्य ॥ कुरेकेवकलावादिचूर्णकरैतेहोकीकरावरनौनमिलारका १६ रोज २ तौवाडजाइ ॥ अन्य ॥ कूटव  
डीदतौनकीजरजवाधारयाहसैधौनौन सौचरनौन साम्हरनौन वचजीरे अजवारन हींगसाजी चरव चिताउर सौदि समले  
इवांदिचूर्णकरैतातेपानीसैपिअ १२ वाततेउदरव्याधिहोरसोइरिहोर ॥ अन्य ॥ शरफौकाकीजरतअमवदियिअप्रीहजाइ ॥ अन्य ॥ सौ  
चरजवाधार समुदनेन कांचनौन सैधौ सुरागसाजी समलेइवादिचूर्णकरैआककेइधकीधूरकेइधकीभावनादेरघाममेसुवै  
सुवैकैतवआककेपानचूर्णकीकरावर एकवासनमे आधेतरैधरेवीचमेचूर्णधरेफेरिआधेयानधरेवासनकौमुरमूदिकपरोहीकरि  
गजपुटआवदेरस्वांगशीतलहोरतवनिकासिकैपीसैतिहिमेओरओरवदेचूर्णकरिकैमिलावै सौदि मरिचपीपरिवारविडंगरा  
इविप्लावरव हींगभूजी सबएकवकरिखारजैसोवलहोर उरव्याधिशेथ गुल्मसल मंदाग्निअरुचिप्रीहयकृत एसवइरिहोर  
॥ इतिवज्रसारः ॥ अथवारगोलासलकौउयाइ ॥ सौठाचोरकीजर १२ पानीमेवादितातौकरिपिआवैसलजाइ ॥ अन्य ॥ छोटमउवा  
कीजरकौवकलापानीमेवादितातौकरिदेइसलजाइ ॥ अन्य ॥ रगुवाकीविजी ६ पानीमेवादिदेइ ॥ अन्य ॥ फट्करीदोचनाभरिगुडसैलये  
दिषाइसलजाइ ॥ अन्य ॥ करंजकीविजी सौचरनौन सौदि हींग समलेइचूर्णकरितातेपानीसैपिअ १२ वातसलइरिहोर ॥ अ  
न्य ॥ सौचरनौन हींग सौदि वांदिचूर्णकरितातेपानीसैपिअ १२ वाततेहदेकीपसुरियाकीपीठिकीपेटकीपीरजाइविसूचिकाविवेधस  
वजाइ ॥ अथगुल्मविकित्सा ॥ वचभाग २ हरभाग ३ सौचरनौनभामा ६ सौदिभाग ४ हींगभाग १ पीपरिभाग २ चिताउरभाग ५ अजमोद

भाग ७ सबएकचूर्णकरितातेपानीसैमदिरासैपिअ १२ गुल्मसलकासस्वासअर्शग्रणीजाइअग्निदीपनहोर ॥ अन्य ॥ हींगसैधौ बूकरर  
सौदिसमलेइवादिचूर्णकरिखारगुल्मजाइ ॥ अथहृदोगविकित्सा ॥ कौह कीष्णलवांदिघीउसैइधसैगुडसैपानीसैधारहृदोगजीरज्वर  
कपित्कइरिहोर ॥ अन्य ॥ पलकसलकौचूर्णमधुसैधारहल्लासस्वासकासहृदोगसर्वजाइ ॥ अथमूत्रकृष्णविकित्सा ॥ गुडइध तातौकरिपिआवैमूत्र  
कृष्णजाइ ॥ अन्य ॥ गुरधुरूकेवीजा १ अथवसेवकायकरिमधुकेजोगसैदेइमूत्रकृष्णजाइ ॥ अन्य ॥ सैमरकीजर किरवारेकीजर अथवसेवकायक  
रिदेइमूत्रकृष्णजाइ ॥ अन्य ॥ लारवी हाथाजोरी सिलाजतुकोसतु पीपरिसमलेइचूर्णकरिचावरकेधोवनसैदेइ १२ मूत्रकृष्णजाइ ॥ अन्य ॥  
गुरधुरू कसकीजर जवासौ हाथाजोरी समलेइअथवसेवकायकरिदेइमधुकेजोगसैमूत्रकृष्णजाइ ॥ अन्य ॥ अंडकीजर रसौ लारवी ए  
कचूर्णकरिदहीकेसाथधारमूत्रकृष्णजाइ ॥ अन्य ॥ गुरधुरूकेवीजा १ कायकरिजवाधारकेजोगसैदेइमूत्रकृष्णजाइ ॥ अन्य ॥ घाउजवाधा  
रसमलेइसमलेइमिलारकेषार १२ मूत्रकृष्णजाइ ॥ अथपथरीविकित्सा ॥ हाथाजोरीकौकालौ सिलाजतुयाउसंयुक्तदेइपथरीइरिहोर ॥ अ  
न्य ॥ हाथाजोरी वरुण गोधूरु अंडकीजर दोउकटार्डकीजर तालवुधारेकीजर समलेइकायकरिदहीसैदेइमूत्रविवेधजाइघाउसैदे  
इपथरीजाइ ॥ अन्य ॥ हरद गुड तातेपानीसैपिअपथरीइरिहोर ॥ अथप्रमेहविकित्सा ॥ त्रिफलाकौचूर्णमधुसैधार १२ प्रमेहजाइ ॥  
अन्य ॥ हरदकौचूर्णकरैमधुआवरकेरससैचाटिजाइथोरैदिनमेप्रमेहइरिहोर ॥ अन्य ॥ गुरमेकौरसमधुसैवाटैप्रमेहवीसभानिकेइ  
रिहोर ॥ अन्य ॥ सैमरकीष्णलकौरसमधुहरदकौचूर्णएकवपिअप्रमेहइरिहोर ॥ अन्य ॥ सैमरकीष्णलकौरसमधुहरदचूर्ण वंगभ  
स्मरती २ एकवदेइप्रमेहइरिहोर ॥ अन्य ॥ अथका १२ भस्म त्रिफला १२ हरदचूर्ण १२ एकवमधुसैधारप्रमेहजाइ ॥ अथ ॥ सखाहली



सा० सं०  
१००

ली दरिमाकीवौडी सुये तवैरखाउ एकवानीमैवादिपिअप्रमेहजार ॥ अन्य ॥ वडीलाइची खाउ एकत्र करिषारप्रमेहजार ॥ अन्य ॥  
 लारकी संवाहली सिलाजनुकौस्तु खाउसमदेलरसीतलजलसेवादिपिअप्रमेहजार ॥ अन्य ॥ गुरमैकौरस मधुमित्री एकत्र  
 तातेकरिपिअप्रमेहजार ॥ अन्यसेतधानुपरतहोइ ॥ नवीनसैमरकौमूललेइ आगमैभरताकैचिनीखाउअरुद्धसैषारतौबंधे  
 जहोरप्रमेहजारविंदकुसादीजार ॥ अन्य ॥ कुसमीधानुपरतहोइतौ ॥ छेरटा कौबुरापैसापाचभरिखाउचिनीपैसापाचभरि एकत्र २  
 करिषारपैसाएकभरितौनीकौहोइ ॥ अन्य ॥ लालअरसीपैसादसभरिभूजिलेइ कौहाकीअतरछालकौबुरापैसा  
 पाचभरि एकत्रकरिषारमात्रा ॥ १२ तौनीकौहोइ ॥ अन्य ॥ स्पामसकीजरलेइछाहमेसुषावैवादिछानिबुराकरैवासेपानीसैपिअ  
 अथवाइधसैपिअषाउसैचुराखाइप्रमेहजारपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ ऊंटकटारेकीजर संवाहली गोभी रतनजोत दियारीकीजर मात्रासम  
 बुराकरिकैचिनीखाउइधसैपिअप्रमेहजार ॥ अन्यचिनगियाप्रमेहजार ॥ लौगजारप्रजारपत्री धतूरेकेबीजा अक्षीम विषगुड  
 ईगुरगुड अकलकरा लोहवान केसर लारकी विफला मात्रासमवादिपानकरसैयल्लेगोलीवांधेचनाप्रमानएकएकगोलीधारो  
 जचिनगियाप्रमेहजार ॥ अन्य ॥ गुरमैपैसादोभरि चौगुनेपानीमैवादितातौकरिमधुपैसादोभरिडारिपिआवैसर्वप्रमेहजार ॥ अन्य ॥ आ  
 वरेकौरसपैसादोभरिमधुपैसादोभरिपिअसर्वप्रमेहजार ॥ यकेकेराइधखाउसैपिअवैमूत्रकृष्णप्रमेहजारदिन २१ ॥ अथविंदकु  
 सादौउपचार ॥ रगुवाकीजरकौवकला ॥ १० गारकेइधमेखाउडारिकैपिअसर्वप्रमेहविंदकुसादीदूरहोइ ॥ अन्य ॥ मधुअधेलाभ  
 रि आदेकौरसअधेलाभरि गारकौधीउ ॥ १२ सेतपिआज ॥ १२ चारिउवसैसमधारतौविंदकुसादीमिटै ॥ अन्य ॥ वकारनकेफलमा

राम  
१००

दी १

सेपाच साहीकेचाउरपीसिपिअतौविंदकुसादीजार ॥ अन्यमदनप्रकासचूरा ॥ तालमधाने मूसरीकंद सौदि घमराकौचुराकरैछके  
 बीजा असगध सैमरकेफूल स्पामसकीजर सतावर मोवरस गुरबुस वेवरकेबीजा समलेइ बुराकिरियाइधसैपिअपुष्टहोइस्तंभन  
 होइ ॥ अन्य ॥ लरमगाजरलेइगतारकरैपैयासेगारकेधीउमैसैकैमधुसैषाउहोउजोरतौबंधेजहोरपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ ईगुरपैसाभरि  
 अक्षीमपैसाभरिजारफलपैसाभरिलौलपैसाभरिपुरासानीववपैसाभरिसवओयदैवारिसूषीघरलकरैयहर १० पुनिमुरगीकैप्रडोमैभरिदेइवधुवा  
 कहिजारतवतेहिआगमैअंडागाडिदेइजैवसैजसुसीतलहोइतवनिकासिलेइवादिबुराकरैतवसैपानडारिकैघरलेयहर ४ चनाप्रमानगो  
 लीवाधैसायंप्रातषादिनउलीकौहोइछाटौवारैरौनवार ॥ अन्य ॥ नादनवनकेविनौरा सिरसकेबीजास्पामसकीजर एकववादिबुरा  
 करैछसमभरिचुरालेइगारकेइधमैपिअअरुऊपरतैओरइधपिअविंदकुसादीजार ॥ अथमूत्रनिरोधपर ॥ भूराकुमूजकौगदौमित्री  
 सेइरमूत्रनिरोधनजार ॥ अन्य ॥ वालमधीरकेबीजापानीमैवादिपिआवैतौमूत्रउतरे ॥ अन्य ॥ लेपावारिकैपानीमैवादिनाभयरलगावैतौमूत्र  
 उतरे ॥ अन्य ॥ मूसेकीलेडोसुहागतरेटपैलेपकरैपानीमैवादिअरुअंडकेपानतरेटपरदैकैतातेभटासैसैकैतौपेसावउतरे ॥ अन्य ॥ मिदिया  
 उडोसौकोधैतौपेसावउतरे ॥ अथनभरैपरओषर ॥ अकलकरापैसा १० दालचिनीपैसा १० तकछिकनीपैसा एकवाडीहोडीमैसेरहसयानी  
 मैचलवैजवसेभरिपानीरहैतवउतारिलेइएकसोसामेधारपेमात्राछहामभरिषाउकवौरीकेसायंप्रातसंध्याहोउजोरषादिदिन ३१ तौना  
 मदेतैमदेहोइ ॥ अन्य ॥ हिंगोरकीजरकौवकलालेइछाहमेसुषाकैचूरनकरैमधुसैषाउ १२ अथपैधीउगकरैषाउकेइधमातषाउजव

+ जोकछ अंशमैअमारतवमूदिलेइपानसैलेपेरिकैपुनिसतेसैलेपरिदेइतवधनकोभुसोषदामैभरैआगलगारदेइ + ८



सारसं०  
१०१  
चौ

अलौ औषदधारतवलोखीयुसंगनकरैनीकोहोइ ॥ अन्य ॥ योरोपैसाएकभरिशुद्धलेइगारकोदूधसेर ॥ पानीसेर ॥ डारिके औलोवेजवपानीज  
विजाइतवडतारै जवसीतलहोइतवदूधधियेदिन २१ दिनप्रतिदूध ओरलेइ पारोवहीबनोरहोपारोकेलनोमैबांधिके औलोवेजेहेतपारोदूधमैनजाइसंज  
मसोरहोपाटोबारैरनघाउनीकोहोइ ॥ अन्य ॥ लेप ॥ सेतकनैरकीजरकेवकलोपैसापाचभरिसेतगुगंदीविजिपैसाएकभरि ॥ दूधिया  
विषअधेलाभरि गारकोदूधसेरचारि औषदेचूरनकरिदूधमैडारि औलोवेजवहोसेरदूधरहेतवदूधजमावेदहीकरैभाइकेनैनूकाहिलेइनारियर  
मेधरिगधेदिनप्रतिथोरोथोरोलेपकरैलिंगमैअदतरेमेसंजमसोरहेतौसुसतईमितेमहोइ ॥ अन्य ॥ पारोशुद्धपैसाएकभरि वीरवहोटीचाली  
स नारियरकेभीतरकोषोपराकोलिकेपारोअरुवीरवहोटीभरिदेइपुनिकाठिकोटेटीनारियरमैलगारदेइताकेऊपरचूनलेपेदेइएकहोटीमे  
दूधभरेतिहिमैनारियरधरे औटेजवदूधगाहोहोइतववाहोदूधमेघोषरापारोवीरवहोटीसवयरलेगोलीबांधे छोटेवेरवरावर जोमंदवीर्जहोइ  
ताकोषवावेतौवीर्जहोइपुष्टहोइनिपुंसकताभितेपय्यदूधभातपार ॥ अथलिंगस्थूलीकरण ॥ स्पामसकीजर गगेरुवाकीजर कूटवच गजपीपरि अस  
गध कनैरकीजर समलेइवांदिचूरनकरैनेचसैलिंगलेपकरैलिंगस्थूलहोइ ॥ अन्य ॥ चमेलीकोरसकूटमटसिल चिकटुमुहागसमलेइवांदि ॥ तिलकेतेल  
मेलिंगलेपकरैलिंगवृद्धहोइ ॥ अन्य ॥ मरिच सैधोनोन पीपरि तगर कटारिकेफल अगजरो तिलकूट जवा उरद सरसौ असगध समलेइचूरनकरि  
मधुसैलेपकरैलिंगवृद्धहोइ ॥ अन्य ॥ मटसिल असगधसैधोनोन छेरीकेदूधमैपीसिकेघोउमैपचावेछानिलेइलिंगलेपकरैलिंगवृद्धहोइ ॥ अन्य ॥  
लोथ कोसीस असगध गजपीपरि समलेइतेलमैपचावेछानिलेपकरैलिंगस्थूलहोइ ॥ अन्य ॥ पारो मरिच कूट सौठिकटारिकेफल असगधति  
ल मधुसैधोनोन सेतसरसौ अगजरो जवा उरद पीपरि समलेइपानीमैवांदि लिंगलेपकरैलिंगवृद्धहोइहोइ ॥ अन्य ॥ असगध वचकूट वृत्तो  
सतावरि एकवपानीमेवांदिलेपकरै तिलकेतेलमैपचावे लिंगलेपकरैस्थूलहोइ ॥ अन्य ॥ सुहाग मरहटी जामुनकीछाल सुगारकोतेलमधुएकत्रलि

राम  
१०१

गलेपकरैलिंगस्थूलहोइ ॥ अन्य ॥ मूसरीकोचूरनसैकोनैनुसैसनिंकेमाटीकेवासनैमेधरिनुहमूदिकेधानमैगाडिराधेसातदिनतवनि  
कासिकेलिंगलेपकरैलिंगवृद्धमहीना ॥ अन्य ॥ मूसरीकोचूरनकोरतिल एकत्रकरिखाइपुष्टहोइलिंगवृद्धहोइ ॥ अन्य ॥ मधुहरदकवारकेफल  
कोरस एकवपीसिलिंगलेपकरैलिंगस्थूलहोइ ॥ अन्य ॥ पीपरिनोनदूधवाउ एकत्रलेपकरैलिंगवृद्धहोइ ॥ अन्य ॥ जवासासी वहेरकेफल कूट  
असगध सतावरि सवपानीमेवांदिनेलमैपचावे लिंगलेपकरैस्थूलहोइ ॥ अन्य ॥ पारो असगध हरद गजपीपरिवाड पानीमैपीसिलिंगलेपकरै  
महीना ॥ लिंगवृद्धहोइ ॥ अन्य ॥ करेछकीजर छेरीकेसूतमेवांदिलिंगलेपकरैरातिकरैलिंगस्थूलहोइ ॥ अन्य ॥ विष्णुकोताकीजर घेरकीलकरीसै  
घोदिलेइकारेसूतेसकहिमेवांधैलिंगवृद्धहोइ ॥ अन्य ॥ मूराकेवीजात्करेगाइकेघोउमैपचावे लिंगमेमर्दनकरैस्थूलहोइ ॥ अन्य ॥ मूराकेवीजाति  
लकेतेलमे औटेसगावेलिंगमेस्थूलहोइ ॥ अनारकेवीजावकलासरसोकेतेलमेवांदिलेपकरैलिंगस्थूलहोइ ॥ अन्य ॥ असगध धतूरेकरसैघल्ले  
लिंगलेपकरैहोइ ॥ अथसुकस्तंभन ॥ रदोरकीजपुष्पनक्षत्रमैनग्नहोइकेलेर सौठिमरिच पीपरि समलेइगारकेदूधमेवांदिगोलीकरेछा  
यामैमुषकेमुषमैराधवीर्यस्तेभहोइ ॥ अन्य ॥ मैनीकीजर भरघलाकीराधएकत्रकरिमेवांधैवीर्यस्तेभहोइ ॥ अन्य ॥ कारेधतूरेकीजरकोवकला  
मधुसैपीसिलिंगलेपकरैसुकस्तंभहोइ ॥ अन्य ॥ लालअजगरीकीजरसोमवारकोनैउतआवे मंगलवारकोप्रातकालले औवेकरिवांधेवी  
र्यस्तेभहोइ ॥ अन्य ॥ शुद्धनीकीजरपन्नमैषाडघरनघाडसुकस्तंभहोइ ॥ अन्य ॥ सुपेतअककीजरईकीवाती सुगारकेतेलकोदियावारे  
जवलौतेलवैरतवलौवीर्यस्तेभहोइ ॥ असगधकीजरछेरीकेदूधमेवांदिलिंगलेपकरैवीर्यस्तेभहोइ ॥ अन्य ॥ पुष्पनक्षत्रमेसेतकनैकीजरलेइ  
लालसूतेकोडोरासैकरिमेवांधैवीर्यस्तेभहोइ ॥ अन्य ॥ सेतकनैकीजरकोवकलावांदि अपनैमूचसैलिंगलेपकरैसुकस्तंभहोइहीगाकेपूरघोउ



सारसं०  
१०२

सौहिधतरेकेपान एकवधिसिकैनाभिलेपकरैवेलेपकरैविदुस्थिरहोइ ॥ अन्य ॥ मुंडी ईशवेध जाइपर जाइपत्री अफ्रीम भाग अजवादन  
सवओषदेवांदिभोगकेपानीमे गोलीवांधेमासे ॥ घाइसंभनहोइ ॥ अन्य ॥ तालसधाने मूसरी सौहिधमरा करैछकेबीजा असगंध सेवकेफूल  
स्पामसकीजर सतावरि मोचरसकाइ इधमैपिअमात्रा ॥ १२ ॥ संभनहोइपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ अफ्रीम जाइपर धतूरेकेबीजा घीउसेलिंगलेपक  
रेलिंगहोइहोइ संभनहोइ ॥ अन्य ॥ माजूफलपैसाभरि जाइफलपैसाभरि अफ्रीममासेभरि वसूरकीछालकोचूरामासेदोभरि घमराकोरसअ  
धेलाभरि धतूरेकेफलकेरससैधरलेपहर ॥ तव गोलीवांधेचनाप्रमान एकगोलीनित्यघाइपहर भरेकोबंधजहोजवदेरैमैपसीना आवैतव  
घलासहोइ ॥ अन्य ॥ आककेइधमे अफ्रीम घेरि रंटीलेपकरैसंभनहोइ ॥ अन्य ॥ आकबीजा धतूरेकेबीजा समदशोध समभागलेइयत  
सोमधुसैगोलीवांधेघाइचनाप्रमाननौसंभनहोइ ॥ अन्य ॥ वचकूट गजपीपरि असगंध समलेइ लिंगलेपकरैकनैरकेघीउसे ॥ अन्य  
अजाइध धूतरइध लज्जुकीजर एकवहायपाउनाभिलेपकरैसंभनहोइ ॥ अन्य ॥ त्रिफलाकीविजी ॥ १२ ॥ इधमैपिअसंभनहोइ ॥ अन्य ॥  
दालचीनीदेक २ उरदेक १ एकववांदिइकहीकरियाइमिश्रीदेक २ मिलैकै सारकैघाइबंधजहोइ ॥ अन्य ॥ गाजरउसेरकेघीउसेघाइ  
सारकैतोबंधजहोइ ॥ अन्य ॥ कुस्मातुलसीपानदेक २ अकलकरादेक १ पुरानैगुडदेक १ सवएकववादिगोलीकरैचारिघरीदिनरहेत  
वगोलीघाइउपरैतैसारकैइधपिअसंभनहोइ उतारनिवू ॥ अन्य ॥ जाइफल जाइपत्री लौग भाग कपूर मिश्री समलेइ एकववादिगो  
लीकरैछोटेवेरप्रमान उतारनिवू ॥ अन्य ॥ सेतकनैरकीजर अफ्रीम एकववांदि लिंगलेपकरैसंभनहोइ ॥ अन्य ॥ वाजीकरण ॥ विलार्कंद  
कोचूरकिरिहैविलार्कंदकीरसकीभावनादेइ मुखेमुखे ॥ मधुघीउमिलारकैघाइपुष्टहोइ इशरस्वीभोगकरै ॥ अन्य ॥ अवरैको

राम  
१०२

होइ १

चूर्णकरि आवरेकेस्वरसकीभावनादेइ मधुघीउसै सानिघाइ रातिकैपुष्टकाभिकहोइ ॥ अन्य ॥ तालबुधारेकेबीजा साठधानकेघाउर वांदिचू  
रीकरैमधुघीउसै सानिघाइ रातिकैतौपुष्टहोइ वाजीकरणहोइ ॥ अन्य ॥ गुरिचकोसत त्रिफला जाठै एकवचूर्णकरिमधुघीउमिलारकैघाइ ॥ १२ ॥  
सारकैरेशघाइपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ अश्वनीनक्षत्रमेवदकोबोलेइइधमैवांदिपिअ ॥ १२ ॥ पुष्टहोरकामोदीपनहोइ ॥ अन्य ॥ पुष्यनक्षत्रमेसतआककी  
जरलेइसाइकेइधमैपिअदिन ७ तौकाभिकहोइ ॥ अन्य ॥ पूर्वाभाद्रपदनक्षत्रमेवेलकीजरलेइ पानीमेवांदिपिअ ॥ १२ ॥ पुष्टहोइवलहोरकाभिक  
होइ ॥ अन्य ॥ जाठैकोचूर्ण ॥ १२ ॥ मधुघीउमिलारकैघाइउपरैतैइधपिअकामोदीपनहोइ ॥ अन्य ॥ सैमरकीजरकोरस घाउउरिहैपिअदिन ७  
काभिकहोइ ॥ अन्य ॥ विलार्कंदकोचूर्ण ॥ १२ ॥ घीउमेसानिइधमैपिअपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ मधु सैमरकीजरकोचूर्ण मूसरीकोचूर्ण घीउइध  
मैपिअ चिरवाकीभाररतिकरै उरदकीधौसकोचूर्णघीउमेसानिइधमैपिअपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ पीपरि सैधानोन मिश्री घीउइधमैपिअ  
पुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ मिश्रीतिलइधमैपिअपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ गुरुखरू तांबुधारेकेबीजा सतावरि करैछकेबीजा गगेरुवाकीजर स्पामसकी  
जर एकववादिचूर्णकरिइधमैरातिकैपिअपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ पीपरकेफल जरकोबकला ॥ १२ ॥ इधमैपिअमधुघाउसंयुक्तपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥  
सतावरिकोचूर्णघीउमेसानिवौगुनेइधमैपिअघाउपीपरिमधुसंयुक्तघाइपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ गुरुखरू करैछकेबीजा गुरिचकोसत  
गजपीपरि तालबुधारेकेबीजा केराकेफल सतावरी ककरीकेबीजाकीबीजी समलेइवांदिचूर्णकरैसवचूर्णकीवगवरमिश्रीमिलोवैम  
धुसैसानिपीठिकरैचीकनेवासनमेधरिरायेएकपैसाभरिघाइउपरैतैगाइकोइधथोरैपिअ रातिकामेश्वर ॥ अन्यकामनायक ॥  
करैछकेबीजा तालबुधारेकेबीजा उरद तिल गुरुखरू सौ समलेइवांदिचूर्णकरैसवचूर्णकीवगवरैअधुनकमिलावैसवकीवग  
मारो १



सारसं०  
१०३

वरचिनीघाउ डारिकै एकचकरै गाखे दूधमै पिअै ॥ १२ ॥ असभोजनके पहिले ते लके से के वराधार फिरि और भोजनक रे पुष्ट होर कामवै ॥  
अन्य ॥ असगध स्यामसकीजर सैमरकीजर सतावरि विलार्कंद केर कौकंद तालवधारे के बीजा करै छे के बीजा समले इवादि चूर्ण करै चूर्ण  
की वरावरमारो अभकमिलारहेर सबकी वरावरचिनीघाउमिलारहे के गाखे गाखे दूधमै पिअै ॥ १२ ॥ एकमहीना भरखाइ दूधको सेवन भातया  
उषारवल होर वीर्यवै ॥ अन्यधात्रीलोहः ॥ आवरे के फल कौ चूर्ण त्रिफला के बूडे की भावना सुषे सुषे देर २१ तब चूर्ण की घौथार मारो लोह  
मिलो वै मधुघीउ से सानिधिरा घैषा ॥ १२ ॥ मात्रा दूधमै ले करी है परंतु जे सोवल होर ते सो धार उपर ते दूध घाउ पिअै पुष्ट होर ककरी कुम्ह  
डा करे ला करौ दार उरदन धार ॥ अन्यकामेस्वरः ॥ अभकमारो कारपर कूट असगध गुरिच कौ सत मौथा मोचरस विलार्कंद मूसरी  
गुरघुरू तालवधारे के बीजा केर कौकंद सतावरि धवर के फल उरद तिल धना जाहे गगेरुवा कीजर कचूर जार फल सेधो भारंजी काकराथं  
जी विकड चित्त उर तज पत्रज लाइवी नागकेसरि पथरसगा कीजर गजपीपरि दाघ हरद रूसो करै छे के बीजा सैमरकीजर त्रिफला समले  
इ चूर्ण करि चूर्ण के वरावर भांगमिलारहे के एवज करि सबकी वरावर घाउमिलारहे के मधुघीउ से सानिधिरा घैषा मधुघीउ से सानिधिरा  
घे नित्य सेवन करै पुष्ट होर क्षयी रोग जाइ कास स्वास महा अतीसार हरि होर मंदाग्नि जार गहरी अर्श प्रमेह स्तेष्मरक्त विकार हरि हो  
र एक वरख सेवन करै ॥ अथ कामदेव चूर्ण ॥ गुरघुरू के बीजा १॥ करै छे के बीजा २॥ गगेरुवा कीजर १॥ सतावरि १॥ विलार्कंद के बीजा २॥ ककरी  
के बीजा २॥ असगध ३॥ वंशलोचना १॥ मूसरी १॥ गुरिच कौ सत १॥ रक्त चंदन १॥ लाइवी १॥ तज १॥ पत्रज १॥ पीपरि १॥ आवरे १॥ लो  
गा १॥ नागकेसरि १॥ सब एक चूर्ण करि छोटे सेमर कीजर के रस की भावना २१ कुसकास उरई इनके जर की रस की भावना देर तब चूर्ण

२०  
१०३

की वरावर घाउमिलारहे धार ॥ १२ ॥ अथवा २५ डूध मुकवीर्यहानि मूत्र कृष्ण मूत्र घात मूत्र दोष जाइ वीर्यवै वाजीकरण होर बल होर  
॥ अथ गुरघुरूपाकः ॥ गुरघुरू के बीजा कौ चूर्ण टका सोरा भरि दूध टका कौ सदि भरि मै पचावे जवगा हो होर तब घेर लोग लोह मारो  
मरिच कपूर अकलकरा समद सोय जीरे हरद दाह हरद आवरे पीपरि केसरि जार फल जार पत्री अजमोद जटामासी सौंठि तालमाषने  
एसव अधेला अधेला भरि लेइवादि चूर्ण करै सवते आधी भांग सबकी वरावर घाउ धीउटका आठ भरि एकत्र पाग करै मात्रा घे के बीजा एक  
भरि पुष्ट होर वीर्यसंभ होइ वाजीकरण होर ॥ अथ कूष्मांडपाकः ॥ कुम्हडा टका १००१ उसे रले रक्त रा करिके वांछि पिठी करै तब  
सौंठि मरिच पीपरि अकलकरा जीरे लाइवी तज पत्रज नागकेसरि हरद वंहेरे आवरे स्यामसकीजर गगेरुवा कीजर सहदेई सतावरि  
तालीस मैथी निसोत वडी दंतै कीजर गजपीपरि तालवधारे के बीजा तिल दाघ गुरघुरू मौथा बर्व असगध चिरोजी करै छे के बीजा  
कचूर जाहे बंसलोचना पीपरि कमल कीजर लोग सैमरकीजर भांग कंकोल मरिच जार फल जार पत्री विलार्कंद समद सोय मूसरी सि  
घारे एसव अधेला अधेला भरि वांछि चूर्ण करै धीउटका सोरा भरि अभक टका एक भर घाउ टका पचास भरि एकत्र पाग करै धार १॥ पुष्ट होर कामो दीपन  
होइ मंदाग्नि जाइ राजज स्मा अम्ल पित्त पांडु स्वासरक्त पित्त प्रमेह वली पलित हरि होर ॥ अथ कौष्ठपाकः ॥ करै छे के बीजा १॥ चूर्ण करिके दूध २॥  
मांश के वासन्त मेह आचमै पचावे जवगा हो होर तब धीउटका उ२१ जार फल जार पत्री कंकोल मरिच नागकेसरि लोग अजमोद अकलकरा समद  
सोय सौंठि मरिच पीपरि लाइवी तज पत्रज केसरि प्रियंग गजपीपरि अधेला अधेला भरि वांछि चूर्ण करै सब एक चूर्ण करि पाग करै धार १॥ प्रमेह जार छी  
नता जार मूत्र कृष्ण पथरी गुल्म सूतल जार छी पुष्ट होर गभ होइ रक्त विकार जार पुष्ट वाजीकरण होइ बल होइ कामवै नेत्र रोग जाइ ॥ अथ विषयलीखे

३



३: पीपरि १६१ ६४। भरेमैपचावे घीउ३२। गारकोषाउघिनीटकाउ३। लोहेकीकराहमैऔटेजवपागसोहोदवओषदेचूराकिरीडोरे लार  
चीतजपत्रज लोहा जगमासी सोढिपीपरि मोथा चंदन मरिच कपूर जारपत्री केसरि जादे तिल वंग लोह अभ्रक तामो सबकाटकाभरिले  
३ मधु४। एकत्रमिलारदेरवार ॥ अथवा थोरोजेसोबलहोइते सोधार पछिहोइ रुचिहोइ बलहोइ नेत्ररोगजार दीर्यवहे छदिमूर्च्छाभ्रमदाहत्  
ह्माजार तेजहोइ सुकहोइ प्रमेहवीसभांतिकेजार वातजार अघ्नजरजार अष्टादशकुसुजारवालेको को स्त्रीकोजोगपते ॥ अथरंजन॥  
तत्रादौदेहरंजन ॥ हररलोध नीमकेपान सप्तपर्णी दरिमाकेवकला सबपानीमैवांदिदेहमैलेपकरैसरीरडुर्गंधजार ॥ अन्य॥ अंनं॥  
हरर चंदन मोथा नागकेसर उरई लोधकूट आवरेसमलेरपानीमैवांदिदेहमैलेपकरैपसीनाडुर्गंधइरिहोइ ॥ अन्य॥ हरर बेलकीजर र  
मलीकेफल कंजकेबीज पानीमैवांदि गरमीकेदिननमैदेहलेपकरैअंगडुर्गंधजार ॥ अन्य॥ कदमकेपान लोध कोहाकेफल एकत्रवांदि  
देहलेपनकरैदेहकीडुर्गंधजार ॥ अन्य॥ चंदन उरई कदमकेपत्र वहेरेकीविजी वेरकीविजी अगर पीसिकैसरीरमैलेपकरै स्त्रीअथयुग्मदे  
हकीडुर्गंधइरिहोइ ॥ अन्य॥ दरिमाकेवकला जादे मधु लोध कमल नीमकेपान पानीमैपीसिस्त्रीसरीरमैलेपकरैउष्मकालमैपसीनाडुर्गंधइ  
रिहोइ ॥ अन्य॥ केसरि उरई सिरसकीछाल लोध एकत्रचूर्णकरिअंगमैलेपकरैपीषमरितुमैपसीनादेहकीडुर्गंधइरिहोइ ॥ अन्य॥ लोही कपूर  
पत्रक चंदन हररमोथा पानीमैवांदिअंगमैलेपकरैडुर्गंधजार ॥ अथसौगंधकरां॥ लोही मोथा नख आमकेपत्र पत्रक एकत्रवांदिमू  
उमैवारनमैलगारेकैस्नानकरैसुगंधहोइ ॥ अन्य॥ केसर मोथा उरईहरर पानीमैवांदिमूउमैलगारेकैस्नानकरैसुगंधहोइ ॥ अ  
न्य॥ हरर आवरे जामुनकेपान मोथा जगमासी पानीमैवांदिलेपकरैस्नानकरैसुगंधहोइ ॥ अथकेसरंजन ॥ विफला लोहेकोरेतन

लील घमरा एकत्रचूर्णकरिछेरीकेसूतमैघोटेदिन १वारनमैलगवेवारस्याहोइ ॥ अन्य॥ गुग्गुलीफल कोचूर्ण कूट लोहवी देवदारु स  
मलेरघमराकेरससैएकदिनघोटे सबचूर्णतेचो गुनोतेलमैमंद आचसैपचावैतेलछानिकैवास्तमैलगवेघनेहोइस्याहोइ ॥ अन्य॥ वि  
फला लोहचूर्ण ऊँकोरस घमराकोरस कारीमाही एकत्रवासनमैधरिकैएकमहीनाभरिगाडिरावेफेरिवारनमैलगवेचारिमहीनालोवारका  
रेरहे ॥ अन्य॥ लोहचूर्ण डपहरियाकेफल आवरे एकत्रपानीमैपीसिवारनमैलेपकरैदिन ३दोमहिनालोवारस्याहोइ ॥ अन्य॥ घमराको  
रस १६। कारेतिलकोतेल लीलकोरस १६। एकत्रवापहरघोटेवारनमैलगवेवारस्याहोइ ॥ अन्य॥ विफला लोहेकोचूर्ण पानीमैवादि  
केदोउकीवरावतेलमैपचावैमंद आचसै तेलकीवरावघमराकोरसपचावैचोकेनवासनमैधरिकैमुहमूदिकैधरतीमैगाडिरावेमहीनाएकत  
वनिकासिकैवारनमैलगवेऊपरकरैकेपानलेपकरैपरासेवाधिरावेवैहरनलगैनिर्वातिस्यलमेरहेदूधपिअविफलाकेजलसैनिसधोवैतव औ  
रलगवेसातदिनएहीप्रकारकरैअरुइधपिअसातदिनमैकेसरंजनहोइबहुतदिनलोवारस्याहोइ ॥ अन्य॥ भैंसकेसींगमैकोरेजीरेभरिकैकी  
चमैडारिरावेमहीना १फेरिअधेलाभरिजीरेनिकासिकैबोदिकैसूडेमैवारनमैलगवेवारस्याहोइ ॥ अन्य॥ लील सैधौन पीपरि घृत डप  
हरियाकेफल एकत्रवारनमैलेपकरैमहीनाएककेसरंजनहोइ ॥ अन्य॥ आमकेफल छोटफल पिडारु लील तिलकेतेलमैपचावैवारस्याह  
होइ ॥ अन्य॥ इंदोरनकेबीजातेलमैलगवेरोजवारस्याहोइ ॥ अन्य॥ आवरेतीनभाग हररदोभाग वहेरेएकभाग आमकीगोहीएकभाग  
लोहेकोचूर्ण एकभाग एकत्रलोहेकासमैपीसिकैपानीमैधरिरावेलोहेकासनमैरातिभरिधरोरहतबलगावैवारस्याहोइ ॥ अन्य॥ विफ  
ला लीलकेपान लोह घमरा एकत्रछेरीकेसूतमैलेपकरैवारस्याहोइ ॥ अन्य॥ विफला लोहचूर्ण दरिमाकेवकला पाचपाचटंकभरिलेइ



सारसं०  
१०५

चूराकरि घमराकौरसरकाईधमरेमैघोरिकेलोहकेवासनमधरिकैधरिकैधरतीमैगाडिराधमहीना१पाधैनिकासिकैछेरीके२  
इधमैलगावैवारनमैरातिकैअरुअंडकेपातलपेडपरतैकपणकैवोधैप्राप्रखानकरवारधोरडोरैतीप्रकारतीनदिनकरवारस्याहोइ ॥ अ  
थकेशमुलीकरा॥ तरैपूहरकेइधमैभिजेराधैदिन७तववारिचूरकरितेलमैमिलवैवारनमैलावैसुपेतवारहोइ ॥ अन्य॥ पूहरके  
इधमैसेततीलीभिजेराधैवाटिलेपकरैवागुपेतहोइ ॥ अन्य॥ गोरोचन तिल चूरकरिपूहरकेइधमैसातभावनादेरवाटिलेपकरैवारसेतहोइ  
॥ अन्य॥ सतवारि तिल गोरोचन कौवालेटी एकववाटिपानीमैवारनमैलगावैवारसेतहोइ ॥ अथकेसस्पजूकादिनिवारण॥ गारकेमूत्र  
मैवववाटिलेपकरैजुंवहोइ ॥ अन्य॥ पारो कारेधतूरकरैससैधौरिकपरामैलेपकरैसोकपरामूडमैलेपेदेतीनपहरहनदेरजुंवगिरि  
जाइ ॥ अन्य॥ तरददारुहरद एकववाटिनैमैलेपकरै ॥ अन्य॥ कमलगटा तिल जाठै सरसौ नागकेसरि तरद गंधक गोमूत्र विडंगा स  
रसौकौतेल आवरे एकववाटिवारनमैलगावैजुंवजाइ ॥ अन्य॥ वेलकीजर गोमूत्रमैवाटिलेपकरैजुंवजाइ ॥ अथइंद्रलुपनिवारण॥ इंद्रलु  
पमैवारगिरिजातहै ॥ गुगचीकेफल मधुएकवलेपकरैमूडमैवारहोइअरुवडेहोइगिरवैतैववै ॥ अन्य॥ हाथीकौदांतवाटिकैरसौत  
छेरीकेइधमैवाटिलेपकरैवारहोइआवै ॥ अन्य॥ चमेलीकेफल पानजर गोमूत्रमैवाटिलेपकरैकेशहठहोइदिन७ ॥ अन्य॥ सिघारे  
त्रिफला घमरा कमलगटा लोहचूरसमलेरवाटिचूरकरैचौगुनेतेलमैपचावैवारहठहोइसरलहोइ ॥ अन्य॥ भिलमा कदारि गुगची  
कीजर मधुसैलेपकरैवायुइंद्रलुपजाइ ॥ अन्य॥ भिलमा कारेतिल कदारिकेफल समलेरवाउरनकेधोवनसैपीसिलेपकरैइंद्रलुपजाइ  
॥ अन्य॥ उपरिक्केफलकारीगोकेमूत्रसैलेपकरै ॥ अन्य॥ तिलकेफल गुरगुरुगारकेघीउमैपीसिसातदिनलेपकरैवारदीघहोइ

२१०  
१०५

अन्य॥ सैमरकीजर मूसरी कमलकीजर इधमैवाटिमूडमुडाइकेलेपकरैसातदिनमैरंजनहोइ ॥ अन्य॥ कपेयरवरकेपानकौर  
सलेपकरैदिन७इंद्रलुपजाइ ॥ अन्य॥ कदारिकौरस मधुलेपकरैइंद्रलुपजाइ ॥ अन्य॥ गुगचीकीजरअथवाफललेपकरैअथवा  
भिलमाकौरसलेपकरैइंद्रलुपजाइ ॥ अन्य॥ गुरगुरु तिलकेफल मधुघीउ समलेइधिरमैलेपकरैकेशवै ॥ अन्य॥ जाठै क  
मल दाध तेल घीउ इध एकवलेपकरैवारइठहोइघनेहोइइंद्रलुपजाइ ॥ अथदासरो दासरागोगशिरमैहोतहै ॥ चिरोजो जाठै कूट  
उद सैधो एकवमाधैमैलेपकरैमधुसंयुक्तदारुजाइ ॥ अन्य॥ वाषसदाने इधमैवाटिलेपकरैदारुनजाइ ॥ अन्य॥ आमकीगोही  
तरर चूरकरिइधमैपीसैसिलेपकरैअरुनजाइ ॥ अथस्त्रीरोगचिकित्सा ॥ तत्रसूतिका रोगलक्षणाचिकित्सा ॥ जोस्त्रील  
रकाभयेउपरांतप्रवातादिकअहितसेवनकरैअरुदोषकोपजनकअन्नपारविषमभोजनकरैतैअजीराभोजनतैइतनैरोगहोतहै  
गमद्विचरकंपपियादेदगरई शोथ शूल अतीसार इनमैजोपहिलेहोइसोरोगकहावे असुरोगकेभयेपाधैजोहोइसोउपद्रवकहावे  
अरुदायपाउहृदयकंठविषेपसीनावुहठहोइ आक्षेपकअपतंत्रकएवातआधहोतहैताकीचिकित्सा ॥ अथसुवर्णपर्यटीरसः॥  
सोनैमासोलाएक अथवासोनेकीजंगासोनामावीमारीतोलाएक सोनैतैसोनामाघीउतमहै तरतालकौमारोरूपोतोलाएक तामोमा  
रोतोलाएक अधकमारोतोलाएक स्वयमग्निलोहभस्मतोलाएक चंद्रोदयउतमतोलाएक छोटैमोतीतोलाएक गंधकशुद्धतोलाहोइ  
सवएकचकरिकैपहरभरिसूधोघोटै तेहिउपरांतकेरकीजरकरैससैदिनतीनघोटै सैमरकेमूसराकेकाठैसैदोदिनघोटै गुवारिकैरससै  
दोदिनघोटै तवयहसुवर्णपर्यटीरससिद्धहोइ दोरतीस्वर्णपर्यटीरस दोपीपरिकौचूरामिलाइकेमधुसैवारप्रातःकालप्रसूतिरोग







सारसं०  
१०७

के असुपित लामै रनचार उतै वतत पित के लक्षणा को अधिब होत है ॥ अथ पितला ॥ जेह योनि में असंत दाह पाव ज्वर नील पीत स्याह  
असौरक्त होर सो पितला कहावे ५ कफ तै पाच योनि रोग होत है अत्यानंदा कर्षिणी अचरण अतिचरण स्नेषला ५ अथ अत्यानंदा ॥  
जो भेयुन करि के संतोषन पावे सो अत्यानंदा कहावे ॥ अथ कर्षिणी ॥ जेहि के योनि विषे कफ असुलोह से मांस थोधि होर कर्षिका कमल  
के फूल के भीतर जो मल सी होत है तेह की आकार मांस की बोटी होर जेह योनि में सो कर्षिणी कहावे ॥ अथ अचरण ॥ पुरुष नै भेयुन ना  
ही करौ विन भेयुन अपनै वीर्य कह गिरा देर अचरण में जो विन भेयुन स्त्री को वीर्य गिरत है तेह को कारण यह है के कफ से योनि में  
घजुरी वृद्ध होत है घजुरा एसे वीर्य गिरि परत है विन भेयुन ॥ अथ अतिचरण ॥ जेह योनि विषे वारं वार भेयुन करौ ॥ जेह नद हरे  
असु अतिचरण में वारं वार भेयुन वृद्ध होत है अचरण में वीर्य विन भेयुन गिरत है असु वारं वार भेयुन से गिरत है असु अतिचर  
ण में विन भेयुन जनाही गिरत है केवल भेयुन से गिरत है परं घजुरी इनो मह होत है ॥ अथ स्नेषला ॥ जो योनि पिछिल होर असु  
घुजाइ असु अतिशीतल होर अत्यानंदा कर्षिणी अचरण अतिचरण इन चारि उ विषे कफ के लक्षणा वृद्ध होत है असु स्नेषला योनि  
में उन चारि उतै अधी कफ के लक्षणा होत है पांच योनि रोग और है खंडी अंडिनी विवृता अतिसंचता विदोषनी ५ अथ खंडी ॥ जेह यो  
नि सै रजत निकसे असु वृद्ध की के स्तन निपट छोटे होर असु भेयुन में योनि धर स्पर्श होर को र्य करवरी होर सो खंडी कहावे ऐसी योनि बाला  
की होत है ॥ अथ अंडिनी ॥ जो योनि दीर्घ लिंग पुरुष करि के गृहीत हो सो अंडिनी कहावे अंड की नाई वाहिर निकसी होर दीर्घ लिंग  
पुरुष के संबंध से ऐसी योनि बोटात रुग्ण की होत है ॥ अथ विवृता ॥ जेह योनि को छेद वृद्ध वंडो होर सो विवृता कहावे ॥ अथ स

वीर्य

रा०  
१०७

वृता सज के छेद की नाई जेह योनि को छेद संकीर्ण होर सो अतिसंचता कहावे ॥ अथ विदोषिनी ॥ जेहि में सव दोष के लक्षणा होर सो नि  
दोषिनी खंडी अंडिनी विवृता अतिसंचता इन चारि उ विषे तीन उ दोष के लक्षणा होत है विदोषिनी में वृद्ध होती नड दोष के लक्षणा मिलत  
है एपाचो विदोष जनि तजो निरोग असाध्य है ॥ अथ योनि रोगाणां विक्त्वा ॥ तोला भरि सौ मास तोला भरि तोला येक  
इनो कह एक पहर घौ है तोला भरि सुगंध कलेर तेह कह थोरि कतिल के तेल में लोहे की करछुली में पिघलावे तब रूपी असु तामो मिलावे  
लकरी से छन एक बलावे तब तेर गोबर तेहि के उपर केरा को पात तेह पात पर करछुली में जो ओषध है सो डारि के फेलाइ के तेह के ऊपर इसरो केरा  
को पात धरे तेह पर फेरि गोबर धरे छन एक रुतन देइ पाछे निकासि लेइ लता से तेल पोछि के पोसि के धरि राखे चारि रती तेल के मधु घी उ से धारव  
उत दिन के सेवन सव रोग योनि दूरि होर ॥ अन्य योनि रोगाणां विक्त्वा ॥ तेहि में एक स्नेषला योनि रोग है ॥ स्नेषला योनि में योनि  
कभीतर घजुरी वृद्ध होत है तेहि की विक्त्वा ॥ गुरिब आवरे हरर बहरे वडो दौन की जर आध आध पाउ सब एक व कूटि के आठ सेर पा  
नी में औलावे जब से भर पातीर है तब छानि के करवा में डारै कुन कुनो पानी को तरा योनि में देर करवा की बोटी होर के योनि की घजुरी दूरि हो  
इ सात दिन एही भांति करै अथ वामुरी के अंडा के भीतर को पीरो पानी योनि में लगावे योनि की घजुरी दूरि होर ॥ अत्यानंदा ॥ कर्षिणी अचरण  
अतिचरण ए जे है चारि कफ जन्य योनि रोग तेह मह घजुरी होत है तेह को उपाय एही है लोहिताक्षरा प्रखंडिनी वामीनी पुवघी पितला  
एह जे है पाचो पित्त जन्य योनि रोग तेह मह दाह वृद्ध होत है ॥ तिह की विक्त्वा ॥ पित्त जन्य जे है पाचो योनि रोग तेहि के हरि करि वेति भित शीत  
ल सेक शीतल अभंग असु शीतल फोहा ए जे है पित्त हर विक्त्वा सो करै असु तेहन के निमित्त घी उ लगावे असु पित्त जन्य योनि रोग में



संस्कृत  
१०८

मी १

दोपे सुभ

रक्त

एकप्रखंडसिंघोनिरोहप्रखंडसिनीमैयोनिमैयोनिअपनेठिकानैसैनिकसिपरतहेतेहकहघोउसैमर्नकरैरेरिइधकेबफारेसैसैकेअरअगुरीसै  
दाविकैभीतरपैगारदेरतेहिकेऊपरवेसवारवांधैनेहिनैफेरिननिकसै सौदि मरिचपीपरिधना जीरे अनारकेफूल पीपरासूर एसवकूटिकैपानीसै  
पीसिकैएकलुगदीवनावै रहिकैनामवेसवार यहगरमागरमयोनिपरराधिकैउपरगदीदेरकेवांधैतोप्रखंडसिनीनीकौहोर अरदाहकेदूरिकरिबे  
निमित्त आवरेकौरसमिओउरिक्केपिआवेयोनिदाहदूरिहोर अरविफलाकेपानीसैसीधैसतधौतघृतकोलेपअभ्यंगकरै चंदनादिनैलमैलतावो  
रिक्केवहफोहायोनिक्केभीतरराधै अथवाचंदनकपूर पानीसैगरिक्केलतामैलगाइकेतेहकौफोहायोनिक्केभीतरराधैयोनिदाहसबदूरिहोर वा  
तजन्यजेहेपाचयोनिरोगा उदावर्ता वंधा विभुता परिभुता वातला रनविषैपीडावततहोतेहेनेहिकीचिकित्सा ॥ तगरकदारकूट संधौनोन  
देवदार दोदोपैसाभरिलेदूरिक्केएकदिनपानीमैभिजेराधैविहानैसिलमैपीसिकैपिठीकरैदोसेरपानीमैधोरिक्केवहपिठीसेरभरितिलकेतेलेमैडा  
रेधीपीआंचसैदिनदोरमैतेलपचारलेरतेलछानिकैतेलमैलतावोरिक्केयोनिमैराधै वातजन्ययोनिक्केपीडाहूरिहोर ॥ इतिरोनिरोगेकंडूदाह  
वेरनाचिकित्सा ॥ अथअवसिष्ठानांयोनिरोगानांचिकित्सा ॥ तत्रप्रथमंवंध्यायाचिकित्सा ॥ वंध्यावहकहावैजेहिकैअनुनहोर अ  
नुहोरतौला ॥ पिकाहोरजौअनुनहोरतौवाफकहावै वाजकैआर्तवनाहीनिकसत तिहिकेनिकसिवेकेलानैरनओधदनकोसेवनकरैम  
छरीरंधिकैनित्यवारतौअनुआवे अथवाकंजीकेतराधार अथवातिलधार उरद्वार अथवाबहदहीधारजेहिमै आधोपानीहोर मा  
लकागुनीकेपातअधेलाभरिगार अधेलाभरि वचअधेलाभरि बीजेकौसारअधेलाभरि मिहीकूटिकैतीनभागकरै ठेंगेगारकेइधसैपी  
सिकैपिअतीनदिनआर्तवजोवैरभयोहोइसोनिकसिपरै अथवाएकपरमुरगीकौ अरएकफलवेंदालकेभिजेवै परकीनोकवेंदालके

रा०  
१०८

फलमैपहिरावै परकेबारहूरिकरै अरवेंदालकेफलकेकांटेरगरिक्केहूरिकरै पाचपेरीसूतसेवेंदालकोफलसूदे यहिलैएकपेरीसूतसेमूदे एहीभां  
तिचारिपेरीसूतौआरलपेटे वेंदालकोफल परकेफुलगासैनिकसिनपरैतेहीवासेसूतौवांधतेहेउपरसैतीनआगुरतोरै नरैसुतवाकीषरीसेलपे  
टैदोआगुरपरतरेवांकीरहै वेंदालकीतरयजोनिमैलगावै आठपहरलगोरहनदेइप्रातःकालहूरिकरै विहानैकीवनीसाजलोलगीरहनदेइअ  
रसाजकीवनीविहानैलोलगीरहनदेइइहिभांति आठपहरमैदोवतीदेइ जौदोवतीसेलोहूधूवैतो औरवतीनदेइ जोलोहनसूदेतौदोवतीऔ  
रचलावै चारवतीमै कामहोतेहे जौवतीकेहीनैसैयोनिमैसजनहोइकटिपीडाहोरगमीहोइतौकछुचिंतानकरै यहवतीयोनिदेहीहोरतौसूधी  
करैसूलकहनलकीपीडाकहधकधकीकहहूरिकरै अरअनुजोवेंदभईहोइतेहकहघोलिदेइ अरयहवतीचारमहीनाकेगर्भकौ गिरावै जहा  
लोहूधूतदागभअवस्यकैगिरै ॥ अन्य ॥ करईतुमरियाकेबीज वडीदतौनिकीजरकोबकला पीपरिगुडमैनकर मूराकेबीजा जवावारस  
ववगवरलेइहरकेइधसैपीसिकैवातीकरैधाममैसुवारकेधरीचारिवरवातीयोनिमैराधै आर्तवजोवेंदसैनिकसै अरआर्तवकेनिकसैउपरां  
क तजेहगर्भनरहेतेहकौ औरउपायहै पुष्पनक्षत्रमैलक्ष्मनाकीजरउपायैगाइकेइधसैकन्यासैपिसावै अरउपरांतवौयेदिनपिअतौगर्भ  
रहेवेदाहोरयहवातपूहीनाही ॥ अन्यप्रकार ॥ पारसपीपरकोफलएक जीरेछदामभरि सुपेतफलकोसरकोकाधदामभरि सबपानीमैपीसिकै  
पिअतौगर्भरहेवेदाहोरसत्यहै ॥ अथान्यबंध्याकरणा ॥ जोस्त्रीवाहैगर्भनरहेतौउपहरियाकेफल आरनालसैपीसिकैधारअरुपुराने  
गुडकीभेलीरोहीसैधारतेहिगर्भनरहे आरनाल धान्याम्लकरकहतहै वाउरकोमांडअथवाकोदर्ककोमांडवहतदिनएकवासनमेरा  
वैजववाटोहारसोधान्याम्लकरावै ॥ अथउदावर्तादीनांचुनोचिकित्सा ॥ उदावर्ता विभुता परिभुता वातला तिनविषैमेहादिक



सं०  
१०६

मू

करिके चिकित्सा करे अरु उत्तर वसिदेर अरुवात घुते लसेमईन करे अरुवात घुका दे कौतरे रा अरुवात घु लेप करे अरुवात घु फो  
हा देर रभवारि उयो निरोग विषे हरे ले लेहन करे तिल चाउर डारिके धिचरी वनावे बुद धिचरी मै धी उवत डारै कछु कगर मषा ड धा  
रि पेसा भरि चाउर तेहि मै आर पेसा भरि तिल कूटि के जरे वरु तर पेसा भरि पानी मेरो धेय ह धिचरी न वत गली होर न वत पतरी होर सो घा ड  
अरु मृग की दार अरु चाउर वरावर लेर ते ह की करे अथवा उर द की दार अरु चाउर वरावर लेर ते ह की होत है घे गुनै पानी मेरो धे से परं तु वात  
जो न्यो निरोग विषे ले ह के म के निमित्त तिल अरु चाउर की धी चरी उत मरे तिल चाउर की धी चरी मै धे पेसा भरि धी उ डारिके गर मा गर मषा ड  
य ह धिचरी लेहन है वार से जो को हारु स होर ते हि के रु सता क ह डरि करे वाल व ड कृण नृ स क्षीरा र रु क्षीरा सु क वातार्त निमि र्त्त र न क  
ह लेहन गुन करत है ॥ रति यो निरोग चिकित्सा ॥ अथ ध्वं धा य योग ॥ तत्र प्रथम तो जन्म वं धा चिकित्सा ॥ अतवार कौ सर्पा सी ले ड  
जर पाले समेत कृष्णा गा ड के दूध मै कं न्या के हा थ पि सा वे अरु के चौ थे दिन पि अ पे सा एक भरि सात दिन ए ही भां ति पि अ अरु दूध भात मृग की दार धा  
इ ल घु अहार करे सात दिन ए ही भां ति प थ्य करे उ डे ग भय सो क न करे दिन के सो वन न क छु काम करे जा डौ न स ते घा मो न स ते पति के प्र स ग सो ग भ  
र है पुत्र होर ॥ अथ ॥ रु डा क्ष एक सर्पा सी अधे ला भरि एक वर री गा ड के दूध मै कं न्या से पि सा वे अरु के चौ थे दिन पि अ दिने ७ लो अरु पति ल प  
थ्य करि आ ए ते ते ही भां ति प थ्य करे ग भ र ते पुत्र होर ॥ अथ ॥ सर फौ का की जर अधे ला भरि सीत ल जल मै वां रि पि अ अरु के चौ थे दिन ते दि न ७  
प थ्य सब अघ दन को र के ते जे सो प्र थ्य म क हो ते सो करे ग भ र ते ॥ अथ ॥ पुष्य न स व आदि त वार होर त व स हे दे र जर पाले समेत ले ड  
मो था धि वं ग वर की बी जी दोष म धु सम ले ड एक व करि अधे ला भरि चाउर के धो वन से पि अ अरु के उप र ते दि न सात अरु प थ्य करे वं

१०  
१०६

मो

धा पुत्र वती होर ॥ अथ ॥ सहे दे र पुष्यार्क सि व योग मै ले ड रु रे ड घा य मै सु व के चू री करे एक वर री गा ड के दूध मै पि अ अधे ला भरि अरु के उप रां  
त दि न सात अरु प थ्य सौ र है वं धा ग भ व ती होर ॥ अथ ॥ सि वा की जर लक्ष्म ना की जर एक वर री गा ड के दूध मै पि अ दि न ३ अधे ला अधे ला भ  
र अरु के उप रां त भा री व स न वा ड प थ्य सौ र है पुत्र होर ॥ अथ ॥ पी प रि के सर सौ र मो था म रि व सम ले र गा ड के धी उ मै पि अ अरु के उप रां त वं धा पुत्र  
व ती होर ॥ अथ ॥ अस ग ध कौ का हो करे दू ध धी उ डारि के पि यै जे हि दि न स्न न करे ते हि दि न रा ति के पि अ पुरुष के प्र स ग ते ग भ र ते प थ्य करे ॥ अथ ॥ पुष्य  
र्क जो ग मै लक्ष्म ना की जर ले ड एक वर री गा ड के दूध मै पि अ अरु के उप रां त तो पुत्र होर प थ्य करे ॥ अथ ॥ कुं द की जर धी उ से पी सि अरु के चौ थे दिन धा र व  
ध्या ग भ व ती होर ॥ अथ ॥ पुष्य न स व मै लक्ष्म रा ले र चू री करि पुरुष के हा थ पि सा वे धी उ से पि अ अरु दूध भात धा र पुरुष से प्र स ग करे वं धा ग भ  
व ती होर स त है ॥ अथ ॥ वि सु क्रां ता की जर व धा त रे जो गा ड हो ते के दू ध मै वां रि पि अ जे हि दि न स्नान करे ते हि दि न पि अ ग भ व ती होर ॥ अथ ॥  
ना ग के स कौ चू री ॥ न वी न गा ड के दू ध मै पि अ दि न ७ दू ध भात धी उ भो ज न करे वं धा ग भ व ती होर ॥ अथ ॥ पत जि आ की जर एक वर री गा ड के दू ध मै पि अ स्नान करे त व वं धा पुत्र व ती होर ॥ अ  
थ अरु के उप रां त वं धा ग भ व ती होर पुरुष प्र स ग ते ॥ अथ ॥ पत जि आ की जर एक वर री गा ड के दू ध मै पि अ वं धा अरु के उप रां त पुरुष प्र स ग करे ग भ व ती होर ॥ अथ ॥ अ  
थि नी न स व मै पी प र कौ वा दो ले र गा ड के दू ध मै पि अ वं धा पुत्र व ती होर ॥ अथ ॥ क ह म कौ प व से त क दा र की जर सम ले र छे री के दू ध मै वा रि पि अ  
ती न रा ति अथ वा ण च रा त्रि अरु के उप रां त पि अ ग भ र ते वं धा के पुत्र होर स ती ॥ अथ ॥ गुरु रू के बी जा नि गुं डो के र स मै पि अ दि न ३ अथ वा  
व ती दि न ७ वं धा पुत्र होर ॥ अथ ॥ वि जो रे के एक फल मै जे बी जा क ठ ते स व ले र गा ड के दू ध मै पी सि पि अ पुत्र होर ॥ अथ ॥ सि वा लिं गी कौ फ  
ल एक मै एक बी जा होर सो अरु के अंत मै ली ल जा ड वं धा के पुत्र होर स व अघ द कौ कम य ह है अरु स्नान के दि न ते करे अरु प थ्य भो ज न



करे असुखसुखसौ प्रसंगकरै गर्भरहे ॥ इति जन्मवंध्याधिकारः ॥ अथ काकवंध्या ॥ ॥ पहिल पुत्र हो रया छैवा जहो रजा रसो काकवंध्या कहौवे ॥ तस्य  
विकिसा ॥ विलुका जरा पा ले समेत भै सकै हूध मै वांदि भै सकै नै न संयुक्त धार करतु के चौ ये दिन तै सात दिन करै अरु जै सौ पथ्य जन्मवंध्या को  
कहौ ते तै सौ पथ्य करै नो गर्भरहे ॥ अन्य ॥ पुण्या कजोग भै असगध कीजर लेर भै सकै हूध मै वांदि पै सा एक भरि पार दिन सात अरु पथ्य करै काकवंध्या  
कै गर्भरहे पुत्र होर पुरुष युसंग करै पथ्य करै ॥ अथ मृतवत्सा ॥ जेहि स्त्री के लर का जन्मत हो मरै पंडा दिन मै मरी ना भरे मै वर्ष दिन मै दो वर्ष मै तीन  
वर्ष मै मरै सो मृतवत्सा कहौवे ॥ तस्योपचार ॥ कनिका नक्षत्र मै पूर्व मुख करि के वाजपडोरि न कीजर लेर अथेला भरि पानी मै वांदि करतु के उपरांत पिछै  
सात दिन तौ दीर्घजीवी पुत्र होर ॥ अन्य ॥ विजौरे कीजर हूध मै वांदि बाउर की धार करै सो पिछै करतु के उपरांत दिन सात तौ दीर्घजीवी पुत्र होर ॥  
॥ अन्य ॥ मजीठ जावे कूट विफला घाउ स्पामस मेदा कीजर काकोली कीजर असगध अजमोद हरद दारु हरद होंग कुटकी कमलगटा बी  
ष चंदन रक्तचंदन अथेला अथेला भरि घीउ सोराट का भरि सतावरि कोर सचौ सठटका भरि हूध चोसठटका भरि सब औषधे हूध मै वांदि घीउ  
मै पचावे सतावरि कोर सपचावे घीउ छानि लेर सो घीउ पिछै टका भरि स्त्री पुष्ट होर पुत्र होर जा के लर काम रजात होर सो न मरै जेहि के कल्या होती  
हो रते हर स्त्री के पुत्र होर सर्वगुह हर होर लक्ष्मणा कीजर ॥ १२ ॥ घीउ मै डारै ॥ इति फलघृतं इति मृतवत्सा विकिसा विविधिवंध्या ॥ गर्भधारण  
धिकारः ॥ अथ गर्भधारण ॥ मजीठ धवर के फूल लोध कमलगटा जावे समलेर हूध मै वांदि पिछै गर्भ गिरो जात होर सो न गिरै ॥ अन्य ॥ पु  
थ्य ममास गर्भ पीडा होर तौ जाटै दाष चंदन रक्त चंदन गार के हूध मै वांदि पिछै पुथ्य ममास गर्भ पीडा जा रगर्भ थिर होर ॥ अन्य ॥ चंदन प  
दमाष उरई वारौ सीतल पानी मै वांदि हूध मै घोरि पिछै पुथ्य ममास गर्भ पीडा जा र ॥ अथ द्वितीय मासे ॥ पदमाष सिधारे कसेरवा सीत  
ल पानी मै वांदि हूध मै घोरि पिछै गर्भ पीडा जा र ॥ अथ तृतीय मासे ॥ तगर पदमाष उरई चंदन समलेर पानी सै पीसि हूध मै घोरि पि

अथ गर्भ पीडा जा र गर्भ न गिरै ॥ अन्य ॥ उरई चंदन नाग केसर धवर के फूल घाउ घीउ दही मधु घार पीडा जा र ॥ अथ चतुर्थ मासे ॥ पदमाष केर की  
जर कमल कीजर पीसि हूध मै पिछै गर्भ स्थिर होर पीडा जा र ॥ अथ पंचम मासे ॥ हरिमा के पत्र चंदन दही मधु घार पीडा जा र गर्भ थिर होर  
॥ अन्य ॥ कमलगटा कमल कीजर असगध सीतल पानी मै वांदि हूध मै पिछै गर्भ पीडा जा र ॥ अथ षष्ठ मासे ॥ चिरौजी दाष कमलगटा कसेरवा पानी  
मै वांदि हूध मै पिछै पीडा जा र गर्भ स्थिर होर ॥ अन्य ॥ गार के हूध करि माटी के डाकी शय चंदन घाउ सीतल जल मै पिछै गर्भ स्थिर होर ॥ अथ सप्तम मासे  
॥ गुरु गुरु मजीठ पदमाष मोथा उरई नाग केसर हूध मै वांदि पिछै गर्भ रसा होर ॥ अन्य ॥ गुरु गुरु कीजर धान के फूल घाउ हूध मै वांदि पिछै ॥ अ  
थ अष्टम मासे ॥ पदमाष गज पीपरि कमलगटा धना समलेर पानी मै वांदि हूध मै पिछै गर्भ स्थिर पीडा जा र ॥ अन्य ॥ लोध जाटै पीपरि चंदन रक्त चंदन गार  
के हूध मै वांदि घाउ डारि पिछै गर्भ स्थिर होर ॥ अथ नवम मासे ॥ जाटै पदमाष कमलगटा कमल कीजर हूध मै वांदि पिछै गर्भ पीडा जा र ॥ अन्य ॥ सरि  
न स्पामस कीजर गुरु गुरु कगई हूध मै वांदि पिछै गर्भ पीडा जा र ॥ अथ दशम मासे ॥ मर्चिलिते स्त्री राग प्रसूति सुख संपद्यते अथ गर्भ पडव वि  
किसा ॥ शोष हल्लास छर्दि शोष ज्वर अथि अतीसार विवर्ती ए आरग भके उपडव है ॥ तस्य विकिसा ॥ वरा के पाए पीपरि उरई मोथा घाउ ए  
क वं वांदि गोली ॥ १२ ॥ मुषमै पणेशो घाउ ॥ अन्य ॥ रंजौ पीपरि सौंठि आवरे कोमल वेल दही सै पीसि घाउ संयुक्त पिछै स्त्री के गर्भ के उपडव कोहि  
तै ॥ अन्य ॥ अरुचि चिरातौ घाउ समलेर पानी मै वांदि पिछै अरु रास पानी सै मुख दोत जी भधो वै करुला करै अरुचि जा र ॥ अन्य ॥ रंजौ  
हरिमा पाठ छोटै वेल स्पामस जामुन के पान आम के पान घाउ दही संयुक्त घाउ गर्भ नी स्त्री को अतीसार जा र ॥ अन्य विवंधे ॥ हरर सौंठि  
गुड सै घाउ आवरे काटो करि घाउ डारि पिछै गर्भ नी स्त्री को विवंधे मूत्र रोध जा र ॥ अन्य मूत्र रोधे ॥ क करी के बीजा पीपरि हाथा जेरी बूरा



सां०  
१११

करि घाउ डारि चउर के धोवन सैपि अगर्भिनी को मूत्र रोय जाइ ॥ अथ गर्भ चलने ॥ जाँव कमल की जर नाग के सर मोया वेर की बीजी पा  
नी सैवादि पि अघाउ संयुक्त गर्भ गिरत होइ सो स्थिर होइ ॥ अथ शोफे ॥ ताते पानी सै सपरै तो सो फजाइ गर्भ वती की सृजन को जार न देइ ॥  
॥ रति गर्भोपदु वचि किंसा ॥ अथ गर्भ सुको ॥ गार कोइ धपाउ पि अगर्भ सुक शोत होइ ॥ अन्य ॥ जाँव को चुरा पुनर के फल को चुरा समलेइ  
गार केइ धमे पि अगर्भ सुक शोत होइ ॥ अथ सतिका प्रसव निरोधे सुप्रसव जोगा न होइ ॥ सेत पथर सगा की जर को चुरा योनि मै प्रवस करै  
कछिन महक सीखी को सुख सौलर का होइ ॥ अन्य ॥ उत्तर मुख करि के सेत गुग्गु की जर लेइ कटि मेवा धै क सीखी के लर का होइ ॥ अन्य ॥ र  
से की जर उत्तर मुख करि के लेइ सात तगा सूते सै कटि वाँधै सुष से लर का होइ ॥ अन्य ॥ सेत गुग्गु की वाँटि पेट पर लगावै पानी मै सुष से लर का  
होइ अरु सेत गुग्गु की पानी मै वाँटि योनि मै लेप करै ॥ अन्य ॥ सहदेई की जर कटि मेवा धै सुष से प्रसति होइ ॥ अन्य ॥ अमाजार की जर चार  
आगुर लेइ योनि मै प्रवस करै सरा मै लर का होइ ॥ अन्य ॥ किरकि चहाँ उकी जर पानी मै वाँटि योनि मै लेप करै अरु नाभि पर लेप करै एक सरा  
मै क सीखी के लर का होइ ॥ गुग्गु की फल आधौ सौ ४ माँच पीपरि आहो पानी मै पीसि पि अगर्भ सुष से लर का होइ ॥ अन्य ॥ विजोरे की जर  
जाँव चुरा करि मधु घी उ संयुक्त पार सुष से प्रसव होइ अथ वा विजोरे की जर को काटो करै ॥ अन्य ॥ दशमूल को काटो घी उ सै धौ नौ न संयुक्त पि अ  
गर्भ बीजा जाइ सुष से लर का होइ ॥ रति सुख प्रव विधि ॥ अथ नष्ट पुष्या ॥ विषय पुष्य करण ॥ ब्रह्म देडी तिल काय करै विकट को चुरा डारि पि  
अतौ खी के कृतु आवै ॥ अन्य ॥ वधूदन के पान आग मै भंज के उपरि या के फूल पानी मै पीसि पि अतौ रज स्वला होइ ॥ अन्य ॥ इव चोराई  
की जर देवदारु समले पानी मै वाँटि पि अगर्भ पुष्य होइ ॥ अन्य ॥ लो गली के द अथ वा अमाजार की जर अथ वाइ दोरन की जर जोनि मै राखै रज स्व

रा०  
१११

ला होइ ॥ अन्य ॥ परेवा को विषम धु सै पि अरज स्वला होइ ॥ अन्य ॥ तिल को काटो करै गुड १ विकट को चुरा १२ डारि पि अतौ कृतु होइ ॥ अथ  
गर्भ आवरा ॥ अउ के पान को न स्वा आठ आगुर योनि मै डोरे महीना चारि को गर्भ गिरि जाइ ॥ अन्य ॥ देवदाली की जर अधे ला भरि पानी मै पी  
सि कै पि अगर्भ वती स्त्री गर्भ गिरि जाइ ॥ अन्य ॥ निर्जुडी के रस मै चिता उर की जर पी सै ॥ अथ अधे ला भरि मधु डारि पि अगर्भ गिरि जाय ॥ अ  
न्य ॥ गाजर के बीजा तिल आक की जर गुड संयुक्त पार गर्भ गिरि जाइ ॥ अन्य ॥ गाजर के बीजा टंकतीन हरिमा की जर टंकतीन फल करी टंक दोइ  
सिं दू दो टंक सब एक पानी सै पीसि पि अगर्भ गिरि जाइ ॥ अन्य ॥ सुपेत फूल को पुटिला की जर योनि मै राखै गर्भ गिरि जाय ॥ अन्य ॥ सुहाग मधु  
पातो संयुक्त पि अगर्भ महीना को गर्भ गिरि जाइ पि अदिन तीन ॥ अन्य ॥ सुहाग पैसा भरि तिल के कोहे मै घोरि पि अगर्भ महीना को गर्भ गिरि जा  
इ ॥ अन्य ॥ कनैर की जर पानी मै आँव जव चौ चारि रेत व सै धौ नौ न डारि कै तातो पि अदिन तीन तीन महीना को गर्भ गिरि जाइ ॥ अथ गर्भ सं वंधा करण  
भन ॥ कुलपयस्की चौ दश को धतूरे की जर लेइ कटि मेवा धै खी सै प्रसंग करै गर्भ न रहै ॥ अन्य ॥ सरसौ की जर सूडे मेवा धै खी सै गर्भ न रहै थोर डारै  
तव गर्भ रहै ॥ अन्य ॥ ताली स गेरू एक करि अधे ला भरि सीतल पानी मै वाँटि स्त्रु के चौ थे दिन पि अगर्भ वंधा होइ स्त्री गर्भ न रहै ॥ अन्य ॥ पलास के  
बीजा मधु घी उ एक वाँटि स्त्रु के सै योनि मै भीतर लेप करै गर्भ न रहै अन्य चौर ई की जर चाउर न के धोवन मै पीसि पि अगर्भ के उपरांत  
दिन तीन स्त्री वंधा होइ गर्भ न रहै ॥ अन्य ॥ राई तिल के तेल मै पीसि स्त्रु के उपरांत पि अदिन तीन तौ न रहै ॥ अन्य ॥ धतूरे की जर पुष्प नक्ष  
त्र मै लेइ कटि वाँधै गर्भ न रहै ॥ रति वंधा करण ॥ अथ अतिरक्त निवारण प्रदर चिकित्सा ॥ आवरे हर रसोत चुरा करि जल मै पि अथ  
दर जाइ ॥ अन्य ॥ कुस की जर के रा को फल लु सरो की थाल चाउर एक पीसि योनि मै राखै अतिरक्त हरि होइ ॥ अन्य ॥ सरफो का की जर

बंधा करण



सा०  
११२

चाउरकेधोवनसैवांदिपिअधेलाभरिक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ कुसकीजर केराकौफल स्यामस सौफ वेरकेफल गुरिचसमलेइचाउर  
केधोवनसैवांदिपिअरक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ कटसेरवाकीजर जाइ सेतचंदन एकवधाउरनकेधोवनसैपिसिपिअ ॥१२॥ अरुउरदेकीडा  
रकोपानीपिअभोजनपीउसंयुक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ लालचंदन इध धीउ घाउमधुसंयुक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ दारहरदर  
सतो अतीस विराटो वेलभिलमा आककीजर एकवकाठेकरिमधुसंयुक्तप्रहरसलसहितपीरौकोरा अरु लाल लीलो अनेकप्रका  
रकोरक्तप्रहरइरिहोइ ॥अन्य॥ असोककौवकलाकोठेकरिजवाधारडारिपिअरक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ टिपारीकेपान उरदेकीवृणा एकव  
केरकेपातमेलपेटेआगुमैभरताकरैसोषादरक्तप्रहरइरिहोइ ॥अन्य॥ टिपारीकीजर चाउर एकवपीसिकैषादप्रहरजाइ ॥अन्य॥ टिपारी  
केवकलाकोवृणा घाउभूजेकोवृणाएकवषादखिकोरक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ वडलसुपारीमाजफल रसोत आवरेकेफल मोचरस चौरार  
कीजर गेरु समलेइवृणाकरिचाउरकेधोवनसैपिअपैसाभरिप्रहरजाइ ॥अन्य॥ चौरारकीजर चाउरनकेधोवनसैपीसैरसोतमधुसंयुक्तपिअप्रहर  
जाइ ॥अन्य॥ कुसकीजर चाउरनकेधोवनसैरसोतसंयुक्तपिअदिनतीनप्रहरइरिहोइ ॥अन्य॥ जीरेटकासोराभरि हंधका १२५ धीउ ५५ में  
दअंचमैपवावेगाठोहोरतवयाउ १५ लारवी तज पत्रज नागकेसर पीपरिसोहि जीरे भौथा वारो दिसा रसोत धनाहरद वेशलोचना तौपर  
पैसापैसाभरिचूरकिरिमिलारदेशपागमैषाद ॥नुरजाइवलहोइरिहोइ स्वासतस्ना राहस पीप्रहरजाइरिहोइ ॥अन्य॥ भुरध्वीकीजर  
पैसापैसाभरिचूरकिरिमिलारदेशपागमैषाद ॥अन्य॥ उरदेचंदन तौपर वृणाकरिचाउरकेधोवनसैपिअयोनिरक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ रसोत तौष  
चाउरकेधोवनसैपिअदिनतीनप्रहरजाइ ॥अन्य॥ उरदेचंदन तौष वृणाकरिचाउरकेधोवनसैपिअयोनिरक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ रसोत तौष  
रि चौरारकीजर चाउरकेधोवनसैवांदिपिअप्रहरजाइ ॥अन्य॥ तौषरी चंदन इध धीउ एकवचाठिमधुसंयुक्तप्रहरइरिहोइ ॥अन्य॥

रा०  
११३

रा०

षजूरकौगाभौकेरोकोकंद सोहि इधमैपवावेसोषादरक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ अजाजरेकौपानकौरसपिअ ॥११॥ रक्तप्रहरजाइ ॥अ  
न्य॥ आवरेकेबीजा चाउरनकेधोवनसैपिअरक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ चौरारकीजर लासकौरस रसोत इधमैमधुसंयुक्तपिअप्रहरइ  
रिहोइ पिअदिनसात ॥अन्य॥ कटउमरिकेफलकौरसमधुडारिकैपिअ अरुइधभातघाउभोजनकरैप्रहरइरिहोइ ॥अन्य॥ कटउमरिके  
फलकौचूरघाउसमलेइमधुसैसानि रक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ वारप्रहरइरिहोइ ॥अन्य॥ आवरेकौरसघाउडारिपिअयोनिदाहप्रहरइरिहोइ ॥अन्य॥ लारवी  
नजीठ सैमरकीजर हरर पीपरि समलेइकायकरिमधुमिथीसै रक्तप्रहरजाइ ॥अन्य॥ मुगलीवांटितेलमैपवावेफोहादेरयोनि  
मैप्रहरजाइ ॥अन्य॥ उरदेकीवृणा जाइ विलाईकंदमधुघाउ इधमैपिअप्रातकालप्रहरजलवहैसोइरिहोइ ॥अन्य॥ केराकौफलपुको आवरेकेफल  
कौरसमधुघाउ एकवपिअसोमरोगजाइ सोमःशरीरजलेतस्यथावोयासिनसेसोमरोगः ॥अन्य॥ खेतप्रहर ॥ आवरेकेबीजा जलमैवां  
दिमधुघाउसंयुक्तपिअदिनरस्वतप्रहरजाइ ॥अन्य॥ पांडुप्रहर ॥ धवरकेफल घाउमधुसंयुक्त एकवषाद ॥१२॥ दिनप्रतिपांडुप्रहरजाइ ॥अ  
न्य॥ पमारकीजर चाउरनकेधोवनसैपीसिप्रातकालपिअजलप्रहरजाइ ॥अन्य॥ केयकेपान वांसेकेपान वांटिसममधुसैघादसातदिन  
अतिरक्तइरिहोइ ॥अन्य॥ मजीठ धवरकेफल लोध कमलगवा समलेइइधमैवांदिपिअप्रहरइरिहोइ ॥अन्य॥ अशोककौवकलाकाय  
करिइधआरिशीतलपिअप्रातकालप्रहरइरिहोइ ॥अन्य॥ रोहितकीजरवांटिपानीमैपिअपांडुप्रहरजाइ ॥अन्य॥ दारहरदवांटिमधुसैदेइस्वत  
प्रहरइरिहोइ ॥अन्य॥ नागकेसर तक्रमैवांदिपिअदिनस्वतप्रहरजाइ ॥अन्य॥ कुसकीजरचाउरनकेधोवनसैवांटिपिअदिनप्रहरजाइ ॥  
॥अन्य॥ रसोत लास छेरीकेइधमैवांटिपिअप्रहरजाइ ॥अन्य॥ दही मूसेकीलेडीघाडलालप्रहरजाइ ॥अन्य॥ दही डरदरेकीजरजीरे  
पीडा जाइ कमलगवा मधुसंयुक्तपिअवातप्रहरजाइ ॥अन्य॥ जईकीजर कपासकीजरघाउ मधुसंयुक्तघाउपांडुप्रहरजाइ ॥अन्य॥ सा

तीन



१ + गारकेरुधमैप्रदरजा ॥ अन्य ॥ हरिमाकेफूलदेक १ गगेरुवाकीजरदेक १ वमूरकीगाददेक १ मिथीदेक १ एकत्रवांदिघारप्रदरजा ॥ अन्य ॥ उरददेक १ मोरदेक १ वेलेदे १ ॥  
 सारमं ३ ॥ ११३ ॥  
 टीकेधानकेचाउर गारकेरुधमैवांदिपिअप्रदरजा ॥ अन्य ॥ सरदेरदेक १ वाउदेक १ धेरकीगाददेक १ एकत्रवांदिपिअस्वेतप्रदरजा ॥  
 ३ ॥ अन्य ॥ असमकोचूरगारकेरुधमैपिअस्वेतप्रदरजा ॥ ॥ अथयोनिर्गंधिनाशनविधि ॥ चिकित्सा ॥ ॥ कैयकेपान धीपरिकेपान जभीरीके  
 पान जामुनिकेपान आमकेपान चटकेपान चमेलीकेफूलजादे सवसमलेद एकत्रवांदिपिदीकरै सबतै अठगुनौगारकोघोउ एकत्रकरि  
 एकवासनमैघाममैधरिषैजवघाममैपचेतवजोनिकेभीतरधीउलगावैयोनिदुर्गंधजाइ ॥ अन्य ॥ नीमकीछालकोकाढोकरैतिहिसैयोनि  
 धोवैदुर्गंधजाइ ॥ अन्य ॥ नीमकीछाल आगपरडारैधुवायोनिमैलगे धूपदेरयोनिदुर्गंधजाइ ॥ अन्य ॥ कसूरी अगर कपूरनयचंदन लाव  
 एकत्रकरियोनिकोंधुयदेरयोनिदुर्गंधजाइ ॥ अन्य ॥ मोथाकोकाढोपिअयोनिदुर्गंधजाइ ॥ अन्य ॥ चंदनकोकाढोपिअयोनिदुर्गंधजाइ  
 ॥ अथयोनिकेडुनिवारणचिकित्सा ॥ गरिच विफला वडीदतोनकीजर काढोकरिकेयोनिमैडारैयोनिधोवैषजुरीजाइ ॥ अन्य ॥ निसोतपा  
 नीमैवांदियोनिमैडारैयोनिधोवैयोनिदुर्गंधजाइ ॥ अन्य ॥ हरसारकीजर पानीमैवांदिगरमकरियोनिमैलेपकरैयोनिदुर्गंधजाइ ॥ अथयो  
 निसकोचनचिकित्सा ॥ मृगकेफूल घेर हररजारफल चेउलसुपारी एकत्रचूरकरिकपरछानकरैवारीक सोबूरायोनिमैडारैयोनिसेकी  
 राहोइ ॥ अन्य ॥ करैछकीजरकोकाढोकरियोनिमैडारैयोनिधोवैयोनिसेकीराहोइ ॥ अन्य ॥ आवरेकेवकलापानीमैआदिधोवैयोनि  
 सेकोचनहोइ ॥ अन्य ॥ मोचरस मिहीपीसिकेयोनिमैराषेपहरभर तौयोनिसेकीराहोइ ॥ अन्य ॥ वमूरकेफूल लोध हरिमाकीजर  
 कोवकला चूरकरियोनिमैडारैयोनिसेकोचनहोइ ॥ अन्य ॥ कमलकीजरनाल दूधमैपीसिकोलीकरै एकछनयोनिमैराषेयोनिसेकोच  
 नहोइ ॥ अन्य ॥ महुवाकोसारमिहीचूरकरिकेमधुसैयोनिसेकीभीतरलगावैयोनिसेकोचनहोइ ॥ अन्य ॥ भांगमिहीवांदिमैलीकपरामेपु  
 टरियावाधेयोनिमैराषेपहर एकयोनिसेकीराहोइ ॥ अन्य ॥ हरदहाराहरद कमलकेसरिदेवदारु समलेरपानीमैवांटियो निमैलेपकरैयो

१०  
 ११३

मार्ड

निसकोचनहोइ ॥ अन्य ॥ धवरकेफूल विफला जामुनिकीछाल लोध समलेरपानीसेपीसिमिहीकरिमधुसंयुक्तलेपकरैयोनिसेकीराहो  
 ३ ॥ अन्य ॥ तालचुवारेकेबीजापानीमैवांटियोनिलेपकरैयोनिसेकीराहोइ ॥ अन्य ॥ करैरतुमरियाकेबीजा दूधमैपीसियोनिमैलेपकरैयो  
 निसकीराहोइ ॥ अन्य ॥ कमलकीजर कूट वचमरिच असगध हरद एकत्रपानीमैपीसियोनिमैलेपकरैयोनिसेकीराहोइ ॥ अन्य ॥ मैनक  
 र कपूर मधुएकत्रयोनिमैलेपकरैयोनिसेकीराहोइ ॥ अन्य ॥ घोरीकोदूधयोनिमैलेपकरै तथाघोरीकेदूधफोहावोरियोनिमैराषेयोनि  
 गाहीहोइ ॥ अन्य ॥ कारफूर धवरकेफूल माजफूल फूटकरीसेतघेर भांगमोचरस पीरोकोसीस लोधसमलेरचूरकरिकपरछानकरै  
 अठगुनैपानीमैसबचूरघोरिकेधरिषैजवपानीछानैतवऊपरकोछनोपानीदूसरेवासनमैलेरतिहपानीमैकपरावोरिकेछायामैमुषेकेतिहउठ ना  
 कीकोपीनकरैघरीदेमैसेकोचनहोइ अधिकराषेतौयोनिमुदाहोइ ॥ अन्य ॥ पलासकेफूल ऊमस्कीछाल तिलकोतेल मधुएकत्रयोसियोनिमैले  
 पकरैयोनिगाहीहोइ ॥ अन्य ॥ केरकीजरमधुएकत्रवांटियोनिमैलेपकरैयोनिसेकोचनहोइ ॥ अन्य ॥ कोहाकीछालि छेरीकेदूधमैघोटियो  
 निमैलेपकरैयोनिसेकोचनहोइ ॥ अन्य ॥ अजाजरेकेपान छेरीकोघोउ गुडगुग्गुल एकत्रलेपकरैसेकोचनहोइदुर्गंधजाइरोगजाइ ॥  
 अन्य ॥ मोचरस सालेकोवकला गुग्गुली लोंगली घूरकीजर एकत्रलेपकरैसेकोचनहोइ ॥ अन्य ॥ कमलमाटा कमलग कीजरदोखकी  
 जरदूधमैपीसिलेपकरैयोनिमैयोनिसेकोचनहोइ मूत्रदोषयोनिमैल योनिदुर्गंधजाइ ॥ अन्य ॥ पलासकेबीजा मधुकूट चंदन दोऊ  
 कटार गुग्गुली असगध एकत्रपीसियोनिमैलेपकरैयोनिगाहीहोइ ॥ अन्य ॥ कैयकीजरकोवकला जामुनकीछाल जभीरीकीछाल सालेकी  
 छाल चूरकरियोनिमैडारैयोनिसेधनहोइउसदोषप्रमेहरलपीडाजाइसेकोचनहोइ ॥ अन्य ॥ मुंडीकेरससैयोनिधोवैसेकोचनहो  
 ३ ॥ अन्य ॥ माजफूरजाइफल चूरकरिकेसूरिलपेटकेयोनिमैराषेयोनिसेकोचनहोइ ॥ अन्य ॥ घेरसुपारीवांटिगोलीयोनिमैराषे



साऊं कैनि कासि और संकोचन होर ॥ अन्य ॥ कमल पंचांग वोटि भगमै लेप करै एक घरी राधे पुनियौ छि डोरै संकोचन होर ॥ अन्य ॥ तल बुधारे के  
बीजा कमल के रस सै वोटि योनि मै लेप करै संकोचन होर ॥ अन्य ॥ हरद हारु हरद कमल के सर देवदारु एकत्र कमल के रस सै वोटि योनि मै ले  
प करै संकोचन होर रति संकोचन जिहि स्त्री के हल लरिक भयो होर के रुक्म होर तिहि को अंग सिधल होर तिहि स्त्री को संकोचन करत है  
॥ अन्य स्त्री दावन ॥ सिंदूर शमिली के फल मधु समलेर एकत्र योनि लेप करै पुरुष प्रसंग ते दावन होर स्त्री को वीर्य गिर सो दावन कहावे ॥ अन्य  
सोहि मरिच पीपरि चूर्ण करि मधु संयुक्त योनि के भीतर लेप करै प्रसंग सै दावन होर ॥ अन्य ॥ पकी शमिली त्रिकटु मूरा गुड मधु समलेर लि  
ग लेप करै स्त्री द्रवै ॥ अन्य ॥ सुराग मधु पारो कपूर समलेर एकत्र घोटि लिंग लेप करै स्त्री प्रसंग करै दावन होर ॥ अन्य ॥ कूट अंड को  
रस अभाऊ रौं को रस लिंग लेप करै प्रसंग करै स्त्री दावन होर ॥ अन्य ॥ पीपरि चंदन कटार पकी शमिली एकत्र लिंग लेप करै स्त्री प्रसंग क  
रै स्त्री दावन होर ॥ अन्य ॥ लोध धतूरे को रस पीपरि कटार मरिच मधु एकत्र लिंग लेप करै स्त्री दावै प्रसंग करै ॥ अन्य ॥ वेल के फूल क  
पूर मुंडी के फूल एकत्र वोटि लिंग लेप करै रति संगम ते स्त्री द्रवै ॥ अन्य ॥ कटार के फूल जर पीपरि मरिच मधु हरद एकत्र लिंग लेप क  
रै रति सभै स्त्री दावन होर ॥ अन्य ॥ मधु गंधक घाडालिंग लेप करै स्त्री द्रवै ॥ अन्य ॥ जभीरी के फल मै पारो अरु विष्ठी को उंक भरे न  
दि के स्त्री के हाथ देर सघने दावन होर वीर्य गिरि परै ॥ अन्य ॥ लांगली को कंद जल मै पीसि के अपनै हाथ मै पुरुष लेप करै तिहि हाथ  
के स्त्री को होय गते तोर स्त्री द्रवै सर्व दावजोग विषे संजयिये १०८ तवा सिद्ध होर ॥ नमो भगवते रुद्राय उडुामरे स्वराय दा  
वय दावय स्त्री नो मंद पातय पातय स्वाहा ॥ रति मंत्र ॥ रदोरन के पात के रस सै कनेर लाल के रस सै पारो घोटि लिंग लेप करै

भोग करै स्त्री द्रवै ॥ अन्य ॥ सोहाग मासो एक पान मै घवावे स्त्री द्रवै ॥ अन्य ॥ पीपरि मरिच लोध धतूरे के बीजा एकत्र वोटि मधु  
सै लेप करै लिंग स्त्री द्रवै रति सभै ॥ अन्य ॥ चमेली को रस मधु कपूर पारो एकत्र घोटि लिंग लेप करै स्त्री दावन होर स्वस्थ होर ॥ अ  
न्य ॥ मधु सै धौनोन परवा को विषा एकत्र लिंग लेप करै स्त्री के दावन होर स्त्री वश्य होर ॥ अन्य ॥ गंधक कपूर पारो के सर धतूरे  
के बीजा मधु एकत्र लिंग लेप करै रति सभै स्त्री द्रवै वश्य होर ॥ रति स्त्री दावन ॥ अथ योनि नि ॥ लेमि करारो मशानन ॥ हरताल  
मासे आठ सेंप भस्म मासे चौबीस पलास के पार आठ मासे एकत्र करि के रस सै धौटे दिन ॥ आक के पान के रस सै धौटे दिन ॥ सा  
तवे रत्न गावे वार गिरि जाय ॥ अन्य ॥ संघ को चूर्ण भाग २ हरताल एक भाग मद सिले आधो भाग साजी एक भाग पानी मै पीसि  
वारन मै लगाने वार की जर मै सात वार के लगाने सव वार गिरि जाय ॥ अन्य ॥ कपूर भिलमा शंख चूर्ण जवाधार मरिच हरहर  
तार एकत्र ते ल मै यकावे ते ल लगाने रो म गिरि जाय ॥ अथ अस्तन वेदना चिकित्सा ॥ रदोरन की जर पानी मै पीसि स्नान मै लेप करै स्त  
न पीडा दूर होर ॥ अन्य ॥ गुवारि को कंद हरद चूर्ण एकत्र पीसि कुच मै लगाने कुच पीडा दूर होर ॥ अथ स्तन वदना चिकित्सा ॥ गज  
पीपरि असगंध वध घाड एकत्र कनेर के नू सै लेप करै कुच मै लगाने दोउ मै कुच कटोर होर ॥ अन्य ॥ धुमेर को रस अथवा कले  
तिल के तेल मै यकावे ते ल नि कुच मै लगाने कुच वदै कटोर होर ॥ अन्य ॥ मुंडी को चूर्ण १०८ योगने पानी मै औटे आधो पानी रहै तव  
छानि लेर काटे ते आधो तिल को ते ल लेर ते ल मै यकावे ते ल छानि लेर नास लेर पि अमहीना एक मै कुच कटोर होर ॥ अन्य ॥ पी  
परि हरद स्यामस लज्ज नौन धान के फूला समलेर सव औषतै चोगुनो पानी मै काय करि चतुर्थी सर है तव छानि लेर काटे ते व



सं०  
२१५

थारतिलकोतेलमेपचावेतेलतेआधोभैसकोधीउपचावेधानिलेरनासलेरमहीनाएकस्तनकोरहोइ ॥ अन्य ॥ अनारकेवकला  
कोचूर्णकडतेलमेओरिलगावेस्तनमेमीडिमीडिकेस्तनकोरहोइ ॥ अन्य ॥ असगंध गजपोपरि चूर्णकरिभैसकेनैमकुचलेपकरै  
कुचवढेकोरहोइ ॥ अन्य ॥ कदारकीजर भिलसा हरिमाकेवकला सरसोकोतेलमेपचावेतेलधानिस्तननेलगावेस्तनवढे ॥ अन्य ॥  
असगंधकाथकरितेलमेपचावेतेलधानिनासलेरकुचवढे ॥ अन्य ॥ तगर मरिच उरद असगंध दोऊकदार तिलजवा सौं पी  
परि सैधो नोन सरसो सवएकवपानीमैपीसिस्तनलेपकरैस्तनवृद्धिहोइ ॥ अन्य ॥ धानकेवाउर रसौत पानीमैपीसिस्तननेलगावे  
स्तनवृद्धिहोइ ॥ अन्य ॥ स्तनदुग्धप्रवृत्तिविकित्सा ॥ गारकेदूधमेचाउरकीरकरैधीउपांडसंयुक्तघारदूधहोइ ॥ अन्य ॥ केसरघाउ दा  
घ कजर केरकोफल एकवपरिस्त्रीकेदूधहोइ ॥ अन्य ॥ सतावीरदूधमेपीसिपिस्त्रीकेदूधहोइ ॥ अन्य ॥ विलारकंदकोस्वरसपिस्त्रीके  
दूधहोइ ॥ अथपतिवशीकरण ॥ कौडोलाकोमोस मधु सैपीसियोनिलेपकरैपतिवश्यहोइ ॥ अन्य ॥ हरिमाकोपेचोंग फलफूल पत्र  
वकला जर एपेचोंगकहावे सेतसरसो संयुक्तवांदिस्त्रीयोनिमैलेपकरैपतिवश्यहोइयोनिगादीहोइ ॥ अन्य ॥ कपूरदेवदारु मधु  
एकैपीसिस्त्रीयोनिमैलेपकरैपतिवश्यहोइ ॥ अन्य ॥ काममालिनीपतिमेवसमानायठःठः उक्तयोगानांसप्तभिन्निभित्तिसिद्धिः ॥ अन्य ॥ गोरो  
चना मछरीकोपीतौ पीसिवाअहाथकीछिगुरीकेस्त्रीअपनैतिलककरैपतिवश्यहोइ ॥ अन्य ॥ गोरोचन अपनैरसैस्त्रीतिलक  
करैपतिवश्यहोइ ॥ अन्य ॥ चित्तपुरकेफल मधुएकवकीरस्त्रीअपनैहाथपतिकोषवावेभोजनमेअथवायानीमैपिआवेओरव

१०  
११५

स्त्री

स्तमैषवावेपतिवश्यहोइ ॥ अन्य ॥ भोजपत्र मधु एकवपीसियोनिलेपकरैपतिवश्यहोइ ॥ अन्य ॥ गोरोचन जटाभासी केसर एक  
ववांटितिलकदेरपतिवश्यहोइ ॥ अन्य ॥ मैथुनकेअंतमैपतिको लिंगअपनैवाअपाउकेछुवैतौपतिवश्यहोइ ॥ अन्य ॥ लख  
तगर कपूर वारो देवदारु समलेरपानीमैपीसिभगलेपकरैतिकालपतिवश्यहोइ ॥ अन्य ॥ चमेलीकेफल सरसोकोतेलमेप  
चावेसोतेलयोनिमैलगावेप्रसंगसैपतिवश्यहोइ ॥ अन्य ॥ रजस्वलाकेसमैयोनिमैगोरोचन राधेफेरितेहीरक्तकीभावनादेर  
तिहिगोरोचनकोतिलककरैपतिवश्यहोइदेवसे ॥ अन्य ॥ सेतकदारकीजर सेतफलकोघुटिस्त्रीकीजर पानमैस्त्रीपतिकोष  
वावेपतिवश्यहोइ ॥ अन्य ॥ भुरअवरीजरपेउसमेतलेर चूरणकरिकपरापेपरियावाधैअनुकेसमैपरियायोनिमैराधै  
दिनतीन फेरिमिकासिकेचूरणछोरिलेनैचूमेअरिक्केचुरैलेरजवनैचूकोधीउहोइजाइसोधीउधानिकेपतिकोभोजनमेदेरपति  
वश्यहोइ ॥ रतिपतिवश्यकरण ॥ अथवालकरोगविकित्सा ॥ बालककीकृष्णफूलेस्वासवदतचलेसोउत्फुल्लिकारोगकहा  
वेपेटमैगोचलगावेअरु काकराअंगी अतीस सौंठ मोथा पुदरमूलदूधमेवांदिदेरवालककोउत्फुल्लिकारोषसिरहोष  
होइहोइ ॥ अन्य ॥ ज्वरे ॥ बेलकीजर मोथा पाठ सौंठ मरिच पीपरि दोऊकदारकीजर अउएकवांटिपिस्त्रीतौवालककोज्वर  
जाइ ॥ अन्य ॥ पित्तपापेरोकाथकरिघाउमधुसंयुक्तवालककोदेरवालककोज्वरजाइ ॥ अन्य ॥ चिरारतौवांतिमधुसेचरावेवालक  
कोज्वरजाइ ॥ अन्य ॥ कासस्वासे ॥ भारंगी वारपुरही काकराअंगी चूर्णकीमधुसेचरावेवालककोकासस्वासाजाइ ॥ अन्य ॥



सारसं०  
११६

रर वच काकराश्रंगी मोथा सौदि चूर्ण करि गुड में देर वालक की बासी जाइ ॥ अन्य मूत्र रोधे ॥ राया जोरी विप्रला ककरी के बीजा गजपी  
परि चाउर के धोवन में बीस पाउ जारि पि आवे वालक को मूत्र रोधे हरि होइ ॥ अन्य विवेधे ॥ सौदि हरर दातो न कीजर चूर्ण करि गु  
ड में देर वालक को विडुंधे हरि होइ ॥ अन्य अती सारे ॥ पाह वेल रंज जो सैमर की छाल इध में वांटे देर वालक को अती सार जाइ ॥ अ  
स छर्दि ज्वर जाइ ॥ अन्य छर्दि ॥ तौपरि मधु सै देर वालक की छर्दि जाइ ॥ अन्य वात सले ॥ सौदि लारची सै धौ नौन हींग पीपरि चूर्ण  
करि पानी में पीसि देर वालक को वात सल जाइ ॥ अन्य दंत रोगे ॥ मजीठ धवर के फूल लोध सौ ना स्यामस सत देर टिपारी मूग वेल  
एक चवांटे इध में वांटे पीउ में पचावे पाछे इध पचावे दही को पानी पचावे घी उ सानि वालक को देर हांत उठत के छौ पीडा होइ सो सब हरि होइ ॥ अ  
न्य वात ज्वरे ॥ देव दास तगर जाठे मजीठ मिश्री एक चवांटे वालक को वात ज्वर जाइ ॥ अन्य ॥ धान के फूला रसौत जाठे चूर्ण करि मधु सै चलावे  
सर्व ज्वर जाइ ॥ अन्य पित्त ज्वरे ॥ धान के फूला कमलगरा पीपरि जाठे रसवत घाउ एक चूर्ण करि मधु सै देर वालक को ज्वर अती सार हरि होइ ॥ अ  
न्य ॥ धान के फूला पीपरि गजपीपरि काथ करि मधु घाउ संयुक्त वालक को देर ज्वर अती सार रसा छर्दि हरि होइ ॥ अन्य ज्वर ती  
सारे ॥ हरद हर हरद जाठे कलाई रंज जो काथ करि वालक को देर वालक को ज्वर अती सार जाइ ॥ अन्य ॥ मोथा पीपरि अती स काक  
राश्रंगी चूर्ण करि मधु सै चलावे वालक को ज्वर अती सार कास स्वास छर्दि जाइ ॥ अन्य ॥ धवर के फूल वेल धना लोध रंज जो वारो चूर्ण  
करि मधु सै देर वांके को ज्वर अती सार छर्दि जाइ ॥ अन्य अती सारे ॥ वेल धवर के फूल वारो लोध गजपीपर काथ करि मधु सै देर अथ  
वा चूर्ण करि मधु सै चलावे वालक को अती सार जाइ ॥ अन्य ॥ मजीठ धवर के फूल लोध सारिवा काठो करि मधु सै देर वालक को अती सार

पित्त

रा०  
११६

जाइ ॥ अन्य ॥ तैल मिश्री मधु तिल जाठे एक चलावे वालक को रक्त आव प्रवाहिका जाइ ॥ अन्य सर्वाती सारे ॥ सौदि अती स मोथा वारो रंज  
जो काथ करि घात काल वालक को देर सर्व अती सार हरि होइ ॥ अन्य ॥ धान के फूला जाठे घाउ मधु चाउर के धोवन सै देर अती सार प्रवाहि  
का जाइ ॥ अन्य ॥ कैथ के पान नौनिवा वेश के पान मकु रया के पान एक चवांटे मूड में लगवावे वालक के सिर के रोग छर्दि अती सार जाइ  
अन्य ॥ आम की गोही लाजा सै धौ नौन मधु सै चलावे वालक की छर्दि जाइ ॥ अन्य ॥ मोथा रसौत प्रियंग चूर्ण करि चाउर के धोवन  
सै देर वालक को तप्रा अती सार छर्दि जाइ मधु संयुक्त देर ॥ अन्य ॥ परवर के पान नीम कुरो सप्त रशी अज मोर देव दास विडुंग लारची  
मधु घीउ एक चवांटे ज्वर अती सार कास पांडु छर्दि सर्व जाइ ॥ अन्य ॥ छौरी वेल वरुण धवर के फूल लोध वारो मधु सै देर अती सार  
जाइ ॥ अन्य ॥ वात तैना भिफूली होइ पाक होइ हरद लोध प्रियं जाठे काठो करि देर अरु नाभि में तैल लगावे ॥ अन्य ॥ काकराश्रंगी  
पीपरि अती स चूर्ण करि मधु सै चलावे वालक को ज्वर कास छर्दि जाइ ॥ अन्य ॥ अती स मधु सै देर ॥ अन्य ॥ मोवरस मजीठ धवर के फूल  
प में केसर एक चपीसि पानी में बिबरी चाउर दार की रोधै रक्त अती सार वालक को हरि होइ ॥ अन्य ॥ पीपरि मरिच घाउ मधु लाइची सै  
धौ नौन एक चकरि चलावे वालक को मूत्र रोग जाइ यद अवलेह वालक को उन्नमदे ॥ अन्य ॥ सै धौ सौद लारची हींग भारंगी चूर्ण करि घी  
उ सै चलावे अनास वात सल जाइ ॥ अन्य ॥ हरर वच कूट कल्क करि मधु संयुक्त देर वालक को दूधन पि अत होइ सो पि ॥ अन्य ॥ धर को धौ  
सौ हरद कूट राई रंज जो तक्रमे वांटे लेप करे वालक को सिध्यामा विवर्तिका जाइ ॥ अन्य ॥ अती स पानी में वांटे चूके स्तन में लेप करे वालक को  
ज्वर कास छर्दि जाइ ॥ अन्य ॥ जेहि वालक को देह में फोरा परत होइ तो सर को काय चांग पानी में वांटे पि आवे दिन ॥ तौ फोरा नीके होइ ॥ अन्य ॥



सारसं०  
१२०

जो लरका स्तन मुख में न होवे ताको सैधो आवरे मधु घृत हर बांदिवालक की जीभ में लगावे ॥ अन्य ॥ जो बालक दूध पिष्टे अरु उरि देर व मन करि कै  
ताको मधु घृत दोउ कटार के फल को रस पीपरि पीपरामूर चर्ब चिता उर सोढ एक च बांदि चलावे ॥ अन्य ॥ कड़ुकी खाइ मधु घृत वै बालक को ज्वर  
जाइ ॥ अथ बालक को औषध विचारः ॥ तुरत के भए लरक को मावा औषुद की वाइ विडंग की वरावर देइ जेम ही ना को होइ ते वाइ विडंग वरावर  
दे औषध देइ ॥ अन्य ॥ अधेला भर देइ वर्ष ते उपरंत मासे भरि देइ जे वरस को होइ ते मासे औषध देइ सो रावर्ष ते सत्तर वर्ष लौ अधेला भर फिरि मावाक  
म करि देइ बालक की नाई देइ सो रावर्ष लौ जारन देइ दोस वर्ष लौ मैथुन न करै तो जव लौ जि अतव लौ दृष्टि वनी रहै धातु वनी रहै ॥ इति बालक औषध वि  
चार ॥ अन्य ॥ बालक को गृह रोग होत है उवावाउता को कुंसेरे को कीरारती १ मधु से देइ बालक की सीक बंड जाइ ॥ अन्य ॥ जो बालक वंड से ज  
करो होइ कास होइ स्वास होइ अरु गरोष राइ पेट फूलो होइ ज्वर होइ ताको मुसवर मृग से डूका करि दोषान के रस से घोरि कै देइ आठ महिना के ले  
र का की मावाय हलै अरु मासे भरि मुसवर यानो मैघो टिके पेट मैल गावे गरम करि कै जु डारि होइ दा सोइ होइ स्वास हरि होइ पेट को फूलवोइ होइ पे  
ट की पीडा हरि होइ लेप की ने से को सुवर्ष हरि होइ कृष्ण चि जाइ अथवा आठ दाने अजवाइन के लौग एक एक राई चरावर हीन एक च पानी से पीसि गरम  
करि कै पि आइइ गरे को घर घरे वै हरि होइ रण सी स्वास हरि होइ ॥ अन्य ॥ उवाको ॥ नांसी सौदि हीन भूजो मुदाग भूजो सैधो नोन वरावर लेइ मावा रती वादि  
यह धूरा आठ महिना के लरका को देइ गरम यानो से पेट को फूलवोइ हरि होइ उवाइ हरि होइ स्वास हरि होइ उवाजे सो जार से हरि होइ ते ते सौ और औषध से  
नाही हर होत ॥ अन्य ॥ वर्ष दिन के लरका को एकरती मुसवर देइ जार होइ उवावे गिदे हरि होइ ॥ अन्य ॥ मुरगा के पथरी के भीतर की जिल्लो एक जो के  
उन मान चौरी अरु लंबी लेइ पानी से पीसि कै देइ दिन तीन रोज जार होइ उवाइ हरि होइ ॥ इति बालक चिकित्सा ॥ अथ विष निवारणं ॥ स्यावर जंगम

राम  
१२७

जे दे विष तिन मै स्यावर विष पची सलै तिन मै पांच महा विष है संकोचे काल कूट जं शृंगी मुस्त वत्सनाभं एजो दे ले मै प्रविष्ट होइ तो एल सगा होइ बांति मूछा  
अती सार भोति मूल कंप कास स्वास तीब्र दाह गड़दस्वर होइ तस्यो पचार ॥ पतजि आ के फल की विजी सीतल पानी से वांदि नर सूत्र से पि अविष हरि हो  
इ ॥ अन्य ॥ सर्प क्षी जर पेड पानी मै वांदि नर सूत्र से पि अविष उतर जाइ ॥ अन्य ॥ देव दाली की जर मनुष्य के सूत्र से वांदि पि अविष हरि होइ ॥ अन्य ॥ विष्णु को  
त की जर पानी मै वांदि नर सूत्र से पि अविष हरि होइ ॥ अन्य ॥ सौदि मरिच पीपरि देव दाली एक च बांदि ना सले रसर्व विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ लीले साप की पूं  
छ गिर दाना की पूंछ तं मै ममठार के मुदरी करै सो मुदरी धोइ पि अस्थायर जंगम विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ शिरस को बांदोरे बतीन दाव मै लेइ सो बांदो अरु चंद  
न पानी से गारि देइ मै मरदन करै विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ बाराह गोह नौर घरा मुरगा रन को पि नो लेइ अस्सेत फूल को छुटि ला के फल जर एक च सब पानी मै  
वांदि पि अविष हरि होइ एक क्षण मै मर होइ सो जि अ ॥ सेत विष्णु कांत की जर दूध मै पि अस्थायर विष पे मै घायो होइ सो नी को होइ ॥ अन्य ॥ सैधो नोन को जी  
पि अस्थायर विष हरि होइ अंन मो भगवत उडामे स्वराय के चित थिज दं सटे ४ स्वाहा अनेन मंत्रे रास वै विष धा भि मंत्र येत ॥ अन्य ॥ गुरि च पातु सेर पानी  
मै वांदि पि आवै व मन करै विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ दूध पाइ गुड लाघ पानी एक च पी आवै व मन करै विष हरि होइ अरु घी उके लेप अंग मै करै ॥ अन्य ॥ गुरी सो सन  
आवरे हर दस मले द टंक अवाइ मधु से देइ बांदि पानी मै देइ सिंगिया विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ बडी कटार की जर कसौ दिन के बीजा वंड दस एक च पानी मै वांदि  
पि आवै व मन करै फेरि पि अंशु विष उतर जाइ ॥ अन्य ॥ सिरस को पां बांग बांदि वेर सी गोली करै दो वेर दो गोली देइ अंशु विष उतर जाइ ॥ अन्य ॥  
विष घायो को मा ही पानी मै घोरि पि आवै अरु घी ठ को मर्दन करै ॥ अन्य ॥ साधूर नोन पाउ सेर पानी मै घोरि पि आवै व मन करै विष हरि होइ ॥  
॥ अन्य ॥ कसौ दिन के पान पानी मै वांदि पि आवै विष उतर जाइ ॥ अन्य ॥ घिर हरी की जर पानी मै वांदि पि आवै विष उतर जाइ ॥ अथ विष निवारि



किन्त्या ॥ जाके पेट में दिनाई होरता की मूत्रपरीक्षा करे माँह के वासन में अंड के पान धरे तिदि में पात का लपेसा ॥ वकैर पहर भर में देवे जो बाघ को बार पेट में होर तो वह वासन हकट कर होर जाइ जो बिलार को बार पेट में होर तो पात को रंग पीरो होर जाइ जो सूकर बार पेट में होर तो पात की नसे लीली होर जाइ जो पेट में मकरी होर तो पात में फुट का से होर जो साप की सुपारी बार पेट में होर तो पात कु करि के गठरिया सो होर जाइ ॥ इति अन्य ॥ जो मैदरे पेट में होर तो पेट में बार वासे होर विसमहरा बाहरणी चौ गो जा जो पेट में होर तो सरीर सूष जाइ पेट बड़े ॥ अन्य ॥ किल्ली अरु बडो ॥ किल्ली जो आत में लाग होर तो सूत होर ॥ अन्य सरीर परीक्षा ॥ जो नाहर को बार पेट में होर तो राति दिन कलन परे सरीर उधे आंत कु करि जाइ रक्त जमे तले के वकै जमुला देह पीरी होर जाइ जो सपरमन न रहे दो वर में मरे तस्योष बार ॥ सेत के सो दिन की जरत था एही के सो दिन की जर पानी में वांदिपि आवे दिन पाव बाघ को बार हरि होर ॥ अन्य ॥ भेडी के मांस की जरिया के सो दिन की जर के पानी में वांदिपि आवे दो घरी निप रने राधे रे वन मकरे सुल होर बाघ को बार हरि होर ॥ अन्य ॥ भेस के गो वर जरत को करो ता तो धानि के पि आवे दिन सात बाघ को बार हरि होर ॥ अन्य सूकर बार दि किन्त्या ॥ सुगर को बार पेट में होर तो नी चोचित वै देह दुर्बल होर भूष्योरी होर सीतल पर दशायां सी कफ आलस क्रोध आठ महीना में मरे हरिया थूथो वध गुड घारी नोन एक वरं कसात पानो से वांदिपि आवे तेहि परल कवा अरु धवाइ तेहि पर फिरि ओषद देई मन होर सुगर के बार गिरि जाइ नो को होर ॥ अन्य ॥ जो दि के पेट में मकरी होर तो देह फूले जर न परे अरु आवे जर मूत में बार वासे परे ओषद धिरेया को विद्या पानी में पि आवे अरु लेप करे मकरी की दिनाई हरि होर ॥ अन्य ॥ सेत इव हरद पानी में वाहिलेप करे अन्य ॥ मूग की दार भात बार अरु निबू के फूल पानी में वांदिपि आवे मकरी की दिनाई हरि होर ॥ अन्य ॥ सेत इव हरद पानी में वाहिलेप करे मकरी की पीडा हरि होर मुंडी पामा यवा वै ॥ अन्य ॥ लंगो विष भिलमा करे घम करी जे ऊपर लग जात है ता को हरद दास हरद गज के स

व  
र

र मजीद प्रियंगु समले र सीतल पानी से पी सिलेप करे लता विष हरि होर ॥ अन्य मैदरे की चिकित्सा ॥ जो मैदरे पेट में होर तो दार होर ता को चाउर न को माउ पि आवे सी दिन लो पेट भरि के पि आवे और अन्न न धार और कछून धार तौ नी को होर ॥ अन्य ॥ जाके पेट में दिदि रिया होर तो पेट बड़े सरीर सूषेता को धारे वराष वा वै पानी न पि आवे पानी के किनारे जाइ वेंडे जव वरतौ पा सो होर तब मिदि रिया उधरे जव सब मिदि रिया कहि जाइ तव कांजी पि आवे नी को होर ॥ अन्य ॥ किल्ली अरु बडो ॥ किल्ली जे ह के आंत में लगे होर काटत होर ता को कुला को को नतन क काटि के याइ अरु वच लकवाइ धनोन पि आवे छोटी किल्ली अरु बडो किल्ली मन करे ते हरि होर ॥ अन्य ॥ विसमहरा बाहरणी चौ गो जा पेट में दिनाई होर ता की चिकित्सा सरीर सूषे पेट बड़े वज्रधार कांजी से पि आवे व मन करे अरु फिरि पि आवे जव लो जहर जाइ तव लो एही जतन करे वज्रधार वं कद स कांजी दोगा घर तीन दिन लो पि आवे नी को होर ॥ अन्य सर्व बाव सुपारी की दिनाई ॥ चाउर अरु सुपारी आंत में गां सी सी गुड जात है भूष्य घटे व लहानि होर सरीर पि आवे होर पेट के ऊपर गुमरिया होर भूरा कु मूत को पें चांग फल समेत लेर सुखे के कूटि चूरन करे से भर साबुन गुड सेर होर लोह सार पाउ सेर जीरे चिता उर पाउर सब एक एक गा घर में भर कप रोटी करि गज पुट आंच देर निका सि के पी से चूरन करे तव रु से को या तो पापर के या र को पानी तिदि में नोन वाटि के अरु विफला एक व करि गुदे देर सुखे सुखे के वरत पे रि चूरन पाव वं क भर यवा वै अरु पानी पि आवे संसाही सर्प की सुपारी अरु चाउर गलि जाइ ॥ अन्य दिदि रिया की दिनाई ॥ देह कटि के मांस गिर परे देह सूषे भूष्य दि जाइ थो रो सेरे आवे सूजि जाइ ता को निबू आ की जर पानी में वांदिपि आवे जव लो नी को होर ॥ अन्य जर विष बायो होर ता की चिकित्सा ॥ गुग्गी की जर धार होर तो कुदई मठा पि आवे नू देर मेल गा वै नी को होर ॥ अन्य ॥ जुतरी की जर धार होर तो मूग पानी में वांदिपि आवे के मूग को घूना पानी में धोरि पि आवे नी को होर ॥ अन्य ॥ आक की जर पडोर की जर कहीर की जर जो ए धार होर तो गुड घी उ पानी में धोरि पि आवे अरु भू जे चना चवा द विष उतरि जाइ ॥ अन्य कंनर की जर धार होर तो ॥ देहि मन



सा.सं.  
११८

पानीसेवांदिपिअनेकोहोर ॥ अन्य ॥ धतूरेकेबीजाअथवाजरखारहोरनौदूधमिश्रीएकवपिअधतूरेकोविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ मास्करहरी किरकिचहार  
पडोरजरताकोइनसवनपर भोरमारकीजरपानीमेंदेवारआठवमनकरेस्थावरजंगमविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ आककोदूधअथवाजरखारहोरनौव  
मूरकीपलीवांदिपिआवेलेपकरे ॥ अन्यसर्पविषको ॥ अकोलाकीजरपानीमेंवांदिपिआवेअथवांमालीदूधदेर अथवासमदेरनदूधपिआवेनोका  
हविषकीलहरनआवे ॥ अथअफीन ॥ अफीमघाएकेनुरतपानीपिआवेअरपानीमेंजिकेकपरकपरडारे अरुहरियाधूथोअरुलवारीको  
साटीवांदिपिआवेपानीसेभरनुरतवमनहोरनीकोहोर ॥ अन्य ॥ हरियाधूथोवचखारीनोन करुतुमरिया दूधसेपिअनुरतवमनहो  
इनीकोहोर ॥ अन्य ॥ जितनीअफीमघारहोरतिहिदूनीबुसदंडीपानीमेंवांदिपिआवेअफीमउतारिजार ॥ अन्य ॥ रोवापानीमेंघोरिपिअथवाम  
ठापिअनिबूरसपिअमेहरीयाअफीमकोषधौनीकोहोर जितनेजरखरेहोतनकोपुसामांटीघोउमईतकरेवारवारविषदेहमेनचहे ॥ अथक  
पूरखाएकौदलाज ॥ केराकोकपूरखायोहोरनौवजुकेदंकरदशभरिदेरअरुमिरचेचवारके मरिचवांदिनिबूरससेपिअकस्तरीयवावेकदलियाकपूर  
कोविषनचहे ॥ अन्य ॥ जितनोकपूरखायोहोरतिहोनीषाउअरुपीपरिवांदिपिआवेअरुवुतवीराघवावेअरुकमलवांदिपिआवेकपूरविषजार ॥  
अथहरताल ॥ बटकीछालपीपरिछालघोउएकववादिदेरतरतालउतरे ॥ अन्य ॥ काचीलाघघोउपानीमेंवांदिपिआवेतरतारविषउतरजार ॥ अन्य ॥  
बटकीपीपरिकीलाघलेर दोभलकेवलाछोलिडोरफांकेकरेनोनअरुलाघवांदिकेभराकीफांकनेमेंबुयरेपावसांतफांकेघारकरेजोवचेदसपेसाभरनेन  
ननमित्तोदशपेसाभरिघोउघाउतरतारविषहरिहोर ॥ अथसुमिलघाखाएकीचिकिसा ॥ सुमिलघाखाएतैआंधिनकोनासहोरआंतकटिपरैताको  
नुरतहीनोनपानीमेंघोरिकैपिआवेअरुपरदोपहरभएहोरनौदूधभातमिश्रीधवावेअरुआमकीगोहीमांटीपानीमेंवांदिपिआवेसुमिलफट

रा.  
११८

चे १

जा २

करीयूकोविषजार ॥ अथान्य ॥ मरसिलवायोहोरनौघेरीकेदूधमेंदागुडघोरिकैपिआवेमरसिलकोविषहरिहोर ॥ अथान्य ॥ फटकीहरी  
याधूथोवायोहोरनौदूधमिश्रीघोउपिआवे अथवाजरीनोनमठामिलारकेघार अथवामधुघारनोको  
होर ॥ अथज्वालानहरपायरको ॥ हाथपाउकेनधमिखिहोर दोपहरमेंमरैतिहिकीनसेपुलारदेरनौजिअ ॥ अथवाघकीडालकोदलाज ॥ बडेगो  
रवाकीजरघाहमेंसुखेकेचूरकरेवाघकेकाटेवेघाउपरडारेअरुतिलीकोतेललगावेघोडानहोरघाउवेगंदैसूधिजार ॥ अथकुत्ताकादंताकोदलाज ॥  
मूसेकीलेडी हथपोथीमाहीकुम्हारकीजरकांठीहोरनहालगावेअरुधतूरेकेबीजा दूधमेंपिआवेथोरोगुडगरिकैकुत्ताकोविषजार धतूरेकेबीजा  
होरदूधघोउसंयुक्तपिअथोरोगुडगरिकैकुत्ताकोविषहरिहोर विजोरेकीजरपानीमेंवांदिपिआवेकुत्ताकोविषजार ॥ अन्य ॥ जोकुत्ताकोविषवडौजो  
रकरेहोरनौधतूरेकेबीजाएकैदकसलौरोजएकएकवडेफिरिएकरसतेएकएकरोजघरावेएकलौतानीकोहोर ॥ अन्य ॥ सालैकोरसविजोरो  
एकवपिअवेहाकुत्ताकोविषजार ॥ अन्य ॥ सुहजनेकीजर मरिचपानीमेंवांदिपिअस्वानविषजार ॥ अन्य ॥ विजोरोकीजरपिआवेविजोरीषवा  
वैस्वानविषजार ॥ अन्यवैहाकुत्ताको ॥ करुतुमरियाकोगुदोअधेलाभरिपानीमेंवांदिदेरनौविषमूतडारे अन्यवैहाकुत्ताको ॥ अधलैडेकेलेडा मरि  
चसमएकवांदिगोलीकरेवेरवरवरएकएकगोलीनित्यघादसातदिनमेंवैहाकुत्ताकोविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ अधलैडोमारोहोरनाकीजीभकादि  
लेरसुखेकेधरिरोवेनगावेलकेपानकेसाथचाउरभरिवाजीभषवावेजोलोभोकनलगोहोरनौलोनोकोहोर ॥ अथसांपुंकारेकोदलाज ॥ गनिघारकी  
जरलगावेछेचलकेवकलापिआवे नगादोनपानीमेंघोरिपिआवे आककेफूलवाटकेसुखेकेचूरनकरेसीतलपानीमेंघोरिपिआवेविषहरिहोर  
इतिदियिपुंकारेपर अथवैहाकुत्तालेडयाकादंताको ॥ आककोदूधडाढकीजरलगावेपुनिआककीवौडीएकतैदकसलौबदेरकरसतेएकलौ

अंतवारको



सार सं०  
१२०

उत्तरै तो विष दूर होइ नीको होइ ॥ अन्य ॥ गुग्गुलुके पोत कोर सपैसा भरि चोदि छानि देइ तो विष उत्तरै अफिम उत्तरै वैराकुनाल डैया कोटि सोनी को होइ ॥ अथ गुहरे कोटि पर ॥ छिरहरा की जर पानी में बांदि पि आबै गुहरे को विष जाइ ॥ अन्य ॥ कहीरा को गरा ॥ पानी में बांदि पि आबै तो गुहरे को विष जाइ सर्प विष जाइ ॥ अथ ॥ सर्प विष निवारण ॥ दशप्रकार साप काटते भीतो उन्मत्त भूषो आक्रांते विष दहित आरेखः सुतार्थ स्वस्थान की रक्षा के अर्थ वैर करिके दस बैसे काल करिके १२ उधाने जीरा कुबो मे वट मे सूखे वक्ष मे मरघट मे पारस धी पर मे ल सोरे मे सुत जने मे पुराने गिरे मे दिर मे आम मे रत नीजा गामे को साप काटे तो जिहि को कांटे सो नजि ॥ अन्य ॥ धुकी मे मूडे मे कंद मे नेच मे मोह मे धीच मे डाही मे हाथ मे लने श मे तरवा मे सन मे कंधा मे लिंग मे अंउ मे नाभि मे मर्म स्थान मे सर्व साप को काटो नजि ॥ अन्य ॥ अरुमी को पंचमी पूर्णिमांसी अमावस्या चतुर्दशी रत तिथि न मे काटे साप को काटो नजि ॥ अन्य ॥ पूर्वा ३ कृत्तिका अवरा मूल विसाखा भरणी चित्रा श्लेषा रत नक्षत्रा मे जो सर्प काटे जा को सो नजि ॥ अन्य ॥ म ध्यान् संधा अधराति प्रातः काल रहि वेरा मे जा को सर्प काटे सो नजि ॥ अन्य ॥ सर्प के त र मे दांत होत है जवा के अंजुग की ना रे सो दांत के काटे तो का ल होइ ॥ अन्य ॥ चक्र की आकर काटे घजर के फूल की आकर काटे जामुन के फूल की आकर काटे जहा काटे तहा ली लो होइ जाइ सेत हो जाइ तो लो देव ता होइ तो नजि ॥ सूत्र को छोडे मल पूटि जाइ हृदय मे मूल होइ छिदि होइ राह होइ रक्षा होइ ना की सेवा ते कृत संधि भेद होइ अघेता मवरन होइ जाइ अथवा कां च की भांति हो जाइ अथवा ली लो हो जाइ तो काल करिके काटो नजि ॥ अन्य ॥ सीतल पानी देह पर सी चै जो रो मो च होइ तो जानै कै काल करिके काटो है ॥ अन्य ॥ जहा काटो होइ तहा पीडा होइ अथवा तीव्र दाह होइ तो काल करिके काटो नजि ॥ अन्य ॥ जेहि को चंद्रमा सूर्य तारा गरा एदी प्रन दिवा अरुद रपन मे जल मे घृत मे तेल मे मुख न दिवा र सो काल करिके काटो जानिये जि अन्म रे विसेष काल अकाल जानि कै त व पाछे औषध करे सर्प काटे को

रा०  
१२०

विष दूर होइ काल को काटो नजि ॥ अथ चिकित्सा ॥ एस दिव्य औषध जे है तिन को प्रभाव काल को जीतत है ॥ अथ काल सैला सनि नमि रस ॥ पोरै शुद्ध गंधक सुद्ध हरिया यूथो शुद्ध सुहाग भूजो हरद सन लेइ पोरै गंधक की कजरी करै सब एकत्र करि देव दाली के रस सै धोटे दिन एक सिद्ध होइ नर सूत्र सै चार मां सै साद काल को काटो नजि ॥ अन्य ॥ सेत फूल को छुटिला की जर देव दाली की जर पानी मे पीसि ता स देर काल को काटो नजि ॥ अन्य ॥ दही मधु नैतू पीपरि आदो मरिच कूट सै धो एकत्र बांदि देइ त सकनै जो काटो होइ अरु जमलो क को गयो होइ तो एक क्षण मे बहरि आवै विष दूर होइ ॥ अन्य ॥ सौदि मरिच पीपरि मूसरी पानी मे बांदि पि अथ सर्प विष दूर होइ ॥ अन्य ॥ अ जा अंगि उधी की जर स्पाम स की जर पानी मे बांदि लेय करै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ सुहाग पानी मे पि आवै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ आक की ज र पानी मे बांदि पि आवै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ सै धो तो नम नुष्य के सूत्र मे पि आवै विष सर्प को दूर होइ ॥ अन्य ॥ र दोरन की जर चाउर के धोवन सै बांदि पि अथ सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ सुपेत यथ रसा की जर चाउर के धोवन सै देइ सर्प विष दूर होइ ॥ अन्य ॥ बांउ पडोरिन की जर चाउर के धोव न सै बांदि पि अथ सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ मूसरी मोर सिवा की जर चाउर के धोवन सै पि अथ सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ धमरा जर पेड पानी मे बांदि पि अथ सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ सै वलिं गी की जर पानी मे बांदि पि अथ सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ चौराई की जर पानी मे बांदि पि अथ सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ वकुची के बीजा चूर्ण वध गो मूत्र मे पि अथ सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ करुई तु मरिवा की जर गो मूत्र सै पोसि गोली करै छाया मे सुखे कै धारि घे गो मूत्र मे एक गोली पि अथ एक गोली गो मूत्र सै ले पकरै सर्प विष दूर होइ ॥ अन्य ॥ गो मूत्र मे अथवा नर मूत्र मे पुरानो घी उषि अथ सर्प वि ष जाइ सर्प विष जाइ इस वर्ष ते उपरांत घी उपुरानो होत है ॥ अन्य ॥ हरद नर मूत्र मे पि अथवा वर जंगम विष दूर होइ ॥ अन्य ॥ जो सूर्य को वि ष सर्व स्थान मे प्राप्ति होइ को होइ तो गो दुग्ध मे हरद को काय करि देइ सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ हरद कूट गार के हृद मे को थ करि पि अथ सर्प वि ष



जार ॥ अथ ॥ हरद कूट मधु घीउ एकत्रधारसर्पविषहरिहो ॥ अथ ॥ सेतगुग्गुचीकीजर मयमैरावेविषहरिहो ॥ अथ ॥ पुष्पनसत्रमैसेत  
गुग्गुचीकीजरलेदरावेवांदिनासदेरसर्पविषजार ॥ अथ ॥ सेतगुग्गुचीकीजर पाबकेरसैवांदिपिअकालकूटविषहरिहो ॥ अथ ॥  
आककीजरकोलेपकरैउंसकोविषजार अथवाजहासर्पकादोहोदराकोलेपरलगावेविषजार ॥ अथ ॥ करैरुतियाकोकायमधुघीउ  
संयुक्तपिअवमनहोदविषहरिहो ॥ अथ ॥ कुटकीजामुनकीजर मठाभैवांदिघीउसंयुक्तपिअवमनहोदविषजार ॥ अथ ॥ किरवारेकी  
त्वचा कारिअसुपेत कृष्णपक्षमैकारीत्वचालेद अक्षपक्षमैसुपेतत्वचालेद कृष्णपक्षमैकारीत्वचादेद अक्षपक्षमैसुपेतत्वचादेदचौवीस  
मरिचसंयुक्तवादिपिअवेविषहरिहो ॥ अथ ॥ केसर लाख लोध मरसिल हरद एकत्रवांदिगुटिका करिरावेलेपकरैतैस्थावरजंगमविषहरि  
हो ॥ अथ ॥ हरद दारुहरद मरसिल हरताल केसरि मौरा समलेद एकत्रपानीमैवांदिगुटिका करिरावेपानीमैघोरिलेपकरैमहा अजुतविष  
हरिहो ॥ अथ ॥ कंजीगल कीविजी करलाकीविजीपानीमैवांदिपिअसर्पविषएकहरामैहरिहो ॥ अथ ॥ पीपरि मरिच कूटघरकौधौ  
सो मरसिल हरताल सेतसरसो एकत्रवांदिगार केपितेकीभावनदेद गोलीवांधिरावे अंजनकरैतै नासदेरतै लेपकरैतैतसककेकादे  
कोविषहरिहोएकहरामैऔर सर्पनकेविषकीकौनवातहे ॥ अथ ॥ हरर मधु मरिच ही ग मरसिल व च समलेद एकत्रपानीमैवांदि  
गुटिका करिरावेसासदेरकालकौकावेजिअ ॥ अथ ॥ असगध चौराईकीजर भैसागुग्गुल घरकौधौसो गोमूत्र सैपीसिकंदमैसिरमैलेप  
करैसर्पविषहरिहो ॥ असगधकौपेवांगलेदकेरीकेमूत्रमैवांदिलेपकरैनासदेर पिअवेसर्पविषजार ॥ अथ ॥ पतजिआकेफलकी  
विजीगारकेदूधमैवांदिलेपकरै अंजनकरैनासदेरकालकौकावेनोकोहोद अथवापिआवे ॥ अथ ॥ कारेधतरेकीजरकौचूरीये

सांभरिकरंजकोतेल अथेलाभरिमैवदिकाकरैजंवीरेकरससैपिअं गविषहरिहो ॥ अथ ॥ लज्जुकीजर अथवालीलकीजर पानीमैवांदि  
पिअवांडीसर्पकोविषहरिहो गुग्गुचीकीजरलेपकरै ॥ अथ ॥ घरकौधौसो हरद दारुहरद चौराईकीजर एकत्रवांदिहरीमैघीउसंयुक्तपि  
असर्पविषहरिहो ॥ अथ ॥ चौराईकीजरचाउरनकेधोवनमैपिअतसककोविषहरिहो ॥ अथ ॥ परवरकीजरकोनासदेरसर्पकोविषहरिहो  
३ अ० आदित्यचक्रुवावृष्टोहंहरविषंस्वाहा ॥ अनेनमंवेनोक्तजोगा भिमंत्रयत ॥ अथ ॥ विष्णु कांताकीजरघीउसैपिअरसगतविषहरि  
हो ॥ दूधसैपिअरसगतविषजार कूटकेचूरासैयादमांसगतविषजार हरदसैपिअस्थिगतविषजार लंगलीसंयुक्तदेदमेदागतविषजार  
पीपरिसंयुक्तदेदमज्जागतविषजार कनैरकीजरसंयुक्तदेदसुक्रगतविषजार विष्णु कांतासैसर्पविषकीदआदिदेहरिहो ॥ अथ ॥ जबसर्प  
कादेतववेगिदैकानकौकनोरलेदकेडेरेनकुवामैलेपकरैअरुमनुष्यकेमूत्रसैदेहसीचैतौधातुगतविषनहोदयभिरहैसप्तधातुमैनदोरे ॥ अथ ॥  
असगधकीजरहाथमैवाधेविषजार ॥ अथ ॥ कुटकीजामुनकीजर मठाभैवांदिपिअअथवापानीमैवांदिपिअतेहिसरावमनहोदविषहरिहो  
अथ ॥ मरसिललोगा व च सौहि मरिच पीपरि हरर आदौ एकत्रवांदिनासदेरसर्पविषजार ॥ अथ ॥ सुहजनैकेबीजा सिरसकेकूल के  
स्वसकीभावनदेददिनसाततवअंजनकरै नासदेरपिआवे सर्पविषहरिहो ॥ अथ ॥ अजैपालकीबीजी निंबूकेरसकीभावनदेद  
गोलीवांधिरावेमउषकोलारमैघसिअंजनकरैसर्पविषहरिहो ॥ अथ ॥ पलासकीअंतरालवांदिछानिछुहीमांटीघोरिपिअवेसर्पवि  
षजार ॥ अथ ॥ करियातेहकीजरपानीमैवांदिपिअवेसर्पविषजार ॥ अथ ॥ करियासायकादेतौमांटीगेरुपिआवेआमकीगोहीकोनास  
देर अरुआमकोगोहीवांदिपिअवेविषहरिहो ॥ अथ ॥ रक्तवैस अक्ष्यावरी गडैता एकादेतौ स्यादअकोलाकीजर मरिचमांटीपा



सगरसं०  
१२२

नीमै पि आवै ॥ अन्य ॥ नीम के पात मरिच पानी में बांदि पि आवै मेरुन आवै ॥ अन्य ॥ नीम के पात नोन मरिच पानी में बांदि पि आवै विष  
हरि होइ ॥ अन्य ॥ चौर की जर पीपरि चाउर के धोवन में बांदि पि आवै सर्प विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ चौ गोडा का दो तो पीपरि धीउ एकत्र पि आवै ऊ  
पर तेम रिचै चवाइ विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ गौड ता साप का दो तो कारी गुरी सर कर रपाठ पानी में बांदि पि आवै अरु पान कोर स अध सेर धीउ मिलार के  
सरीर में लेप करे विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ लहसन अध सेर पारता पीछे धीउ मरिच पि आवै मरिच निबूर स से घसि अंजन करे नी को होइ ॥ अन्य ॥ छोटी कडाई  
की जर पानी में बांदि पि आवै अरु का दो होइ तहा लगवे अरु हींग को ना स देइ ॥ अन्य ॥ कसौ दिन के बीजा पानी में बांदि पि आवै सर्प विष हरि होइ ॥ अन्य  
॥ अहा सर्प का दो होइ तहा घघना दे के सिंगो लगावे रक्त कडाई डारे अरु कमा दे को ना स लेइ विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ सिरस को ये चांग सीतल पानी में घोरि पि कांदि  
आवे विष जार मनुष्य को मृत पाउ सेर पि आवै सर्प कोरे को विष जार ॥ अन्य ॥ फुफुरी साप का दो तहा गानियार की जर लगवे घेख ले को व कला बांदि लगवे  
नाग दोन पानी में घोरि पि आवै पथर सा की जर सीतल पानी में बांदि पि आवै विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ डिउ का साप पानी में रत तें जो कांदि तेम रिचै बांदि पि आवै वि  
ष उत जार थोरे विष होत है ॥ अन्य ॥ दियर फुफुरी तो धीउ मरिच पि आवै अरु नीम मरिच बांदि उपर लेप करे नी को होइ ॥ अन्य ॥ धमना उतना विष का  
ए कांदि तो लील चना की दार हरी हरद एकत्र बांदि देह में लेप करे नी को होइ ॥ अन्य ॥ विष्ठी पर ॥ चमगादर की दोऊ अधे या स राधे विष्ठी ना कांदि  
॥ अन्य ॥ विष्ठी कांदि पर ॥ लाल अमर के पत्र वाइ विष्ठी को विष उतरि जाइ ॥ अन्य ॥ अजै पाल की विजी पानी में बांदि लेप करे उंक्ल गौ होइ तहा तो  
विष्ठी को विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ कठ से स्वा की जर पानी में घोरि लगवे विष विष्ठी को उतर जाइ ॥ अन्य ॥ जमरा सी की जर पानी में घासि लगवे  
विष्ठी को विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ आल की जर पानी में घोरि लगवे विष्ठी को विष उतरि जाइ सा मूर नोन लगवे ॥ अन्य ॥ गार को धीउ गरम करि से धो

कांदि

रा०  
१२२

नोन डारि पि आवै विष्ठी कांदि की पीडा जार ॥ अन्य ॥ जहा विष्ठी कांदि होइ तहा भिलमा की धूप देइ ॥ अन्य ॥ चूरा अरु ते लउं क पर लगवे उत  
रि जाइ ॥ अन्य ॥ सौ दि बांदि ना स दे तो विष्ठी उतरै ॥ अन्य ॥ नादन बन को पान धीउ से लगवे उंकर पर ॥ अन्य ॥ सिरस के बीजा के सर मरसिल  
कनै के बीजा एकत्र बांदि गोली बांधि राधे घसि के उंकर पर लगवे विष्ठी उतर जाइ ॥ अन्य ॥ सोरा पानी में घोरि लगवे ॥ अन्य ॥ चमगादर कांदि ॥  
मरिच सौ दि से धो नोन सौ चर नोन नाग वेल के रस में लेप करे वर ही विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ सत घड़ी देह ॥ घजूर की जर बांदि तल में ले  
प करे विष जार ॥ अन्य ॥ हरद हा रु हरद मेरु मरसिल पानी में बांदि लेप करे विष हरि होइ ॥ अन्य ॥ लता विष हरि कर ॥ हरद दा रु हर मजीठ  
पतंग नाग के सर सीतल पानी में पीसि लेप करे जो विष लग जात है सो लता का वे जै से करे भिलमा लग जात है सो हरि होइ ॥ अन्य ॥ लता के रस  
नी को होइ तथा विरोजी बांदि लेप करे ॥ इति विष निवारण कम्मरत्ना रथोत्तरात् ॥ अन्य ॥ अजीर्ण मंजरी ॥ कठ हर पाए की होइ तो के राधार के राके  
अजीर्ण होइ तो यकी जभीरी को रसापि अजभीरी के रस को अजीर्ण होइ तो नोन धाद नोन को अजीर्ण होइ तो कउन को धोवन पि आवै सेव सि मेयो की  
अजीर्ण होइ तो वे सवार घवावे सौ मरिच पीपरि धना जीरे दरिमा पीपरामूर एकत्र के सो वे सवार कावे फेनी की अजीर्ण होइ तो लौ गै धाद  
पापर को अजीर्ण होइ तो सुत जने के बीजा पानी में बांदि पि आवै पुवा माडे लडवा सुहरी गूरु आदि दे सके पचि वे को धी परा मूल देइ ना रि यर तल  
फल इन को अजीर्ण होइ तो चाउर को धोवन पि आवै आम को अजीर्ण होइ तो दूध पि आवै विरोजी को अजीर्ण होइ तो हर से पचै मूत्र वा वेल फल चो  
र अह्न घजूर के रस इन को अजीर्ण होइ तो नीम की निबोरी बांदि पि आवै पीपर वर उमरि पाकर इन के फल वा एकी अजीर्ण होइ तो वा सो पानी पि

अजीर्ण



सोरसं०  
१२३

आवेपचिजाइ दरिमा आवरे तालफल तेह विजोरे वडहर के फल इनको अजीरा होर तो भौरसिरी की जरपावे वेरवा की अजीरा होर तो चाअदेर चा  
उर की अजीरा होर तो राईकोटिपि आवेपचिजाइ सिधारे की अजीरा होर तो सीतलपानी पिअे चावर विरवा बुलत चवाए होर तो अजमोदा पीपरिघार साली  
की अजीरा होर तो दहीको पानी पिअे मांस की अजीरा होर तो कांजी पिअे नारंगी की अजीरा होर तो गुडघार गोजर की अजीरा होर तो ककरीघार उरदकी अ  
जीरा होर तो धरासेपचे चना की अजीरा तो सराघार भूग की अजीरा आवरे सेपचते जुनरी की अजीरा अजमोदे सेपचते उरदघाउ सेपचते उरथी  
तेल सेपचते सेव अतत वदाम पिसा दाघ इनको अजीरा होर तो लोरीघार कमल वजर केथ अतत हरर इनको विकार होर तो दधपिअे सोठि वेल  
को जर सेपचे समा पसर कांगुनी को दो मोठ इनको अजीरा होर तो मंथ सेपचे सनुवा घीउ अथवा भातघाउ पानी मे सानिकेन बुहत पतरोनगो से  
मंथक होवे अरहर की अजीरा होर तो कांजी सो चरपिअे मिठार की अजीरा सीतलपानी सेपचे पिधरो की अजीरा से धौ नोन सेपचे कौछ मुजोरा  
नीम की जर सेपचे धीर की अजीरा भूग के मोड सेपचे मास की अजीरा मठा पिअे पचिजाइ मछरी की अजीरा और मास सेपचे सब सालुन तिल के  
घार सेपचे सरसो वधुवा चैब की भाजी की अजीरा होर तो धेर को सार और टिका थपि आवे पचिजाइ मछरी की अजीरा आम के फल घार पचिजा  
इ कछवा के मांस की अजीरा होर तो जवाघार सेपचे लील कपिजल कषाय कपोत इनके मांस की अजीरा होर तो कुस की जरवां टिपि आवे  
परवर वांस के अंकुर करेला इनको अजीरा होर तो पलास को काथपिअे सरन की अजीरा होर तो गुडघार अरुचउर को धोवनपिअे पि  
ठारुसकल के दकी अजीरा को दो सेपचे कसेरवा की अजीरा सोठ सेपचे गार के दूध की अजीरा माउ मे मठा पिअे पचिजाइ भौस के दूध से धौ नो  
न सेपचे रही संवधूरा सेपचे सिधरिन चिक डु सेपचे वाउ सोठ सेपचे गुड सोठ मोथा सेपचे वराही की अजीरा आदे सेपचे मदकी अजीरा रा०  
१२३

सिखरन सेपचे सिधरिन चना सेपचे सर्व फल घाए को अजीरा जिवाघार तेपचते ताते सो सियरो पचे सिधरे ते तो पचे नोन वर सेपचे घर नोन  
सेपचे चिकन री सेपचे रुबो चिकन री सेपचे पानी की अजीरा होर तो सौ नोन तो कर के पानी मे बुकावे वारसात सो पानी पिअे पानी की अजीरा  
पचिजाइ सो ने के पानी की अजीरा होर तो मोथा मधुघार ॥ इति अजीरा मंजरी ॥ अथ नहरुवापर ॥ वडर के बी  
जा गो मूत्र से पीसिले पकरे नहरुवा जाइ ॥ अथ ॥ गार को घीउ पिअे दिन तीन नहरुवा जाइ ॥ अथ ॥ तिगुंडी को खरस पिअे दिन ३ नहरुवा जाइ ॥ अथ ॥  
हरसार की जरवां टिले पकरे नहरुवा जाइ ॥ अथ ॥ परवा के विष्टा मधु एक वांदि गो ली करे एक गो ली लील जाइ नहरुवा नी को होइ ॥ अथ ॥ वट के पाए गार के  
पुठामे वांदि पिअे नहरुवा जाइ ॥ अथ ॥ छिपनी को घुना वारिके दही मे पिअे नहरुवा जाइ ॥ अथ ॥ डोसुवापर ॥ वडी द तोन की बुक्ती सर एक सात दिन बोधे तो  
नी को होइ ॥ अथ ॥ धिन हीपर अगु रिया मे होत है ॥ किरवारे की अंतरछाल परवा की लै डी एक वांदि बोधे धीउ जाइ ॥ अथ ॥ मानस को हाउ पानी  
मे वांदि लगावे नी को होइ ॥ अथ ॥ सूरन के के द को लि के तिहि मे अगु री रावे घुहर के गो जो मे रावे धीउ जाइ ॥ अथ ॥ छाजन पर ॥ आक की जर गार के मठा मे  
घोरि नोन डारि लगावे छाजन जाइ ॥ अथ ॥ घोषा वारिके गार के नैन मे मधिके लगावे छाजन जाइ ॥ अथ ॥ कठार की जर पानी मे घोरि लगावे छाजन जा  
इ ॥ अथ ॥ निनवापर काल के मूठ मे होत है ॥ अंठी निवारी की विजी नीम के पान हरद साबुन रमिली को सौर सब पानी मे वांदि ले पकरे मूठ मे निनवानी को  
होइ ॥ अथ ॥ गुवा की विजी अरस के तेल मे वांदि रास करि लगावे निनवारी ॥ अथ ॥ अरु री रोग आघ मे होर ता को ॥ वभूर की फली टिका च रंगुर  
मासे अगार सुहंभा मासे अगार मरिच मासे अगार सैडर मासे अगार अफीम मासे अगार एक वांदि निवू से गारि गो ली वांदि रावे निवूर से लगावे



सार सं०  
१२४

वायुगो जाद ॥ अथ अंडपर भीमके पानवाटिलगावै दिन सात तो अंडवनी को होइ ॥ अथ कंडूषाजु चिकित्सा ॥ हरद दास हरद गंधकतेले में वा  
टिले पकरै धातु जाद ॥ अथ ॥ हरद गोमूत्र में पीसि के उबड़नौ करै धातु जाद ॥ अथ ॥ कनेर के पान दूध में वाटि नैनू से ले पकरै कंडू जाद ॥ अथ ॥  
पोपरि सैधो पमार के बीजा गोमूत्र में वाटि आरनाले से ले पकरै पमार कंडू जाद ॥ अथ ॥ चाउर के भांड उबड़त दिन धरि रोषे धातु होइ सो आरनाले कहावै ॥ अ  
थ ॥ तुमरिया दूध में वाटि नैनू से ले पकरै कंडू जाद ॥ अथ ॥ सततु छपर ॥ कठुमरि की जर को वकला अजीर की जर को वकला छेवले के दूधरा गाद के म  
ठाई लगावै उपरिले कोते ललगावै ॥ अथ ॥ मिरगी को ॥ केसरि चंदन को नास देर ॥ अथ ॥ जवमिरी आवै तवमिरी को नास देर की रागि रिपर ॥ अ  
थ ॥ हाथ पाउ जर को ॥ घघुदन के बीजा गाद के मवा में वाटिले पकरै हाथ पाउ में दाह जाद ॥ अथ ॥ वेरी के पान आवेरे कंडेरन के धावन से ले पकरै दाह जाद  
अथ ॥ कषर चंदन पानी से ले पकरै दाह जाद ॥ अथ ॥ तिपनी की जर हसन सन से ले हाथ सैवा धै तिजारी जाद ॥ अथ ॥ गुग्गुली की जर  
रविवार को लेर कान से वाधै तिजारी जाद ॥ अथ ॥ ब्रह्म देडी तज लारची वासे पानी से वाटि पिअतिजारी जाद ॥ अथ ॥ जारफल एक सौ दिपैसा  
पाच भर मरिचै पैसा डेठ भरि गुड पुरानो पैसा पंद्रा भरि भांग पैसा दो भरि दूध गाद को सेर अथ लोग रंकरि स गुड दूध अदिगाता करै सब औ  
घटै वाटि मिलार के गोली वाधै पैसा भरि पार दिन रकर सतै तिजारी जाद पथ्य दूध भात ॥ अथ ॥ सौधा चंदन उरई मरिच काय करि देर तिजारी जाद  
॥ अथ ॥ नूरत के भएव घा की लैडी ३ मरिचै ३ तीन दिन देर तिजारी जाद ॥ अथ ॥ तुलसी के पान को रस टंक ३ मिश्री टंक ३ एक चंदेद तिजारी जाद दिन ३  
देर ॥ अथ राघन पर ॥ सेत गुग्गुली की जर अतवार के दिन ले दवां टिलगावै राघन जाद ॥ अथ गनुवावात पर ॥ गारा न की कोयै सैधो नोन अ

रा०  
१२४

जवाहन एक चूर्ण करि पार १२ गनुवावात जाद ॥ अथ ॥ नेगड की जर पार अधेला भरि दिन ७ घालै वाशौ न घाद ॥ अथ ॥ कोरे जीरे अजवाहन  
मौसम लेर चूर्ण करि पार १२ गनुवावात जाद ॥ अथ ॥ मौतिया कंदतेले में घुरै कंदतेले ललगावै गनुवावात जाद ॥ अथ ॥ कावर बाव को औषद ॥ गूसा  
के फूल को रस अजन करै कावर जाद ॥ अथ ॥ त्रिफला गरिद दास हरद हरद नीम की छाल काय करि मधु टंकर गरिपि आवै कावर वाउ जाद ॥ अथ ॥ कु  
टकी टंकावा उटका चूर्ण करि पार नित्य दिन ७ ॥ अथ ॥ हींग बोषी आवै अजै दिन ३ ॥ अथ ॥ विसषयरी की जर वासे पानी में पिअे दिन ७ ॥ अथ ॥  
आर के फूल वाटि ६ जल में पिअे रोज ३ तैनी को होइ ॥ अथ ॥ भगंदर ॥ बटके पान सौठि गरिच पथर सगा पानी में वाटिले पकरै भगंदर जाद ॥ अथ ॥ तिल नि  
पोत नगदेत मजीठ घीउ सैधो नोन मधु एक चंदेदिले पकरै भगंदर जाद ॥ अथ ॥ कनेर हरद बडी दतोन की जर लागली नोन चिताउर विजौरी की जर आक की  
जर कुरी एक चंदेदिले लमेय कावै तेले ललगावै भगंदर जाद ॥ अथ ॥ बडी दतोन की जर हरद आवेरे एक चजल से पीसिले पकरै भगंदर जाद ॥ अथ ॥ गुहालेप ॥  
वर के पान सौठि गरमे सैधो नोन पथर सगा मवा में वाटिले पकरै गुहा की पीडा जाद ॥ अथ ॥ तिल अंडी जाद दूध से वाटिले पकरै गुदा की पीडा जाद ॥ अथ ॥  
वाइ विडंग वाटि भैसके घीउ से पिअे ॥ अथ ॥ तिल कोतेल गरम थिले पकरै ॥ अथ ॥ कीविजीया नीम वाटिले पकरै ॥ अथ ॥ कतहरत होइ तौ बटके पाप  
नीम वाटि वाउ उडि पिअे ॥ अथ ॥ भौरी पर ॥ ५ अजवाहन वाटि नास देर भौरी मिट्टे ॥ अथ ॥ सरिका माता ॥ बत बेल पाती में चूर्ण भिजे रावे राति के प्रा  
त काल छाने पिअे अथ वा काय करि पिअे ॥ अथ ॥ रमिली के फूल हरद सीतल पानी में वाटि पिअे अथ वा माता कहिवे को होइ नवतौ मातान को अ  
स्कवै तो पीडा न होइ ॥ अथ ॥ लिख की पर ॥ नग के सर तज बेल को गूदा कुरी गाजर के बीजा एक चंदेदिले मधु से देर दिवकी जाद ॥ विषम ज्वर पर ॥ पीप  
रि मरिच आवेरे चिताउर सैधो नोन मावा सम वाटि चूर्ण करि ताते पानी से देर ॥ विषम ज्वर जाद ॥ अथ ॥ शीत ज्वर पर ॥ सौठि मिरच पीपरी लोमास



सारसं०  
१२५

मलेरचूराकिरीसीतलजलसेदेर ॥ १२ ॥ शीतज्वरजार ॥ अथअवलेही ॥ काइफूर भारंगी धना पीपीर जावे मात्रासमलेरचूराकिरीमुधैदेरकासस्वा  
सवातरोममुधैगजीभफोलाश्लेषमसर्वजार ॥ अथमरदन ॥ सौटि पीपीर असगंध कूट कारफूर वच अजवारन मात्रासमवांदिमर्दनकरेसी  
तज्वरेजार ॥ अथविरेचन ॥ हरर अजवारन निसोतसैधोनोन पीपीर मात्रासमवृत्तिकरितातेपानीसैदेरटंक १ ॥ कारलगे ॥ अथवंधनपर ॥ अ  
उकीजर सौटि ॥ कुरो वेल कुचला मात्रासमकायकरि अश्रीमरनी १ घोरिपिअवेसहस्रवेगसके ॥ अथपीनसपर ॥ निगुंठी समदफूर छरीकेहधमे  
घोरिनासदेरएकनकुवापातएकसंधादिनसाततोनीकोहोर धीउयाडसैभोजनकरेनोननघार अरुजोमाथेमेकीराहोरतो धीउयाडकीवातीवनारके  
न १ ॥ मेदेरकीरागिरपरे ॥ अथकंठमेकफूहोरताको ॥ अथदेकोरस विजोरेकोरसवचकाइफूर उरंदान सुहजनैकोरस एकत्रउल्लकरिपि अकेकठकफू  
दीरहोर ॥ अथपटेरिनकोरलाज ॥ छेवलेकोरदमराहोर १४ वारविडंगटंक २८ विजोरेकोरकलाटंक १४ एकत्रकरिचूरापानीसैदेरटंक २ पटेरैगिरै  
जार ॥ अथवनघजरकीजरटंक २४ ५ एकत्रपानीसैदेरपटेरैजार ॥ अथविमारपर ॥ तिलनोनहरद एकत्रलेपकरैविमारनीकीहोर ॥ अ  
थधानुपरतहोरज्वरहोर ॥ संघाहली गुरिच मरिच पानीमेवांदिघाडउरिपिअनीकोहोर ॥ अथतिमिरपर ॥ आवरेकेपातकोरसटंक १ मधुटंक  
१ एकत्रकरिपिअतिमिरजार ॥ अथदाउपर ॥ साजी साबुन कबूला गारकेमठामे लगावैदाडजाउ अपरसदूरिहोर ॥ अथ ॥ साजीसाबुन सहसन  
चूनासमलेरसवतैहनेनिबूरसलेरएकत्रकराहीमेघोटेलोहेकेघोटासैतवलागावैदाडजार ॥ अथ ॥ आश्रीमहरद पवारकेबीजा आवरेचूराको  
रग गारकेमठामेघोरिधरिघेदिन ३ फेरिलगावैदाडजार ॥ अथ ॥ कछदादको ॥ अथआमारेकेबीजा साजीदारुहरद घूरनकरिगारकेमठामे  
घोरिकेधरिघेदिन ७ तवमथिकेलेपकरैदाडजार ॥ अथसियरोहोरभूमहोरमंदादिनहोरसुनवारहोरतापर ॥ काइफूर ११ वच २५ मरिच

यू

श०  
१२५

अंतरधालके

कुचला घुरासानीजीरे कारेजीरे पीपीर अजवारन ॥ २५ ॥ अजमोद आमीहरद जावलीहरद कसौदिनकेबीजा रंजजो वेरकीबीजी गदाकीविजी तामेसुरमा  
से २ वेगमासे २ जाइफूर गुडपुरानेसरपाउ मधुसर अध सवएकत्रचूराकिरीके गुडमधुकराहीमे अथदेजवगाहोहोरतवउतारिकेचूरामितारदेरगुदि  
कावाधे ॥ १२ ॥ सामसवारकादतोनीकोहोर ॥ अथअजनेत्रेगपर ॥ लोगा ॥ निबुरामेकोलकोलकेभरिहर पुनिनीमकीजरकोलिके निबुवाधेतीनरेजरहन  
देरपीछेअचिलेरपुनिलोगे अचिकेवाटिलेरनिबुवाकेरससौकोसैकेवासनमैलालपेसोसोमारैघरी४जवसिबुहोरतवधरे अथपेपानीकोफोहोदेरदिन ८  
सीतलपेरैतवअजन अजैताकेगुन जोरीकरै फूलीजाइदरकाधुंधवारजारजैतिनिरमलहोर ॥ अथपियकोनपर ॥ लारवी ॥ १२ कवावचीनी ॥ १२ वेचिनी ॥ १२  
कलमीसोरा ॥ १२ एकत्रवांदिचूराकिरीकेतीनभागकरै एकभागइधमेपिअ अरुअपरतैइधसेर ५१॥ पानीसेर १ मिलैकेसवदिनपिअतरहपेसावकीएहसवपिअराइ ॥  
गुतओरेएहीप्रकारतीनदिनकरैचोयोदिनजारफूर ॥ १२ ॥ मिश्रीपाउसेर एकत्रवांदिघाड ॥ २५ ॥ तौसर्वपिअराइजारजुरजारभूपलगेपय्यइधभात ॥ अथअपरसपर ॥ सा  
बुन ॥ १२ मरिच ॥ १२ कमलगराकीविजी ॥ १२ गारकोनैम ॥ सर्ववांदिचूराकिरीनेचमेमथिकेलेगावैअपरसजार ॥ अथअतीसारपर ॥ सौटि धवरकेफूल मोचरस अजमो  
दमाअसमतातेपानोसैपोसिपिअ ॥ १२ ॥ अथवाभटासैपिअ अतीसारइरिहोर ॥ अथ ॥ लोध रंजजो मोचरस मोथा वेल धवरकेफूल समलेरगुडसेगुरिकावाधे ॥  
घारअतीसारजार ॥ अथ ॥ जाइफूरलहसन अतीस वेलकोरगदो सौटि मात्रासमअधवसेषकायकरिदेरअतीसारजार ॥ अथ ॥ लोध रंजजो मोचरस  
मोथा वेलकोरगो अतीस अश्रीमजारफूर सौटि पोस्ता उमरकोइध ॥ २५ ॥ भाग ॥ १२ कुरोमरिच धवरकेफूल पूवकला दरिमकीवोटी सवएकत्रवांदिचू  
राकरैतिनसकेरसकीपुट १ जाअनकरैसकीपुट १ आवरीकेपातकेरसकीपुट १ आमकीअतरधालकेरसकीपुट १ कवनारकीअतरधालकेरसकीपुट १ अ  
उकेजरकीरसकीपुट १ मुधैकेचूराघाडउजन ॥ १ ॥ ताकेगुन आवरुनेसुरसवेगसकेबंधनहोर ॥ अथ ॥ अतीस अश्रीमरर सेमरकीमादवरकेबीजा स  
मलेरएकत्रवांदिउमरकेइधसेसानिगोलोचनाधमानकोधेघारबंधनहोर ॥ अथकामस्वासासासीपर ॥ काइफूर काकरअश्री धना पीपिसीपीपसूरहर

उ

त



सप्तमं  
१२६

भरंगी अकलकरा मात्रासमचूर्णकरिभुंसेदे॥ १२५॥ सीजा॥ अन्व॥ वडीकलईकेफल लौग मात्रासमचूर्णकरिसांजसवारिपादनीकोहो॥ अन्व॥  
वासादिगुटिका॥ सौसेर४ कलईसेर१२ मूकीअतरछलसेर१ एकत्रकुरियानी २० मेचुरैवैजवसातसेरपा नीरदेतवछानिलेइतिहिपानीमेअजवारनसेर१  
एकचुरैवैजवअजवारनसवपानीसोषजाइतवसुधैकेचूरणकरैअसुऔरओषदेमिलावै सौठिपीपरिमरिच हर आवरे वहेरेकाकराअंगी भारंगी पीपरामूर  
चरव धिताउर सौ चरनौन दोरकलई मात्रासमदेकपाचपाचलेइचूर्णकरिअजवारनमौमिलाइएकत्रकरि गुडसेर१ पागकरिसवचूर्णमिलाइगोलीवाधेयैसा  
एकभरो२५ दिनप्रतिपादकफसासीजाइअपचमिदै॥ अन्व॥ आककीवोडीसुधैकेचूरनकरैदेक४ मरिचदेक४ एकत्रकरिसांजसवारिपादनीकोहो॥ अन्व॥  
अर्धकीलकरीपा नीसैधमिलैगमरिचवांदिगोलीवाधेचनाप्रमानयाइयासीजाइ॥ अन्व॥ वसूरकीअतरछल॥ धेरकीलकरी॥ धौकीछालि॥ अमरवेल॥  
सोकेपान॥ हरिमाकेवकला॥ दोरकलईकीजरे॥ सवएकत्रकुरिकैगाधरभरेयानीमेचढावैजवसेर भरपानीरदेतवछानिलेइतिहिपानीमेओदेजवरावसो  
होइजाइतवओषदेचूर्णकरिउरै लौग॥ १२६॥ मरिच॥ १२॥ अकलकरा॥ १२॥ कुरैदाना॥ १२॥ काकराअंगी॥ १२॥ पीपरि॥ १२॥ हर॥ १२॥ सवमिलारैकेगोलीवाधे  
चनाप्रमान सांजसवारिपादनीजाइ॥ अन्व॥ सौठिमरिच पीपरिहरवहेरे आवरे जीरे कांरजीरे वच धना हीग सैधोनौन सौचरनौन साम्हरनौ  
नपाति छुटियानौन एसवपाचपाचदेकलेइ जवाकौचूरनसेरअध॥ एसवओषदेकांदिनवाकेचूरनमेमिलाइएफेरिहरकेइधसेआककेइधसे  
सानिरोहीकरैफेरिवहरावीघेरीकीलेडीवदरायोदेकैलेडीभरैतावेवीरोटीधरेआगलगाइदेइजवजरिकैराघहोइतवकाहिलेइतिहिपानीमेओदेजवरावसो  
कैदेइमासो१ रोजपाइदिन२१ राजयक्ष्माजारकासस्वाससूलजाइभूषलगायासीजाइकफजारवारजाइ॥ अन्व॥ लौगदेक१ अकलकरादेक१  
अजवअनदेक१ विफलादेक१ चिकइदेक१ धतूरेकेबीजादेक१ दोरकलईकीजरदेक१ एसवचूरनकरिफेरिसेकेरसेसैधरलेदिन१ गोमूत्रसेधरलेदिन१ वारि

रा०  
१२६

भ

केरससैधरलेदिन१ आदेकेरससैधरलेदिन१ पात्रकेरससैधरलेदिन१ फेरिचमाप्रमानगोलीवाधेयाइदिनप्रतिपासीजाइ॥ अन्व॥ अकलक  
रादेक१ अफीमदेक१ जाइफरदेक१ अजमोदेक१ धतूरेकीबीजादेक१ जवाधारदेक१ सवएकत्रवांदिधतूरेकेफलमेभरैसोफलकनिकछापिकैआगसै  
वारिदेइफेरिवांदिकेवकनीकरैपानसैधाइतीचारिदिनप्रतिपासीजाइ॥ अन्व॥ धुहरकोगडालेइउपरकोवकलाछोलिउरैभीतरकोगडालेइतिहि  
केगतराकरैतवसैधोनौनयैसापाचरेलेइएकवासनमेनौनविष्टाइदेइतवगतराधरिदेइतवअपरतेनौनधरिदेइपाकेकाकिदेइकपराटीकरिकैसुधैकेआ  
गमैधरामेओषदेइदिनसातलौआगनुमानयावैआठयेदिनकाहिलेइवांदिकेपाइतीएक१ इसेदिनरती२ तीसरेदिनरती३ चौथेदिनरती४ पाचये  
दिनरती५ छठयेदिनरती६ सातयेदिनरती७ आठयेदिनरती८ प्रमानतवदेउजोरखाइदांतसोनलगायासीजाइ॥ अन्व॥ वहेरेकेफलकेवकलापुराने  
हरहरकीजर धतूरेकेबीजामात्रासमपीपरिपीपरामूर सववादिचूर्णकरिधारदेक॥ यासीजाइ॥ अन्व॥ अगस्तियाकेपानपिअरेलेइछाहमेसु  
खैकेवांदेतवपीपरिमरिचमात्रासमचूरनकरिधारमात्रादेक॥ यासीजाइ॥ अन्व॥ वसूरकीअतरछल॥ सुमिलसंखियादेक॥ नौनपाचरेदेक॥ साजीदेक॥  
सुहागदेक॥ जवाधारदेक॥ सौठिदे॥ पीपरिदेक॥ मरिचदे॥ हरदे॥ वहेरेदे॥ आवरेदे॥ नौसादरे॥ पीपरामूरदे॥ सवएकत्रवांदिनिचूकी  
फाकेकरैबीजाकादिउरैतिनफाकनमेसवचूर्णभरिदेइतवएकहांडीलेइताकेभीतरअजवारनयैसापाचभरिविष्टाइदेइताकेउपरनिचुवाकीफा  
केसुधीधरिदेइतवहांडीकोमुहभूदिकैतीनदिनधरीरहनदेइचौथेदिनचूलेपरआवदेइपहर२ जवलोसवओषदजीजाइतवसिसलकरिकैउ  
तारलेइसवओषदनिकासिकैएकत्रवादिचूर्णकरैमावारती२ नीचूरससैधरपासीजाइ॥ अन्व॥ मोथा सौठि हरगुड समलेइचूनेगुडसे



सारसं०  
१२७

जो लीवाटे १२ अषमैराधै तीन दिन मै वासी हरि होइ ॥ अन्य ॥ छेरी को मूत्र टका १०० वहेरे के फल १०० छेरी के मूत्र मै पकावे जव मूत्र सूख जाइ तव  
वहेरे के फल निकालि लेइ सुवै के चूरा करि मधु सैषा १२ कास स्वास जाइ ॥ अन्य ॥ २ आदो ५० गुड ५० धना २५ अजमोद २५ जीरे २५ तज २५  
पत्रज २५ लोह की २५ मोथा २५ सब एकत्र पाग करे अवलेह सो राखे १॥ कास अर्श ज्वर पीन ससृजन गुल्म क्षयी रोग जाइ ॥ अन्य ॥ वासुरही  
गुरमै पदमाव देवदारु विफला विकटु वारविडंग समलेइ चूरन करि मधु सैषा १२ कास स्वास जाइ ॥ अन्य ॥ रुसौ हरदधना गुरिब भार्गी की  
परि सौंठि कवई समलेइ अष्टावसेष काय करि मरिच के चूरा सिंयुक्त देइ कास स्वास जाइ ॥ अन्य ॥ लवगा दिवटिका ॥ लोम मरिच वहेरे के फ  
ल केवकला समलेइ वाटि चूरा करि मरुकी अतर छल को काठो करि तिहि मै घोडि वटिका वाधे १॥ कास स्वास जाइ ॥ अन्य ॥ सौंठि अष्टावसेष का  
य करि देइ वात कफ हरि होइ दृष्टि निर्मल होइ हृदरोग उदर रोग आम अतीसार सुलभ दानिकास स्वास सर्व हरि होइ ॥ अन्य ॥ सरसौ कोते ल  
गुड वाइ स्वास हरि होइ ॥ अन्य ॥ मधु याड मरिच को चूरा एकत्र वाइ कास स्वास हरि होइ ॥ अन्य ॥ कवई को अष्टावसेष काय करि पीपरि को चू  
रन डारि पिअे वासी हरि होइ ॥ अन्य ॥ पीपरि पीपरामूर वहेरे सौंठि समलेइ वाटि चूरा करि मधु सैषा १२ वासी हरि होइ ॥ अन्य ॥ वहेरे को  
फल मुखमै राखे वासी हरि होइ ॥ अन्य ॥ सौंठि भार्गी अष्टावसेष काय करि देइ स्वास हरि होइ ॥ अन्य ॥ सौंठि मरिच पीपरि चूरा करि देइ गुड घी  
उसैषा १२ वासी हरि होइ ॥ अन्य ॥ आदे को रस मधु एकत्र करि वाइ कास स्वास हरि होइ ॥ अन्य ॥ रुसौ अष्टावसेष काय करि देइ वासी हरि  
होइ ॥ अन्य ॥ रुसौ को रस मधु एकत्र करि पिअे वासी हरि होइ ॥ अन्य ॥ विफला गुरिब चित्ताउर वाइ सुही वारविडंग सौंठि मरिच पीपरि सम  
लेइ वाटि चूरा करि वावर वाउमिलाइ केषा १२ वासी हरि होइ ॥ अन्य ॥ पीपरि हरर सैधौ नैन चित्ताउर मावा समलेइ वाटि चूरा क

१०  
१२७

रिषा १२ वासी जाइ भस्म लेज्वर जाइ ॥ अन्य ॥ रुसौ को कलावां टिकै रस काहिले तिहि मै पुह कर मूलतज वाटिकै रुसे के रस मै पिअे वरुण वासी हरि  
होइ ॥ अन्य ॥ कवई जर पेड समेत लेइ वाटिकै गोला वाधिकै अंड के पान मै लपट के माटी छाविकै अगि मै पकावे रसि चोइ लेइ आदे के रस संयुक्त देइ  
कफ हरि होइ ॥ अन्य ॥ लंबा वारिकै मधु सै देइ कफ हरि होइ ॥ अन्य ॥ रुसौ कवई गुरिब काय करि मधु संयुक्त देइ कास स्वास हरि होइ ॥ अन्य ॥ आम वात १॥ २  
बलोषार तिल कोषार अमामोरे कोषार अकोवा कोषार भूरा कुम्हडा कोषार एकत्र देक १० पीपरि देक १० पुरानो गुड देक २० मिलै के वाइ देक ३ आम वात  
जाइ ॥ अन्य ॥ साजी रूट करी कोर तिल पुरानो गुड छेवल कोषार एकत्र करि गुड सै गोली करी २५ वाइ आम वात जाइ ॥ अन्य ॥ अतजने की छालि को चूरन  
पैसा दस भर ५० सरसौ पैसा दस भर ५० सामर नैन पैसा दस भर ५० लहसुन पैसा बीस भर २० सरसौ कोते लपे सपंद भर १५ स व एकत्र पीसिके धरि सै वाइ  
पैसा १२ भर आम वात जाइ ॥ अन्य ॥ धानु रुखि पर सौंठि असगंध देवदारु चंदन वांड मांजा सम हूध मै पिअे १२ धानु पुह होइ ॥ अन्य ॥ थरसगा की जर करे  
छके बीजा गुंठु रुखंड मावा सम वाटि हूध मै पिअे १२ पुष्टि होइ ॥ अन्य ॥ मकर ध्वज गुटिका ॥ गुरगुरु ११ जोर फल ११ जोर जी ६ करे छके बीजा २० गो  
रुवा ११ सतावर २० विलारि कंद २ असगंध ३० पत्रज १० तज १० आवरे १० नाग के सर १० गुरमै को सतु १० ताल वुवार बीजा १० चंवंशलोचना १० रातो चंदन १० जाइ फ  
र १० जाइ पत्री ६ सब आस दे वाटि वाड समलेइ पां करि गुटिका करे वाइ १० प्रमेह धानु मूत्र कृष्ण मूत्र घात जाइ काम वटै पुष्ट होइ ॥ अन्य ॥ मोसुरा दिको  
अवचूर्ण ॥ गुरगुरु के बीजा १० करे छके बीजा २० गोरुवा की जर को चूरा १० सतावर १० विलारि कंद को चूरा २० सामस की जर को चूरा २० कवरी के बीजा की  
विजी २० असगंध ३० तज १० पत्रज १० लोह की १० पीपरि १२ आवरे १२ लौगा १२ नाग के सर १२ चंवंशलोचना १२ मूसरी १२ गुरिब को चूरा १२ लाल ध  
हना १२ एकत्र वाटि चूरा करि पिअे सै मरु के रस की पुट २१ कस के रस की पुट २१ कोस की जर के रस की पुट २१ तव घोड सव की वराव  
रमिलाइ केषा १२ नखवीर मूत्र कृष्ण थरी प्रमेह धानु दोष सब हरि होइ पुष्ट होइ कामो दीप न होइ ॥ अन्य ॥ सौंठि सर १० हूधगा



इको सेर ५५ तिहि मै सोठि पचावे जव को वार होत व और ओषदे मिलो वे सो फट का ३ धनो २ लो ११ घ व ज ११ घो यरा ११ त ज ११ लार वी ११ नाग के सर ११  
 लो यर ११ कामराज ११ तेजराज ११ सिधारे ११ अकल कर ११ असगंध ११ तोलीस ११ मूसरी ११ सता वरि ११ जार फर ११ गाद ११ सब ओषदे बूरा किरी सोठि मै मिता ३  
 ६ देर सब ते दूनी को उपाग करि कै धार ११ प्रहर दूरी होर स्त्री पुष्ट होर वंध्या स्त्री के गर्भ रहे पुत्र होर देह की पियराई जार आम वात का सत्वा सर रूपि न  
 मेदाग्नि पोतुरोग कामल ए सर्व जाइ पुखवाइ तो कदर्य होर पुष्ट होर ॥ अथ नाम दर्पण ॥ कमाइ की जर टे क उ ईश्वर लिं गी टे क उ करे छ के वी जा टे क उ  
 घाउ टे क उ इधमाइ को सेर १११ सव एक वद्ध मे ओटियो वा करे धार ११ दिन प्रति से जम से रहे नी को होर ॥ अथ महेंद्र सोठि ॥ सोठि सनुवा ॥ गार के म दाम रावे दि ५॥  
 न होर मठा सेर १॥ माटी के वासन मै चठावे अफीम चोखी १२५ सोठि ॥ औटै वेल की ल करी वारै वेल की ल करी संचलावे जव गाढो होर त व कर दिया मै चला  
 वै जव कसार सो हो जाइ त व उतारि कै और ओषदे मिलो वे जार फरा २५ लो ११ २५ लार वी २५ सैधो नोन २५ सोचर नोन २५ वडागरी २५ एक चपी सि सोठि मै  
 मिलार के धार २५ मरू जाइ पावन होर व होर भूष लगे सेगुहनी अती सार जाइ वेधन होर ॥ अथ करी पर ॥ आदौ भरत के हांग अजवाइन पीपरि  
 वच सोठि सैधो नोन सब बांदि वेर की गु टिली की वार वर गोली बांधे धार पेट की मरू जाय गुल्म निरोध जार ॥ अथ विस्रविका ॥ लहसन जीरे हांग सैधो  
 सोचर नोन विकड अजवाइन मावा सम बुरा किरी निवुरस की पुटे ३ देर सुवै के धार ११२ अजीरा जाइ विस्रविका जार ॥ अथ वृहदग्नि मुख चूरी ॥ माजी  
 धार जवाधार बिताउर पाठ कर ज के वी जा गार न के वी जा सैधो नोन सोचर नोन साम्हर नोन धारी छुटिया नोन लाइ वी मोथा भारगी वाइ विडेग हांग  
 पुह कर मूल कचूर हास हरद निसेत मोथा वच इंदु जो आवरे अम्ल वेतस गजपीपरि जीरे इमिली दरिमा सोठि पीपरि मरिच मिल मा शुद्ध अजमोद अ  
 जवाइन देवदारु हरर अतीस स्पाम निसेत ह पुषा किरवारी मुटु जनी ताल बुधारे के वी जा छे वले के दमरा आक को धार तिल को धार अजा करे को  
 धार थूहर को धार लोहे को कीट बनायो गो मूत्र को बुजायो समलेख बाटि चूरा करे बिजौरे के रस की पुटे दिन ३ मठा की पुटे दिन ३ आदे के रस की पुटे

दिन ३ सुवै सुवै के देर भोजन के उपरांत धार ११ अग्नि होइ अनार गुल्म ह्री ह और जे पेठे रोग ते उदर बाधि अंच वृद्धि अष्टी ली वातरक्त मेदाग्नि अजीर की मिहुरि हो  
 र भोजन भात दार सब विजन धार जव लो गार दुरे तितनी वेर मय बिजार मठा पाच करे ॥ अथ अपच होत होर आ फर होर तापर ॥ सोठि ज नोन पाचर ११ १२ गो मूत्र मै डा  
 रिणवे दिन ७ जव सोषि जाइ त व बांदि चूरन करि धार ११ जी को होर ॥ अथ अम्ल सोठि ॥ सोठि सनुवा ॥ जार फर येसा २५ सैधो नोन ११ सोचर नोन ११ मठा गार को सेर ५  
 एक च माटी के वासन मै चठावे जव पविजार त व सुवै के साम सवारै धार २५ आउ मरू निदार् जाइ वृष लगे विषम जुर जार रुधि होर वल होर सल जार ॥ अ  
 थ आम वात सजन को लेय ॥ सोठि हांग ६ कूटा ६ वर के पाये ११ धतूरे के रा मेल पै के लेप करे दिन ३ तो सजन जार ॥ अथ कपलापर ॥ कूट की मरिच निसेत हर  
 मावा सम धार सै धार दिन २५ तोनी को होर ॥ अथ मर्द विदो पर ॥ सुहाग फुलै के हांग सोठि असाध एक च बांदि मर्दन करे सब देह मे ॥ अथ कंडु लेप ॥ इव हरद  
 सैधो नोन पमार के वी जा सव एक च बांदि मरु मे धारि ल गावे धा जार ॥ ओषद छाजन पर ॥ रा ११ वचा ११ सुहाग हरि र्य धूको १६ घेरा ६ से दुरा ६ धीउ ६  
 डारि कर दिया मै वै ओषदे डारि देर जव बुर जाइ त व उतारि ले ३ धिल पानी ल गाइ के त व उतारि ले ३ धिल पानी ल गाइ के त व ओषद ल गावे धा जन जार  
 ॥ अथ जा की जी भ मे फो रा पर त होर ता को ॥ साले की अतर छल वेल को अतर छल नीम की अतर छल धवर् की ३ तुर ह से की जर अंड की जर मजीठ रातो  
 चंदन मावा सम म जोठ पानी सेर ५१ मैव फारो ल डूरे के मुख धार के दिन ३ नो को होर ॥ अथ ॥ आम की गोही तज लार वी जा य फर हरर तै इ के वी जा  
 चिरो जी वादाम की वी जी सव एक च बांदि जिया के जर के रा सो लेय करे रक्त विकार मुख पाक जार ॥ अथ बाल के मुख रोम पर ॥ कस्तूरी च वल  
 सुपारी घैर के कोल मरिच लार वी एक च बांदि व मे ली के पात वा तुलसी के पात मै ल गावे मुख पाक नो को होर ॥ अथ मूड पीर पर ॥ तज पानी मै पी सिंदो  
 ई गुल गुला वात रुवा मै लेप करे मूड पीर जार ॥ अथ मुख रक्त प्रवाह ॥ आवरे धीउ को जी बांदि माथे मै ल गावे पहर २ बार दिन करे नी को होर ॥ अ  
 थ ॥ मोथा उरई कम लगटा चंदन दूव क मो दिन को मो सभ लेय बाटि इधवा पानी मै लेप करे लिलार रक्त पित्त ना क की रा हर रक्त गिरत होर सो नी को होर ॥



मास ०  
१२८

अथ बालक के जन्म पर ॥ धतूरे के पत्र नीम के पत्र नागवेल के पान रन कोरगानि चोर उष्ण करिये तैल गावै बालक को जर नो भिदे ॥ अथ गिलसी को ॥  
हीर ही ४ गुजर ती ४ हींगर ती ८ गोमूत्र मेवां टिकै ते पै कैल गावै अंड के पात के से करै नी को होर ॥ अथ अडुयरा पांरो ॥ मुर दा सेव ॥ एक चधी उडारि  
कै घर ल करे दिन १ तवल गावै नी को होर ॥ अथ स्त्री के फूल न होर ता को ओषध ॥ वडी टिया री की जर टंक उ कर ना के फूल टंक ४ एक चपा नी मे ओटै जव  
अधा वट होर तव पि अतो फूल होर ॥ अथ लार ची चूर्ण ॥ पारो सुद गंध क गुग्गु अधेला अधेला भरि एक चक जरी करे घाटे पहर ४ तव और ओष  
दे मिलो वै सैठि मरि च पीपरि अतो स का कर अंगी मोथा जाद फर लोग जाद पी जीरे लजन काद फर भारंगी धवर् के फूल मो चर स वेल को  
गूदो मावासम अधेला अधेला भरि भुज के डोरे एक च घर ल करे पहर २ तक सैधौ रि पि अटे का १ बालक को मासे २ गुहरा १ अती सार पांडुरोग का स  
स्वा स मंदाग्नि सल ववे सी विषम ज्वर गुद रोग सर्व जाद ॥ अथ संग्रहनी को ॥ चिरा र तो १ कुट की १ सौट १ पीपरि १ मरिच १ मोथा १ कुरो १ चिता उर २  
गुसेरा क १ सब ओटै बां टि चूर्ण करि गुड सैसा नि गोली बाधे १५ पार गुहरी ज्वर अतो सार गुल्म पांडुरोग जाद ॥ अथ ॥ सौटिये सार सैधौ नी  
न पैसा १ हींग फूल रसा से ८ मुहाग फूल कै पैसा २ सुहजने की अतर छल के र सैषर ले गोली बांधे वर पमान एक गोली पार पाव भरि मठा पि अ  
संग्रहनी जाद ॥ अथ ॥ कोरे जीरे १२ वडा १५ छा ३ १२ चूर्ण करि एक च जाद ॥ संग्रही जाद ॥ अथ विषम र्भते ल वात रोग पर ॥ धतूरो निर्गुं डी वाद त्स  
री पयर सेगी अंडै अस गंध प्रवार चिता उर सुहजने की छाल म को र्था किर कि चे हार् नीम की छाल व का रन की छाल सौना की जर पाउ  
र की जर वेल की जर पुन्नेर की जर गनिवार की जर दोऊ वलारे की जर धुर धु रू की जर दोऊ कलार् की जर सतावरि कठऊ मरि करी गुरी सर  
काद फर बिलार् कंद घूर धैर की जर मेठा सिंगी सैत कनैर की जर लाल कनैर की जर जई अजा जोर पसारि न तर वहेरे आवरे सावास  
मट काट का भर तिल को तेल १६ अंडी को तेल १६ सरसौ को तेल १६ सब ओषध पै नी मेवां टिके तेल मे पचावे मेद आवे मे जव सव पि जा र त वते

रा०  
१२८

लछानि लेर तव कार फर १२ भारंगी १५ पाडा १२ नौ सादर गंध क पुह कर मूल मर सिल क चूर सब अधेला अधेला भर बां टि चूर्ण करि के वर त वारी के तेल मे पचा  
मिलार दे २ विषा सिंगी या चिन सौ धो टका २ वारी क चूरन करि के तेल मे मिलार दे र फिर न चुरे वै धरि गावै सर्वा वात हरि होर कृषि पीर भोट की पीर पीट की  
पार सर्व संधि विषे सोय घ घु सी मि सै वात होर सो सब हरि होर सर्व रोग फाटन होर सो जाद दे डा पतान क अधेला करानाद सन्यता कंप वात अर्ध वात वा  
धिर्य गंड माला अफधी गुं थि सिर कंय अयतं वक अनेक सर्व वात हरि होर तेरा सनि पात जाद जै सै वने मे सिंह आवै अरु र्भ भजि जाद असे विषम र्भते ल के  
लगा ए सै सर्वा वात रोग जाद ॥ अथ सिंहरा दितै ल ॥ सिंहरा पैसा १ जीरे १ पानी मे पीसि के तेल मे पचावे तेल टका ५ जव पि जा र त व छानि कैल गावै पाभा द  
रि होर ॥ अथ जीरे कादि चूर्ण ॥ जीरे हरर सौटि पीपरि दरिमा के फूल लोग गुरि च जादो रो हिसर चारे की जर उरई चंदन अज मोद आवरे चिरा र तो करे  
छके बीजा दोऊ वलारे की जर गुरु धु रू की जर दोऊ कलार् की जर दाध पि पार मूर चिता उर पि तयाय रौ क चूर मोथा मूसरी परवर के पान त ज पत्र ज लार ची  
देवदारु घमरा आदो मावासम चूर्ण करि धे शि के पुटे ३ गुड की पुट भोजन करि के पाद १ वात ज्वर पित्त ज्वर चि दोष ज्वर कफ ज्वर दंड ज प्रमेह ज्वर रक्त ज्वर म  
ल ज्वर सर्व ज्वर हरि होर विषम ज्वर हरि होर ॥ ओषध वंधनी ॥ ओरा साखंध क धी उ मे से धि कै लेर हींग सौटि पीपरि मरिच लहसन सैधौ नोन जा  
र फर एक च चूर्ण करि निंदूर स की पुटे उदेर के चना प्रमान गोली बाधे साऊ सवारै पार से यनी जाद ॥ अथ वंधन ॥ आम की अतर छल आवरे चूना  
गार के रूध मे घोरि कै नु र ही पि अवे धे ज होर वार स कै ॥ अथ अस गंध पाक ॥ अस गंध सेर १५ रूध गाड को सेर ५ अस गंध धुरे वै जव घोवा हो  
र जा र त व और ओषध मिलो वै सौटि मरिच पीपरि हरर वहेरे आवरे कामराज उरई वंश लो चना कमलगवा मूसरी कंद सतावर चिता उ  
र कूट जीरे स्याह जीरे मोथा क चूर जाद फर जाद पी य ३ वष गुरु धु रू के बीजा चि रो ची मो चर स नाग के सर लाल चंदन दाध पीप  
र मूर करे छके बीजा धना देवदार चंदन क करी के बीजा अज वा रन घु रा सानी दाल चिनी पुह कर मूल मेथी अज वा रन लार ची सि











२५

१५  
२४

विषं भाजं दध्याः कपं दः पंच भाजकाः मरिचं नव भाजं च चूर्णं वस्त्रेण सोधयेत् अर्द्धे कस्पर सेना स्पृश्या  
 न्मुग्द निभां वंटी सांघं प्रातः श्रु संयोज्या एवा सेकं शे कफे तथा अजीर्ण हिक्का शूलेषु ज्वरे दुर्जले पा  
 पानयोः कसारि वृत्ति ॥ निसर्ग शीत ज्वरे ॥ सोनपट्टे क्लृप्त निंबकी धाल इंदु जेव मोठे नागर मोथा पुनुका ॥  
 त्रिफला गुडूची एहि कायकी दवाई पांच पांच मौ से लेना एक गहक ज्वरे उसीर चंदन दाल नागर मोथा  
 गुडूची धनित्रा नागर काय करि मधु मिश्री का योग करि दे ३ अथा वलेहः ॥ मिर्च १ कीपरि १ ववाक्षार ॥ दा  
 डिम्वट कट १ मिश्री ४ वासा काये ८ नव लेहः ॥ • दवा कै दस्तमी ॥ सोफ जीरा इलाची स्पाह जीरा वो  
 दोषा कपूर रुचरी समारवे पपीता का चंद नर तीर और सव दवा चार चार मासे ले ३ अर्ध सेर पानी मा का ठा फरे  
 अध पाव पा नीवा श्री होत वच्छ निले ३ पित्रै दफे दोर चारि घरी के इतर मा ॥ हजमे की दवा धार फरा तीया दामिया ॥ शं  
 व मरु १ उदे सलीम १ धोधी शोधी १ सुरा कर मा से दू गो वषत ॥ सुरमा ॥ धरिया सो नार की मा से ६ म  
 मीर ६ तैम पात अम्रा मा हर दी ३ हर नतु तीया ६ इति

वेहनी वि  
रुता

(वैद्य क) सार संग्रहः

१५  
२४

२५  
२८